DIGITAL EDITION
मायापुरी
WEEKLY ENTERTAINMENT
218
बढ़ रही है बॉलीवुड में सीक्वल बनाने की होड़
सीक्वल

फिल्म एवं टीवी साप्ताहिक
मायापुरी

Digital Edition 218 www.mayapuri.com

संस्थापक
स्व. श्री ए.पी. बजाज

प्रधान संपादक
पी. के. बजाज

व्यवस्थापक एवं संपादक
अमन बजाज

स्वामी प्रकाशक व मुद्रक
पी.के. बजाज
प्रेस का नाम व पता -
अरोड़बंस प्रेस ए-5, मायापुरी, फेस-1,
नई दिल्ली - 110064

प्रकाशक: श्री.एस.एल. प्रकाशन
ए-5, मायापुरी, फेस-1,
नई दिल्ली-110064
दूरभाष- 011-28116120, 28117636
011-45595096

Member I.N.S

प्रकाशित ऑनलाईन लेखों के लेखकों की राय से संपादक का सहमत होना आवश्यक नहीं. किन्तु लेखों पर अगर किसी को आपत्ति हो तो वह अपनी प्रतिक्रिया हमें लिखकर भेज दें। मिलने पर सहर्ष लगा दी जाएगी। इस पत्रिका या ऑनलाईन लेखों के संबंध में किसी भी प्रकार के मतभेद एवं विवाद आदि केवल दिल्ली कोर्ट्स में ही निपटाए जा सकते हैं

Email: edit@mayapurigroup.com

यहां हमसे जुड़े

Mayapurimagazine | Mayapurimag

Mayapurimagazine | Mayapuri Cut

www.mayapuri.com

संपादकीय

कहां थमेगा, कब थमेगा "सीक्वल" फिल्मों का बोलबाला ?

क्या बॉलीवुड में जहिनियत का खात्मा होगया है? यह एक ऐसा विचारणीय प्रश्न है जो सुनकर पढ़े लिखे बौद्धिक समाज को झकझोर देता है। या फिर सिनेमा उद्योग में डरपोक किस्म की प्रजाति बढ़ गयी है जो हर मामले में सुरक्षा कवच में दुबक कर कारोबार करना चाहती है। अगर ऐसा नहीं होता तो वासु भगनानी जैसे कामयाब फिल्मकार को 26 साल बाद अपनी ही बनाई फिल्म 'बड़े मियां छोटे मियां' को दुबारा उसी नाम की सीक्वल "बड़े मियां छोटे मियां 2' बनाकर पछताना नहीं पड़ता। यह भ्रम नहीं टूट जाता कि बड़े स्टार (अक्षय कुमार, टाइगर श्रॉफ) होंगे तो नैय्या पार हो जाएगी।

सीक्वल फिल्मों की एक लंबी फेहरिस्त है। भारत मे पहली सीक्वल फिल्म **'हंटरवाली की बेटी'** बनी थी। जब निडर नाडिया की फिल्म 'हंटरवाली'(1940) के बाद लगा कि नाडिया के लिए नया विकल्प क्या हो? तब 'हंटरवाली की बेटी' (1942) बनाकर होमी और नाडिया ने एक नई शुरूआत की थी। इसके बाद उसी विकल्प की कड़ी को हम आज 'सीक्वल' नाम देकर पहचानते हैं। बड़ी लम्बी लिस्ट है सीक्वल फिल्मों की, यहां हम कुछ नाम बड़े स्टार्स की फिल्मों के ही गिना रहे हैं -

सरकार 3, डॉन2, जिस्म2, धूम3, आशिक़ी2, कृष3, जुड़वा2, गोलमाल (गोलमाल अगेन, गोलमाल रिटर्न), हेराफेरी, गदर2, नागिन (नगीना), ड्रीम गर्ल2, टाइगर 3, बडे मियाँ छोटे मियां2, लगे रहो मुन्ना भाई, सिंघम3, (सिंघम रिटर्न, सिंघम), घायल वन्स अगेन (घायल 3 आनेवाली है) हॉउसफुल(2,3,4 और आएगी 5) भूल भुलैया2, सत्या2, वेलकम बैक, गैंग्स ऑफ वासेपुर2, रागिनी mms2, हेटस्टोरी3...आदि आदि ऐसी तमाम और फिल्में हैं जिन्हें देखने के लिए थियेरेटर गया दर्शक समझ ही नहीं पाता कि एक ही नाम की बनी फिल्म में कौन सी पहली है और कौन सी दूसरी या तीसरी ।कोई कोई फिल्म तो अपनी चार सीक्वल भी रखती हैं। इसीतरह OTT प्लेटफॉर्मों पर सीजन1, सीजन2 और सीजन3 तक कि वेब सीरीज - सीक्वल फिल्मों का ही रूप हैं। अब तो संजय लीला भंसाली एक और 'हीरामंडी-द डायमंड बाजार 2' बनाने जा रहे हैं! पहली हीरामंडी ही वास्तविक नहीं मानी जा रही है तो दूसरी सीक्वल पर लोग कैसे विश्वास करेंगे? जाहिर है पहले में आधा पैसा डूबा तो दूसरी में कितना डूबेगा!

सवाल यह है कि क्या सिनेमा की नगरी में बौद्धिकता ने दम तोड़ दिया है? या अच्छे लेखक नहीं हैं भारत में? या यह मान लिया जाए कि सिनेमा के टूटते बाजार में पैसा सुरक्षित रहे, इस सोच के साथ 'सीक्वल' बनाये जा रहे हैं। हर फिल्म की सीक्वल बनाने की आजकल अनाउंसमेंट इसी वजह से ज्यादा हो रही है कि फिल्म का पैसा सुरक्षित रहे। हम यहां याद दिलाना चाहेंगे कि सीक्वल फिल्में वही चलती हैं जो अकल से बनाई जाती हैं। नही चलती, उसकी वजह भी खंगालनी होगी।

गोलमाल की तीनों फ़िल्में, सिंघम सीरीज, 'टाइगर' सीरीज की तीनों फिल्में और 'भूलभुलैया' सीरीज की दोनों फिल्में इसलिए चली क्योंकि कहानी अलग थी किंतु उनका मूड एक था। दर्शकों को पता था कि वे क्या देखने आए हैं। जबकि 'बड़े मियां छोटे मियां' (अमिताभ-गोविंदा) एक कमेडी फिल्म थी, हिट फिल्म थी। और, उसकी सीक्वल 'बड़े मियां छोटे मियां 2' दूसरे मूड की फिल्म थी। इसे देखकर दर्शक निराश हुए और भारी नुकसान का सामना करना पड़ा। जाहिर है नकल को भी अकल चाहिए। फिल्में पिट रही हैं, सिनेमा घर बंद हो रहे हैं। ऐसे में जरूरत है निर्माता सीक्वल की सोच से परे भी सोचें। भारत मे जहिनियत या अच्छे लेखकों की कमी नहीं है। बस जरूरत है नजरिया बदलने की।

जो भी हो, सीक्वल फिल्मों का इतिहास बड़ा लम्बा है। ऐसी फिल्में बनने का सिलसिला कहां तक चलेगा, कब थमेगा, कुछ कहा नहीं जा सकता।

संपादक

बॉलीवुड की वो सीक्वल फिल्में जिनका फैंस बेसब्री से कर रहे हैं इंतजार

–प्रीति शुक्ला

बॉलीवुड एक ऐसी इंडस्ट्री है जहाँ कि फिल्मों को न सिर्फ नेशनल लेवल पर पसंद किया जाता बल्कि इंटरनेशनल लेवल पर भी इसका दबदबा बना ही रहता है. हर शुक्रवार को जब नयी फिल्म बड़े पर्दे पर लगती है तो हर एक्टर का यह सपना होता है कि फिल्म ऑडियंस को पसंद आये वही अगर फिल्म सौ करोड़ या फिर एक हजार का टारगेट पार कर लेती है तो उसे बम्पर हिट माना है ऐसे में जब फैंस को फिल्म पसंद आती है तो सभी फिल्म के सीक्वल की मांग करने लगते हैं. पिछले सालों में कुछ ऐसी हुई फिल्में आयी थी जिनके सीक्वल का इंतजार फैंस बेसब्री से कर रहे हैं ऐसे में हम आपको बताने जा रहे हैं कि आने वाले समय में काउन्स से फिल्म के सीक्वल आने वाले हैं.

सिंघम अगेन

रोहित शेट्टी की सिंघम सबसे ज्यादा मनोरंजन करने वाली फिल्मों में से एक है. इसे फैंस का खूब प्यार मिला है. और अब निर्देशक सिंघम 3 के रूप में इसकी तीसरी किस्त के लिए तैयारी कर रहे हैं. फिल्म में अजय देवगन, दीपिका पादुकोण और रणवीर सिंह के अलावा कई और सितारें हैं. बता दें यह फिल्म साल 2024 में स्वतंत्रता दिवस पर रिलीज होगी,इससे पहले फिल्म के दो भाग आ चुके हैं जिसे बेहद पसंद किया गया था फैंस अब सिंघम अगेन का बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं.

एनिमल पार्क

संदीप रेड्डी वांगा और रणबीर कपूर एक और

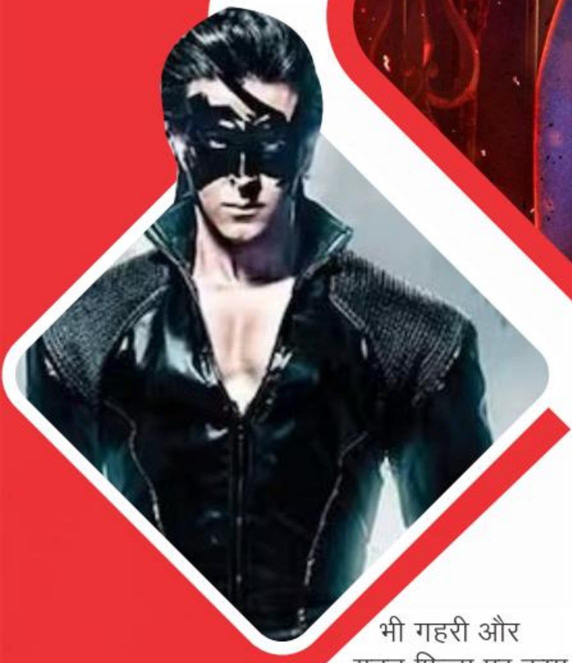

भी गहरी और गहन फिल्म पर काम करने की सोच रहे हैं चूँकि 'एनिमल' ने इतना अच्छा प्रदर्शन किया, ऐसा लग रहा है कि वे 'एनिमल पार्क' नामक एक फिल्म के साथ आगे बढ़ रहे हैं, जहाँ रणबीर कपूर 'एनिमल' भाग 2 में एक बड़ी और गहरी कहानी का हिस्सा होंगे

वॉर 2

हालाँकि सीक्वल की वास्तविक कहानी अभी भी गुप्त है, लेकिन यह माना जाता है कि यह कहानी पिछली हिट वॉर के अंत से शुरू होगी, जहाँ कबीर, जिसे एक गुप्त एजेंट के रूप में चित्रित किया गया था, को एक गुप्त मिशन पर देखा गया था। हालांकि, इस बार माना जा रहा है कि कबीर को कुछ बड़ी चुनौतियों और खतरों का सामना करना पड़ेगा यह फिल्म मनोरंजक जासूसी और एक्शन कहानी में एक और दिलचस्प मोड़ देने की गारंटी देती है

पुष्पा 2

साउथ सुपरस्टार अल्लू अर्जुन की 'पुष्पा 2' (च्नीचं 2) काफी समय से सुर्खियों में बनी हुई हैं. हाल ही में फिल्म का टीजर जारी किया गया था जिसमें अल्लू अर्जुन के लुक ने फैंस के रोगंटे खड़े कर दिए. जानकारी के लिए बता दें जल्द ही रश्मिका मंदाना और अल्लू अर्जुन की जोड़ी बॉक्स ऑफिस पर कमाल करने वाली हैं. फैंस बेहद बेसब्री से फिल्म की रिलीज का इंतजार कर रहे हैं.

सालार 2

साउथ सुपरस्टार प्रभास की अगली आने वाली फिल्म 'सालार 2' को लेकर इन दिनों काफी चर्चा है. केजीएफ फेम डायरेक्टर प्रशांत नील की प्रभास स्टारर फिल्म 'सालार' की बंपर सफलता के बाद हर किसी की नजरें इस फिल्म के दूसरे पार्ट पर हैं. फिल्म का दूसरा भाग पर्दे पर देखने लायक होगा

कृष 4

एक आगामी फिल्म में, ऋतिक रोशन सर्वकालिक प्रिय सुपरहीरो कृष की अपनी

भूमिका को दोहराते हुए दिखाई देंगे, जो अतीत में कई चुनौतियों और खलनायकों से निपटने में कामयाब रहे हैं। इस बार कृष, समय के माध्यम से यात्रा करने की शक्ति से लैस होकर, खुद को एक अतिरिक्त खतरे का सामना करता हुआ पाता है। फिल्म तेज गति वाले एक्शन और ड्रामा के रोमांचक मिश्रण का वादा करती है, जिससे एक और किस्त की उम्मीदें बढ़ जाती हैं जो पिछली किस्त से बेहतर प्रदर्शन कर सकती है

बजरंगी भाईजान 2

सलमान खान की फिल्म 'बजरंगी भाईजान' तो आपको याद ही होगी बड़े पर्दे पर यह फिल्म साल 2015 में 17 जुलाई को रिलीज हुई थी. बॉक्स ऑफिस कलेक्शन के बारे में बात करें तो इसने बंपर कमाई की थी. सलमान खान की बेहतरीन फिल्मों में से यह अच्छी फिल्म है. ऐसे में अब सलमान की बजरंगी भाईजान के सीक्वल को लेकर फैंस लम्बे समय से इंतजार कर रहे हैं

केजीएफ 3

साउथ इंडस्ट्री की सबसे पॉपुलर फिल्म केजीएफ चैप्टर 1और 2 (KGF: Chapter 2) ने बॉक्स ऑफिस पर जबरदस्त कमाई की थी.डायरेक्टर प्रशांत नील द्वारा निर्देशित इस फ्रैंचाइजी में यश 'रॉकी' के रूप का किरदार में नजर आए. वहीं लंबे समय से हर किसी को 'केजीफ 3' का इंतजार है. जहाँ फैंस फिल्म के सीक्वल का इंतजार कर रहे हैं ऐसे में आपको बता दें फिल्म साल 2025 में रिलीज होगी

पठान 2

बॉलीवुड के किंग शाहरुख खान ने साल 2023 में पठान से बड़े पर्दे पर धमाकेदार वापसी की थी. इस फिल्म को फैंस ने खूब पसंद किया और बॉक्स ऑफिस पर भी हिट रही. हाल ही में खबरें आई थी कि इस फिल्म की सफलता के बाद मेकर्स इसके सीक्वल की तैयारी में जुट गए हैं. ऐसे में अब देखने लायक होगा कि मेकर्स फिल्म को लेकर कब नयी अपडेट लेकर सामने आते हैं.

साहब, फिल्मों की कॉपी या सीक्वल फिल्में बनाने की बात छोड़िए, लोग अभिनय और तखल्लुस की सीक्वल भी बनाते हैं !

– शरद राय

अमिताभ बच्चन, अनिल कपूर और जैकी श्रॉफ के बाद दूसरे स्टार भी हाइकोर्ट जाने की तैयारी में

दिल्ली हाइकोर्ट में जैकी श्रॉफ ने अपने तखल्लुस 'भिडू' और उनके लिए बोले जाने वाले नाम 'जग्गू' / 'जग्गू दादा' आदि तथा अपने फोटोज के मिस यूज करने को लेकर एक याचिका दायर किया है। दरअसल सितारों की फोटो क्लोनिंग और डीपफेक तस्वीरों (नग्नता) और बयानबाजी

(पोलटिकल और सोशल) की खबरों के बाद बॉलीवुड की नई खबर है कि जैकी श्रॉफ दिल्ली हाइकोर्ट में याचिका दिए हैं कि लोग उनकी पर्सनालिटी, नाम (जैकी, जग्गू, भिडू) , तस्वीर आदि का मनमाना उपयोग कर रहे हैं। वालपेपर, कार्टून, विज्ञापन, GIF, और AI की तकनीक से उनको 'इंसल्ट' करते हैं। इन दिनों बॉलीवुड में एक नया खौफ बन गया है। रश्मिका मंदाना से शुरू हुआ नंगी– तस्वीरों– डीपफेक और आमिर खान के डीप फेक चुनावी बयान ने सबको डरा दिया है कि कल को वे किसी मुसीबत में ना उलझा दिए जाएं, जैकी श्रॉफ जैसे सीधे सरल आदमी का डर इसी सम्भवना से बचने की कोशिश है।

जैकी श्रॉफ से पहले पिछले सितंबर 2023 में अनिल कपूर ने भी हाइकोर्ट में एक ऐसी ही याचिका किया था । अनिल कपूर के तखल्लुस 'झकास' का मनमाना उपयोग बिना उनकी अनुमति के होता रहा है। कई डुप्लीकेट अनिल कपूर स्टेज पर और विज्ञापनों में उनकी शैली मिमिक करते नजर आते हैं। दिल्ली हाइकोर्ट ने अनिल कपूर की याचिका पर 'पर्सनॉलिटी राइट' की सुरक्षा के लिए अंतरिम ऑर्डर पास कर रखा है। क्या रुका सब, बेशक सवाल है यह? क्योंकि तमाम लोगों को इसका पता भी नहीं है।

2022 से अमिताभ बच्चन ने भी उच्च न्यायालय से इसी तरह का इंजक्शन पा रखा है। अमिताभ ने अपने नाम बिग बी, अपने अंदाज, संवाद अदायगी और तस्वीरों के गलत इस्तेमाल पर रोक लगाने की गुहार किया था। उनकी आवाज, नाम आदि के उपयोग से वह चिड़चिड़ा गए थे।कई ऐप्स, लॉटरी, टीशर्ट, स्टेज आदि पर उनके अंदाज में फिल्म 'डॉन' का पान चबाना, 'अग्निपथ' की भराई आवाज में बोलना, केबीसी में उनके बोले गए वाक्य 'कम्प्यूटर जी' 'लॉक किया जाए' जैसे वाक्यों का उपयोग किया जाता रहा है। अमिताभ बच्चन पहले व्यक्ति रहे हैं जिन्होंने पर्सनालिटी स्वायत्तता की बात उठाया। रश्मिका मंदाना के डीप फेक पर भी वह बोल चुके हैं।

सितारों के डुप्लीकेट का होना पुरानी बात है। राजेश खन्ना, शशि कपूर जैसे सितारों के डुप्लीकेट खोजकर आईएस जौहर ने पूरी फिल्म बनाई थी। महमूद के डुप्लीकेट जूनियर महमूद उनके साथ ही फिल्म में काम किए थे। आज सभी सितारों के डुप्लीकेट हैं जो स्टेज पर अभिनय करके अपना घर चलाते हैं। यहां तक तो ठीक था किंतु बदली तकनीक के कम्प्यूटराइज युग मे अब सितारों की क्लोनिंग एक बहुत बड़ा खतरा है। सीक्वल फिल्मों का बनना एक व्यवसाय है लेकिन नकल व्यवसाय नहीं है, चोरी है। जैकी श्रॉफ और उनसे पहले अनिल कपूर और अमिताभ बच्चन का दिल्ली उच्च न्यायालय से गुहार करना, अपनी पर्सनॉलिटी की सुरक्षा के लिए अंतरिम इंजेक्शन प्राप्त करना एक जरुरी कदम है। खबर है और कई सितारे अपने हाव–भाव प्रदर्शन, मैनरिज्म, तखल्लुस और तकिया कलाम के साथ अपनी तस्वीरों के मिस यूज को लेकर कोर्ट जाने वाले हैं।

आमिर खान ने घोषित किया – बनेगी 'सरफरोश 2', इसीलिए रखा गया 'सरफरोश 1' के 25 वें साल का विशेष सेलेब्रेशन

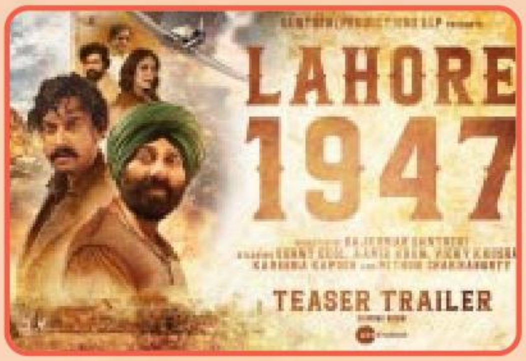

– शरद राय

मुम्बई के जुहू पीवीआर थियेटर में 1999 में रिलीज हुई, कामयाब फिल्म 'सरफरोश' के विशेष शो रखे जाने की खबर सुनकर नसीरुद्दीन शाह थोड़े हैरान हुए थे, लेकिन जब उन्हें आमिर खान ने

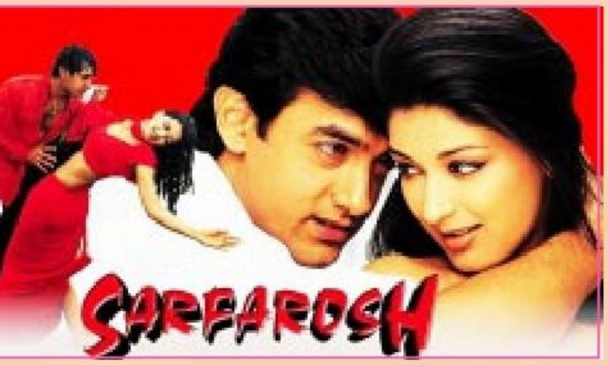

सिल्वर जुबली ईयर सेलिब्रेशन की खबर खुद फोन पर सुनाया तो कैरियर और शरीर दोनो से बीमार चल रहे नसीर के शरीर मे उत्साह भर उठा था और ऐसा ही कुछ सोनाली बेंद्रे को भी फील हुआ था जब आमिर का फोन उन्हें मिला। 'सरफरोश' की स्पेशल स्क्रीनिंग पर चंदन सिनेमा पीवीआर पर फिल्म के सितारे और फिल्म इंडस्ट्री के लोग एक जश्न मनाए जाने के रूप में वहां मौजूद थे। आमिर खान, नसीरुद्दीन शाह, सोनाली बेंद्रे, जॉन मैथ्यू मथान का उत्साह देखने लायक था। मुकेश ऋषि, गोविंद नामदेव, मकरंद देशपांडे, अखिलेन्द्र मिश्रा, सुकन्या कुलकर्णी, रमेश तौरानी आदि इसी फिल्म की 25 साल पहले की गयी प्रीमियर की यादें ताजा करते दिखाई पड़ रहे थे।

'सरफरोश' के बारे में बतादें की 1999 में रिलीज हुई यह फिल्म पुलिसिया कथानक की बेहतरीन फिल्मों में एक है जिसमें पुलिस की ईमानदार छवि पेश की गई है। इस फिल्म में एसीपी अजय सिंह राठौर की भूमिका में आमिर खान का एक बेहतरीन अभिनय सामने आया है। इस फिल्म की दूसरी खास बात है कि भारत–पाकिस्तान के प्रॉक्सी युद्ध के फिल्मांकन को लेकर बनाई गई वह फिल्म है जब दोनों देशों के बीच तनीतना की खुलकर चर्चा शुरू हुई थी और इस फिल्म के रिलीज के बाद ही कारगिल

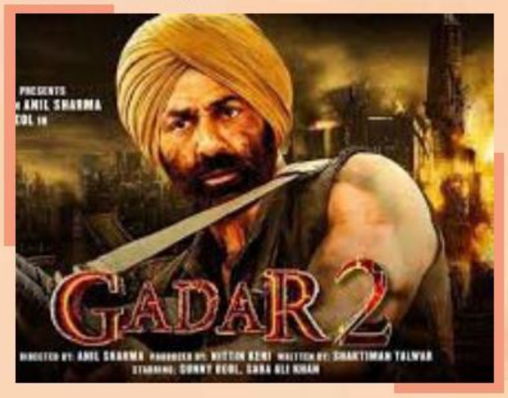

वार हुआ था। इस फिल्म से लोगों को मुहाजिर का मतलब समझ मे आया था। एक फेमस गजल गायक गुलफाम हसन (नसीरुद्दीन शाह) जो तमाम फैन फॉलोइंग रखता हो, वह पाकिस्तान की आईएसआई से जुड़ा हो सकता है, यह बात सफेद पोश दहसतगर्दों का नकाब हटाकर रख दी थी। एसीपी राठौर के राइट हैंड सलीम (मुकेश ऋषि) का दर्द दंगों में मुसलमान जमात पर शक किए जाने की सोच को तमाचा था। क्यूट सी दिखने वाली सीमा (सोनाली बेंद्रे) को गंभीर भूमिकाओं की ओर ले जाने वाली फिल्म भी थी यह। लेखक–निर्देशक जॉन मैथ्यू की यह एक ऐसी फिल्म थी जो दर्शकों और आलोचकों दोनों द्वारा पसंद की गई थी। इस फिल्म को राष्ट्रीय सम्मान, फिल्मफेयर सम्मान और दूसरे बहुत से सम्मान प्राप्त हुए थे। फिल्म को भारत के अंतराष्ट्रीय फिल्म फेस्टिवल में जाने और ऑस्कर में भेजे जाने को लेकर भी चर्चा हुई थी।

आमिर खान ने सिनेमाहाल पर जुटे कलाकारों, मेहमानों और मीडिया के समक्ष स्पस्ट रूप से कहा कि वे चाहते हैं कि 'सरफरोश 2' बने। इस काम के लिए वह जान मैथ्यू के साथ ही काम करने की इच्छा जाहिर किए – ''आप लोगों ने मेरे मुंह की बात छीन लिया। कथानक और तैयारियां पूरी हो जाए तो 'सरफरोश 2' पर काम आगे बढ़ाया जाएगा। मिर ने यह भी बताया कि 'सरफरोश 1' के अंत में यह संकेत दिया गया था कि फिल्म की कहानी आगे जा सकती है।

अंदर के सूत्र बताते हैं कि सीक्वल पर आमिर की सोच बनी है सनी देओल की फिल्म 'गदर 2' की कामयाबी देखकर। 'गदर 2' लाने से पहले 'गदर 1' लाकर जिस तरह 'गदर 2' के लिए दर्शकों को आकर्षित किया गया था, एक कामयाब फार्मूला रहा। अमिर 'सरफरोश 2' के लिए भी वैसी उत्सुकता जगाना चाहते हैं। बताने वाली बात है कि आमिर की फिल्म 'लाहौर 1947' में सनी देओल मुख्य भूमिका कर रहे हैं। आमिर की चाहत है कि 'सरफरोश 2' बने तो 'गदर 2' की तरह पैट्रियटिक फिल्म हो और वैसी ही कामयाबी हासिल करे।

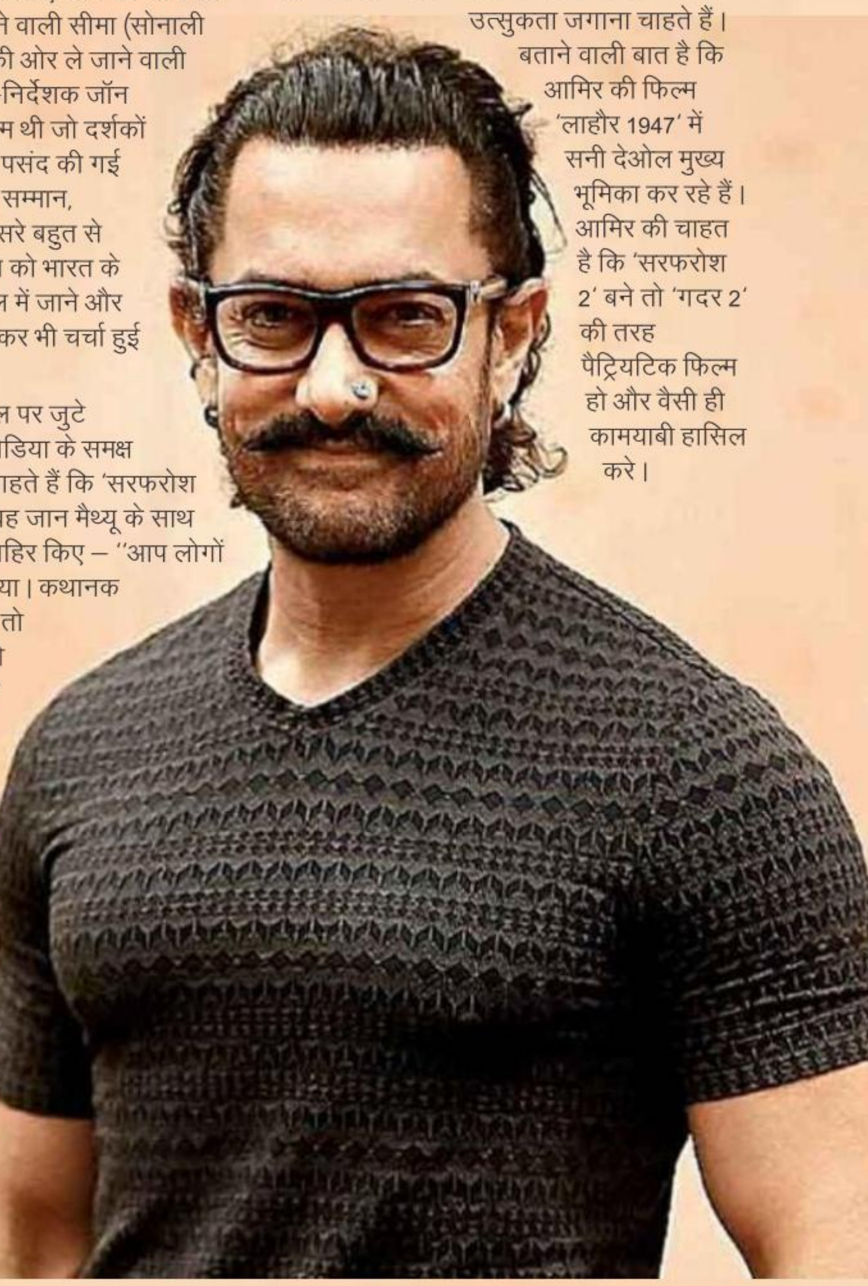

मायापुरी
www.mayapuri.com

कान्स की आलोचनाएं ऐश्वर्य राय बच्चन की चमक को कम नहीं कर सकतीं

—आयुषी सिन्हा

लंबे समय तक कान्स रेड कार्पेट पर रहीं ऐश्वर्य राय बच्चन को इस साल एक असामान्य स्थिति का सामना करना पड़ रहा है. ऐश्वर्य को इस वर्ष उनके द्वारा पहने गए पहले दिन के गाउन को लेकर आलोचना का सामना करना पड़ रहा है. 50 वर्षीय इस अभिनेत्री को 'कान्स की रानी' के रूप में भी जाना जाता है, उन्होंने महोत्सव की शुरुआती रात के लिए काले और सुनहरे रंग का फाल्गुनी शेन पीकॉक गाउन पहना था. पोशाक में फूली हुई सफेद आस्तीन और एक लंबी केप शामिल थे. उनके ड्रेस के निचले हिस्से पर गोल्ड फॉयल की बेहद खूबसूरत डिटेलिंग थी.

कुछ लोगों को इसकी फूली हुई आस्तीन, लंबी केप और गोल्ड फॉयल की सजावट वाला डिजाइन 'बहुत भड़कीला' लगा, वहीं कथित तौर पर ऐश्वर्य अलग महसूस करती हैं. वोग के साथ हाल ही में एक इंटरव्यू में, उन्होंने अपने इस ड्रेस के लिए अपनी प्रशंसा व्यक्त करते हुए कहा, 'रेड कार्पेट पर कल शाम का लुक मेरे सबसे प्यारे दोस्तों शेन और फाल्गुनी पीकॉक द्वारा डिजाइन किया गया था. वे इसे सोने की चमक कहते हैं लेकिन मेरे लिए, यह सिर्फ जादुई था।

अपने लुक के लिए मेकअप प्रक्रिया के बारे में बताते हुए ऐश कहती हैं, 'हम एक नया लुक बनाने, इसे आसान और सुंदर बनाए रखने पर सहमत हुए.' उन्होंने अपना मनचाहा लुक पाने में अहम भूमिका निभाने के लिए लोरियल के पैनोरमा मस्कारा को श्रेय दिया.

इस खूबसूरत आइकन के मुताबिक हर कोई एक आइकन है और महिलाओं के आगे बढ़ने की बातों को लेकर हमें बोल्ड रहना चाहिए.

यह पहली बार नहीं है जब ऐश्वर्य ने कान्स में सुर्खियां बटोरी हों. लंबे समय से उपस्थित रहकर, उसने खुद को प्रतिष्ठित उत्सव में एक फैशन आइकन के रूप में स्थापित किया है. ऐसा प्रतीत होता है कि ऑनलाइन आलोचना भी उनकी अपनी शैली में उनके आत्मविश्वास को कम नहीं कर सकती है.

दिल्ली में हुआ 'मिस्टर एंड मिसेज माही' का प्रमोशन...

मायापुरी डेस्क

हाल ही में अपनी आनेवाली फिल्म 'मिस्टर एंड मिसेज माही' के प्रमोशन के लिए जाह्नवी कपूर राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली में थे। प्रमोशन कार्यक्रम यहां के होटल द इम्पीरियल में आयोजित किया गया था। यह फिल्म 31 मई को सिनेमाघरों में रिलीज होगी। जाह्नवी ने इस फिल्म की शूटिंग के दौरान अपने अनुभव और अपनी दिल्ली यात्रा के बारे में बताया। उन्होंने कहा, 'दिल्ली हमेशा घर जैसा लगता है। आखिरी बार मैं दिल्ली अपनी फिल्म 'धड़क' के प्रमोशन के सिलसिले में आई थी।' उन्होंने आगे कहा, 'इस फिल्म में मेरे को—स्टार राजकुमार वाराणसी में एक अन्य फिल्म की शूटिंग कर रहे हैं, इसलिए वह हमारे साथ दिल्ली में आयोजित इस प्रमोशन कार्यक्रम में शामिल नहीं हो सके।' शूट के बारे में उन्होंने बताया, 'इस फिल्म में मुझे एक क्रिकेटर की तरह दिखने के लिए सख्त फिटनेस नियम का पालन करना पड़ा, ताकि मेरा वजन संतुलित रहे। लेकिन इसमें दो राय नहीं कि यह एक अद्भुत अनुभव था और मैंने वास्तव में इसका आनंद लिया।' जब जान्हवी से उनके पसंदीदा क्रिकेटर के बारे में पूछा गया तो उन्होंने बताया कि महेंद्र सिंह धोनी उनके सबसे पसंदीदा क्रिकेट प्लेयर हैं।

कैसे बने कार्तिक आर्यन कबीर खान के 'चंदू चैंपियन'

—मायापुरी प्रतिनिधि

कॉमेडी फिल्मों से अपने करियर की शुरूआत करने वाले कार्तिक आर्यन ने कॉमेडी की शैली में अपनी एक अलग पहचान बना ली है. उनकी इस लोकप्रियता का श्रेय उनकी कॉमिक टाइमिंग को भी दिया जा सकता है. कार्तिक एक उम्दा कलाकार हैं इस बात से कोई इंकार नहीं कर सकता है लेकिन कार्तिक की इमेज एक कॉमेडी सुपरस्टार के रूप में स्थापित हो गयी थी. कार्तिक की आनेवाली फिल्म 'चंदू चैंपियन' उनके इस इमेज को तोड़ कर उनको एक वर्सटाइल एक्टर के रूप में स्थापित करेगा.

14 जून को सिनेमाघरों में रिलीज होने वाली 'चंदू चैंपियन' का ट्रेलर बीते शनिवार को रिलीज किया गया. ये ट्रेलर लॉन्च कार्तिक के होमटाउन ग्वालियर में किया गया जहाँ एयरपोर्ट पर फूल—मालाओं के साथ उनका स्वागत किया गया था. ट्रेलर को कुछ मिनट में लाखों व्यूज मिल गए, दर्शकों द्वारा ना सिर्फ ट्रेलर को पसंद किया गया बल्कि उनको इसमें कार्तिक का रोल और उनका अभिनय भी खूब पसंद आया. बता दें इस फिल्म में कार्तिक आर्यन भारत के पहले पैरालम्पिक स्वर्ण पदक विजेता मुर्लिकांत पेटकर का किरदार निभा रहे हैं. इस फिल्म के लेखक व निर्देशक कबीर खान हैं.

किस तरह कार्तिक बने कबीर के चंदू चैंपियन

कार्तिक को चंदू चैंपियन बनने के लिए कबीर की कई शर्तों को मानना पड़ा. बता दें इस फिल्म के लिए कार्तिक ने दो साल दिए हैं. कबीर ने इसी शर्त पर कार्तिक को साईन किया था कि कार्तिक इस फिल्म को अपना पूरा दो साल देंगे. बता दें कार्तिक ने इस फिल्म के लिए बिना किसी स्टेरॉयड के इस्तेमाल के बॉडी बनाई है. फिल्म का पहला पोस्टर जब रिलीज हुआ था उसमें कार्तिक की वेल—बिल्ट बॉडी दिखाई दे रही थी चूँकि ये एक मार्केटिंग स्ट्रैटजी थी इसलिए कबीर की यह भी शर्त थी की इन दो सालों में कार्तिक कभी भी अपनी बॉडी का प्रदर्शन न किसी फिल्म के लिए और ना हीं किसी सोशल मीडिया पोस्ट के लिए करेंगे. आखिरकार कार्तिक की दो सालों की मेहनत रंग लायी, दर्शकों को कार्तिक आर्यन मुर्लिकांत पेटकर के किरदार में

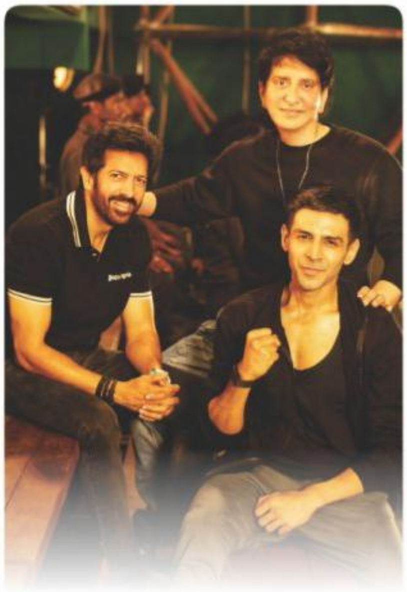

पसंद आये और उनके अभिनय की तारीफ भी हो रही है.

कबीर खान द्वारा निर्देशित इस फिल्म में कार्तिक आर्यन के अलावा भुवन अरोरा, यशपाल शर्मा, राजपाल यादव, विजय राज, पलक लालवानी, एडोनिस कपसालिस, और हेमांगी कवि सहायक किरदारों में नजर आएंगे. फिल्म 14 जून को सिनेमाघरों में रिलीज होगी.

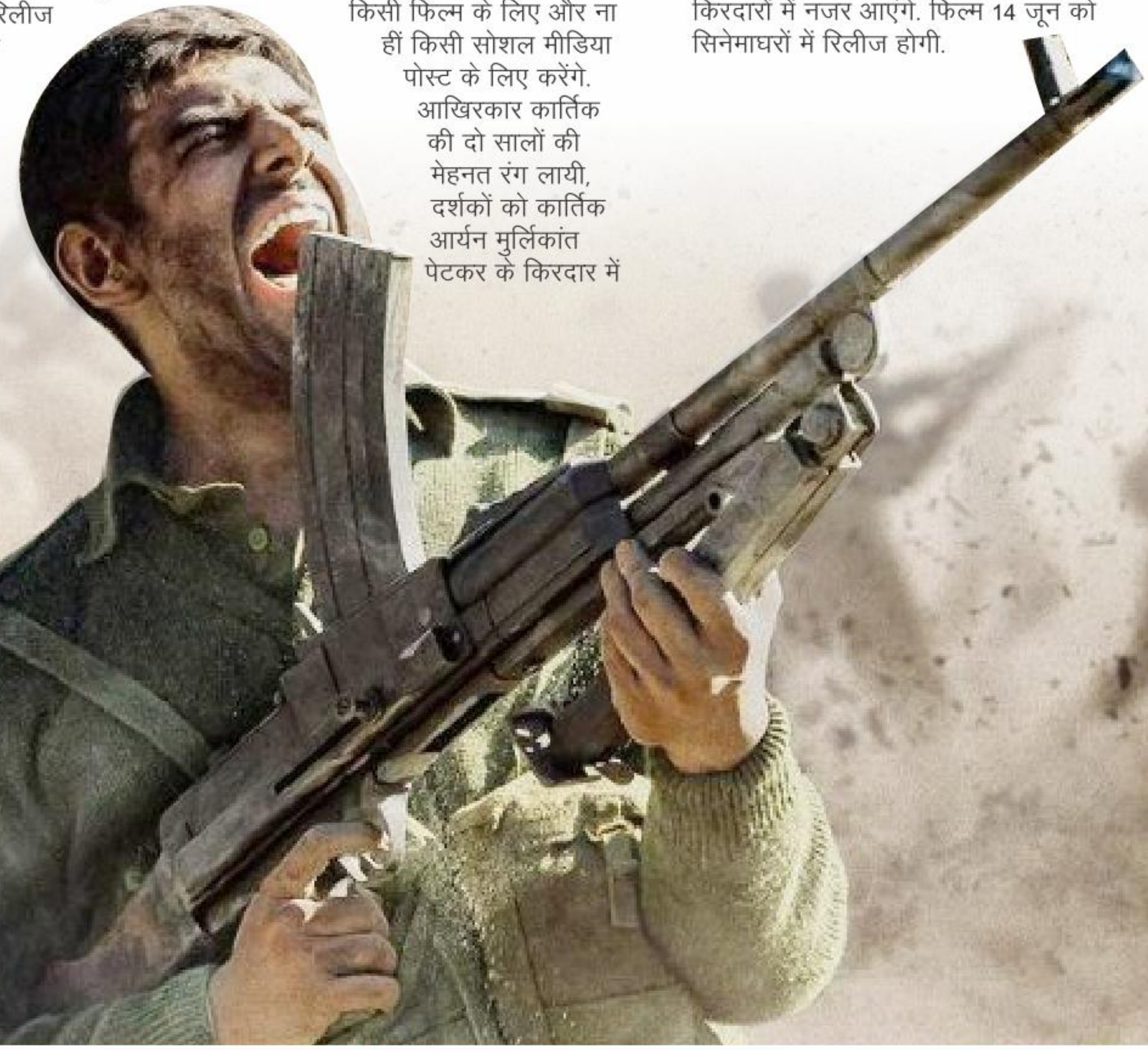

मिस वर्ल्ड मानुषी छिल्लर ने अपना खुद का इको-फ्रेंडली आइलैंड वियर ब्रांड 'द्वीप' लॉन्च किया...

सुलेना मजुमदार अरोरा

मिस वर्ल्ड से एक्ट्रेस बनी मानुषी छिल्लर ने एंटरप्रेन्योरशिप की दुनिया में कदम रखा है। ब्यूटी क्वीन ने अपने बहुप्रतीक्षित स्विमवियर ब्रांड 'द्वीप' के लॉन्च की घोषणा की है, जिसे इनक्लूसिविटी और सस्टेनेबिलिटी पर फोकस करके डिजाइन किया गया है। एक ब्रांड के रूप में, 'द्वीप' बॉडी टाइप्स, स्किन टोन्स और पर्सनल स्टाइल्स की विविध रेंज को पूरा करके स्विमवीयर इंडस्ट्री को फिर से परिभाषित करने का वादा करता है। मानुषी छिल्लर, जो अक्सर बॉडी पॉजिटिविटी की वकालत करती रही हैं, ने 'द्वीप' को आर्ट, ओसियन्स और फैशन के लिए साझा जुनून बताया।

ब्रांड के बारे में बात करते हुए, मानुषी छिल्लर ने कहा, "द्वीप के साथ एक एंटरप्रेन्योर के रूप में शुरुआत करना मेरी यात्रा में एक रोमांचक नए चैप्टर का प्रतीक है। रोहतांग की एक लड़की ने कभी सपने में भी नहीं सोचा होगा कि एक दिन वह मिस वर्ल्ड बनेगी, एक बॉलीवुड एक्ट्रेस बनेगी, विभिन्न प्रतिष्ठित ब्रांडों का फेस बनेगी और अब, अपने खुद के एक ब्रांड के साथ एक एंटरप्रेन्योर बनेगी। यह सिर्फ एक ब्रांड लॉन्च करने के बारे में नहीं है; यह सस्टेनेबिलिटी, इनक्लूसिविटी और सशक्तिकरण के मेरे मूल्यों को मूर्त रूप देने के बारे में है। द्वीप के साथ, मैं सिर्फ स्विमवीयर के अलावा और भी बहुत कुछ बनाने की इच्छा रखती हूं - मेरा लक्ष्य एक ऐसी लाइफस्टाइल को प्रेरित करना है, जो हर व्यक्ति की सुंदरता का जश्न मनाते हुए प्रकृति के साथ तालमेल बिठाए। यह वेंचर सिर्फ फैशन के बारे में नहीं है; यह दुनिया में एक सार्थक बदलाव लाने के बारे में है।"

"द्वीप" नाम उनके दृष्टिकोण का प्रतीक है, जो एक ऐसे द्वीप को दर्शाता है, जो जीवन का पोषण और समर्थन करता है, ठीक उसी तरह जैसे उनके ब्रांड का उद्देश्य पर्यावरण को सपोर्ट और सस्टेन करना है। यह सस्टेनेबिलिटी के लिए होलिस्टिक अप्रोच के लिए कमिटेड ब्रांड है। द्वीप का उद्देश्य एक सस्टेनेबिलिटी, ओसियन-फ्रेंडली वर्ल्ड, वन आईलैंड इंस्पायर्ड गारमेंट एट ए टाइम को बढ़ावा देना है।

यह वेंचर मानुषी को भारतीय सिनेमा की कुछ सबसे प्रभावशाली हस्तियों में से एक बनाता है, जिन्होंने एंटरप्रेन्यूरिअल की दुनिया में अपनी पहचान बनाई। जहां, मानुषी बिज़नेस की दुनिया को जीतने के लिए तैयार हैं, वहीं एक्ट्रेस कुछ दिलचस्प प्रोजेक्ट्स के साथ स्क्रीन पर वापसी करने के लिए तैयार है। वह 'तेहरान' में नजर आएंगी, जिसमें वह जॉन अब्राहम के साथ स्क्रीन शेयर करती नजर आएंगी।

मायापुरी
www.mayapuri.com

रकुल प्रीत और जैकी भगनानी ने शादी के 3 महीने पूरे होने का मनाया जश्न

—असना जैदी

रकुल प्रीत सिंह और जैकी भगनानी ने इस साल 21 फरवरी 2024 को गोवा में एक शानदार शादी की. फिलहाल कपल अपनी मैरिड लाइफ का आनंद उठा रहा हैं. यहीं नहीं

हाल ही में रकुल प्रीत सिंह और जैकी भगनानी की शादी को तीन महीने पूरे हुए हैं. इस खास मौके पर कपल ने अपनी शादी के तीन महीने पूरे होने का जश्न मनाया.

जैकी भगनानी ने रकुल प्रीत को लेकर कही ये बात

आपको बता दें जैकी भगनानी ने इंस्टाग्राम स्टोरीज पर अपनी पत्नी रकुल प्रीत सिंह के साथ एक मनमोहक सेल्फी शेयर की. उन्होंने स्टोरी शेयर करते हुए लिखा, 'तीन महीने बीत गए, और ऐसा लग रहा है जैसे कल ही हमने साथ में यह सफर शुरू किया था. जब आप अपने प्रियजन के साथ होते हैं तो समय उड़ जाता है'.

रकुल प्रीत सिंह ने दी मुबारकबाद

बाद में, रकुल प्रीत सिंह ने भी अपनी इंस्टाग्राम स्टोरी शेयर करते हुए लिखा, 'यार तुमने मुझे फिर से हरा दिया. 3 महीने मुबारक हो मेरे प्यार. हमेशा के लिए यहीं है.

मैरिड लाइफ को लेकर रकुल प्रीत सिंह ने किया खुलासा

इससे पहले एक इंटरव्यू में, रकुल प्रीत सिंह ने अपनी मैरिड लाइफ के बारे में बात करते हुए कहा, 'जब हम पहली बार डेटिंग कर रहे थे. तीन साल पहले हमने तभी इस बारे में बात की थी. मैं खुश हूं, तुम खुश हो, हम दोनों में से कोई भी किसी कमी को भरने की कोशिश नहीं कर रहा है. हम व्यक्तिगत रूप से पूर्ण हैं, साथ में हम बस खुश हैं.

यदि आप वास्तव में इसका पालन करते हैं. मुझे उसे दिन में 15 बार कॉल करने की जरूरत नहीं है श्मैं बोर हो रही हूं, तुम कैसे होश मुझे यह पता लगाना है कि मुझे अपने जीवन में क्या करना है, उसके लिए भी यही है.९

ऋचा चड्ढा ने कहा, हम 'गर्ल्स विल बी गर्ल्स' को कान्स फिल्म फेस्टिवल में पहुंचते देख रोमांचित हैं।

—सुलेना मजुमदार अरोरा

ऋचा चड्ढा और अली फजल द्वारा निर्मित सुचि तलाती के निर्देशन में बनी बहुप्रतीक्षित पहली फिल्म 'गर्ल्स विल बी गर्ल्स' का प्रीमियर, इस साल प्रतिष्ठित कान्स फिल्म फेस्टिवल में होने वाला है। फिल्म को कान्स एक्रान्स जूनियर्स श्रेणी के तहत, प्रदर्शित किया जाएगा, जो अंतरराष्ट्रीय फीचर फिल्मों को समर्पित एक चुनाव है जो तेरह वर्ष और उससे अधिक उम्र के युवा दर्शकों को आकर्षित करती है, उन्हें विविध विषयों, संस्कृतियों और सिनेमाई कला से परिचित कराती है।

सनडांस की जीत के बाद ऋचा चड्ढा और अली फजल द्वारा निर्मित 'गर्ल्स विल बी गर्ल्स' का प्रीमियर कान्स में होगा

एसएक्सएसडब्ल्यू फिल्म फेस्टिवल में अपने प्रीमियर के बाद और इस साल की शुरुआत में सनडांस फिल्म फेस्टिवल में वर्ल्ड ड्रामेटिक एंट्री श्रेणी में ऑडियंस अवॉर्ड तथा मुख्य अभिनेत्री प्रीति पाणिग्रही के लिए विशेष जूरी अवॉर्ड जीतकर धूम मचाने के बाद, 'गर्ल्स विल बी गर्ल्स' अब तैयार है, अपने कान्स डेब्यू के लिए। यह फिल्म 22 और 23 मई को एलेक्जेंडर III थिएटर में और 24 मई को रायमू हॉल में प्रदर्शित होने हुई है।

ऋचा चड्ढा ने अपना उत्साह व्यक्त करते हुए कहा, हम 'गर्ल्स विल बी गर्ल्स' को कान्स फिल्म फेस्टिवल में पहुंचते देख रोमांचित हैं। यह प्रोजेक्ट हमारे दिल के बहुत करीब है और इसे अब तक जो प्यार और मान्यता मिली है वह जबरदस्त है। इस फिल्म का निर्माण करना एफर्ट ऑफ लव (प्यार का परिश्रम) रहा है, और इसे विश्व स्तर पर दर्शकों के बीच गूंजते देखना अविश्वसनीय रूप से संतुष्टिदायक है। हम उन कहानियों की शक्ति में विश्वास करते हैं जो चुनौती देती हैं और प्रेरित करती हैं, और 'गर्ल्स विल बी गर्ल्स' ऐसा ही करती है। यह एक ऐसी फिल्म है जो बचपन से बड़े होने की जटिलताओं को बयां करती है और हम कान्स के दर्शकों द्वारा इसका अनुभव लेने का इंतजार नहीं कर सकते।

अली फजल ने कहा, "शुरू से ही, हम जानते थे कि 'गर्ल्स विल बी गर्ल्स' एक विशेष परियोजना है, लेकिन सनडांस में प्रतिक्रिया हमारी उम्मीदों से परे थी, और अब कान्स में प्रीमियर एक सपने के सच होने जैसा है। सुचि तलाती ने एक सुंदर, मार्मिक कहानी तैयार की है जो इस मंच की हकदार है। हमें ऐसी फिल्म का हिस्सा होने पर गर्व है जो न केवल मनोरंजन करती है बल्कि महत्वपूर्ण बातचीत भी शुरू करती है। यह तो बस शुरुआत है और जो आने वाला है उसके लिए हम बेहद उत्साहित हैं।

'गर्ल्स विल बी गर्ल्स' का निर्माण ब्लिंक डिजिटल और डोल्से वीटा फिल्म्स के सहयोग से चड्ढा और फजल के संयुक्त उद्यम पुशिंग बटन स्टूडियो द्वारा किया गया है। यह उल्लेखनीय फिल्म अपनी सम्मोहक कथा और शानदार अभिनय से कान्स दर्शकों को मंत्रमुग्ध करने के लिए तैयार है।

किंग खान ने रचा इतिहास, पहले भारतीय अभिनेता जिनको ग्रेविन संग्रहालय में सिक्के से सम्मानित किया गया

—मायापुरी डेस्क

किंग खान जिन्होंने भारत देश का नाम दुनिया भर में अपने अभिनय के दम पर रौशन किया है. हर तरफ किंग खान के चाहने वाले हैं. बाजीगर से लेकर डॉन तक और दिलवाले दुल्हनिया ले जायेंगे से कभी खुशी कभी गम तक हर फिल्म से किंग खान ने लोगों को अपना दीवाना बनाया है.

पिछले साल बैक टू बैक तीन हिट फिल्में देने वाले किंग खान एकलौते ऐसे अभिनेता बन गए हैं जिनको ये सम्मान मिला है. बता दें पेरिस के ग्रेविन म्यूजियम में शाहरुख खान के नाम का सिक्का जारी किया गया है. बता दें ग्रेविन म्यूजियम एक ऐसा म्यूजियम है जहाँ सेलिब्रिटीज के मोम के पुतले रखे जाते हैं. शाहरुख खान के मैडम तुसाद में रखे गए मोम के पुतले को ग्रेविन म्यूजियम ने हीं प्रेजेंट किया था.

जानकारी के लिए बता दें भारत देश से ये सम्मान पानेवाले शाहरुख खान दूसरे व्यक्ति हैं. पहले व्यक्ति जिनको इस सम्मान की प्राप्ति हुई थी, वो थे हमारे राष्ट्रपिता महात्मा गाँधी.

शाहरुख खान भारत के पहले ऐसे एक्टर हैं जिन्हे इस उच्च्य सम्मान से सम्मानित किया गया है. शाहरुख ने देश दुनिया में भारत देश का नाम रौशन कर दिया है. भारत के गौरव है किंग खान और भारत को उनपर गर्व है.

माधुरी दीक्षित

की फोटोज देख थम गई फैंस की सांसे

—असना जैदी

बॉलीवुड की धक–धक गर्ल माधुरी दीक्षित किसी पहचान की मोहताज नहीं हैं. माधुरी दीक्षित अपनी दमदार एक्टिंग, खूबसूरती और डांस से सालों से दर्शकों के दिलों पर राज कर रही हैं.एक्ट्रेस अपनी एक्टिंग के अलावा डांस रियलिटी शो की जज के तौर पर भी जानी जाती हैं. इतना ही नहीं वह सोशल मीडिया के जरिए भी अपने फैंस से लगातार जुड़ी रहती हैं. इसी बीच एक्ट्रेस की लेटेस्ट तस्वीरें सामने आई हैं.जिसे उन्होंने खुद सोशल मीडिया पर शेयर किया है. शेयर की गई तस्वीरों में माधुरी पर्पल कलर की ड्रेस में कहर ढाती नजर आ रही हैं.इन तस्वीरों में वह अलग–अलग पोज देती नजर आ रही हैं.फोटो शेयर करने के कुछ ही घंटों के अंदर इस पर हजारों लाइक्स और कमेंट्स आ चुके हैं.

कान्स 2024: अदिति राव हैदरी फ्रेंच रिवेरा में पोज देते हुए दिखीं

–रिचा मिश्रा

अदिति राव हैदरी फ्रेंच रिवेरा में फ्लोरल गाउन में बेहद खूबसूरत लग रही थीं. उन्होंने तस्वीरें इंस्टाग्राम पर पोस्ट कीं हैं. पोस्ट की गई नई तस्वीरों में, हीरामंडी स्टार को पीले फूलों वाली पोशाक में फ्रेंच रिवेरा सूरज की तुलना में अधिक चमकते हुए देखा जा सकता है. उन्होंने अपनी ड्रेस को सुनहरे और मोती के लटकते झुमके के साथ पूरा किया और अपने बालों को एक गेंदे बन में बांधा.

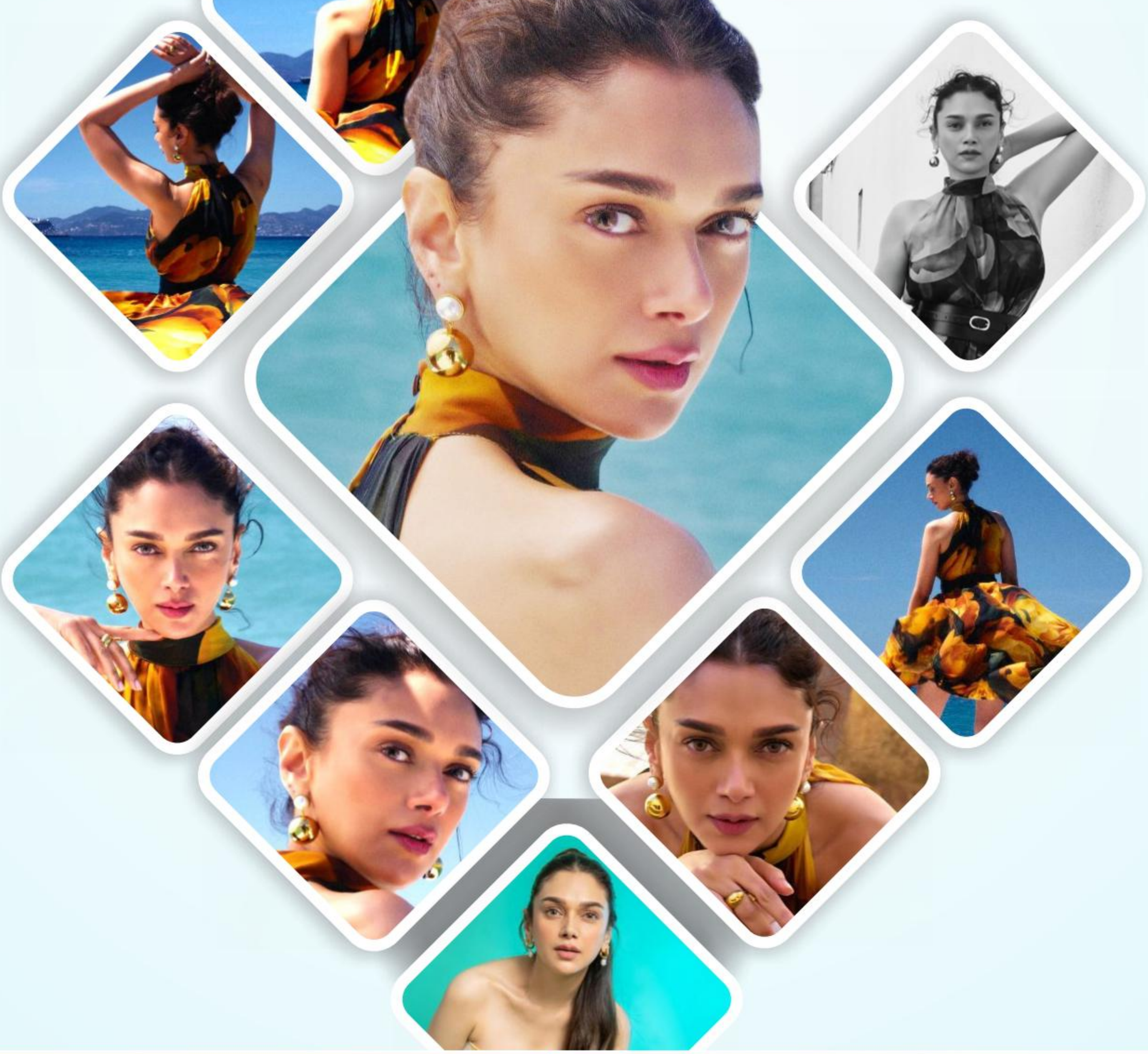

एग फ्रीजिंग के महत्व और मातृत्व पर क्या कहती है उपासना कामिनेनी

—आयुषी सिन्हा

बॉलीवुड एक्ट्रेस प्रियंका चोपड़ा ने एक इंटरव्यू में एग फ्रीजिंग की बात कही थी. और उसके बाद ये बात इंटरनेट सेंसेशन बन गयी. खैर इस बात को समय भी हो गया है और अब प्रियंका भी सरोगेसी की मदद से एक प्यारी बेटी मालती मैरी चोपड़ा जोनस की माँ हैं.

प्रियंका के एग फ्रीजिंग की बात करने पर कई सेलिब्रिटीज के नाम सामने आए थे जिन्होंने अपने 30 साल के उम्र के आसपास अपने एग्स फ्रीज करवा दिए थे ताकि वो अपने मनचाहे अनुसार माँ बन सकें. बता दें इन सेलिब्रिटीज में एकता कपूर, ऋचा चड्ढा से लेकर टेनिस स्टार सानिया मिर्जा भी शामिल हैं.

बता दें ये एग फ्रीजिंग सिर्फ हॉलीवुड या बॉलीवुड में हीं नहीं हो रहा है बल्कि ये दक्षिण भारत में भी है. आरआरआर फेम रामचरण पिछले साल 20 जून 2023 को एक बेटी के पिता बने हैं. उनकी पत्नी उपासना कामिनेनी पेशे से एक बिजनेस वुमन हैं और उन्होंने भी सही उम्र में अपने एग्स फ्रीज करवा दिए थे ताकि वो अपने मनचाहे अनुसार माँ बन सकें. हाल हीं में एक इंटरव्यू में उन्होंने अपने माँ बनने की जर्नी के बारे में बात किया. इस बारे में उपासना कहती हैं, 'मातृत्व में ढलना एक बहुत हीं सुखद जर्नी है लेकिन बिना कठिनाई के ये मुमकिन नहीं है.' वो बताती हैं कि वो अपनी बेटी के परवरिश के लिए अपनी माँ पर डिपेंडेड हैं और कभी कभी उनको ऐसा भी लगता है की काश वो चीजों को थोड़े अलग तरीके से हैंडल कर पाती। उपासना बताती हैं कि उनकी माँ हमेशा कहती है कि कोई भी इंसान परफेक्ट नहीं होता है और उपासना इसी मंत्र को अपने जीवन में आगे लेकर जाना चाहती हैं.

बता दें रामचरण और उपासना कामिनेनी की शादी 2012 में हुई थी. कई सालों तक सोसाइटी के प्रेशर को कपल रेसिस्ट किया और एक पेरेंट्स बनने का फैसला तब लिया जब उन्हें लगा कि वो इस चीज के लिए तैयार हैं. अपने एग फ्रीज करने के बारे में उपासना कहती हैं, 'मैंने अपने एग्स इसलिए फ्रीज करवाए क्योंकि मुझे लगता है कि हर औरत का ये हक होता है कि वो फैसला ले कि उसे कब माँ बनना है. एग फ्रीजिंग पर विचार करने वाली युवा महिलाओं से, मैं यही आग्रह करती हूं कि आप अपनी भलाई और भविष्य को प्राथमिकता दें और ऐसे निर्णय लें जो आपके लक्ष्यों और मूल्यों के अनुरूप हों।

उपासना ने राम चरण के बारे में बताती हैं कि वो एक बेहद हीं अच्छे पार्टनर हैं जिन्होंने पोस्टपार्टम डिप्रेशन से लड़ने में उनकी मदद की और ढाल बनकर उनके साथ खड़े रहे. उपासना बताती हैं कि एक वर्किंग वुमन होने के नाते बच्चे को घर पर छोड़कर जाने का गिल्ट भी होता है लेकिन वो पर्सनल और प्रोफेशनल दोनों लाइफ को मैनेज करने की कोशिश कर रही हैं. उपासना बताती हैं, 'जब मै काम के लिए निकलती हूँ क्लीन क्लारा को छोड़कर तो दिल बहुत दुखता है. मै और चरण उससे ज्यादा रोते हैं जब हम उसे छोड़कर काम के लिए जाते हैं.'

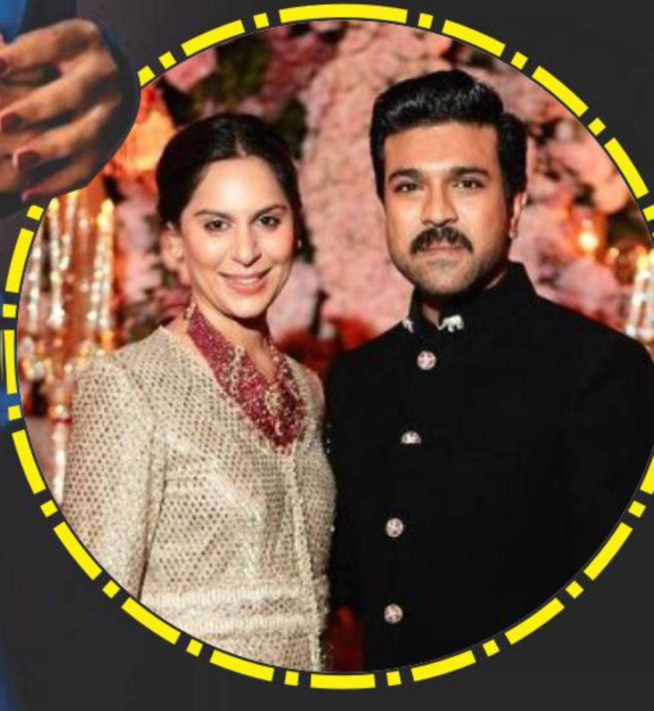

भूमि ने पशु-पक्षियों को गर्मी से राहत दिलाने के लिए कई वाटर बाउल लगाए

–शिल्पा पाटिल

क्लाइमेट वॉरियर भूमि पेडनेकर ने जानवरों और पक्षियों की सहायता के लिए मुंबई में कई पानी के वाटर बाउल स्थापित किए। पक्षियों और जानवरों की दुर्दशा से प्रभावित होकर, जिन्हें मौजूदा गर्मी से निपटना मुश्किल हो रहा है, भूमि ने अपने गैर–लाभकारी मंच, द भूमि फाउंडेशन के माध्यम से उनके लिए स्वच्छ पेयजल के साथ पानी के कटोरे (वाटर बाउल) रखने की एक नेक पहल शुरू की।

भूमि ने कहा,

'हम 2019 से विभिन्न ऑन–ग्राउंड कार्यों की दिशा में काम कर रहे हैं। क्लाइमेट वॉरियर कई मायनों में मेरा जुनूनी प्रोजेक्ट है। आज हम जो कर रहे हैं वह वाटर बाउल रख रहे हैं। हमारे पास लोगों का एक समूह भी है जो इन वाटर बाउल को नियमित रूप से भरेंगे। इसलिए जब भी आप ऐसा कुछ देखते हैं और आपके पास पानी है, भले ही आप प्रयास न करें, हमारे चार–पैर वाले दोस्तों के लिए उन पानी के कटोरे को भरें। और, आप जानते हैं, सड़क पर हमारे आवारा जानवरों को वास्तव में इस गर्मी में पानी नहीं मिलता है। इसलिए हम बस उनके लिए इसे थोड़ा आसान बनाने की कोशिश कर रहे हैं।

भूमि ने अपनी टीम और कुछ स्वयंसेवकों के साथ मिलकर अपने क्षेत्र में वाटर बाउल रखे और पूरे शहर में ऐसा करने के लिए स्वयंसेवकों को संगठित किया है।

मस्ती भरी शरारतें

इतने उदास क्यों दिख रहे हो ? आखिर बात क्या है?
अब तो हमारी फिल्म तो रिलीज़ होने वाली है !

बात रिलीज़ की नहीं है.. "सिंघम 3" में दीपिका भी आ गई...
मैं सोच रहा हूँ अगली "सिंघम 4" में मैं भी एंट्री मार लूं... क्योंकि पब्लिक
बोर हो गई होगी तुम्हारे एक्शन देख देख कर ..

यार सलमान ... अब लगता है कि हमें बजरंगी भाई जान 2
बना लेनी चाहिए ... पब्लिक की डिमांड आ रही है !

मैं भी आपसे यही डिस्कस करना चाहता था..
अभी शुरू करवा लो ...अभी तो हीरो दिखता हूँ.. वर्ना दो-चार
साल बाद में हीरो की जगह "दादा" का रोल करना पड़ेगा..

हमारी फिल्म "पठान" ने तो बॉक्स ऑफिस में सफलता के
झंडे गाड़ दिए थे...

आप चिंता ना करो... शाहरुख़ जी.. इससे भी बड़ा पैकेट ...उससे भी
बड़ा धमाका होगा... अभी तो लोग हमारी फिल्म देख कर खुश होते
हैं ....फिर एलियन भी आकर हमारी फिल्म देखकर खुश होंगे..यो...

सनी देओल की सीक्वल फिल्म 'बॉर्डर 2' आएगी 2026 में और 2027 में वह सीक्वल फिल्म 'हनुमान 2' से करेंगे

2026 से 2028 तक सनी देओल सीक्वल सितारा बने रहेंगे

– शरद राय

सनी देओल के लिए कहा जाता है कि उनके साथ एक फ्रेम में दूसरे सितारे आने से घबराते हैं इसीलिए कई बार उनके हाथ से फिल्में चली जाया करती हैं। घबराहट की वजह उनका 'ढाई किलो हाथ' वाला जैसा दृश्य और चीखकर बोली जाने वाली संवाद अदायगी होती है। 'गदर 2' की कामयाबी के बाद सनी देओल की सीक्वल 'गदर 3' पर भी चर्चा शुरू हो चुकी है। फिलहाल उनकी दो फिल्मों के सीक्वल की बात पर उनके फैंस अभी से उत्साहित हैं।

जेपी दत्ता निर्देशित फिल्म 'बॉर्डर 2' की सीक्वल 'बॉर्डर 2' बनने की खबर आ चुकी है। यह '97 में बनी एक हिट फिल्म रही है। जिसका एक गीत 'संदेशे आते हैं' बेहद भाऊकता पूर्ण गीत है जो लोगों को सिहरा देता है। इस फिल्म की सीक्वल 'बोर्डर 2' में सनी देओल मेजर कुलदीप सिंह चन्दौरी की भूमिका कर रहे हैं।

भूषण कुमार, जेपी दत्ता और निधि दत्ता के प्रोडक्शन द्वारा निर्मित इस फिल्म में सनी देओल के साथ आयुष्मान खुराना एक सैनिक ऑफिसर की भूमिका में होंगे। 'बॉर्डर 2' को स्वतंत्रता दिवस के मौके पर 2026 में रिलीज किया जाएगा।

जैसा कि अब सबको पता है कि नितेश तिवारी की फिल्म 'रामायण' में सनी देओल हनुमान की भूमिका कर रहे हैं। तिवारी की यह फिल्म दो पार्ट में बन रही है 'रामायण' 2027 में रिलीज की जाएगी जबकि रामायण का दूसरा पार्ट (जिसे सीक्वल 2 नहीं कह सकते) पहले पार्ट से एक साल बाद यानी—2028 में रिलीज की जा सकती है। हनुमान राम के अनन्य भक्त थे, जाहिर है रामायण पार्ट 2 में भी सनी देओल रहने वाले हैं। नितेश तिवारी की रामायण के दोनो पार्ट की शूटिंग साथ साथ की जा रही है।

हनुमान के रूप में सनी देओल 2027 और 2028 में दो फिल्मों में दिखाई देने के साथ, साउथ की एक फिल्म 'हनुमान' की सीक्वल फिल्म 'हनुमान2' से कम्पटीशन में भी खड़े नजर आते दिखेंगे। साउथ के निर्माता प्रशांत वर्मा की फिल्म 'हनुमान' ने इस वर्ष अच्छा बिजनेस दिया है। तेलुगु एक्टर तेजा सज्जा आगे हनुमान की सीक्वल 'हनुमान2' में भी नजर आने वाले हैं। हनुमान 2 का निर्माण ''जय हनुमान'' नाम से शुरू हो चुका है। यह फिल्म भी 2028 में रिलीज होगी। नितेश तिवारी की 'रामायण 2'(रामायण पार्ट 2) के हनुमान (सनी देओल) और 'हनुमान2' के हनुमान (तेजा सज्जा) के बीच के कम्पटीशन को देखने का उत्साह सनी देओल को चर्चा में बनाए रखेगा। संभावना इस बात की भी है कि इसी अंतराल में सनी देओल की होम प्रोडक्शन फिल्म 'अपने 3' की सीक्वल भी बनकर सामने आ सकती है।

यानी—साल 2026 से 2028 के बीच सनी देओल सीक्वल स्टार के रूप में सबसे ज्यादा चर्चा में रहने वाले हैं।

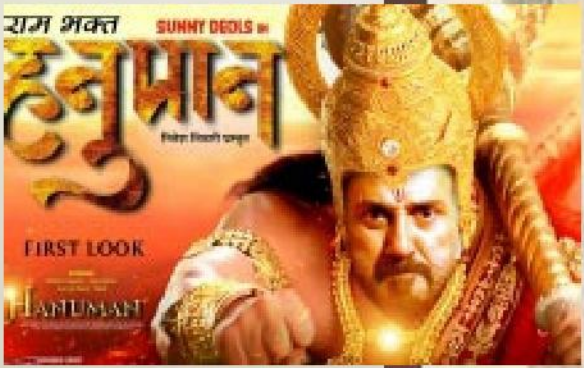

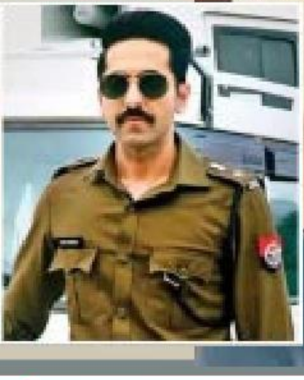

नेटिज़न्स का मानना है कि उर्वशी रौतेला और केट विंसलेट बिल्कुल 'हमशक्ल' हैं...

सुलेना मजुमदार अरोरा

फेस्टिवल डे कान्स के तीसरे दिन उर्वशी रौतेला की पोशाक ने इंटरनेट को दीवाना बना दिया, नेटिज़न्स को लगता है कि वह और केट विंसलेट बिल्कुल 'एक जैसी दिखती हैं'

उसकी सुंदरता और जिंदादिली से आश्चर्यचकित हैं, वह वही कर रही है जो वह सबसे अच्छा करती है और वह है एक रानी की तरह कातिलाना होना। जबकि प्रशंसकों ने पहले से ही उन्हें नई 'कान्स फिल्म फेस्टिवल की रानी' के रूप में प्रतिष्ठित किया है, कुछ लोगों को यह भी लगता है कि केट विंसलेट और उर्वशी बिल्कुल हमशक्ल हैं।

खैर, इसके पीछे सबसे बड़ा कारण यह है कि उर्वशी का कान्स डे 3 आउटफिट, जो एक विशेष लो-कट शिमरी गाउन है, केट विंसलेट के प्रतिष्ठित टाइटैनिक लुक से प्रेरित है। चाहे वह उनकी खूबसूरत त्वचा का रंग और बालों का रंग हो, आत्मविश्वास का स्तर और स्वैग हो, नेटिज़न्स उन्हें सर्वोत्कृष्ट हमशक्ल होने के लिए सराहते रहे हैं।

उर्वशी रौतेला को निश्चित रूप से देश में सबसे अधिक प्रशंसित, प्रसिद्ध और चहेती शख्सियतों में से एक माना और पसंद किया जाता है। कई बार मिस यूनिवर्स जीतने से लेकर जज और फ्रंटलाइन बॉलीवुड सुपरस्टार के रूप में लोगों का मार्गदर्शन करने तक, आकर्षक और मनमोहक अभिनेत्री ने

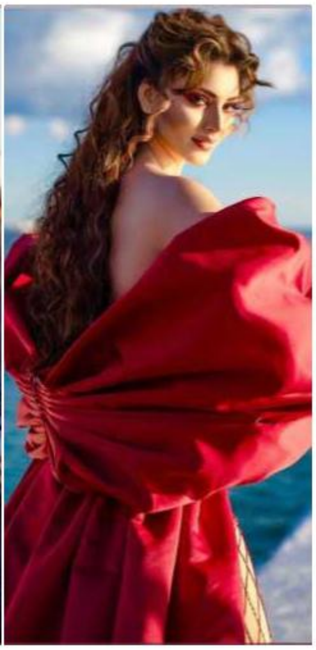

निश्चित रूप से अपने जीवन में एक लंबा सफर तय किया है, यह सब उनके अनुशासन, कड़ी मेहनत, दृढ़ संकल्प और दृढ़ता की बदौलत है।

जहां तक अंतर्राष्ट्रीय प्रशंसा और प्रशंसा का सवाल है, तो उर्वशी रौतेला खुद को एक अलग लीग में स्थापित करने में कामयाब रही हैं, जिसके कारण वह अपने सभी भारतीय समकालीनों से भारी अंतर से आगे हैं। आज के समय में, उर्वशी रौतेला निश्चित रूप से एक ऐसी भारतीय अभिनेत्री हैं जो पूरी दुनिया में जानी जाती हैं और इसमें कोई आश्चर्य की बात नहीं है, यहां तक कि दुनिया भर की सबसे बड़ी फिल्म हस्तियों और खेल हस्तियों ने भी उन्हें 'दुनिया की सबसे खूबसूरत लड़की' पाया है।

और आखिर 77वें फेस्टिवल डे कान्स में अब तक, उर्वशी रौतेला ने अन्य सभी अभिनेत्रियों से आसानी से सुर्खियां बटोर ली हैं।

काम के मोर्चे पर, यो यो हनी सिंह के साथ लव डोज 2.0 की सफलता का आनंद लेने के बाद, वैश्विक भारतीय सुपरस्टार उर्वशी रौतेला के पास अक्षय कुमार के साथ वेलकम 3, बॉबी देओल, दलकीर सलमान, नंदामुरी बालकृष्ण के साथ 'एनबीके109', 'बाप' जैसे बड़े प्रोजेक्ट हैं।' (हॉलीवुड ब्लॉकबस्टर का रीमेकएक्सपेंडेबल्स) सनी देओल और संजय दत्त के साथ, इंस्पेक्टर अविनाश 2 रणदीप हुडा के साथ, ब्लैक रोज़।इसके अलावा उर्वशी रौतेला एक इंटरनेशनल म्यूजिक वीडियो में नजर आएंगी और अभिनेत्री एक आगामी बायोपिक में परवीन बाबी की भूमिका भी निभाएंगी। इसके अलावा वह 'जेएनयू' नाम की फिल्म में एक कॉलेज पॉलिटिशियन की भूमिका निभाती नजर आएंगी। इसके साथ ही, उनके पास जेसन डेरुलो के साथ एक बहुत ही खास संगीत वीडियो और भी बहुत कुछ है।

जब शाहरुख खान के कहने पर करण जौहर को डायरेक्टर बनाया गया!

अली पीटर जॉन

कई बार ऐसा होता है, कि सिर्फ एक झपक या कोई गड़गड़ाहट या सिर्फ एक हाँ किसी दुसरे के जीवन को पूरी तरह बदल सकती है!

करण जौहर यश जौहर के इकलौते बेटे है, जो एक बेहतरीन और सबसे मददगार आदमी थे, जो एक सफल निर्माता भी थे। करण की दिलचस्पी फिल्मों में उस समय से थी जब वे स्कूल में थे। जाने–माने निर्देशक **यश चोपड़ा** के बेटे **आदित्य चोपड़ा** भी फिल्मों के दीवाने थे, और मुंबई में कहीं भी किसी भी सिनेमाघर में भाषा या शैली जो भी हो, हर शुक्रवार को एक नई फिल्म देखते थे!

आदित्य अपने पिता को एक फिल्म निर्देशित करने की उनकी क्षमता के बारे में समझाने में सफल रहे और इस तरह, फिल्म **'डीडीएलजे'** की स्थापना करते हुए सबसे सफल और ट्रेंड सेटिंग फिल्म में से एक बनाने की शुरुआत हुई।

करण फिल्म के मुख्य सहायक निर्देशक थे और उन्होंने **शाहरुख खान** के सबसे अच्छे दोस्त के रूप में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी!

यह 'डीडीएलजे' के निर्माण के दौरान था, जब करण ने एक फिल्म लिखने और फिल्म का निर्देशन करने की बारीकियों को सीखा था!

यह भी 'डीडीएलजे' के निर्माण के दौरान था, जब करण ने **एसआरके** के साथ एक मजबूत दोस्ती की, जो उन दिनों टॉप पर थे!

करण ने अपनी स्क्रिप्ट लिखी थी, और एक फिल्म का निर्देशन करने के अपने मौके का इंतजार कर रहे थे।

उनके पिता **अमिताभ बच्चन**,

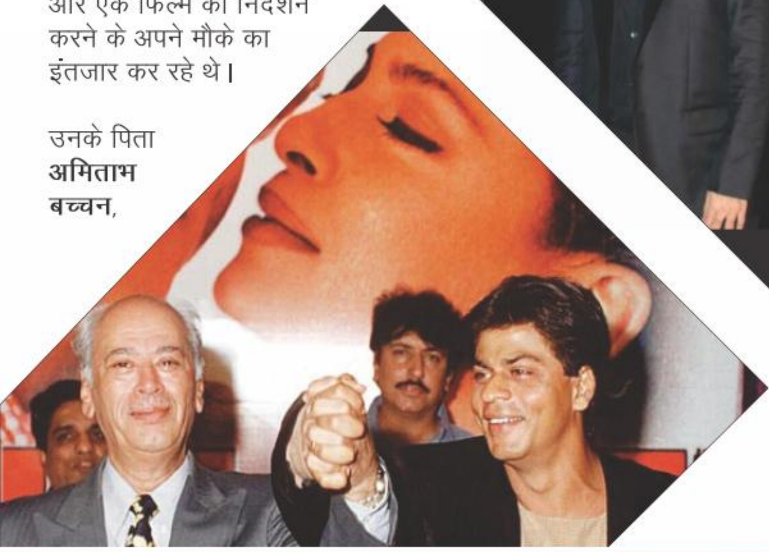

शत्रुघ्न सिन्हा, **राज कुमार** और **एसआरके** जैसे सितारों के साथ कुछ बहुत बड़ी फिल्में बना रहे थे, और दूसरी और बड़ी फिल्में बनाने की योजना भी बना रहे थे!

उन्होंने एसआरके के साथ फिल्में बनाई थी, और उनके साथ एक और फिल्म बनाना चाहते थे!

करण ने एसआरके को उस पटकथा के बारे में बताया था, जो उन्होंने लिखी थी और वह अपनी पटकथा को निर्देशित करने के लिए कैसे उत्सुक थे!

एसआरके को याद था, कि करण ने उन्हें क्या बताया था और जब करण के पिता चाहते थे कि एसआरके उनके द्वारा निर्मित फिल्म में काम करे, तो एसआरके ने उनसे कहा कि वह उनकी फिल्म में काम करेंगे, लेकिन केवल तभी जब वह निर्देशक के रूप में करण के साथ काम करेगें। अपने बेटे की प्रतिभा के बारे में यश जौहर को समझाने में एसआरके को समय लगा, लेकिन उन्होंने तब तक कोशिश करना नहीं छोड़ा जब तक कि **यश जौहर** करण को अपने बैनर **'धर्मा प्रोडक्शंस'** के तहत एक फिल्म निर्देशित करने के लिए सहमत नहीं हुए, और इसी तरह **एसआरके, काजोल और रानी मुखर्जी** के साथ **'कुछ कुछ होता है'** बनी और फिल्म न केवल एक बड़ी हिट थी, बल्कि इसे जनता द्वारा काफी सराहा भी गया और समान रूप से और **करण जौहर** भारत में फिल्म निर्माताओं के बीच एक लीडिंग नाम बन गए।

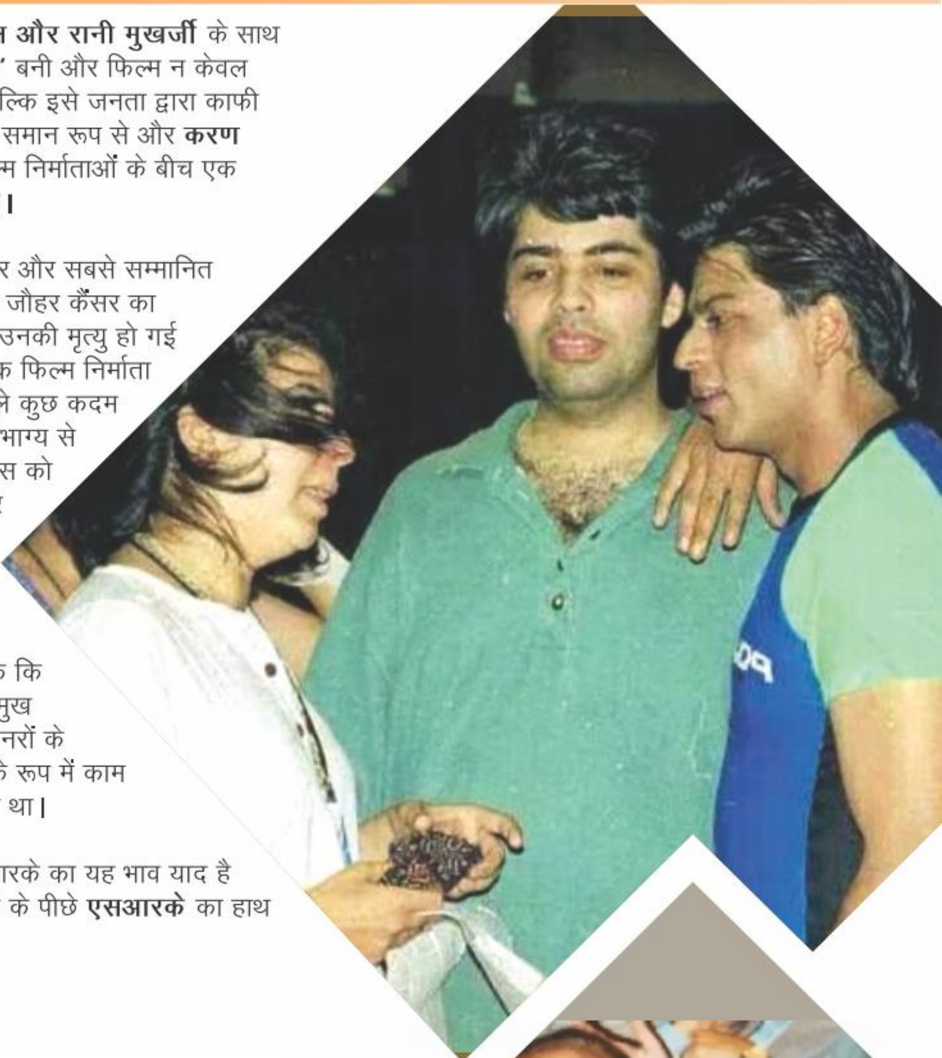

दुर्भाग्य से, मिलनसार और सबसे सम्मानित नामों में से एक, यश जौहर कैंसर का शिकार हो गए और उनकी मृत्यु हो गई जब उनके बेटे ने एक फिल्म निर्माता के रूप में अपने पहले कुछ कदम उठाए थे, लेकिन सौभाग्य से उन्होंने धर्मा प्रोडक्शंस को एक नया जीवन और एक नई दिशा दी है, ये बैनर जो उनके पिता ने नवकेतन, अजंता आर्ट्स और यहां तक कि हॉलीवुड की कुछ प्रमुख कंपनियों जैसे बड़े बैनरों के प्रोडक्शन कंट्रोलर के रूप में काम करने के बाद बनाया था।

क्या करण को एसआरके का यह भाव याद है कि उनकी कामयाबी के पीछे **एसआरके** का हाथ था?

अनु–छवि शर्मा

कीड़े-मकोड़े से डरती हैं बालवीर में एजील का किरदार निभा रही अदा खान

मधुबाला, क्या होगा निम्मो का, डांसिंग क्वीन, बेबाकी और भी कई टीवी शोज का हिस्सा रह चुकी अदा खान बालवीर के सीजन 3 में नज़र आयीं थीं. बता दें बालवीर का सीजन 4 सोनी लिव पर 6 मई से स्ट्रीम हो गई जिसमें अदा खान भी नज़र आ रही हैं. शो के अच्छे रिस्पॉन्स मिलने पर और बिग बॉस में जाने को लेकर क्या कहती हैं अदा?

'बालवीर 4' को अभी तक किस तरह का फीडबैक मिल रहा है?

मै बहुत एक्साइटेड हूँ क्योंकि अभी हम पुरे ओटीटी प्लेटफ़ॉर्म के शोज में नंबर 4 पर हैं. सच कहूँ तो हमने भी ये एक्स्पेक्ट नहीं किया था क्योंकि बालवीर 3 इतना कमाल नहीं कर पाया था लेकिन 'बालवीर 4' पुरे ओटीटी पर छा गया है. मै बहुत खुश हूँ और दर्शकों का शुक्रिया अदा करना चाहूंगी उनके इस प्यार के लिए.

क्या आपलोगों ने ये एक्स्पेक्ट किया था कि ओटीटी प्लेटफ़ॉर्म पर भी शो को इतना प्यार मिलेगा?

'बालवीर 3' टीवी और ओटीटी दोनों जगहों पर आता था और आजकल के लोग या बच्चे ऐसा नहीं चाहते हैं कि वो कोई ऐसा शो देखे जिससे उनका समय बंध जाये. जब मेकर्स ने कहा कि इस बार शो टीवी पर नहीं बल्कि सिर्फ ओटीटी पर आएगा तब हमें उम्मीद थी कि शो अच्छा करेगा लेकिन इतना अच्छा करेगा ऐसा नहीं सोचा था हमने. हम सभी बहुत मेहनत करते हैं. एक फैंटसी शो में नॉर्मल ड्रामा शो के मुकाबले कई गुना मेहनत है. ये काम इतना आसान नहीं है लेकिन जब ऑडियंस का इतना प्यार मिलता है तो बहुत अच्छा लगता है.

आपने ज्यादातर नेगेटिव किरदार हीं किये हैं, क्या आपने कभी पॉजिटिव किरदार करने के बारे में सोचा है?

मै चाहती हूँ पॉजिटिव किरदार करना लेकिन शायद मेरी एजेंसी को मै नेगेटिव किरदार में ज्यादा फिट लगती हूँ. मुझे लगता है प्रोडक्शन को मुझे देखते हीं लगता है कि मै दो-चार लोगों की हड्डियाँ तो तोड़ हीं सकती हूँ. वैसे मैंने सच में दो लड़को की नाक फोड़ी है, क्योंकि अगर मुझे छेड़ा तो तुम पिटोगे. मुझे लगता है शायद मै पावरफुल दिखती हूँ इसलिए भी मुझे ऐसे किरदार निभाने को मिलते हैं. टेलीविज़न की जो पॉजिटिव मेन लीड होती हैं वो काफी नाजुक सी दिखती हैं मै कहीं से भी ऐसी नहीं दिखती हूँ.

आप इतनी स्ट्रॉन्ग हैं तो क्या आपने कभी 'खतरों के खिलाड़ी' में जाने के बारे सोचा है?

वहां पर कीड़े-मकोड़े होते हैं, वैसे तो मै छिपकली, चूहा, और सांप को हाथ में पकड़ सकती हूँ लेकिन अगर कॉकरोच आ गया तो फिर मै इस सांतवी मंजिल से कूद भी सकती हूँ. कीड़े-मकोड़ो की वजह से हीं मेरी अभी तक हिम्मत नहीं हुई है. वो तो नहीं लेकिन मै एक डांसर भी हूँ और इसी जुड़ी कुछ बातें चल रही हैं तो शायद मै आपसभी को डांस से जुड़े किसी चीज में दिखूं.

'नच बलिये' का अभी काफी क्रेज चल रहा है तो क्या आपको वहां किसी बलिये के साथ देखा जा सकता है?

बलिये हीं नहीं है किसके साथ जाउंगी.

आपकी पर्सनालिटी काफी स्ट्रॉन्ग है आपने कभी 'बिग बॉस' में जाने की कोशिश क्यों नहीं की?

पैनडेमिक के समय 2020-21 में जो बिग बॉस आया था उसमें मुझे बुलाया गया था लेकीन उस वक़्त मै यूएस में थी इसलिए मै नहीं जा पायी. अभी जब मै बालवीर कर रही थी तब थोड़े समय से वो मिस हो

ऐसे और मजेदार इंटरव्यू देखना चाहते है तो आप हमारे यूट्यूब चैनल Mayapuri Magazine पर देख सकते हैं।

गया. मै बिग बॉस करना चाहती हूँ. मै सिर्फ ऐसी लगती हूँ लेकिन मै बहुत रोती हूँ. मुझे बहुत डर लगता है बिग बॉस से फिर भी जाउंगी क्योंकि मुझे लगता है ये काफी मजेदार होगा.

आप बिग बॉस ओटीटी में जाना पसंद करेंगी या बिग बॉस टेलीविज़न?

जिसका भी रीच ज्यादा हो, जो इस वक़्त मुझे पता नहीं है कि रीच किसकी ज्यादा है. मै ऐसे हीं शो का हिस्सा होना चाहती हूँ जिसकी रीच थोड़ी ज्यादा हो ताकि मुझे और भी लोगों का प्यार मिल सके.

खबरें हैं कि आनेवाले बिग बॉस ओटीटी को सलमान खान होस्ट नहीं करेंगे तो क्या आप जाना पसंद नहीं करेंगी?

सलमान खान बहुत हीं कमाल के होस्ट हैं, मुझे नहीं लगता है उनके जैसा होस्ट और कोई हो सकता है. मगर मुझे विश्वास है मेकर्स जिस किसी को भी लेकर आयेंगे वो सलमान जितना हीं कमाल होगा. मेरे लिए बिग बॉस का मतलब हीं सलमान खान है.

आपने अलग अलग तरह का डांस फॉर्म भी ट्राई किया है क्या आप किसी सेलेब्रिटी डांस रियलिटी शो का हिस्सा बनना चाहती हैं?

मेरे साथ ऐसा हुआ है कि जब भी 'झलक' का नया सीजन आया है वो मेरे दुसरे काम के साथ क्लैश कर जाता था. अभी बात चल रही है किस शो से बात चल रही है ये तो अभी नहीं बता सकती हूँ. मै डांस को लेकर क्रेजी हूँ. मेरी मम्मी कहती हैं अगर मै सोती भी रहती हूँ और किसी ने म्यूजिक बजा दिया तो मेरा बेली हिलना शुरू हो जाता है. मै शायद मर जाउंगी लेकिन डांस नहीं करूँ ऐसा तो हो हीं नहीं सकता है.

आपको आपके बलिये में क्या खूबियाँ चाहिए?

मुझे ऐसा लगता है कि मै मॉडर्न दिखती हूँ लेकिन मै दिल से बहुत ट्रेडिशनल इन्सान हूँ. मै जिस तरह के लोगों को देखते हुए बड़ी हुई थी मुझे वैसे हीं लोग चाहिए क्योंकि आज की जनरेशन के जो बलिये हैं वो मुझे समझ हीं नहीं आ रहे हैं. ये तो सही बलिया मुझे नहीं ढूंढ पा रहा है या मै उसे नहीं ढूंढ पा रही हूँ. मेरे लिए बलिये ढूंढने का काम अब मै ऑडियंस को दे रही हूँ, मेरा बलिये एक बहुत हीं अच्छा इन्सान होना चाहिए, गुड लूकिंग, उसके पास बहुत सारा पैसा होना चाहिए क्योंकि मै एक स्पॉइलड ब्रैट हूँ, मुझे मेन्टेन करना बहुत मुश्किल है. वो बहुत जेनरस, केयरिंग, लविंग होना चाहिए, और उसका सेंस ऑफ़ ह्यूमर अच्छा होना चाहिए, और वो लॉयल भी होना चाहिए.

अपने आनेवाले प्रोजेक्ट्स के बारे में कुछ बताना चाहेंगी?

एक वेब सीरीज है जो फाइनल हो चुकी है बस उसका साईन होना बाकी है. और डांस रियलिटी शो से बात चल रही है. मै बस यही उम्मीद करती हूँ कि इनकी आपस में डेट क्लैश नहीं हो. मुझे लगता है मै पिछले जन्म में उमराव जान थी.

आपने हीरामंडी देखी है?

बिल्कुल देखी है, ये एक ऐसी सीरीज है जिसको मै बार-बार देखना चाहूंगी. मुझे बस यही लग रहा है कि मै उसमें क्यों नहीं हूँ क्योंकि मैंने कत्थक में ट्रेनिंग ली है और आगे भी ले रही हूँ. उसमें जो अदायगी है वो मेरे अन्दर हीं है.

हीरामंडी में आपको सबसे ज्यादा किसका किरदार पसंद आया?

सच कहूँ तो मुझे मनीषा कोइराला का किरदार बहुत पसंद आया. उन्होंने बहुत अच्छा काम किया है.

अजय देवगन और रोहित शेट्टी ने की SSB जवानों से मुलाकात

—असना जैदी

अजय देवगन फिल्म 'मैदान' के बाद रोहित शेट्टी की 'सिंघम अगेन' में नजर आएंगे. फिलहाल फिल्म की शूटिंग जम्मू कश्मीर में हो रही हैं. इस शूटिंग के बीच अजय देवगन और रोहित शेट्टी ने जम्मू-कश्मीर में SSB जवानों से मुलाकात की.

SSB जवानों से मिले अजय देवगन और रोहित शेट्टी

दरअसल, अजय देवगन इन दिनों कश्मीर में फिल्म 'सिंघम अगेन' की शूटिंग कर रहे हैं. वहीं सोशल मीडिया पर एक वीडियो काफी तेजी से वायरल हो रहा है जिसमें अजय देवगन और रोहित शेट्टी सशस्त्र सीमा बल (SSB) के जवानों से मिलते और उनके साथ समय बिताते हुए नजर आ रहे है. उन्होंने अपने सोशल हैंडल पर वीडियो और फोटो शेयर की है. वीडियो में हम देख सकते हैं कि अजय देवगन पुलिस की वर्दी पहने हुए हैं और जवान उनका गर्मजोशी से स्वागत कर रहे हैं. वे उनके साथ पोज भी देते हैं.

15 अगस्त को रिलीज होगी फिल्म 'सिंघम अगेन'

'सिंघम अगेन' फिल्म में न केवल अजय देवगन सिंघम के रूप में वापस आ रहे हैं, बल्कि यह रोहित शेट्टी की पुलिस की दुनिया में रणवीर सिंह और अक्षय कुमार की वापसी का भी प्रतीक है. इस फिल्म में करीना कपूर भी हैं और दीपिका पादुकोण के रूप में पहली महिला सिंघम भी दिखाई देंगी. इस फिल्म में टाइगर श्रॉफ को भी पुलिस की दुनिया में पेश किया गया है. फिल्म इस साल 15 अगस्त को सिनेमाघरों में रिलीज होगी.

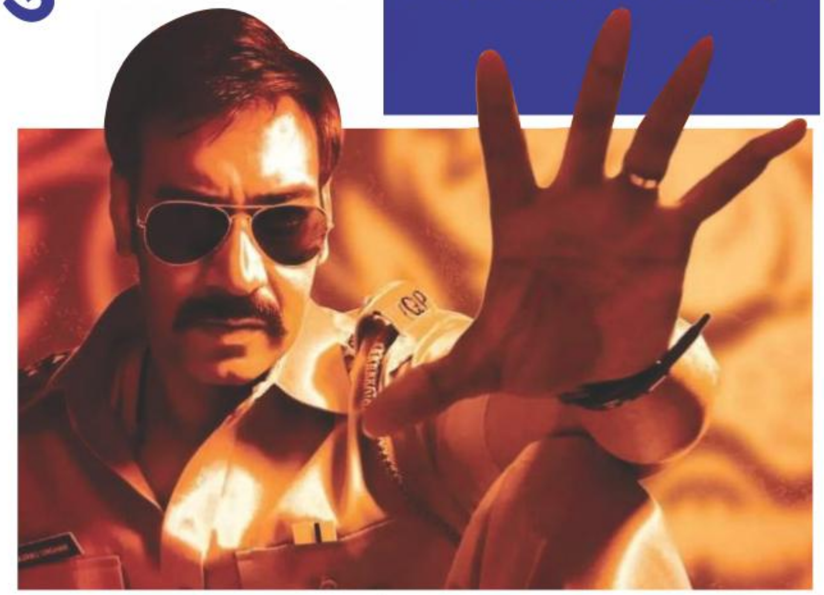

..और, वोट देने सितारे उतरे सड़क पर, लाइन लगाकर बने भीड़ का हिस्सा ! अक्षय कुमार ने पहली बार दिया वोट

– शरद राय

लोकतंत्र के सबसे बड़े उत्सव के पांचवें चरण में, मुम्बई में बॉलीवुड सितारों का नजारा देखने लायक था, जब पर्दे के सितारे जमीन पर जनता के साथ लाइन में लगे पसीने बहा रहे थे। बांद्रा और जुहू के कई पोलिंग बूथ पर जबतब जैसे आकाश में बिजली चमकती है, यहां लाइन में खड़े सितारे दिख जाते थे।कई बार हुआ जब सामान्य जनता में से लाइन में खड़े दूसरे वोटर्स अपने सितारों को आगे जाने का मौका दे रहे थे पर नहीं, सितारे भी थे जो लाइन में लगकर ही, धीरे धीरे आगे बढ़कर, लोकतंत्र की मर्यादा का पालन करते हुए पोलिंग बूथ में दाखिल होकर वोटिंग किए।

गाड़ियां पोलिंग कैम्पस के अंदर ले जाने की इजाजत ना होने के कारण सड़क पर ही रुक रही थी। लिहाजा सितारे भी सड़क पर उतरकर ही चुनाव– कैम्पस के अंदर दाखिल हो रहे थे। बाहर सड़क पर उन्हें देख भीड़

चिल्लाती थी मगर वे अंदर नहीं जा सकते थे, लिहाजा वहीं से आवाज लगाते थे।लेकिन , सितारे भी फैंस के उत्साह बढ़ाने के लिए पीछे नहीं थे। वे वोटिंग के बाद अपनी उंगली पर लगी इंक दिखा रहे थे। हर सितारे की अपील यही थी– ''वोट करो ! सरकार चुनने के अपने अधिकार को जाया मत करो।''

बांद्रा पश्चिम, खार, लोखंडवाला और जुहू में बॉलीवुड सितारे बहुतायत रहते हैं। पोलिंग बूथ पर सितारों की उपस्थिति देखकर लोगों में भी खूब उत्साह था और इन बूथों पर सर्वाधिक वोटिंग होने की खबर है। जबकि इन इलाकों में सेलेब्रिटीज और धनाढ्य अधिक रहते हैं। कहते हैं अधिक पॉपुलर और संपन्न लोग कम वोट करने जाते हैं। फिल्मी सितारों ने इस धारणा को तोड़ा है।वे वोट करने गए और लोगों को वोट करने का संदेश देकर प्रेरित भी किए हैं।सचमुच जब राष्ट्र के प्रति जिम्मेदारी की बात आती है, सितारे आगे खड़े मिलते हैं।

वोट देने वाले सितारों में मिलेनियम स्टार अमिताभ बच्चन, सांसद अभिनेत्री जया बच्चन और उनकी बहू अभिनेत्री व पूर्व विश्व सुंदरी ऐश्वर्या राय को वोट करने आने की खबर सुनकर बताते हैं जुहू एरिया के एक 95 वर्षीय बुजुर्ग भी वोट करने चले आए थे।जिनका स्वागत लोगों ने माला पहनाकर किया था। दूसरे सितारों में धर्मेंद्र और उनका परिवार सन्नी देयोल आदि वोट करने आए थे। हेमा मालिनी की बेटी ईशा देवल के साथ पहुंची थी। हेमा मालिनी मथुरा से बीजेपी की लोक सभा संसद सदस्य हैं और उसी सीट पर वहां से चुनाव भी लड़ रही हैं।लेकिन, वोटर वह जुहू मुम्बई की हैं। अपने व्यस्त चुनावी कार्यक्रम के बीच वह वोट करने आयी थी। हेमा ने वोटरों की लाइन देखकर कहा –''मुझे अंदाजा था कि लोग वोट करने आएंगे लेकिन अंदाजे से अधिक लोग बाहर वोटिंग के लिए निकले हैं।''

वोट देने आने वाले सितारे बेहद उत्साह में दिख रहे थे। शाह रुख खान अपने परिवार के साथ वोट करने पहुंचे थे जो बच्चों आर्यन और सुहाना के साथ अबराम की अंगुलियां पकड़े कैम्पस में दाखिल हुए थे। तब्बू, रेखा, रणवीर सिंह पत्नी दीपिका पादुकोण सहित, रणबीर कपूर, वरुण धवन पिता डेविड धवन के साथ, जाह्नवी कपूर, संजय दत्त बहन प्रिया दत्त के साथ...ये सभी सितारे वोट करके निकलते समय अपनी इंक लगी उंगली दिखाकर मैसेज देते जा रहे थे कि वे वोट कर दिए हैं, आप भी करिए।

हृतिक रोशन अपने माँ बाप और बहन के साथ वोट करने पहुचे थे तो गुलजार बेटी मेघना के साथ दिखाई दिए। गीतकार और सेंसर बोर्ड प्रमुख प्रसून जोशी बेटी ऐश्वर्या के साथ आए थे। फरहान अख्तर बहन जोया अख्तर के साथ वोट करने आए थे। आर माधवन, परेश रावल ने वोट देने के बाद लोगों को कहा कि वोट करें। उनका कहना था– अपनी वोट गुड गवर्नेंस के लिए दीजिए। गवमेंट जो हमारा ख्याल रखे ,हर किसी के भले के लिए सोचे।

अक्षय कुमार जो पहली बार वोटर बने हैं, बेहद उत्साहित थे। विदेशी नागरिकता होने के कारण वह इससे पहले अपने ही देश के वोटर नहीं थे। उन्होंने कहा–'' विकास और मजबूत राष्ट्र बनाने के लिए वोट करना जरूरी है।'' बॉलीवुड के कई नए सितारे इसबार वोटर बने हैं। परेश रावल ने कहा– '' जो लोग हमेशा कम्प्लेन करते हैं सरकार ने ये किया ये नहीं किया, उनके लिए आज का दिन है। आजका दिन आपका है कैसी सरकार चाहिए, चुन लीजिए।''

लोकसभा चुनाव 2024 के पांचवें चरण के लिए बॉलीवुड सेलेब्स महाराष्ट्र में वोट डालने के लिए निकले

किआरा आडवाणी

डायना पेंटी

पी. आर. बालन और विद्या बालन

मेघना गुलज़ार और गुलज़ार

प्रिया दत्ता अपने पति और बेटे के साथ

धर्मेंद्र

जोया अख्तर, हनी ईरानी और फ़रहान अख़्तर

रणबीर कपूर

सुनील शेट्टी

अक्षय कुमार

रणदीप हुड्डा

आहाना कुमरा

जाह्नवी कपूर

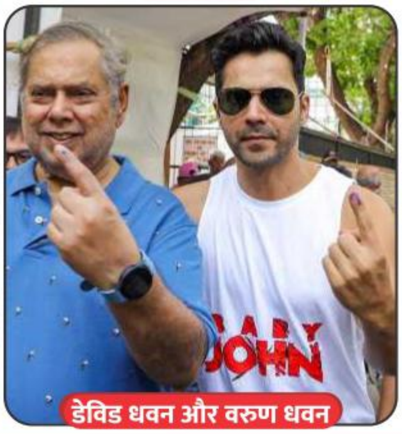

डेविड धवन और वरुण धवन

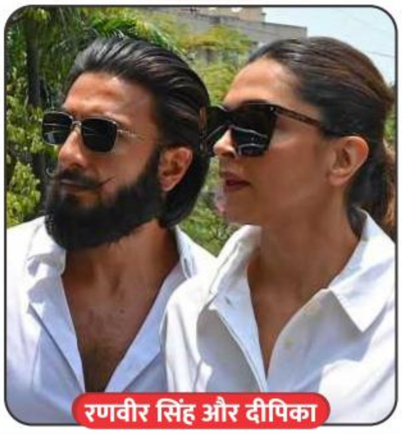

रणवीर सिंह और दीपिका

लोकसभा चुनाव 2024 के पांचवें चरण के लिए बॉलीवुड सेलेब्स महाराष्ट्र में वोट डालने के लिए निकले

शाहरुख़ ख़ान अपने परिवार के साथ

ऋतिक रोशन, सुनैना रोशन, पिंकी रोशन और राकेश रोशन

तमन्ना भाटिया

सानिया मल्होत्रा

सनी देओल

किरण राव और आमिर खान

ईशा देओल और हेमा

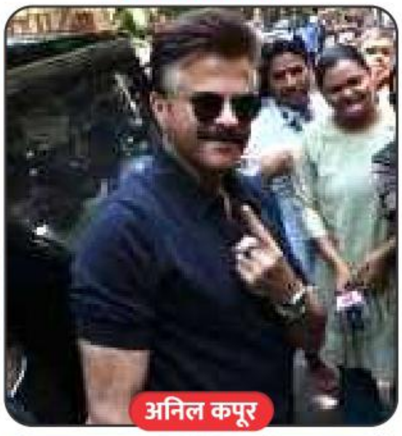
अनिल कपूर

ऐश्वर्य राय बच्चन

परेश रावल

मनोज बाजपेयी

सोनाक्षी सिन्हा

इमरान हाशमी

शाहिद कपूर

अदा शर्मा ने हाथियों के साथ दुर्व्यवहार करने वाले लोगो के खिलाफ खड़े होकर वाइल्डलाइफ एसओएस से हाथ मिलाया

–मायापुरी प्रतिनिधि

अदा शर्मा के लिए 2023 शानदार रहा, जिसमें द केरल स्टोरी अब तक की सबसे ज्यादा कमाई करने वाली महिला प्रधान फिल्म (303 करोड़) रही, इसके बाद उन्होंने सनफ्लावर सीजन 2 भी किया, जहां प्रशंसक उनके अभिनय के कायल हो गए। अभिनय और संगीत के साथ–साथ अदा, पशु सरोकारों के भी काफी करीब हैं। उनके सोशल मीडिया वीडियो में ज्यादातर जानवरों के साथ बातचीत करते हुए दिखाया गया है और हाल ही में उनके एक हाथी को नहलाने का वीडियो भी वायरल हो रहा था।

अब अदा ने वाइल्डलाइफ एसओएस के साथ मिलकर काम करना शुरू किया है।

इस सामाजिक उद्देश्य के बारे में अदा कहती हैं, मैं वाइल्डलाइफ एसओएस का हिस्सा बनकर बहुत उत्साहित हूं। मुझे मेरी जिंदगी में बहुत कुछ मिला है और मैं अब समाज और पशु पक्षियों को कुछ वापस देना चाहती हूं। मैं जानवरों के लिए बहुत कुछ करना चाहती हूं। मैं चाहती हूं कि अधिक से अधिक लोग इसके बारे में जागरूक हों। हम जानवरों को दर्द पहुंचाते हैं और हम उनके प्रति कैसे अधिक संवेदनशील हो सकते हैं। मैं यहां बहुत सारे प्रताड़ित हाथियों से मिली। हाथी जिनकी पीठ, सवारी ढोते ढोते टूट जाती है। वे बहुत बुद्धिमान और दयालु जानवर हैं।

यह देखना अद्भुत है कि अदा अपनी पेशेवर प्रतिबद्धताओं की तरह ही इस परियोजना को भी अपना समय देती है।

काम के मोर्चे पर अदा अगली बार एक अंतरराष्ट्रीय प्रोजेक्ट में दिखाई देंगी जहां वह एक सुपरहीरो की भूमिका निभाएंगी।

दीपिका पादुकोण
ने बेबी बंप के साथ करवाया फोटोशूट

—असना जैदी

दीपिका पादुकोण इस समय अपनी जिंदगी के सबसे बेहतरीन दौर से गुजर रही हैं और अपनी पहली प्रेग्नेंसी का लुत्फ उठा रही हैं. दीपिका पादुकोण और रणवीर सिंह सितंबर 2024 को अपने पहले बच्चे का वेलकम करने जा रहे हैं. वहीं हाल ही में दीपिका पादुकोण ने अपने इंस्टाग्राम पर एक वीडियो पोस्ट किया है जिसमें वह बेबी बंप को फ्लॉन्ट करती हुई नजर आ रही हैं. यही नहीं फैंस को एक्ट्रेस की फोटोज काफी पसंद भी आ रही हैं.

बेबी बंप फ्लॉन्ट करती दिखीं दीपिका पादुकोण

आपको बता दें दीपिका पादुकोण ने अपने इंस्टाग्राम पर एक वीडियो शेयर किया है, जिसमें वह पीले रंग के आउटफिट में नजर आ रही हैं. वीडियो में वह अपना बेबी बंप फ्लॉन्ट करती नजर आ रही हैं. इस वीडियो में दीपिका पादुकोण के चेहरे पर प्रेग्नेंसी का ग्लो साफ दिखाई दे रहा हैं.

पति रणवीर के साथ वोट करने पहुंची थीं दीपिका

दरअसल, प्रेग्नेंसी की घोषणा के बाद हाल ही में दीपिका पहली बार अपने एक्टर–पति रणवीर सिंह के साथ नजर आईं. एक्ट्रेस 20 मई को मुंबई लोकसभा चुनाव 2024 के पांचवें चरण में अपना वोट डालने पहुंची थीं. इस दौरान दीपिका ने ढीली सफेद शर्ट और नीली जींस पहनी थी. लेकिन, इस दौरान दीपिका का बेबी बंप साफ नजर आ रहा था. हालांकि, नेटिजन्स ने उन्हें ट्रोल करना शुरू कर दिया और उनके शरीर पर कुछ भद्दे कमेंट्स किए और यहां तक कि उनके बेबी बंप को फेक तक कह दिया.

'सिंघम अगेन' में नजर आएंगी दीपिका

इस बीच अगर बात हम दीपिका पादुकोण के वर्कफ्रंट की करें तो वह अपनी अपकमिंग फिल्म 'सिंघम अगेन' के लिए तैयार हैं, जिसमें दीपिका लेडी सिंघम की भूमिका निभाती नजर आएंगी. इस फिल्म में अजय देवगन, करीना कपूर खान, रणवीर सिंह, अक्षय कुमार, टाइगर श्रॉफ और अर्जुन कपूर भी होंगे. इसके अलावा, एक्ट्रेस के पास पैन इंडिया फिल्म कल्कि 2898 AD है जिसमें प्रभास, अमिताभ बच्चन और दिशा पटानी भी मुख्य भूमिकाओं में हैं.

आदर्श गौरव ने संगीत की शुरुआत के लिए 90 और 2000 के दशक की शुरुआत के इंडी रॉक दिग्गजों से प्रेरणा ली...

सुलेना मजुमदार अरोरा

अभिनेता **आदर्श गौरव** अपनी छिपी हुई प्रतिभा-संगीत- को उजागर करने के लिए पूरी तरह तैयार हैं। इंडी रॉक और 90 और 2000 के दशक की शुरुआत की संगीत संस्कृति के प्रति अपने प्रेम से प्रेरणा लेते हुए, गौरव ने "एक नई शुरुआत के साथ एक बयान दिया है जो एक अविश्वसनीय रूप से व्यक्तिगत यात्रा को प्रदर्शित करता है।"

आदर्श गौरव कहते हैं, "संगीत रचने की क्रिया में मेरा प्रभाव इंडी रॉक और उन कलाकारों के प्रति मेरे प्यार से आया है जो 90 के दशक की शुरुआत से 2000 के दशक में ऐसा कर रहे थे।" "निर्वाण, द स्ट्रोक्स, इलियट स्मिथ...", पाकिस्तानी बैंड जल, कोक स्टूडियो, एआर रहमान, कोल्डप्ले, पोरकोपाइन ट्री, कार्निवूल-टूल, उस्ताद अमीर खान, किशोरी अमोनकर... और कई अन्य दिग्गजों ने मेरी संगीत यात्रा को आकार देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। उनकी कच्ची ऊर्जा, आत्मनिरीक्षण गीत और प्रयोगात्मक ध्वनियाँ हमेशा मुझसे बात करती थीं। मैं हमेशा उनकी कच्ची ऊर्जा, काव्यात्मक गीत और प्रयोगात्मक ध्वनि की ओर आकर्षित हुआ हूं।"

बचपन से ही आदर्श को गायन का प्रशिक्षण दिया गया और आज भी संगीत के प्रति उनका प्रेम एक प्रवृत्ति के रूप में उनका पीछा कर रहा है। हालाँकि, इस अगले अध्याय के साथ, वह अंततः अपनी विशिष्ट व्यक्तिगत आवाज़ को जारी रखते हुए आगे बढ़ते है जो इंडी रॉक प्रेरित धुनों की महान टेपेस्ट्री के बीच बुनती है।

असंख्य संगीत ध्वनियों के प्रभाव और कहानी कहने के प्रति प्रेम को प्रदर्शित करते हुए, आदर्श गौरव का संगीत श्रोताओं को मंत्रमुग्ध करने के लिए तैयार है, जैसा कि पहले कुछ ही लोगों ने किया है और यह एक कलाकार की आत्मा की गवाही देता है जो उसके अतृप्त जुनून से ग्रस्त है।

शुरू से ही एक गायक के रूप में प्रशिक्षित, उनका कहना है कि यह जीवन में उनका निरंतर साथी रहा है। और अब वह पेज पलटकर इसमें डुबकी लगाने को तैयार है और इंडी रॉक-ऋणी धुनों की समृद्ध परंपरा में अपनी आवाज और परिप्रेक्ष्य जोड़ने के लिए रेडी है।

प्रभावों और बताने के लिए कहानियों के विविध सेट से भरपूर, आदर्श गौरव का संगीत एक कलाकार की आत्मा में एक खिड़की के माध्यम से श्रोता को रोमांचित करने के लिए बाध्य करता है जो अपनी कला के प्रति गहन प्रेम से प्रेरित है।

जैसे ही आदर्श गौरव संगीत में उतरते हैं, वे जो प्रभाव लाते हैं वह विविध होते हैं, फिर भी उसमें वास्तव में सच्चा होने की प्रतिबद्धता हमेशा तीव्र होती है। सिल्वर स्क्रीन से गीतों की दुनिया में उनकी यात्रा किसी भी मीडिया की सीमाओं से बंधे बिना खुद को पूर्ण रूप से जानने और बनने की एक निश्चित प्रवृत्ति को दर्शाती है। इंडी रॉक की लगभग साहित्यिक कहानी कहने से प्रेरित होकर, वह ऐसी धुनों के साथ आए हैं जो उनके जीवन और भावनाओं में खिड़कियां बन जाती हैं और हर किसी के लिए उनकी व्यक्तिगत खोज का हिस्सा बन जाती हैं, जो वास्तव में सच होती हैं। सिल्वर स्क्रीन से गीतों की दुनिया में उनकी यात्रा किसी भी मीडिया की सीमाओं से बंधे बिना खुद को पूर्ण रूप से जानने और बनने की एक निश्चित प्रवृत्ति को दर्शाती है। इंडी रॉक की लगभग साहित्यिक कहानी कहने से प्रेरित होकर, वह ऐसी धुनें लेकर आए हैं जो उनके जीवन और भावनाओं में खिड़कियां बन जाती हैं और हर कोई उनकी व्यक्तिगत खोज का हिस्सा बन जाता है।

आज की तारीख में, रुझानों और त्वरित प्रसिद्धि से प्रेरित दुनिया में, आदर्श द्वारा इंडी रॉक के कालातीत आकर्षण के प्रति प्रतिबद्धता उनके द्वारा बनाए रखी गई कलात्मक अखंडता के बारे में बहुत कुछ बताती है। वह जो भी गाते हैं और जिस भी तार को बजाते हैं, वह अपनी रचनात्मक अभिव्यक्ति की सीमाओं को निडरता से आगे बढ़ाते हुए जड़ों के प्रति वफादार रहते हैं। ऐसा करके, वह न केवल उन आइकनों को श्रद्धांजलि अर्पित करते हैं जिन्होंने उनकी संगीत यात्रा को आकार दिया है, बल्कि श्रोताओं की एक नई पीढ़ी के लिए एक रास्ता भी तैयार किया है ताकि वे संगीत में कच्ची, अनफ़िल्टर्ड भावना की शक्ति की खोज कर सकें।

सांस्कृतिक मिश्रण का जश्न:
कान्स फिल्म फेस्टिवल 2024 में भारतीय पोशाक और फैशन ने धूम मचाई...

— सुलेना मजुमदार अरोरा

जाने-माने फैशन स्टाइलिस्ट अक्षय त्यागी ने इस साल विश्व स्तर पर प्रशंसित कान्स फिल्म फेस्टिवल 2024 में अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन जारी रखा। स्टाइल मास्टर ने लाइफस्टाइल कंटेंट निर्माता और उद्यमी दीपा बुल्लर-खोसला और भारतीय पुरुषों के सौंदर्य कंटेंट निर्माता अंकुश बहुगुणा के पोशाकों पर काम किया। त्यागी के ताज़ा फैशन, अद्वितीय विज़न और अद्वितीय रचनात्मकता के साथ, उन्होंने निश्चित रूप से रेड कार्पेट पर एक अमिट छाप छोड़ी है।

दीपा के लुक की प्रेरणा, फाल्गुन और शेन के न्यूयॉर्क शो में पाई जा सकती है, जिसे लक्जरी लॉं द्वारा रचनात्मक रूप से निर्देशित किया गया था। अक्षय कवच डिजाइन से प्रेरित थे जो संग्रह का एक प्रमुख हिस्सा था। इस बैठक ने एक रचनात्मक चिंगारी को प्रज्वलित किया जिससे एक विज़नरी अवधारणा का जन्म हुआ जो भारतीय विरासत की समृद्ध टेपेस्ट्री का सम्मान करते हुए ग्रीक और रोमन सौंदर्यशास्त्र की शाश्वत लालित्य के साथ पुराने हॉलीवुड ग्लैमर के तत्वों को पूरी तरह से मिश्रित करती है। यह पहनावा एक सुंदर धोती शैली के ड्रेप के साथ पारंपरिक साड़ी की आधुनिक पुनर्व्याख्या पर केंद्रित है जो भारत की सांस्कृतिक जड़ों को ट्रिब्यूट देता है। लेकिन अपनी सौंदर्यवादी अपील से परे, यह सशक्तिकरण का एक गहरा संदेश देता है।

महिलाओं में निहित अदम्य शक्ति और लोच का अति सावधानी से तैयार किया गया हीरे का टुकड़ा जो कवच को सुशोभित करता है, वो स्त्रीत्व का प्रतीक है, जो परिवर्तन और सशक्तिकरण की यात्रा को दर्शाता है। यह एक सतत निर्माण प्रक्रिया थी जिसमें हफ्तों की जटिल शिल्प कौशल और बेहतरीन रत्नों की सोर्सिंग के कई महीने शामिल थे, जो एक उत्कृष्ट कृति में परिणत हुई और सीमाओं को पार करते हुए कल्पना को पकड़ लेती है। फाल्गुन और शेन और अक्षय के बीच सहयोग ने इस दृष्टिकोण को जीवंत किया जो न केवल उनकी रचनात्मक कौशल बल्कि वैश्विक मंच पर भारत का प्रतिनिधित्व करने की उनकी प्रतिबद्धता भी साबित करती है।

डेमियन की हीरे की बालियों के संयोजन ने एकदम सही फिनिशिंग टच प्रदान किया, जिससे पहनावा परिष्कार और ग्लैमर की नई ऊंचाइयों पर पहुंच गया। अंकुश के प्रथम लुक में, अक्षय ने प्रसिद्ध भारतीय डिजाइनर और तोरानी जनजाति के संस्थापक करण तोरन की कृतियों को चुना। इस लुक ने विदेशी धरती पर भारत की समृद्ध कपड़ा विरासत को होमेज दी। बहुगुणा ने युवा पहनावे में उत्सव की शोभा बढ़ाई, जिसमें एक फूलों की कढ़ाई वाला दुपट्टा और एक तेंदुए प्रिंट केप-कम-कोट को बैंगनी अंगरखा और पैंट के साथ जोड़ा गया था और जूते के साथ सजाया गया था।

इंडिया पवेलियन की ओर बढ़ते हुए, अक्षय बहुगुणा ने अभिषेक शर्मा की बनाई हुई पोशाक चुनी, जिसमें फ्रेश हॉटनेस वाला माहौल है और जटिल बीडिंग से सजी एक लिनेन शर्ट है। इस समकालीन भारतीय बंदगला को कस्टम पेटिना जूतों के साथ खूबसूरती से पेश किया गया था, जिसने पहनावे में परिष्कार जोड़ा था। अंकुश की उपस्थिति वाले एक कार्यक्रम में, बहुगुणा ने राजदीप राणावत द्वारा डिज़ाइन की गई एक शानदार रेशम जैकेट और पतलून में उत्कृष्टता का परिचय दिया, जिसके साथ एक टोटल क्रिस्टल अलंकृत शर्ट पहनी हुई थी। आम्रपाली के विशेष पेटिना लेस-अप जूतों और बेहतरीन आभूषणों के साथ, यह पहनावा, ग्लैमर और रॉयल्टी को दर्शाता है, जो अपने मंत्रमुग्ध कर देने वाले आकर्षण से सभी को मंत्रमुग्ध कर देता है। रेड कार्पेट ग्रैंड फिनाले के लिए, अक्षय ने क्लासिक टक्सीडो की एक अनूठी व्याख्या तैयार करने के लिए रोसानी डिजाइनर रोहिताश नोटानी के साथ सहयोग किया, जो बहुगुणा के 'विंग इट विद अंकुश' व्यक्तित्व का प्रतीक है। आधुनिक फेदर्स वाला पहनावा, काले सूट के समुद्र से अलग दिखता है, जो लालित्य और वैयक्तिकता को व्यक्त करता है। अक्षय के अनुसार, "कान्स 2024 के लिए क्यूरेट किया गया प्रत्येक लुक एक अनूठी कहानी को दर्शाता है, जहां विरासत, समकालीन परिष्कार से मिलती है। प्रतिभाशाली डिजाइनरों के साथ सहयोग करना और ऐसे संग्रह लाना, सम्मान की बात है जो न केवल व्यक्तित्व का जश्न मनाते हैं बल्कि वैश्विक मंच पर भारत की समृद्ध सांस्कृतिक प्रतिष्ठा को भी स्वीकार करते हैं।'अक्षय की रचनात्मक प्रतिभा और व्यक्तित्व का सम्मान करने की प्रतिबद्धता कान्स 2024 के सभी समारोहों में स्पष्ट है, जिससे फैशन की दुनिया में एक लीडिंग शक्ति के रूप में उनकी स्थिति मजबूत हुई है।

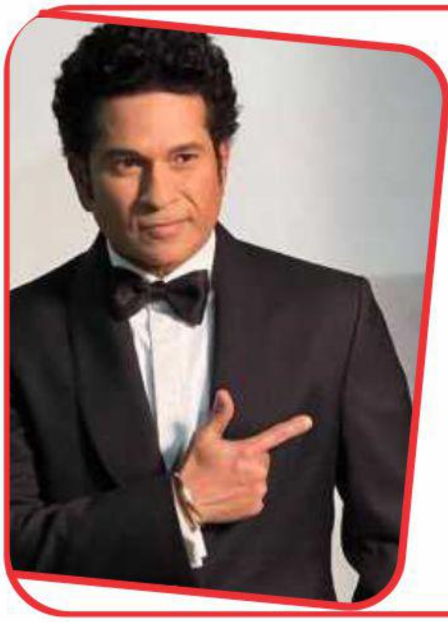

सचिन तेंदुलकर

पूर्व क्रिकेटर

कोई भी मैच हो, जरूरी नहीं कि उसमें दर्शकों की पसंदीदा टीम ही हर बार जीते, लेकिन एक लोकतंत्र में ऐसा हमेशा ही होता है। मतदाताओं के हाथों में कितनी बड़ी शक्ति है! इसलिए आइए वोट करें!...

प्रिया बनर्जी और प्रतीक बब्बर के घर के पसंदीदा कोने की एक मनमोहक झलक है

वापसी को तैयार सोनम खान, बॉलीवुड फिल्मों के बजाय ओटीटी प्रोजेक्ट को प्राथमिकता देंगी...

नेटफ्लिक्स की "लापता लेडीज़" की मंजू माई उर्फ छाया कदम ने कान्स में डेब्यू किया, पहनी दिवंगत माँ की साड़ी

और भी ज्यादा बॉलीवुड न्यूज़ पढ़ने-देखने के लिए Mayapuri.Com

और भी ज्यादा बॉलीवुड न्यूज़ पढ़ने-देखने के लिए Mayapuri.Com

काजोल ने शेयर की चौंकाने वाली रहस्यमयी पोस्ट,हुई ट्रोल

सलमान ने बिग बॉस OTT छोड़ा, अनिल कपूर शो के सीजन 3 की करेंगे मेजबानी!

इस ओटीटी प्लेटफॉर्म पर रिलीज होगी रणदीप हुड्डा की स्वतंत्र वीर सावरकर

'घर मोरे परदेसिया' पर डांस करती आलिया को ऑस्कर के पेज पर दिखाया गया

Shrimad Ramayan में 'राम सेतु प्रसंग' में भगवान राम की विजय देखें

और भी ज्यादा बॉलीवुड न्यूज़ पढ़ने-देखने के लिए Mayapuri.Com

जयाप्रदा की एक्टिंग में वापसी पहली बार ओटीटी पर्दे पर आ रही हैं 'फातिमा' बनकर

– शरद राय

एक लंबे समय से जयाप्रदा पर्दे से दूर रही हैं। पिछले कुछ सालों से वह राजनीति में सक्रिय रही हैं। अब वह राजनीति से दूर, एकबार फिर एक्टिंग की ओर मुड़ी हैं। ओटीटी के लिए तैयार संजीव राय निर्देशित वेब सीरीज ''फातिमा'' से वह दर्शकों के सामने लौटी हैं। 'फातिमा' का प्रसारण भारत मे रिलायंस एंटरटेनमेंट और ओवरसीज में अमेजॉन चैनल पर 23 मई से 12 बजे निर्धारित हुआ है। जिसका ट्रेलर पहले ही लोगों द्वारा पसंद किया जा रहा है।

एक समय खूब सुरती का पर्याय कही जाने वाली जयाप्रदा कभी साउथ की फिल्मों का स्टारडम पीछे छोड़कर बॉलीवुड में आई थी। फिर बॉलीवुड के कामयाब करियर और टॉप की स्टारडम से दूर होकर वह पॉलिटिक्स से जुड़ गई। पहले राज्यसभा सांसद फिर लोकसभा और अब पूर्व सांसद के रूप में राजनीति में वह अपना अलग मुकाम रखती हैं। अब वह फिर एकबार पर्दे पर वापसी ली हैं। वेब सीरीज 'फातिमा' में वह मुख्य प्रोटोगोनिस्ट 'फातिमा' का किरदार निभा रही हैं। इस सीरीज के द्वारा जयाप्रदा अपने जीवन मे पहली बार किसी मुस्लिम कैरेक्टर को पर्दे पर अभिनित की हैं। 'फातिमा' के प्रथम सीजन की दस कड़ियां टेलीकास्ट पर हैं। फिल्मों में अपनी वापसी पर वह कहती हैं – ''बॉलीवुड फिल्म इंडस्ट्री मेरा घर है। मैं हमेशा यहां अपने लिए एक कम्फर्ट जोन महसूस करती हूं।''

वेब सीरीज 'फातिमा' के दूसरे कलाकार हैं हितेन तेजवानी, कायनात अरोरा, बरखा बिष्ट, बंटी चोपड़ा, अमित जे.शर्मा आदि। सीरीज के लेखक निर्देशक हैं संजीव राय और निर्माता हैं फर्स्ट हैंड एंटरटेनमेंट और डी एस चावला।

यह सीरीज आज के जोनर की कहानी है। रेप रिवेंज ड्रामा है। ''एक मां अपनी बेटी से बलात्कार करने वालों के पीछे रिवेंज लेने के लिए लगी है।'' बताते हैं लेखक निर्देशक संजीव राय। हितेन तेजवानी एक ईमानदार पुलिस अधिकारी हैं जो तहकीकात पर हैं और शक के फंदे में उनकी पत्नी कायनात अरोरा आ गयी हैं। बरखा बिष्ट का एक महत्वपूर्ण किरदार है। सारी कड़ियाँ जुड़ती हैं फातिमा की तरफ। जयाप्रदा कहती हैं– ''आज का सिनेमा बदल गया है। तकनीक मेकिंग और स्टोरी टेलिंग सब अलग है बट इसेन्स इज सेम!''

जयाप्रदा को 'फातिमा' का रोल कराने के लिए तैयार कैसे कराया? इस पर संजीव राय बताते हैं– ''जया जी पहली बार पर्दे पर मुस्लिम किरदार कर रही हैं। वह अपने जीवन में पहले कभी मुस्लिम रोल नहीं की हैं। आज कल वह बीजेपी में हैं और कोई बीजेपी नेता पर्दे पर मुस्लिम करेक्टर करे यह भी एक आकर्षण की बात है !'' संजीव कहते हैं। '' एक मुलाकात में उनको कहानी सुनाया और उनको पसंद आ गया। बोली– 'मेरी वापसी के लिए अब कोई और कहानी सुनने की जरूरत नहीं रह गयी है। इस कहानी में एक मैसेज है, मैं चाहूंगी इसे करुं '... और इस तरह जया जी 'फातिमा' बन गयी।'' संजीव राय इससे पहले हिंदी और बंगाली में फिल्मे दे चुके हैं। उनकी हिंदी फिल्म थी – 'जी लेने दो एक पल' और बंगला फिल्म थी' अमी जो तोमार' जो फिल्म समारोहों में बहुत सराही गयी हैं। संजीव राय का भी किसी वेब सीरीज के प्लेटफॉर्म पर उनका डेब्यू है। ''सभी कलाकारों ने मुझे भरपूर सहयोग दिया है। जया जी का सपोर्ट तो बहुत ज्यादा रहा।वह फिल्म और पॉलिटिक्स दोनो जगह स्टार रही हैं बावजूद इसके शूटिंग के सैट पर बहुत ज्यादा को–ऑपरेटिव होती हैं। अच्छा से अच्छा रिजल्ट देने के लिए वह मेहनत से पीछे नहीं हटती और हमें उत्साहित करती हैं।''

हर पार्टी के बड़े-बड़े नेता सिर्फ और सिर्फ नरेंद्र मोदी को हराने में लगे हुए है

–मायापुरी प्रतिनिधि

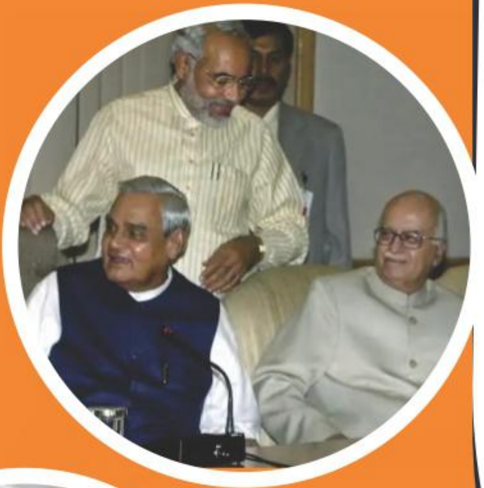

अगर हम आजकल चल रहे चुनाव की बात करें तो आपको हर पार्टी सिर्फ एक ही आदमी को हराने में एकजुट नजर आएगी और उस आदमी का नाम है नरेंद्र मोदी, हर पार्टी के बड़े-बड़े नेता सिर्फ और सिर्फ नरेंद्र मोदी को हराने में लगे हुए है जबकि सच्चाई यह है कि नरेंद्र मोदी को हराना उनके लिए किसी चमत्कार से कम नहीं है ऐसा इसलिए नहीं है कि नरेंद्र मोदी कोई चमत्कारी पुरुष हैं बल्कि उनकी लगन उनकी राजनीतिक सोच उनकी सामाजिक पहुंच और समझ,और साथ ही अपनों से बड़ों का सम्मान और नैतिक मूल्य को अपने जीवन में ढालने की प्रेरणा उन्हें राजनीति की हर दौड़ में बनाए रखे हुए हैं ।

सही तो यह है कि मोदी जी की ताकत यह नहीं है कि वह बहुत बड़े पॉलिटिशियन है या सारी हिंदुत्ववादी शक्तियां उनको सपोर्ट कर रही हैं, बल्कि मोदी जी की ताकत में उनका 45 साल का एक्सपीरियंस मिक्स है। उन्होंने जहां आरएसएस में 15 साल से रहकर समाज के हर तबके और वर्ग को अच्छी तरह समझा और उसका अध्ययन किया, 15 साल लगातार भाजपा के कार्यकर्ता रहकर पार्टी के उत्थान और पार्टी को बनाने, चलाने और इलेक्शन के हार जीत के पैटर्न को समझा और जाना और फिर 15 साल उन्होंने गुजरात के मुख्यमंत्री के रूप में रहकर एडमिनिस्ट्रेशन को समझा और चलाया।

अगर मोदी जी के इस 45 साल के एक्सपीरियंस को देखें तो शायद हमें देश की राजनीति में बहुत ही कम ऐसे आदमी मिलेंगे जो उनकी श्रेणी के हो, मोदी जी अच्छी तरह जानते हैं कि पब्लिक उनके मुंह से क्या सुनना चाहती है और उनका दुख दर्द को कैसे दूर किया जा सकता है।

यही कारण है कि दूसरे राजनीतिज्ञ लाख चाहकर भी जैसे दो बार उन्हें प्रधानमंत्री बनने से नहीं रोक पाए वैसे ही तीसरी बार भी नहीं रोक पाएंगे।

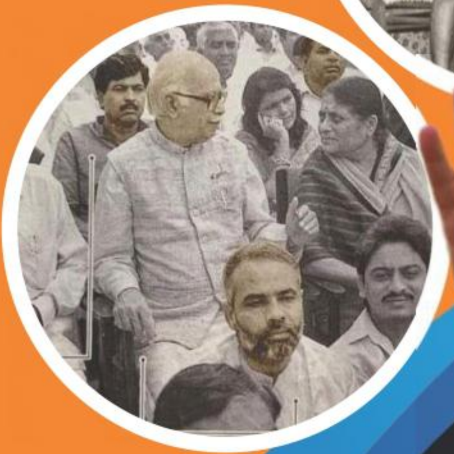

"नसीरुद्दीन शाह और उनके परिवार वाले कभी मुझ पर दबाव नहीं डाले कि मैं इस्लाम कबूल करूं !" कहना है रत्ना शाह का

– शरद राय

इन दिनों पूरे देश मे जब धर्म को टारगेट करके चर्चाएं चल रही है और कन्वर्शन पर फिल्में बन रही हैं, ऐसेमें ध्यान जाता है बॉलीवुड के कुछ सितारों पर जो स्वेच्छिक प्रेम विवाह किए हैं और खुशहाल जीवन जी रहे हैं। बॉलीवुड के दो लिजेंड एक्टर नसीरुद्दीन शाह और रत्ना पाठक शाह का जीवन ऐसा ही है। उन्होंने एक्टिंग के क्षेत्र में अपना वर्चस्व कायम किया, प्रेम विवाह किया और आजतक एक आदर्श पति–पत्नी का जीवन जी रहे हैं। दोनो कमाल के एक्टर हैं, एक दूसरे के एक्टिंग स्किल्स के प्रशंसक हैं। एक दूसरे के पूरक हैं घरेलू जीवन मे, और उनमे उनके अभिनय पक्ष को लेकर भी कोई क्लेश या विवाद जैसी कोई खबर कभी नहीं आयी। अपने विधर्मी–विवाह में आई किसी दिक्कत की चर्चा में रत्ना

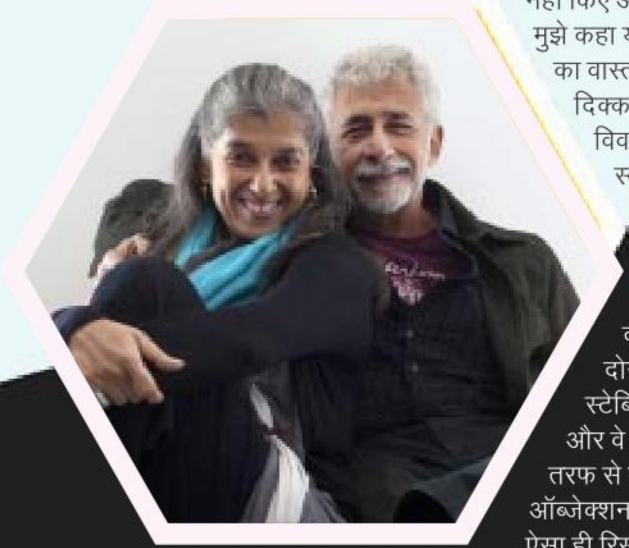

पाठक शाह ने बेहिचक हमेशा मीडिया से खुलकर बातचीत किया है।

"हमारे बीच कभी ऐसा कोई इशू नही रहा है कि हम दोनों हिन्दू–मुस्लिम की बात भी अपने बीच आने दें। उनका जीवन उनका है और मेरा जीवन मेरा है। हम सुलझे हुए लोग, सभ्य समाज मे जीने वाले लोग हैं। दिक्कत वहां होती है जहां समझ नहीं होती।"

नसीर से अपने विवाह करने की चर्चा में वह कहती हैं – " जब हमने एक होने का फैसला किया, परिवार को बताना ही था। मेरे पिताजी थोड़े पशोपेश में थे। वह अंदर से खुश नहीं थे कि मैं नसीर से शादी करूं। हमें दोनो को दोनो ही धर्मों में फेथ था। नसीर (नसीरुद्दीन शाह) के घर वाले भी कोई फुस फुस नहीं किए और ना ही उन्होंने धर्म कन्वर्शन के लिए मुझे कहा या मेरे ऊपर दबाव डाला। जब आप धर्म का वास्तविक मतलब समझेंगे तो कभी कोई दिक्कत नहीं होगी? खैर, जब हमने विवाह किया पिताजी का स्वर्गवास हो चुका था।

मां (दीना पाठक) और नासिर एक दूसरे को जानते थे, दोनों का अपना स्टेब्लिसड कैरियर था और वे फ्रेंड थे। मां की तरफ से कोई ऑब्जेक्शन नहीं था और, ऐसा ही रिस्पॉन्स उनके परिवार की तरफ से भी रहा। किसी ने कोई सवाल नहीं किया। उनके परिवार के लोग मुझपर कोई दबाव नहीं डाले कि मैं इस्लाम कबूल करूं तब हमें एक होने देंगे। वो समय और आज का समय हमदोनों हर चीज हर बात अपनी जगह वैसे ही पाते हैं।"

"मुझे लगता है जो लोग समझदार हैं वे एक समझ पूर्ण जिंदगी जीते हैं उनके लिए मजहबी बातें कोई अर्थ नहीं रखती।" वह कहती हैं। हमारी फिल्म इंडस्ट्री में बहुत से लोग ऐसे हैं जो नसीर और रत्ना की तरह पति– पत्नी हैं। वे अपनी अपनी जिंदगी अपनी तरह से जीते हैं। यहां ना कोई दबाव है ना आरोप–प्रत्यारोप है।

मिल गया 'रामायण' को रावण ! यश ने दे दिया स्वीकृति, वही बनेंगे रावण ! फिल्म रिलीज होगी 2027 में

– शरद राय

शायद इस दशक की बहुचर्चित फिल्म होगी ''रामायण'', जो बनने से पहले ही इतनी सुर्खियां बटोर चुकी है कि खुद इसके मेकर नितेश तिवारी ने कहा है कि फिल्म शुरू नहीं हुई और पब्लिसिटी इतनी हो गयी कि... ना भूतो ना भविष्यति ! किताब के पन्नों से निकल कर 'रामायण' की राम कथा अब सिनेमा के पर्दे पर तैयारी पाने के लिए पूरी तरह सुसज्ज हो चुकी है। फिल्म के एक अहम पात्र रावण के चुनाव में बार बार बाधाएं आ रही थी। फिल्म को लेकर, नई खबर है कि रामायण के मेकरों को उनकी पसंद का बड़ा वाला रावण मिल गया है। ये हैं कन्नड फिल्मों के स्टार और पैन इंडिया फिल्म KGF2 के नायक यश !

बता दें कि रावण कौन बनेगा, इसबात पर फैसला नहीं हो पा रहा था। बार बार लोगों की आम सहमति KGF स्टार यश पर बनती थी। शुरू में यश प्रोजेक्ट में आए फिर वाकआउट कर गए। फिर खबर उनके जुड़ने की आयी तब उनकी सफाई आ गयी की वे फिल्म रामायण का हिस्सा हैं लेकिन एक्टर के तौर पर नहीं, बल्कि को– प्रोड्यूजर के तौर पर। एक खबर यह भी बनी थी कि वह टिमा में सबसे अधिक पेमेंट दिए जाने के प्रस्ताव पर भी रावण बनने के लिए तैयार नहीं हुए हैं। अंततः अब इस बात की पुष्टि हो गयी है कि यश ही 'रामायण' के रावण रहेंगे।

बतादें की 'रामायण' में राम की भूमिका के लिए कोई भागदौड़ नहीं हुई। इसके लिए रणबीर कपूर शुरू से अबतक सभी के लिए आखिरी पसंद रहे हैं। रणबीर कपूर ने राम बनने की सारी तैयारियां–फिजिक, लुक, धनुष– संधान, चितवन, बैठने और चलने की स्टाइल को रिहर्सल करके साध भी लिया है।वह फिल्म के शूट का हिस्सा भी बन चुके हैं। थोड़ी सी मुश्किल सीता की भूमिका के लिए आई थी। पहले जब फिल्म की बात शुरू हुई थी, सीता के लिए दीपिका पादुकोण के नाम पर विचार हुआ था। दीपिका कभी रणबीर की प्रेमिका थी। 'पठान' फिल्म में और दूसरी फिल्मों में उनके उन्मुक्त ग्लैमरस अंदाज के चलते वह सीता नहीं बन सकी। तब बोर्ड पर आलिया भट्ट आयी। रणबीर–आलिया पति–पत्नी बन गए, एक बेटी के मां–बाप बन गए। आलिया का नाम सीता की भूमिका से

खारिज होगया। अंततः सीता फाइनल हुई दक्षिण फिल्मों की सुपर स्टार साई पल्लवी। साई पल्लवी भी अब सीता के गेटअप में फोटो शूट का हिस्सा बन चुकी है। फिल्म की 350 दिनों की शूटिंग शेड्यूल में रावण का सेलेक्शन हुए बिना बात आगे नहीं बढ़ पा रही

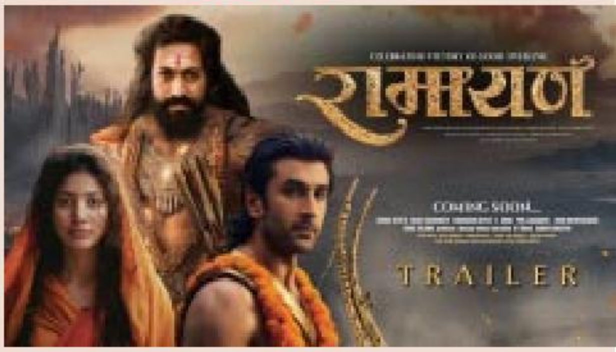

थी। हालांकि फिल्म दो पार्ट में बन रही है और रावण का अधिकांश काम दूसरे पार्ट में ही पड़ने वाला है।लेकिन निर्माता चाहते हैं दोनो पार्ट की शूटिंग एक साथ कि जाए ताकि कलाकारों के लुक और अभिनय स्टाइल में अंतर नजर नहीं आए। रावण का रोल करने के लिए यश की स्वीकृति से नितेश तिवारी की टीम को बड़ी राहत मिली है। वह एक ऐसा रावण पेश करना चाहते हैं जो पर्दे का इतना बड़ा रावण साबित हो जितना किसी रामायण फिल्म के रावण को प्रसिद्धि नहीं दिया। यहां तक कि रामानंद सागर के धारावाहिक रामायण के अरविंद त्रिवेदी को भी वो चर्चा ना मिली हो।

850 करोड़ की लागत से बनने वाली इस फिल्म को एक मल्टी स्टारर फिल्म के कैनवास पर अब तक की सबसे बड़ी फिल्म कहा जाना ठीक होगा। इस फिल्म में राम (रणबीर कपूर), सीता (साई पल्लवी), रावण (यश) बड़े पर्दे के बड़े स्टार तो हैं ही, हनुमान की भूमिका करने वाले सनी देओल सुपर स्टार हैं। फिल्म के दूसरे स्टार कलाकार हैं कैकेयी की भूमिका में लारा दत्ता, दशरथ की भूमिका में अरुण गोविल और लक्ष्मण की भूमिका में रवि दुबे। रामायण की संगीत रचना के लिए एआर रहमान और हॉलीवुड कम्पोजर हंस जिम्मर का चयन किया गया है।

रामायण में यश के रावण बनने की स्वीकृति के बाद कहा जा रहा है कि निर्देशक नितेश तिवारी को उनका बड़ा वाला रावण मिल गया है। फिल्म का प्रथम खण्ड 2027 में रिलीज किया जाएगा जबकि खण्ड दो पहले खंड से एक साल बाद।

राधे माँ ने किया मुम्बई में वोटिंग, दिया भक्तों को वोट करने का संदेश

– शरद राय

देशमे हुए पांचवें चरण के मतदान में मुम्बई में साध्वी 'राधे मां' ने भी मतदान में हिस्सा लिया। उन्होंने कहा ''जो देश का विकास करे, मेरा वोट उसके लिए है।'' बता दें कि राधे मां के देश भर मे लाखों अनुयायी और भक्त हैं। फिल्म इंडस्ट्री में भी बहुत से सितारे, निर्माता, निर्देशक उनके परम भक्त हैं और नियमित उनके सत्संग में शामिल होते हैं। सोमवार 20 मई को पाचवें दौर के मतदान के दिन वह अपने कार्यक्रम में बदलाव करके मुम्बई में सिर्फ इसलिए थी कि यहां कि वह वोटर हैं। ग्लोबल एडवरटाइजिंग के ओनर श्री संजीव गुप्ता ने राधे मां को चुनाव बूथ तक जाने के लिए विशेष सुरक्षा व्यवस्था कराया था। राधे मां वोट करने गयी तो भक्तों से घिर गई थी। वोट करने के उपरांत श्रद्धेय राधे मां ने कहा– '' मैंने विकास के लिए वोट किया है। जो देश का विकास करने वाले नेता हैं मैंने उनके लिए वोट किया है। मैंने तरक्की के लिए वोट किया है, एक ऐसे नेता के लिए जो देश को आगे बढाएगा।

वोट के बाद राधे मां ने प्रेस से बात करते हुए कहा –''मैंने अपने पसंदीदा नेता के लिए वोट किया है मुझे लगा है जो देश की तरक्की करने वाले नेता हैं उन्हें जितना चाहिए, उन्हें आशीर्वाद देना चाहिए। देश का नागरिक होने के नाते हम सभी को वोट जरूर करना चाहिए।'' बताने वाली बात है कि राधे मां सामान्यतया राजनैतिक पार्टियों से दूरी बनाकर रखती हैं और नेताओं की प्रशंसा से दूरी बनाकर रखती हैं। वोट देने के लिए उनका कहना है–''यह राष्ट्र के हित की बात है। जिनको अपने देश से प्रेम है वे जरूर वोट करने जाएं।''

अंकुर ओझा और परी ठाकुर की आवाज में एक एल्बम ने महीने भर में एक मिलियन से अधिक लोगों का मन बहलाया, दर्शकों ने कहा– 'मन क्यों बहका जा रहा है'

शान से एंटरटेनमेंट के बैनर तले बना अंकुर ओझा और परी ठाकुर की आवाज वाला एक वीडियो एल्बम इनदिनों चर्चा में है। एल्बम का नाम है 'मन क्यों बहका जा रहा है'। इस वीडियो एल्बम के रोमांटिक चेहरे हैं शांतनु भामरे और अना गैवरिचकोवा । इस एल्बम को महीने भर से कम समय मे 1.2 मिलियन व्यूज मिले हैं। यह एक बेहद रोमांटिक गीत एल्बम है।

अंकुर ओझा इस एल्बम के गीतकार संगीतकार हैं। मोहक आवाज की मल्लिका परी ठाकुर ने अंकुर के साथ जितनी खूबसूरती से गीत गाया है उतनी ही खूब सुरती से गीत का वीडियो फिल्मांकन हुआ है। इस एल्बम के निर्माता हैं शांतनु भामरे और वीडियो निर्देशन किया है रवि शर्मा ने। कोरियोग्राफी किया है चेतना सिंह ने। निर्माता शांतनु ने कई वीडियो एल्बम किए हैं, वो अभिनेता हैं, मॉडल हैं और म्यूजिक प्रोड्यूसर हैं। वह फिल्मों में भी एक्टिंग कर रहे हैं। जी म्यूजिक प्लेटफॉर्म पर उनके कई गानों के एल्बम आ चुके हैं। रूसी मॉडल अना गैवरिचकोवा फिल्म 'केरला स्टोरी' में काम कर चुकी हैं। यह एल्बम दर्शकों और श्रोताओं को पसंद आ रहा है जिसे सुनते हुए वे बरबस कह उठते हैं मन क्यों बहका जा रहा है ?

– शरद राय

मूवी रिव्यू:- 'भैया जी'

एक बिहारी सब पर पड गया भारी

★★★

—चंद्र मोहन शर्मा
सीनियर फिल्म क्रिटिक

अगर मैं चंद शब्दों में इस फिल्म के बारे में कुछ कहू तो अब करीब 55 साल की उम्र में फिल्म इंडस्ट्री में एंट्री के बाद अब तक करीब 100 फिल्मे कर चुके मनोज बाजपेई ने अपनी इस फिल्म में बॉक्स ऑफिस पर हिट रही सलमान की वांटेड, दबंग, अजय की सिंघम, अक्षय की राउडी राठौर सहित कई सुपर स्टार्स की एक्शन फिल्मों से कुछ न कुछ मसाला भैया जी में फिट कर दिया, इस फिल्म को देखते हुए मुझे राजेश खन्ना की सुपर हिट फिल्म रोटी याद आ गई उस फिल्म में हीरो एक रोटी के लिए मर्डर करता है तो मनोज की इस फिल्म में रोटी नहीं एक परांठे के लिए हीरो के छोटे भाई को बड़ी बेरहमी के साथ मारा जाता है और इसके बाद बिहार के ये भैया जी दिल्ली में आकर ऐसा तांडव मचाते है जो इस फिल्म की शुरुआत से द एंड तक आप देखते जाए बस कही भी दिमाग से कुछ भी न सोचिए अगर ऐसा किया तो आप हाल से निकल जाएंगे वरना मसाला एक्शन फिल्मों के दीवानों के लिए भैया जी पैसा वसूल फिल्म तो है. मैने बरसो से अपने कुछ बिहारी दोस्तो के मुंह से अक्सर यह सुना है एक बिहारी सब पर भारी , इस फिल्म में हीरो अपने फावड़े के साथ सब पर भारी रहा है. मनोज बाजपेयी की फिल्म 'भैया जी' में दमदार एक्शन सीक्वेंस, इमोशन और रोंगटे खड़े करने वाले बेहतरीन एक्शन सीन्स हैं.

स्टोरी प्लॉट

कहानी बिहार से स्टार्ट होती है, यहां के एक गांव में राम चरण त्रिपाठी भैया जी (मनोज बाजपेयी) अपनी मां और छोटे भाई के साथ रहते है. भैया जी का गांव ही नहीं आसपास के इलाके में भी पूरा दबदबा है. फिल्म की शुरुआत में भैया जी शरीफ इंसान है, अपनी फैमिली के अलावा वह अपने गांव वालो के लिए भी हमेशा आगे रहते हैं. लेकिन, अपने छोटे भाई की हत्या के बाद भैया जी अपने पुराने रूप में लौटते है और और भाई के हत्यारों को चुन चुन कर मारते है.

ओवर ऑल

फिल्म की कहानी कमजोर है इससे पहले भी आप ऐसी कहानियों पर बनी दर्जनों फिल्मे देख चुके हैं. अकहानी में बिहारी टच है और दिल्ली का भी टच भी है बेशक कहानी कमजोर है लेकिन दमदार एक्शन की भरमार है. मनोज बाजपेयी ने 'भैया जी' के रोल में अपने पक्का फैंस का एकबार फिर दिल जीत लिया. मनोज खुद बिहार से हैं एक मंझे हुए कलाकार है सो उन्होंने भैया जी के किरदार को जीवंत कर दिखाया है, जोया हुसैन मनोज बाजपेयी के साथ खूब जमी है जोया के एक्शन सींस अच्छे बन पड़े है, क्लाइमेक्स में तो जोया के दो एक्शन सीन मनोज के एक्शन सीन पर भारी है. सुविंदर विक्की और जतिन गोस्वामी नेगेटिव भूमिका में फिट तो विपिन शर्मा पुलिस इंस्पेक्टर के अपने किरदार में दर्शकों को गुदगुदाते हैं. अगर स्टोरी लाइन की बात करे तो फिल्म का फर्स्ट हाफ आपको सीट से उठना नहीं देगा वही सेकंड हाफ के एक्शन सीन का जवाब नहीं. फिल्म का डायरेक्शन अपूर्व सिंह कार्की ने किया है जो मनोज के साथ पहले फिल्म 'एक बंदा काफी है' बना चुके है अपूर्व का निर्देशन ठीकठाक है, स्टोरी को किनारा कर उन्होंने एक्शन सींस पर ज्यादा फोकस किया. मनोज तिवारी का संगीत आपको रिजनल सिनेमा से जोड़ता है. हिंदी के साथ भोजपुरी का टच गानों मे है. आइटम सॉन्ग चक्का जाम हो जाई आपको झूमने पर मजबूर करता हैं. मनोज तिवारी की आवाज में दो गाने 'कौने जनम के बदला' और 'बाघ के करेजा' गाया है. 'कौने जनम के बदला' फिल्म का हिस्सा है. फिल्म का बैकग्राउंड म्यूजिक अच्छा है.

देखे या नहीं

अगर आप मनोज के पक्के फैन है तो आप भैया जी से जरूर मिले उनका एक्शन अवतार उनकी दबंगई और स्टाइल आपको तालियां बजाने पर मजबूर करेगी वही अगर कुछ नया या लीक से हट कर बनी फिल्मों के शौकीन है तो फिल्म आपको अपसेट कर सकती है.

कलाकार, मनोज बाजपई, जोया हुसैन,विपिन शर्मा , सुविंदर विक्की जतिन गोस्वामी, मुक्ति , चेतन और अन्य, अवधि 135 मिनट, सेंसर यू ए, पीआर, शैलेश गिरी, उषा मिश्रा, राजू जी.

'पुकार: दिल से दिल तक' में लेयर्ड किरदार निभाएंगे अभिषेक निगम

फिल्म 'इंडियाज डॉटर' से अपने अभिनय करियर की शुरुआत करने वाले अभिषेक निगम को पहचान सोनी सब के सीरियल 'हीरोः गायब मोड ऑन' में एक सुपर हीरो का किरदार निभा कर मिली। अभिषेक ने अपने करियर में श्पानीपतश जैसी फिल्म में बॉलीवुड एक्टर अर्जुन कपूर के साथ स्क्रीन शेयर किया था. बता दें सोनी टीवी के आने वाले शो 'पुकारः दिल से दिल तक' में अभिषेक अहम किरदार निभाते हुए नजर आयेंगे. शो 27 मई से सोनी टीवी पर प्रसारित होगा. आइये जानते हैं अभिषेक अपने आनेवाले शो के बारे में और अपने किरदार के बारे में क्या बताते हैं.

इस नए शो में आप किस अंदाज में नजर आयेंगे?

खुशनुमा, काफी इंट्रेस्टिंग, और लेयर्ड किरदार है. ऑडियंस को इस किरदार को देख कर ऐसा लग सकता है कि ये सिर्फ मस्ती करनेवाला है लेकिन ऐसा नहीं है. इस किरदार के अन्दर काफी लेयर्स हैं, जिसे हम बहुत हीं अच्छे तरीके से दिखा रहे हैं. ये किरदार मेरे लिए नया है जिसमें मुझे बहुत कुछ ट्राई करने को मिलेगा. मै बहुत खुश हूँ कि मुझे 'पुकार' का हिस्सा बनने का मौका मिला.

क्या आपका किरदार ग्रे शेड है या पॉजिटिव किरदार है?

मै ये तो नहीं कह सकता हूँ कि ग्रे शेड करैक्टर है लेकिन इस किरदार में काफी सारे लेयर्स हैं. वो बहुत हीं आइडियलिस्टिक है, उसके बहुत हीं अच्छे विचार हैं. वो अपने परिवार से बहुत प्यार करता है और औरतों कि बहुत इज्जत करता है और उनको समझता है. वो एक जेंटलमैन है और शायद यही कारण है कि उसके और उसके पिता के बीच में अलगाव भी है. वो अपने आदर्शों को लेकर इतना कठोर है कि वो अपनी फैमिली के भी अगेंस्ट चला जाता है. उसका आदर्श उसके किरदार को दिलचस्प बनाता है और उसके माँ और सरस्वती चाची के प्रति उसका प्यार उसको जेंटलमैन बनाता है. मै, वेदिका और कोयल इस शो में अपने लॉ प्रोफेशन से एक यंगनेस लेकर आ रहे हैं, इसमें हमारी एक केमेस्ट्री होगी जो धीरे धीरे आगे बढ़ेगी. इस किरदार में मुझे बहुत कुछ करने का मौका मिल रहा है और मै बहुत खुश हूँ.

प्रोमो में आप दिख नहीं रहे हैं, आपके फैंस को आपके प्रोमो में दिखने का इंतजार है.

मुझे भी बहुत बेसब्री से इसी बात का इंतजार है. मै यही चाहता हूँ कि आप मुझे इस शो में देखें और हम एक्साइटमेंट बना कर रखने की कोशिश कर रहे हैं.

आपने अपने करियर में अलग अलग किरदार निभाए हैं और आपके हरेक किरदार को फैंस ने उतना हीं प्यार दिया है, कैसा लगता है जब फैंस आपसे इतना प्यार करते हैं?

मै हमेशा यही कहता हूँ कि मै बहुत ज्यादा खुशकिस्मत हूँ, और एक चीज जो मुझे सबसे ज्यादा खुशी देती है वो ये मेरे फैनडम हैं और ये मेरे लोग हैं वो मुझे इतना प्यार करते हैं. जब आप लो फील कर रहे होते हैं और सोशल मीडिया खोलते हैं जहाँ आपको आपके ऊपर प्यारे प्यारे रील्स देखने को मिल जाते हैं और फैंस बहुत हीं अच्छी अच्छी बातें भी लिखते हैं उनकी ये सब चीजें आपके दिन को और भी खूबसूरत बना देता है. जिस तरह से वो मेरे प्यारे प्यारे एडिट्स बनाते हैं और मुझे सपोर्ट करते हैं मै उनके लिए हीं जीता हूँ. मुझे बहुत खुशी होती है जब मै ये देखता हूँ, मै बस यही कोशिश करता हूँ कि मै किसी तरह से उनको एंटरटेन कर सकूं, जो भी मेरी आर्ट है उससे मै उनको खुश कर सकूं. इतने सारा प्यार जो मुझे मिल रहा है उसके लिए मै एक हीं शब्द कहूँगा कि मै बहुत हीं खुशकिस्मत हूँ.

अपने फैंस के लिए क्या कहना चाहेंगे?

यही कहना चाहूँगा कि 'पुकारः दिल से दिल तक' से एक नयी जर्नी शुरू हो रही है. हम सबकी यही कोशिश है कि हम आपके लिए कुछ नया लेकर आयें. ये शो आपको बहुत अच्छा लगेगा, आपको वापस से मुझे देखने का मौका मिलेगा और मुझे आपसे जुड़ने का मौका मिलेगा. इस शो को ढेर सारा प्यार और सपोर्ट दीजिये ताकि हम और भी अच्छा कर सकें जिंदगी में और आप भी अच्छा करते रहिये.

ऐसे और मजेदार इंटरव्यू देखना चाहते है तो आप हमारे यूट्यूब चैनल Mayapuri Magazine पर देख सकते हैं।

खतरों के खिलाड़ी की प्रतियोगी निमृत कौर अहलूवालिया

जार पिक्चर्स के साथ थ्रिलर ड्रामा शैली में फिल्म की शुरुआत करेंगी

–सुलेना मजुमदार अरोरा

उभरती हुई स्टार निमरित कौर अहलूवालिया अपने करियर के रोमांचक अगले अध्याय की शुरुआत कर रही हैं क्योंकि उन्होंने प्रतिष्ठित प्रोडक्शन हाउस जार पिक्चर्स के साथ अपने अगले प्रोजेक्ट, एक थ्रिलर ड्रामा पर हस्ताक्षर किए हैं। बिग बॉस सीजन 16 में एक यादगार अभिनय करने के बाद, अहलूवालिया अजय राय के प्रतिष्ठित प्रोडक्शन हाउस, जार पिक्चर्स के बैनर तले निर्मित इस अभी तक शीर्षकहीन परियोजना में अपनी पहली भूमिका के साथ बड़े पर्दे पर दर्शकों को लुभाने के लिए पूरी तरह तैयार हैं।

अहलूवालिया के लिए, सिल्वर स्क्रीन पर बदलाव उनके करियर में एक मील का पत्थर साबित होगा क्योंकि वह इस बहुप्रतीक्षित थ्रिलर ड्रामा में मुख्य भूमिका निभाएंगी। परियोजना पर अपना उत्साह व्यक्त करते हुए, अहलूवालिया ने कहा,

मैं जार पिक्चर्स के साथ बड़े पर्दे पर अपनी शुरुआत के लिए इस रोमांचक नाटक को करने के लिए वास्तव में उत्साहित हूं। बिग बॉस सीजन 16 की अपनी यात्रा के बाद, मैं अपने अभिनय करियर में विभिन्न रास्ते तलाशने के लिए उत्सुक हूं, और यह परियोजना पूरी तरह से फिट बैठती है। ऐसी शानदार टीम और एक कुशल निर्देशक के साथ काम करना वास्तव में एक सपने के सच होने जैसा है।

निमरित आगे कहती हैं, मेरे एजेंट द्वारा अजय सर से परिचय कराने के बाद, उन्होंने इस भूमिका के लिए मुझमें अपार संभावनाएं देखीं और फिर कई दौर के ऑडिशन के बाद, उन्हें यकीन हो गया कि मैं उनकी फिल्म के साथ बड़े पर्दे पर डेब्यू के लिए बिल्कुल उपयुक्त हूं। मेरी इस पहली फिल्म के लिए, ऐसी सुंदर भूमिका सुरक्षित करना एक अवास्तविक अनुभव था।

एक कुशल निर्देशक के नेतृत्व में यह अनाम थ्रिलर ड्रामा, एक गहन सिनेमाई अनुभव की शुरुआत करता है, जिसमें अहलूवालिया कहानी में सबसे मुख्य किरदार में हैं। अहलूवालिया के साथ अन्य कलाकारों में उद्योग के प्रमुख नाम शामिल होंगे, जिससे परियोजना के प्रति प्रत्याशा और बढ़ जाएगी।

यह परियोजना इस साल की तीसरी तिमाही में शुरू होने वाली है, जो अहलूवालिया की यात्रा में एक बड़ा मील का पत्थर साबित होगा क्योंकि वह मनोरंजन उद्योग में अपनी जगह बनाना जारी रखे हुए हैं।

इस बीच, छोटी सरदारनी फेम निमृत, खतरों के खिलाड़ी के 14वें सीजन में शामिल होने के लिए अन्य प्रतियोगियों के रूप में रोमानिया चली गई हैं। शूटिंग एक महीने से अधिक समय तक चलेगी और शो के जुलाई में कलर्स टीवी पर प्रसारित होने की उम्मीद है।

खतरों के खिलाड़ी 14 के प्रतियोगियों ने रोमानिया के लिए उड़ान भरी | अभिषेक, शिल्पा शिंदे, शालीन भनोट और निमृत

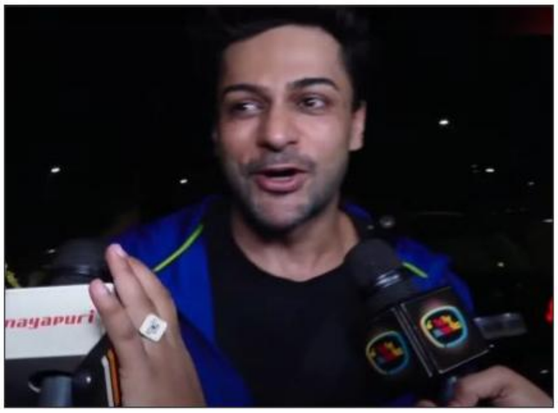

मायापुरी
www.mayapuri.com

‘खतरों के खिलाड़ी 14’ के कंटेस्टेंट ने हनुमान चालीसा याद कर ली है

–शिल्पा पाटिल

कलर्स टीवी का रियलिटी शो ‘खतरों के खिलाड़ी’ सीजन 14 के साथ वापस आ रहा है. शो में बता दें ‘खतरों के खिलाड़ी’ के कन्फर्म कंटेस्टेंट की लिस्ट में अभिषेक कुमार, निमृत कौर अहलूवालिया, शलिन भनोट, आसिम, अलावा कृष्णा श्रॉफ, अदिति शर्मा, गश्मीर महाजन, सुमोना चक्रवर्ती, केदार आशीष, करण वीर मेहरा, और नियति फतानी हैं. शो की शूटिंग रोमानिया में होगी. रोमानिया रवाना होने से पहले आइये जानते हैं कंटेस्टेंट ने शो के बारे में क्या कहा.

इस शो को ज्वाइन करने के पीछे क्या मकसद था?

अभिषेक– मेरा तो यही कारण था कि मेरा जो फोबिया है उसे मुझे दूर करना है. यही मकसद है कि रोहित सर को निराश नहीं करूँ और गिव–अप नहीं करूँ. पिछली बार जो मै दो–तीन कदम ट्रॉफी से दूर रह गया था इस बार मै ट्रॉफी लेकर जाऊंगा.

सुमोना– मुझे चैलेंजिंग चीजे करना बहुत पसंद है. मै असल जिंदगी में भी चैलेंजिंग चीजे करना पसंद करती हूँ. काफी समय हो गया है मैंने कुछ चैलेंजिंग चीज नहीं की थी.

गश्मीर– बहुत समय से मै फिटनेस की ओर वापस जाना चाहता था. जब 17–18 साल का था तब एथलीट लेकिन उसके बाद फिर मैंने सबकुछ छोड़ दिया था. और एक समय मै जिम में जाकर सिर्फ वेट उठाता था. मुझे अपने सिस्टम को क्लीन करना था और मुझे लगता है ये शो मुझे वो करने की मोटिवेशन देगा.

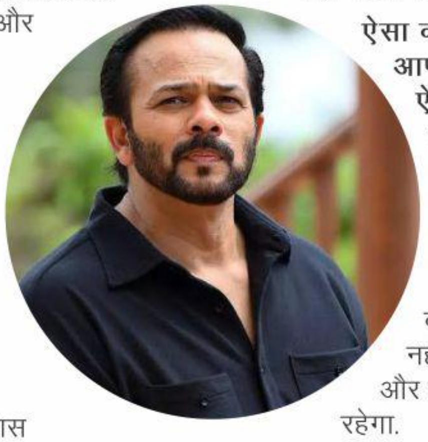

क्या आपलोगों ने शो के लिए कोई खास तैयारी की है या कोई स्पेशल ट्रेनिंग लेनी शुरू की है?

गश्मीर– नहीं, ऐसी कोई खास तैयारी तो नहीं कर रहा हूँ लेकिन मुझे लगता है ये एक ऐसा शो है जिसके लिए कितनी भी तैयारी कर लो वो उतना हेल्पफूल नहीं होगा, क्योंकि वहां पर कौन सा स्टंट आपके सामने आनेवाला है इसके बारे में आपको नहीं पता है. आप इतनी हीं तैयारी कर सकते हैं कि आप अपनी बॉडी को तैयार रखें की वो आपका उस समय में साथ दे.

सुमोना– वहां जो स्टंट होंगे उसके लिए कितनी भी तैयारी कम है. उसके लिए आपको अपने पर भरोसा और विश्वास रखने की जरुरत है.

अभिषेक– मुझे लगता है ये शो फिजिकल प्रिपरेशन से ज्यादा मेंटल प्रिपरेशन का है.

ऐसा कौन सा स्टंट है जिसका आपको बेसब्री से इंतजार है और ऐसा कौन सा स्टंट है जो आप चाहते हैं कि आपको नहीं करना पड़े?

सुमोना– इलेक्ट्रीक वाले स्टंट ना पहले कभी किये हैं और ना हीं करना चाहूंगी. और इस तरह के स्टंट के लिए कोई तैयारी भी नहीं कर सकते हैं. मुझे वाटर स्टंट और कार स्टंट करने का इंतजार रहेगा.

अभिषेक– क्योंकि मुझे स्विमिंग नहीं आती है मुझे पानी से थोड़ा डर लगता है लेकिन मुझे भी कार वाले स्टंट का बेसब्री से इंतजार रहेगा क्योंकि ये वाला स्टंट काफी हेरोइक लगता है.

गश्मीर– मुझे आग से बहुत ज्यादा डर लगता है, अगर बहुत ज्यादा हाइट पर खड़ा हूँ तो मुझे हाइट से भी फोबिया है. लेकिन अगर सिर्फ उस मोमेंट के लिए आप अपने डर पर काबू पा लेते हैं तो अच्छी बात है.

शो में जाने से पहले आपलोगों ने क्या क्या तैयारियां की हैं?

कृष्णा– मैंने अपने डेली रूटीन में ऐसा कुछ चेंज नहीं किया है. ये बात सभी को पता है कि मै फिजिकली एक्टिव हूँ लेकिन मुझे लगता है ये गेम बहुत फिजिकल से ज्यादा मेंटल है. अगर आपका आपके मन पर कंट्रोल है तो आपकी बॉडी आपका साथ जरुर देगी.

आप किस तरह से ‘खतरों के खिलाड़ी’ का हिस्सा बनी, इसके बारे में कुछ बताइए?

कृष्णा– ये शो मेरे पास दो साल पहले आया था. उस

टाइम पर मै एक रियलिटी टीवी शो करने के लिए रेडी नहीं थी क्योंकि इस तरह के शो में काफी एनर्जी लगती है और आपको वल्नरेबल पोजीशन पर होते हैं. अब मै थोड़ी ज्यादा कम्फर्टेबल हूँ और मुझे लगता है हर चीज का एक सही समय होता है और ये मेरा सही समय है.

शिल्पा शिंदे ने एक इंटरव्यू में कहा था कि वो आप दोनों शो में एक टफ कम्पटीशन के तौर पर देखती हैं. इसके बारे में क्या कहना चाहेंगे?

निमृत– मै इस बात की सराहना करती हूँ अगर वो हमें किसी भी कम्पटीशन के रूप में देखती हैं. लेकिन मुझे लगता है हमें इस माइंडसेट के साथ इस गेम में आना चाहिए कि हमारा कम्पटीशन हमसे हीं है किसी और से नहीं.

क्या आपलोगों को किसी चीज का फोबिया है जो आपको लगता है इस शो में हिस्सा लेने से आप उसको ओवरकम कर सकते हैं?

निमृत– बहुत सारे हैं. बचपन से हीं मुझे हाइट से थोड़ा डर लगा है. हम सभी को पता है कि ये शो इजी नहीं है इसलिए हम सभी मेंटली स्ट्रॉन्ग हैं. इस तरह के शो को करने के लिए भी बहुत हिम्मत चाहिए होती है और मुझे लगता है हम सभी 14 कंटेस्टेंट में वो हिम्मत है.

कृष्णा– मै यहाँ पर बैठ कर एक लिस्ट दे सकती हूँ लेकिन जब आप उस माहौल में होते हैं तो वो बहुत हीं अलग होता है.

आपलोगों ने शो के लिए क्या प्रिपरेशन किया है?

आशीष– हम सभी अपने जीवन में कुछ ना कुछ तैयारियां तो करते हीं हैं लेकिन खतरों के खिलाड़ी मेंटल स्ट्रेंथ का खेल है, अब देखना ये है कि किसकी मेंटल स्ट्रेंथ कितनी अच्छी है.

नियति– मुझे लगता है खतरों के खिलाड़ी में हम जिस तरह के स्टंट को फेस करते हैं, वैसा हम कभी भी रियल लाइफ में एक्सपीरियंस नहीं कर सकते हैं तो उसकी ट्रेनिंग भी हम नहीं कर सकते हैं.

करण– वैसे तो मै हमेशा से हीं फिटनेस की ओर ध्यान देता हूँ लेकिन पिछले दो महीने से खाने–पीने का थोड़ा ध्यान रखा है.

नियति– हम सभी ने हनुमान चालीसा याद कर लिया है.

अदिति– सबकुछ भगवान के नाम पर चल रहा है.

क्या ऐसा कोई फोबिया है जो आप इस शो की मदद से ओवरकम करना चाहेंगे?

अदिति– जिस तरह की चीजें हम शो में फेस करेंगे वैसा हमने रियल लाइफ में नहीं किया है तो कई ऐसी चीजें हैं जिनके बारे में शायद हमें पता नहीं है कि हमें उससे कितना डर लगता है और अगर डर का पता भी है तो ये नहीं पता है कि कितना डर लगता है. ये सबकुछ वहां जाकर हीं पता चलेगा. मुझे बस थोड़ा सा क्लौस्ट्रफोबिया का डर है बाकी सब मेरे हिसाब से मैनेज हो जाना चाहिए.

करण– मुझे जानवरों से थोड़ा डर लगता है, बाकी मुझे नहीं लगता है कि मुझे और किसी चीज से इतना डर लगता है. बाकी कलर्स की टीम और खतरों के खिलाड़ी की टीम ने प्रॉमिस किया है कि वो हमें मरने नहीं देंगे.

नियति– मुझे पानी से बहुत डर लगता है, खासकर वैसे स्टंट जिसमें पानी के अन्दर जाकर सांस रोककर स्टंट करना होता है उससे मुझे बहुत डर लगता है. अब देखते हैं कि आगे क्या होता है.

आशीष– मुझे हर चीज से डर लगता है लेकिन थोड़े समय के बाद मुझे चैलेंजेज फेस करना भी अच्छा लगता है.

आपने इस सीजन को हीं क्यों चुना है?

आशीष– खतरों के खिलाड़ी अपने आप में एक बहुत बड़ा शो है और हमने इसको नहीं चुना है, इसने हमें चुना है.

अदिति– मुझे लगता है सही वक्त पर सही चीज होती है और ये वक्त हमारा है इसलिए हम यहाँ हैं.

अभी तक खतरों के खिलाड़ी के जितने भी सीजन हुए हैं उनमें से आपका फेवरेट कंटेस्टेंट कौन रहा है?

आशीष– मेरे तीन रहे हैं जिनमें भारती, पुनीत और डिनो हैं क्योंकि ये तीनों बहुत हीं रियल ऑर्गनिक थे. अगर इनको डर लगा है तो इन्होंने डर को फेस किया है और अपने अपने तरीके से लड़े हैं.

अदिति– मुझे डिनो, अरिजीत, और दिव्यांका त्रिपाठी बहुत पसंद हैं क्योंकि इन सभी ने बहुत अच्छा परफॉर्म किया और अरिजीत ने शो में अपने हाइट के डर को भी फेस किया.

नियति– मैंने कुछ कुछ स्टंट्स हीं देखें हैं जिनमें मुझे निया का परफॉरमेंस बहुत हीं अच्छा लगा.

करण– मैंने कोई सीजन नहीं देखा है, थोड़े बहुत इधर–उधर स्टंट हीं देखे हैं बस. मैंने करण वाही के कुछ एपिसोड देखे थे, रवि के देखे थे.

ऐसा कौन सा स्टंट है जो आप करना चाहते हैं और ऐसा कौन सा स्टंट है जो आप नहीं करना चाहते हैं?

अदिति– अभी बता दूँ ताकि जब शो शुरू हो तो वो हमें वही स्टंट दें.

ऐसे और मजेदार इंटरव्यू देखना चाहते है तो आप हमारे यूट्यूब चैनल Mayapuri Magazine पर देख सकते हैं।

ओ. पी. रल्हन

मेरी कहानी किसी के पल्ले नहीं पड़ी

–मायापुरी प्रतिनिधि

रल्हन साहब आप इतने अच्छे कॉमेडियन हैं कि आपकी कमी महसूस होती है. क्योंकि आप केवल अपनी ही फिल्मों में नजर आते हैं. आप कॉमेडियन से निर्माता–निर्देशक क्यों बन गए?

मेरे पास कहानी थी जिसे मैं अपने ढंग से बनाना चाहता था किन्तु जितने भी निर्माताओं को सुनाई वह उनके पल्ले ही नहीं पड़ी. इस दौरान मेरा पैसों का प्रबंध हो गया और फिर मैंने वह कहानी 'गहरा दाग' के नाम से बनाई जिसे काफी सफलता मिली और इस प्रकार मैं फिल्म–निर्माण में जुट गया. रल्हन ने बताया.

जीनत अमान ने 'हलचल' के बाद आपके बारे में बड़े सख्त रिमार्क पास किये थे कि आपने उनका कैरियर नष्ट कर दिया. फिर आपने 'पापी' के लिए जीनत अमान को किस प्रकार राजी किया? मैंने पूछा.

जीनत के नाम से लोगों ने मेरे और उसके आपसी संबंध खराब करने की कोशिश की थी किन्तु वे सफल नहीं हुए. जीनत को मैंने ब्रेक दिया था इसलिए वह आज भी मेरी इज्जत करती है. उसे मैं घंटों ऑफिस में बिठाकर अभिनय और इन्डस्ट्री की ऊंच नीच समझाया करता था. मैंने उसे देवआनंद की फिल्म 'हरे रामा हरे कृष्णा' दिलवाई थी. दरअसल वह उस रोल के लिए एकदम फिट थी. 'पापी' का रोल भी ऐसा ही था कि जीनत अमान के अलावा वह कोई और अभिनेत्री कर ही नहीं सकती थी. मैंने सिमी आदि का टेस्ट भी लिया था. आपने 'पापी' देखी होगी तो आप भी इससे सहमत हो गए होंगे. 'पापी' अब तक की जीनत की अभिनय के हिसाब से सर्वश्रेष्ठ फिल्म है. रल्हन ने बताया.

आपने 'पापी' में जीनत अमान, 'फूल और पत्थर' में धर्मेन्द्र को एक नया स्वरूप दिया किन्तु 'बंधे हाथ' में अमिताभ बच्चन को लेकर सफल न बना सके. इसका क्या कारण है? मैंने पूछा.

'बंधे हाथ' से पूर्व अमिताभ की वह इमेज न थी जो 'जंजीर' और 'दीवार' के बाद बनी. उससे पूर्व उसे लेकर जो फिल्में बनीं वह असफल रही थीं. लेकिन मेरे कैरेक्टर को वह सूट करता था इसलिए मैंने रिस्क लिया. मैं फिल्म इस ख्याल से नहीं बनाता कि वह सफल हो जायेगी. इस लिए जब कोई फिल्म

Phool Aur Patthar 1966 | Hulchul 1971 | Talash 1969 | Bandhe Haath 1973 | Mujrim | Paapi 1977 | Pyaar Ka Saagar 1961 | Thirst 1962 | Gehra Daag 1963 | Shalimar 1978 | Hamrahi 1963 | Cha Cha Cha 1964

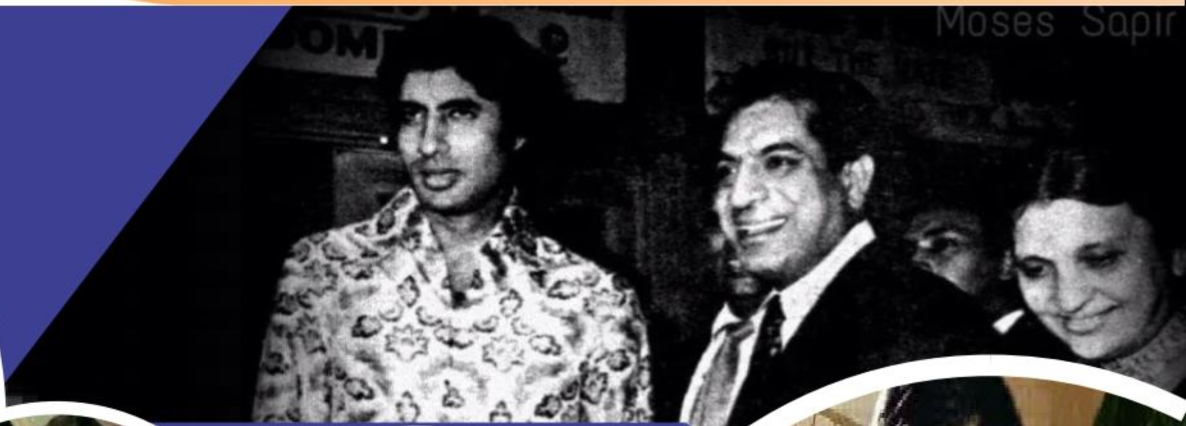

बॉक्स–ऑफिस पर असफल होती है तो निराशा नहीं होती और सफल होती है तो उसकी खुशी अधिक होती है. मैं केवल फिल्म बनाने के लिए फिल्म बनाता हूं उससे समझौते–बाजी नहीं करता. रल्हन ने कहा.

फिल्म मेकिंग में आप किसे अपना गुरू मानते हैं? यह कला आपने किससे सीखी? मैंने पूछा.

स्व. महबूब खान को मैं गुरू मानता हूं. वह मेरे लिए गुरू से भी ज्यादा थे. केवल कैमरा लगाकर डिब्बे भरने में विश्वास नहीं रखते थे. फिल्म का संकलन,

उसका प्रदर्शन, उसकी कमर्शियल सफलता आदि पर पैनी नजर रखना आदि मैंने उन्हीं से सीखा है. वह एक महान फिल्मकार ही नहीं महान इन्सान भी थे. फिल्म जगत के त्राहित और उपेक्षित आदमियों के लिए उनके दिल में असीम दया थी. अगर फिल्म में किसी ऐसे व्यक्ति का रोल होता था तो वह अभिनेता और अभिनेत्री से कह देते थे, 'जाओ पहले गरीबों की दशा जाकर देखो. उनकी झोंपड़ी में दो–एक दिन रह कर आओ. गरीब के घर की रूखी–सूखी रोटी खाकर ही तुम्हें पता चलेगा कि गरीबी क्या चीज है. तब ही उसको परदे पर सजीव कर सकोगे.' यही वजह है कि मैं कलाकारों को हावी नहीं होने देता. उनसे कोई समझौता नहीं करता. तभी तो मैं फिल्म बनाने के उद्देश्य में सफल हो पाता हूं. रल्हन ने बताया.

रितिक रोशन ने अपनी चचेरी बहन पश्मीना रोशन को उनकी पहली फिल्म 'इश्क विश्क रिबाउंड़' के लिए क्या अनमोल सलाह दी?

–चैतन्य पडुकोण

फोरसम अति–प्रतिभाशाली कलाकार यह आने वाले आधुनिक–प्रेम–संबंध फिल्म 'इश्क विश्क रिबाउंड' शामिल है नवागंतुक पश्मीना रोशन, और रोहित सराफ, नायला ग्रेवाल और जिब्रान खान आत्मविश्वास से भरे हुए थे और दिखाया जैसे ही वे उत्साहित होते हैं उनमें ऊर्जा का संचार होता है अपनी म्यूजिकल रोमांटिक–कॉमेडी के बारे में बात की चलचित्र।

मानसिक–दबाव के बजाय अभिनेता रोहित सराफ ('लूडो' और 'विक्रम वेधा' आदि का) प्रसिद्धि) ने कहा कि इसके बजाय वह फिल्मों में इस 'बड़े ब्रेक' के लिए कृतज्ञता से भरे हुए हैं। दिलचस्प बात यह है कि रोहित ने यह स्पष्ट किया इश्क विश्क रिबाउंड (2024) न तो रीमेक थी और न ही सीक्वल यह केवल था साझा करना मूल संगीतमय हिट फिल्म इश्क विश्क (2003) का फ्रेंचाइजी–शीर्षक, जिसमें शाहिद कपूर और अमृता राव थे, जिसे 'स्टार–निर्माता' रमेश तौरानी (टिप्स फिल्म्स) द्वारा निर्मित भी किया गया था।

कर्कश आवाज जिंदादिल नायला ग्रेवाल ('थप्पड़', 'तमाशा' और 'मामला लीगल है' के) ने कहा कि इश्क विश्क रिबाउंड का विषय 'रिबाउंड' की यह नए जमाने की भाषा है और आज की युवा पीढ़ी इससे जुड़ाव महसूस करेगी।

हैंडसम माचो हीरो अभिनेता जिब्रान खान साझा किया कि उनमें शाहिद कपूर के साथ बहुत समानताएं थीं और उन्होंने इश्क–विश्क रिबाउंड में अपना सर्वश्रेष्ठ दिया था––– एक अभिनेता और नर्तक दोनों के रूप में। "मेरी प्रेरणा की तरह शाहिद–सर, मैं भी श्यामक डावर की डांस अकादमी में डांस–प्रशिक्षक था", जिब्रान ने खुलासा किया। यह नोट करना बहुत दिलचस्प है, एक बाल–अभिनेता के रूप में जिब्रान (के पुत्र) मशहूर दिग्गज स्टार–अभिनेता अर्जुन) ने करण जौहर की 'कभी खुशी कभी गम' में शाहरुख खान के छोटे बेटे की भूमिका भी निभाई थी। (2001) .

खूबसूरत पश्मीना खान (महान संगीतकार राजेश रोशन की बेटी और चचेरी बहन मेगास्टार रितिक रोशन जो अपनी मां श्रीमती कंचन रोशन के साथ मीडिया–कार्यक्रम में शामिल हुईं) सकारात्मक आत्मविश्वास से भी भरपूर थे. जब मैंने उनसे

'रोशन' को अपने 'उपनाम' के रूप में रखने के गर्व और दबाव का सामना करने का मीडिया–प्रश्न पूछा पश्मीना ने उत्तर दिया, "गर्व मेरे परिवार की विरासत है, उन सभी ने जो महान कार्य किए हैं। मुझे उन सभी पर बहुत गर्व है। जिस गौरव, भाग्य, उनके समर्थन के साथ मैं यहां तक पहुंची हूं, वह दबाव है जिसके साथ मुझे जीने की जरूरत है। दबाव उनकी सलाह पर खरा उतरने, उनके महान काम पर खरा उतरने और फिल्म–उद्योग में और दर्शकों के दिलों में अपने लिए जगह बनाने का है, उन्होंने जवाब दिया। बाद में पश्मीना ने यह भी बताया कि, 'मेरे चचेरे भाई ऋतिक रोशन भी मेरे गुरु की तरह हैं जिन्होंने हमेशा मुझे बार–बार सलाह दी है। वह चाहे मैं कुछ भी करूं. मुझे इसे प्रामाणिकता के साथ करना चाहिए और इसमें अपना 100 प्रतिशत देना चाहिए, पश्मीना ने साझा किया, जिनके संगीतकार पिता राजेश रोशन के सबसे पसंदीदा फिल्मी गाने हैं। शामिल करना 'जब छाये मेरा जादू', 'ना तुम जानो ना हम' और मेरा दिल धड़क रहा है।

प्यार–रोमांस का ऑफिशियल सीजन शुरू हो गया है! इश्क विश्क रिबाउंड के हालिया टीजर रिलीज ने दर्शकों में उत्साह की लहर दौड़ा दी है, खासकर क्योंकि इसमें प्रतिष्ठित इश्क विश्क प्यार व्यार गाने की झलक दिखाई गई है। निर्माताओं ने हाल ही में ट्रेंडिंग वायरल टाइटल ट्रैक गाना लॉन्च किया है 21 जून को सिनेमाघरों में फिल्म की रिलीज से एक महीना दूर है।

इश्क विश्क प्यार व्यार शीर्षक–गीत प्रतिभाशाली रोचक कोहली द्वारा रचित, गुरप्रीत सैनी द्वारा लिखित और निखिता गांधी के साथ मधुर डी की प्रस्तुति के साथ सोनू निगम द्वारा गाया गया है। मूल गीत के लिए एक संकेत के रूप में, कोरियोग्राफर विजय गांगुली ने पहले अहमद खान द्वारा परिकल्पित हुक–स्टेप को बरकरार रखा है।

चूंकि सोनू निगम इस समय दौरे पर हैं इसलिए उन्होंने आईवी–आर के लिए एक खास भावुक संदेश भेजा है टीम उन्हें अपना सारा प्यार भेज रही है और उन्हें शुभकामनाएं दे रही है। उनकी अनुपस्थिति में, रोचक कोहली ने समाचार–मीडिया को आश्चर्यचकित कर दिया और मीडिया और उपस्थित प्रशंसकों के लिए निखिता गांधी और मेलो डी के साथ लाइव गाना गाया।

इसी तरह स्टार–हीरो शाहिद कपूर ने अपने इंस्टाग्राम पर नए इश्क विश्क रिबाउंड गैंग को शुभकामनाएं देते हुए एक भावुक संदेश साझा किया – 'ऑल–द–बेस्ट' और कहा कि 21 साल बाद भी नया ट्रैक अभी भी बहुत ताजा लगता है।

टिप्स फिल्म्स प्रस्तुत करता है, (जेन–जेड विषय) 'इश्क विश्क रिबाउंड', रमेश तौरानी और जया तौरानी द्वारा निर्मित, निर्देशित (राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कार विजेता) निपुण अविनाश धर्माधिकारी, सिनेमा में रिलीज 21 जून 2024 को सिनेमाघर। निपुण एक एक्टर के तौर पर भी मशहूर हैं में उनकी भूमिकाएँ "हरिश्चंद्राची फैक्ट्री और हाईवे" जैसी ऐतिहासिक मराठी फिल्में और 'कारवां' जैसी हिंदी फिल्मों में एक अभिनेता के रूप में और राष्ट्रीय पुरस्कार विजेता मराठी फिल्म 'धप्पा' में लेखक–निर्देशक के रूप में भी काम किया।

25 मई 2024 के दिन...

इलेक्शन के एसिड टेस्ट पर हैं भोजपुरी फिल्मों के दो सांसद सुपर सितारे : मनोज तिवारी और निरहुआ

– शरद राय

25 मई को देश मे लोकसभा चुनाव 2024 के छठे दौर का एसिड टेस्ट है। इस चुनाव में सिने प्रेमियों की उत्सुकता दो भोजपुरी सुपर सितारों को लेकर है। ये हैं– मनोज तिवारी और दिनेश लाल निरहूआ। दोनों ही भारतीय जनता पार्टी के टिकट पर चुनाव लड़ रहे हैं और दोनों ही अपने अपने चुनावी क्षेत्र के निवर्तमान सांसद (एमपी) हैं। मनोज तिवारी दिल्ली उत्तर पूर्व (नार्थ ईस्ट) से चुनाव प्रत्यासी हैं तो निरहुआ आजमगढ़ (उत्तर प्रदेश) से चुनाव लड़ रहे हैं। 4 जून को रिजल्ट जो भी आए, आइए देखते हैं इन दो सितारों के चुनावी घमासान पर, देखें इनके सामने कितनी और कैसी बाधाएं हैं–

मनोज तिवारी

दिल्ली की नार्थ ईस्ट सीट पर भाजपा उम्मीदवार मनोज तिवारी और आप पार्टी समर्थित कांग्रेस उम्मीदवार कन्हैया कुमार में कड़ा मुकाबला है। दोनो कंडिडेट बिहार की पृष्ठभूमि से हैं। यहां बिहार सहित उत्तर भारतीयों की बड़ी संख्या है इसलिए मुकाबला उत्तरांचल vs उत्तरांचल हो गया है।

मनोज तिवारी वो सितारा हैं जो एक समय भोजपुरी फिल्मों की लहर ला दिए थे। लोक गायन करते हुए वह फिल्म 'ससुरा बड़ा पैसे वाला' से सिनेमा के पर्दे पर आए। समाजवादी पार्टी (सपा) इनको राजनीति में लायी थी। 2009 में वह गोरखपुर से योगी आदित्य नाथ के सामने चुनाव लड़कर हार गए थे। फिर भाजपा में शामिल हो गए। मनोज ने 2014 में दिल्ली की तत्कालीन मुख्यमंत्री शीला दीक्षित को चुनाव में हराया और 2019 में आप पार्टी के प्रत्याशी को हरा चुके हैं। दिल्ली भाजपा के अध्यक्ष रह चुके हैं और पार्टी ने दिल्ली की सात सीटों में से सिर्फ मनोज तिवारी पर भरोसा करके उनको ही रिपीट किया है। मनोज तिवारी दिल्ली नार्थ ईस्ट सीट से तीसरी बार चुनाव लड़ रहे हैं।

मनोज तिवारी के सामने प्रबल प्रतिद्वंदी के रूप में जेएनयू की छात्र राजनीति से जनता के बीच आए कन्हैया कुमार हैं। वामपंथी सोच (CPI) के साथ राजनीति में आए कन्हैया कुमार 2019 का चुनाव बेगूसराय में गिरिराज सिंह से हार चुके हैं। वह राहुल गांधी की 'भारत– जोड़ो' यात्रा में बहुत सक्रिय रहे हैं। कांग्रेस ने कन्हैया कुमार को मनोज के सामने उतारा है जिन्हें 'आप' पार्टी सहित अन्य दलों का समर्थन है।

दिनेश लाल यादव निरहुआ :

भोजपुरी फिल्मों के सुपर सितारे दिनेशलाल यादव 'निरहुआ' भी गायकी करके पर्दे के हीरो बने हैं। भाजपा ने 2019 में निरहुआ को आजमगढ़ से उ.प्र.के दो बार मुख्यमंत्री रहे अखिलेश यादव के सामने मैदान में उतारा था और निरहूआ अपना पहला ही चुनाव हार गए थे। 2022 में अखिलेश ने अपनी संसदीय सीट छोड़ दिया, तब बाई इलेक्शन में वही खोई सीट निरहूआ जीत लिए और सांसद बन गए। दिनेशलाल यादव ने तब सपा उम्मीदवार धर्मेंद्र प्रताप यादव को हराकर यह सीट जीता था। वही धर्मेंद्र यादव इस बार 2024 में भी निरहुआ के सामने हैं।

लखनऊ से 200 किलोमीटर की दूरी पर स्थित आजमगढ़ सीट समाजवादी पार्टी के लिए हमेशा प्रेस्टीजियस सीट रहा है। यहां से सपा सुप्रीमो मुलायम सिंह यादव, अखिलेश यादव और सपा की उम्मीदवारी से अभिनेत्री जयाप्रदा सांसद रह चुकी हैं। मुलायम सिंह यादव के करीबी आजम खान का यह इलाका माना जाता रहा है। इस समय निरहुआ मोदी लहर में यहां के विजयी कंडिडेट के रूप में देखे जा रहे थे। लेकिन, इनदिनों गेम को टफ कर दिया है बिरहा गायक विजय लाल यादव ने, निरहू के खिलाफ प्रचार में उतरकर। विजय लाल यादव निरहुआ के चचेरे भाई हैं और इन्ही की सायकल पर पीछे बैठकर निरहुआ बिरहा गाने जाने की शुरुवात किए थे। घर से ही मिल रहा कम्पटिशन दिनेश लाल के सामने एक रुकावट जैसा माहौल बना दिया है। क्योंकि विजय लाल की आजमगढ़ में बहुत बड़ी फैन फॉलोइंग है।

भोजपुरी फिल्मों के ये इन दो सुपर सितारों– मनोज तिवारी और निरहुआ के लिए 25 मई का चुनाव किसी एसिड टेस्ट जैसा है। भोजपुरी फिल्मों से राजनीति में आए दो और सुपर सितारे (रवि किशन और पवन सिंह) भी चुनावी– दांव पर लगे हैं। फिलहाल 25 मई के चुनाव परिणाम की दिशा–दशा क्या तय होगी... 4 जून को ही पता चलेगा।

प्यार। नुकसान। मुक्तिः सोनी एंटरटेनमेंट टेलीविजन 'पुकार – दिल से दिल तक' के साथ एक सम्मोहक ड्रामा पेश करता है

–शिल्पा पाटिल

अपने फिक्शन स्लेट में मनोरंजन के नए रंग के रूप में राजस्थान के जीवंत पहलू को जोड़ते हुए, सोनी एंटरटेनमेंट टेलीविजन दर्शकों के लिए पुकार – दिल से दिल तक पेश करता है। यह सम्मोहक ड्रामा एक परिवार की हार्दिक पुकार को दर्शाता है, जिसके सदस्य एक–दूसरे को खोज रहे हैं और विभिन्न हालातों के बावजूद साथ आने की कोशिश कर रहे हैं। सम्मोहक किरदारों और बेहतरीन कहानियों के साथ महिलाओं के विविध प्रतिरूप को प्रदर्शित करते हुए, पुकार – दिल से दिल तक फॉर्च्यून प्रीमियम कच्ची घानी शुद्ध सरसों तेल द्वारा सह–प्रायोजित है, और इसका प्रीमियर 27 मई 2024 को होगा, जो हर सोमवार से शुक्रवार रात 8:30 बजे प्रसारित होगा।

गुलाबी शहर, जयपुर की पृष्ठभूमि पर आधारित, यह शो प्यार, नुकसान और मुक्ति की कहानी बुनता है, और एक तनहा मां, सरस्वती (सुखदा खांडकेकर) के सफर और अपनी खोई हुई बेटियों – वेदिका (सायली सालुंखे) और कोयल (अनुष्का मर्चंडे) से दोबारा मिलने की उसकी दृढ़ उम्मीद को दर्शाता है। एक कुटिल चाल से दुखद रूप से अलग हो गईं, सरस्वती, वेदिका और कोयल की राहें अनजाने में अप्रत्याशित हालातों में दोबारा मिलेंगी और साथ मिलकर, उन्हें शो की खलनायिका राजेश्वरी माहेश्वरी (सुमुखी पेंडसे) का सामना करना होगा, जिसने उनके परिवार को जुदा कर दिया था।

"पुकार – दिल से दिल तक" के मूल में एक मां और उसकी बेटियों के रिश्ते, और एक जिद्दी महिला के नेतृत्व में एक बड़े व्यावसायिक परिवार में पावर डायनेमिक्स का मार्मिक प्रदर्शन है। पारिवारिक रिश्तों की जटिलताओं और हर बाधा को दूर करने के लिए प्यार की स्थायी ताकत को समझते हुए, सरस्वती और उनकी बेटियों को साथ मिलकर सभी बाधाओं का सामना करना होगा, और यह साबित करना होगा कि परिवार के मोतियों को एकजुट करने वाली माला को कोई नहीं तोड़ सकता है।

सायली सालुंखे, अभिनेत्री

मुझे वेदिका जैसा जटिल किरदार निभाने में खुशी हो रही है। न्याय की गहरी भावना रखने वाली एक नेक, स्वतंत्र वकील के रूप में, वह हमेशा सही काम करने की कोशिश करती है। यह जानना दिलचस्प होगा कि वह अपने बचपन की भूली हुई बातों और अपने वर्तमान के बीच के बिंदुओं को कैसे जोड़ती है, जिससे उसके किरदार की गहराई का पता चलेगा।

अनुष्का मर्चंडे, अभिनेत्री

कोयल का किरदार निभाने का सफर रोमांचक रहा है – वह एक अदम्य भावना वाली महत्वाकांक्षी, साहसी और जुगाड़ू लड़की है। वह एक दुखद दुर्घटना के कारण अपने असली परिवार से अलग हो गई थी, और उसकी परवरिश एक ठग महिला, मयूरी ने की थी। कोयल की कहानी दृढ़संकल्प और अस्तित्व की कहानी है। मैं इस जटिल और तेजतर्रार किरदार को जीवंत करने के लिए उत्साहित हूं।

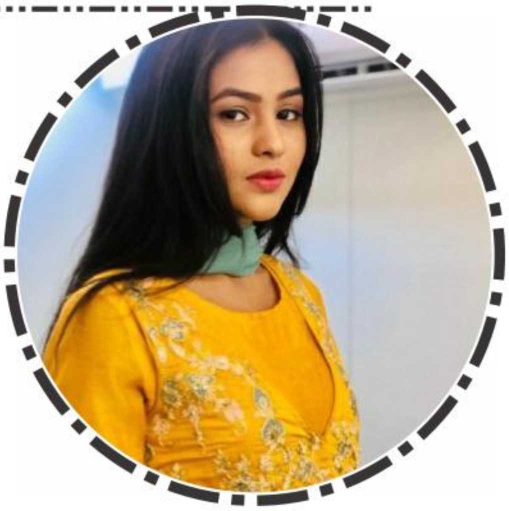

सुखदा खांडकेकर, अभिनेत्री

सरस्वती का किरदार बेहद दमदार है। उसकी सबसे बड़ी ताकत यह उम्मीद है कि उसकी बेटियां जरूर वापस आएंगी। एक अभिनेत्री के रूप में, इतने विशाल कैरेक्टर आर्क वाली किसी डायनेमिक भूमिका को निभाना रोमांचक है। भावनाओं से भरपूर इस शो का कॉन्सेप्ट निश्चित रूप से दर्शकों को पसंद आएगा और उनके दिलों को छू जाएगा।

"पुकार – दिल से दिल तक" का प्रीमियर 27 मई, 2024 को होगा और यह हर सोमवार से शुक्रवार रात 8:30 बजे सोनी एंटरटेनमेंट टेलीविजन पर प्रसारित होगा।

मायापुरी
www.mayapuri.com

राजेश रोशन

एक काबिल खानदान की काबिलियत

–मायापुरी प्रतिनिधि

सौ वर्ष पहले, पंजाब के गुजरांवाला के एक मध्यम वर्गीय परिवार में एक बच्चे का जन्म हुआ उसका नाम रोशनलाल नागरथ पड़ा. अपनी उम्र के अन्य बच्चों से अलग यह नन्हा बच्चा बहुत ही शर्मिला और संवेदनशील था जो खेल कूद के

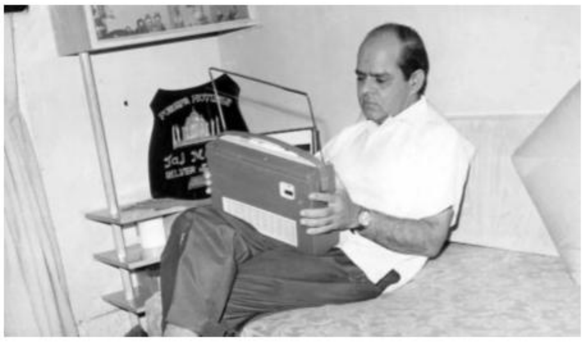

बनिस्पत सरोद बजाने में ज्यादा रुचि रखता था. सरोद वादन के प्रति ही नहीं बल्कि कई अन्य संगीत वाद्य सीखने में भी उनकी दिलचस्पी बढ़ती गई. उनके संगीत के प्रति इतनी दिलचस्पी ने आगे चलकर उन्होने संगीत को ही अपना कैरियर चुनने का फैसला किया, लेकिन यह कैसे संभव होगा, यह उन्हें तब तक समझ नहीं आया जब तक वे जीविका की तलाश में मुंबई नहीं आ गए. मुंबई पहुंच कर कई दिनों के पशोपेश, ऊहापोह और रात भर जागरण के बाद उन्होंने हिंदी फिल्म इंडस्ट्री में संगीतकार के रूप में करियर बनाने का फैसला किया. सबसे पहले उन्होंने अपना नाम छोटा करते हुए रोशन रख लिया.

आज से कुछ वर्ष बाद, संभवत हम रितिक के दोनों हैंडसम नन्हे पुत्र, ह्रधान तथा रेहान को भी सफलता के आसमान में चमकते हुए देखेंगे और क्योंकि मैंने शुरू से ही रोशन खानदान को रोशनी फैलाते देखा है, इसीलिए भविष्यवाणी कर सकता हूं कि ये बच्चे भी आगे चलकर उज्जवल भविष्य के साथ खूब रोशन होंगे क्योंकि चमकना रोशन खानदान के जीन्स में है. जैसे–जैसे महान रोशन साहब के सौवें एनिवर्सरी का दिन नजदीक आ रहा है, मुझे पता नहीं कि रोशन परिवार या फिल्म इंडस्ट्री ने उसे मनाने की क्या योजना कर रखी है लेकिन मैं सोचता हूँ कि काश, आज वो शर्मिले और संवेदनशील रोशन यहाँ होते तो देखते कि उन्होंने जो बीज उस समय बोये थे उसने कितना विशाल रूप ले लिया है.

उस वक्त उन्हें इस बात का अंदाजा नहीं था कि वे एक ऐसे खानदान की बुनियाद डाल रहे हैं जो आगे चलकर रोशन फैमिली या रोशन खानदान के रूप में जगप्रसिद्ध होगा और हिंदी फिल्म इंडस्ट्री का एक मजबूत स्तंभ बनेगा. वे अपने भाग्य और भविष्य को लेकर एकदम अनजान तथा मासूम थे लेकिन उन्होंने पूरी शिद्दत के साथ संगीत जगत में डूबकर काम किया, यह सोचते हुए की कभी ना कभी उनकी यह मेहनत और दीवानगी उन्हें जरूर कामयाब बनाएगी. वे महानतम संगीतज्ञ अनिल विश्वास तथा हुस्नलाल भगतराम के प्रशंसक तो थे लेकिन उन्होंने यह फैसला किया कि जब उन्हें फिल्मों में संगीत देने का मौका मिलेगा तो वे कभी उन लोगों की नकल नहीं करेंगे और वह मौका जल्दी उन्हें मिल गया जब वरिष्ठ तथा आल राउंडर केदार शर्मा ने, जो खुद बेहतरीन गीत लिखने के लिए जाने माने जाते थे और जिन्होंने के एल सहगल के लिए कई बेस्ट गीत लिखे थे और जिन्हें राज कपूर के गुरु के रुप में जाना जाता है तथा जिन्होंने राज कपूर को उस वक्त थप्पड़ भी रसीद किया था जब राज कपूर उनके पास बतौर असिस्टेंट काम कर रहे थे ने उन्हें मौका दिया.

राज कपूर को केदार शर्मा ने भारतीय सिनेमा के पितामह पृथ्वीराज कपूर के सिफारिश पर रखा था. पहली बार जिस फिल्म के लिए रोशन ने संगीत दिया. वह फ्लॉप हो गया लेकिन जल्दी उन्होंने कई छोटी बड़ी फिल्मों में खूबसूरत म्यूजिक देकर यह साबित कर दिया कि वे कितने मल्टी टैलेंटेड है. वैसे तो उनके द्वारा रचा गया हर गीत एक हीरा है लेकिन यादगार फिल्मों में उन्होंने जो यादगार गीत संगीतबद्ध किये उसके लिए वे हमेशा याद किए जाएंगे. उनकी सारी फिल्मों में, जिनमें उनके द्वारा संगीतबद्ध यादगार फिल्में बन गई, उनमें से प्रमुख है बावरे नयन, मल्हार, नवबहार, अनहोनी, बरसात की रात, अर्थी, ताजमहल, दिल ही तो है, चित्रलेखा, देवर, भीगी रात, बहू बेगम और

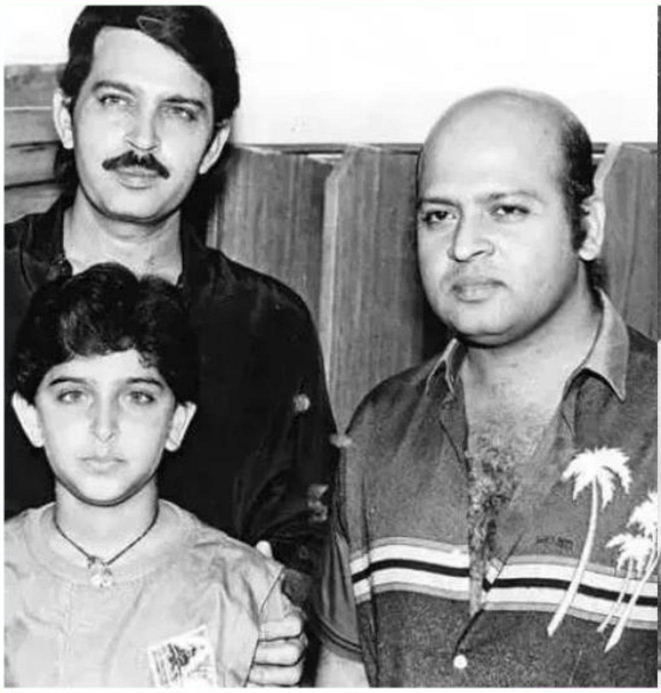

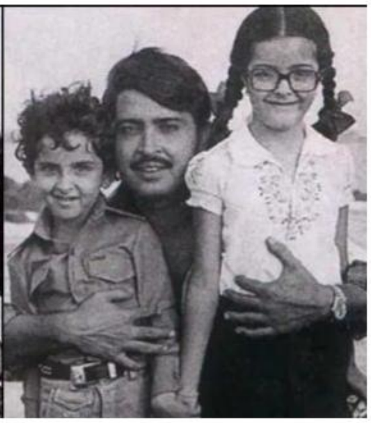

अनोखी रात जो उनकी अंतिम फिल्म साबित हुई क्योंकि उनका असमय निधन 16 नवंबर 1967 में हो गया. उनके द्वारा सदाबहार संगीतबद्ध गीत आज भी लोकप्रिय हैं और हमेशा रहेंगे.

रोशन ने उन प्रत्येक संवेदनशील इंसान की तरह अपनी जीवन संगिनी चुनने में वक्त जरुर लगाया लेकिन जब उन्होंने आखिर जीवनसंगिनी का चुनाव किया तो वह बंगाली लड़की इरा थी, जिसे भी संगीत से लगाव था. उन दिनों जब वे अपने करियर की सफलता के लिए संघर्ष कर रहे थे और हुस्नलाल भगतराम के अंधेरी वर्सोवा (आज सात बंगला) स्थित विशाल बंगले के एक हिस्से में रह रहे थे तब उनका पहला बेटा राकेश पैदा हुआ. उनका दूसरा बेटा राजेश उस वक्त पैदा हुआ जब उनके दिन कुछ अच्छे हो गए थे.

राकेश को संगीत के प्रति खास दिलचस्पी नहीं थी हालांकि उनके पास अपने संगीतज्ञ पापा के रूप में संगीत का खजाना था. उन्हें अभिनय में ज्यादा रुचि थी. राकेश में नायक बनने के सारे गुण थे लेकिन अभिनय की शुरुआत, उन्हें संजीव कुमार ऋषि कपूर तथा कई और नायकों की फिल्मों में विलन का किरदार निभाते हुए करना पड़ा. इस बात से राकेश अपने एक्टिंग करियर को लेकर संतुष्ट नहीं थे. अंततः उन्होंने अपनी पत्नी पिंकी के पिता जी यानी अपने ससुर

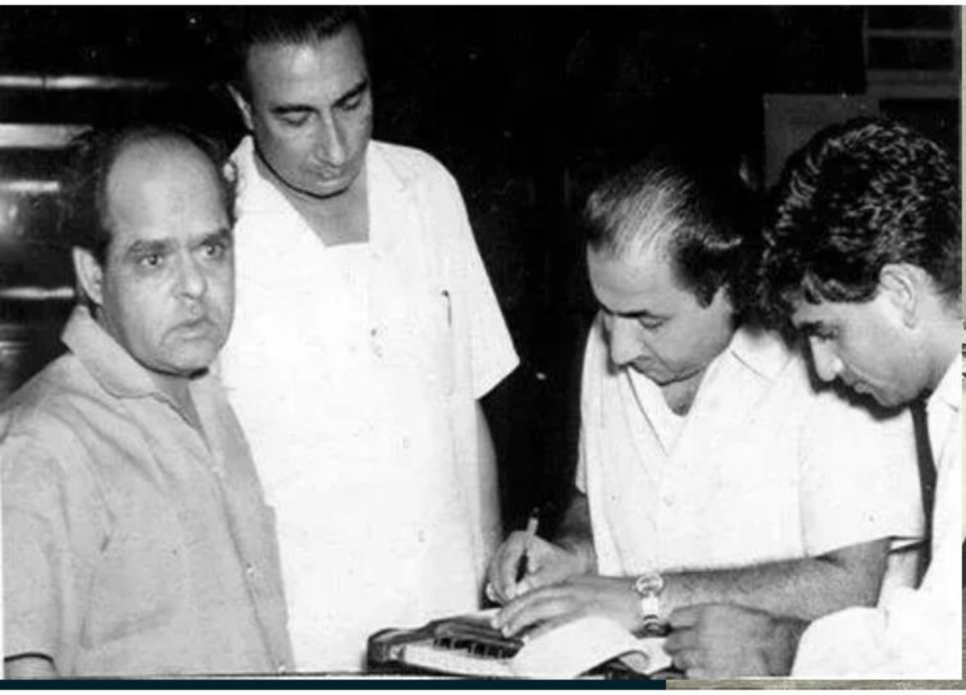

जी, वरिष्ठ सुप्रसिद्ध फिल्ममेकर, जे ओम प्रकाश (जिन्होंने सत्तर अस्सी के दशक में सफलतम सुपर हिट फिल्में बनाई थी) के आशीर्वाद से अपनी खुद की फिल्म कंपनी शुरू की जिसका नाम रखा 'फिल्म क्राफ्ट'. शुरू मे उन्होंने कुछ आउट एंड आउट कमर्शियल फिल्में बनाई जो चल नहीं पाई जिससे असंतुष्ट होकर राकेश ने दक्षिण भारत के बेहतरीन निर्देशक के विश्वनाथ को ढूंढ निकाला. के विश्वनाथ ने ना केवल राकेश के अभिनय गुणो को जगजाहिर किया बल्कि उनके होम प्रोडक्शन की फिल्में, कामचोर, शुभकामना, जाग उठा इंसान को निर्देशित करके उनकी प्रोडक्शन कंपनी को नाम प्रसिद्धि और स्टैंड दिया. इन्ही विश्वनाथ जी के साथ काम करते हुए राकेश को महसूस हुआ कि उनके अंदर भी फिल्म बनाने के गुण हैं और उसके पश्चात जो हुआ उसने हिंदी फिल्मों का एक इतिहास रच डाला.

राकेश रोशन की सफलतम फिल्में जैसे, खुदगर्ज, खून भरी मांग, करण अर्जुन, कोयला तथा, बेटे रितिक रोशन को बतौर हीरो लेकर बनाई फिल्में, कहो ना प्यार है, कोई मिल गया तथा कृष के सिक्वल तथा इस फिल्म के तीन और सीक्वेल ने राकेश रोशन को हिंदी फिल्म इंडस्ट्री दस सर्वश्रेष्ठ कामयाब बेहतरीन निर्देशको में शुमार कर दिया.

उनके बैनर द्वारा रितिक को हीरो लेकर बनाई सिर्फ एक फिल्म 'काइट' नहीं चली,

लेकिन इससे पिता–पुत्र की इस जोड़ी ने फिल्में बनाने के रिस्क से डरे नहीं और अब रितिक रोशन को फिर से बतौर हीरो तथा संजय गुप्ता को बतौर निर्देशक लेकर उन्होंने फिल्म 'काबिल' का निर्माण किया. इस फिल्म को लेकर लोगों की

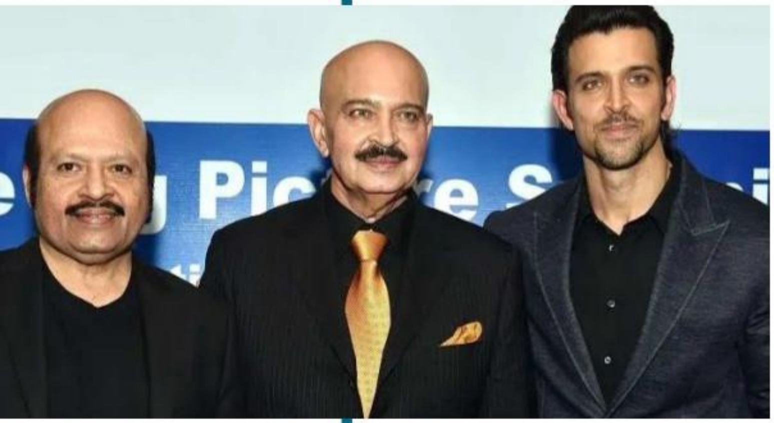

उम्मीदें आसमान छूने लगी है क्योंकि इस फिल्म में रितिक, एक, एकदम अलग तथा डेरिंग रोल (एक अंधे व्यक्ति की भूमिका) निभा रहे हैं, जिसमें नायिका यामी गौतम भी अंधी है और इस फिल्म में उन दोनों नायक नायिका ने वह काम किया जो किसी भी फिल्म में नार्मल तरीके से एक्टर नहीं करते हैं. इस फिल्म से उम्मीदें और भी ज्यादा है क्योंकि यह फिल्म क्लैश कर रही है शाहरुख खान की फिल्म 'रईस' से.

राजेश रोशन का अपने पिता की तरह संगीत रचना में रुचि थी लेकिन उनके पिता ने अपने उसूलों के चलते राजेश को अपने बलबूते पर इंडस्ट्री में करियर बनाने दिया और उस वक्त सीनियर रोशन गर्व से भर उठे जब राजेश रोशन को उनकी काबिलियत के बलबूते पर कॉमेडी किंग महमूद ने अपनी फिल्म 'कुंवारा बाप' मे बतौर संगीतकार पहला ब्रेक दिया. महमूद ने आर डी बर्मन और वासु तथा मनोहारी को भी ब्रेक दिया था जो उस जमाने में एस डी बर्मन के सहायक थे.

राजेश रोशन द्वारा संगीत बद्ध उस फिल्म की अपार सफलता के चलते राजेश रोशन को साउथ इंडिया के पायोनियर तथा कई हिंदी फिल्मों के मेकर, बी नागी रेड्डी की फिल्म 'जूली' में सबसे बड़ा मौका मिला, जिसकी अपार सफलता सबको

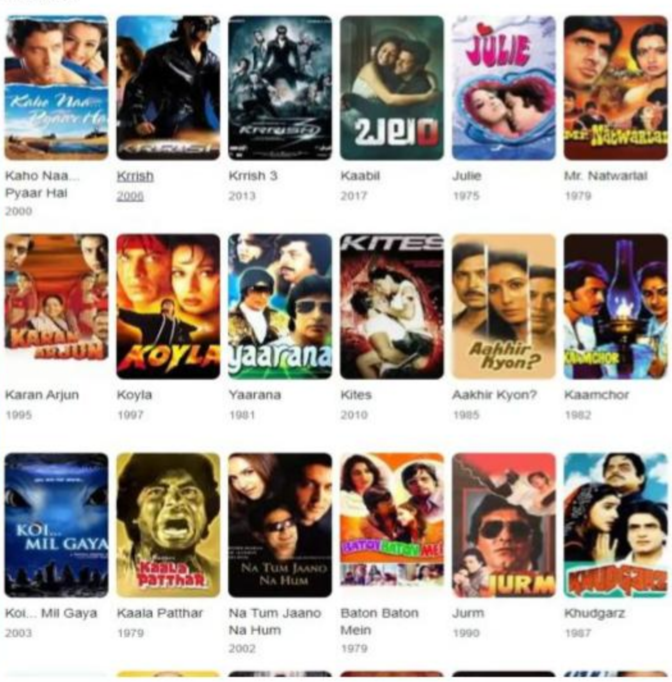

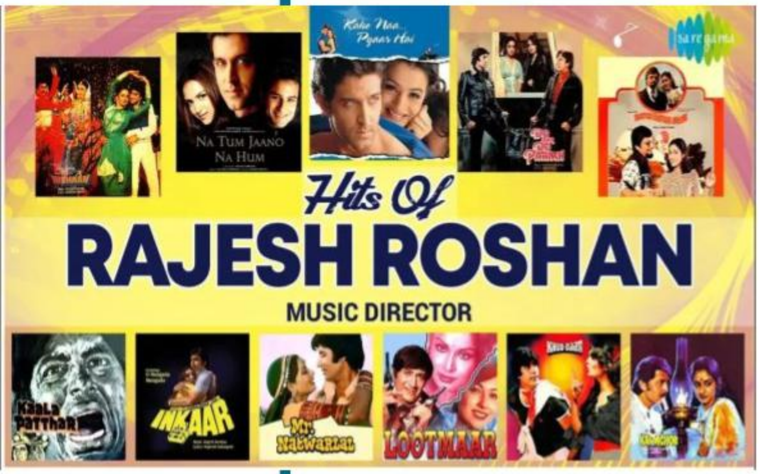

विदित है. राजेश रोशन फिल्में चुनने के मामले में बेहद चूजी हैं और उन्होंने देवानंद बासु चटर्जी राकेश कुमार और सर्वोपरि अपने भाई राकेश रोशन की फिल्मों में बेहतरीन संगीत दिया.अपने भाई राकेश रोशन के लिए उन्होंने हमेशा सर्वश्रेष्ठ संगीत की रचना को आरक्षित रखा. आज उनकी फिल्म 'काबिल' के गीत, सभी चार्ट के टॉप पर हैं जो राजेश रोशन के संगीत की चर्चा कर रहे है.राजेश की कार्यप्रणाली में भले ही धीरता हो पर वे समय के अनुसार संगीत की रचना करते हैं. अब और क्या कहा जाए भारतीय सिनेमा के एडोनिस के बारे में.

मुझे याद है, कैसे वो (रितिक) नन्हा सा खूबसूरत बच्चा हमेशा अपने नाना, जे ओम प्रकाश तथा पापा राकेश रोशन के शूटिंग के सेट पर, सदैव कैमरे के पीछे के कामों में ज्यादा दिलचस्पी लेता था. उसे कभी भी एक्टर बनने में दिलचस्पी नहीं थी. यह बात उसने अपने पापा की फिल्म 'भगवान दादा' के सेट पर कही थी , जिसमें दक्षिण फिल्मों के आइकॉन रजनीकांत नायक थे. तब यह सुनकर रजनीकांत ने कहा था, 'भले ही यह बच्चा इस वक्त कुछ भी कहे, लेकिन मुझे इसमें भविष्य का एक बहुत बड़ा स्टार नजर आ रहा है.' रितिक रोशन ने ना सिर्फ रजनीकांत की भविष्यवाणी को सही साबित किया बल्कि अपने करियर में सफलता की हर ऊंचाई और क्षितिज के आगे बढ़ गए. अपने पापा राकेश रोशन द्वारा निर्मित प्रत्येक फिल्म उनके लिए यकीनन स्पेशल फिल्म होती है और 'काबिल' भी उन्हीं में से एक बेहद खास फिल्म है. उन्होंने अपनी अच्छे भाव से आगे बढ़कर इस फिल्म में काम किया है और साबित कर दिया कि वे कितने मेहनती तथा काबिल एक्टर है.

राकेश रोशन ने अपनी लग्ज़री कारों के चमचमाते बेड़े में अब एक और गाड़ी जोड़ ली है! मशहूर फिल्ममेकर राकेश रोशन अब एक मेबैक के मालिक बन गए हैं! और अंदाज़ा लगाइए इस खूबसूरत कार की कीमत क्या है? 3 करोड़ रुपये! अब... 'कृष' के लिए यह कुछ खास बात है!

तारीफ...
अपनी आप की करना फिजूल है...
खुशबु
खुद बता देती हैं कौन सा फूल हैं....

गुलज़ार

जैकलीन फर्नांडीज ने Cannes 2024 के रेड कार्पेट पर जलवा बिखेरा! उन्होंने एक सुनहरे गाउन में एक हाई-एंड कार ब्रांड का प्रतिनिधित्व किया और इस इवेंट में सबसे बेहतरीन ड्रेस पहने और सबसे बेहतरीन सितारों में से एक के रूप में अपनी जगह बनाई।

डॉ. पवन मोंगा और बांसुरी स्वराज

भारत सरकार में पूर्व केन्द्रीय मानव संसाधन विकास मंत्री उत्तराखंड के पूर्व मुख्यमंत्री , हरिद्वार से पूर्व सांसद व भाजपा के वरिष्ठ नेता रमेश निशंक पोखरियाल साथ में भाजपा दिल्ली प्रदेश के पूर्व मंत्री व ग्रेटर कैलाश विधानसभा के प्रभारी डॉ पवन मोंगा

विश्वविद्यालयों में मोहम्मद रफी की आवाज के नमूनों पर हो रहे हैं शोध

विनोद कुमार

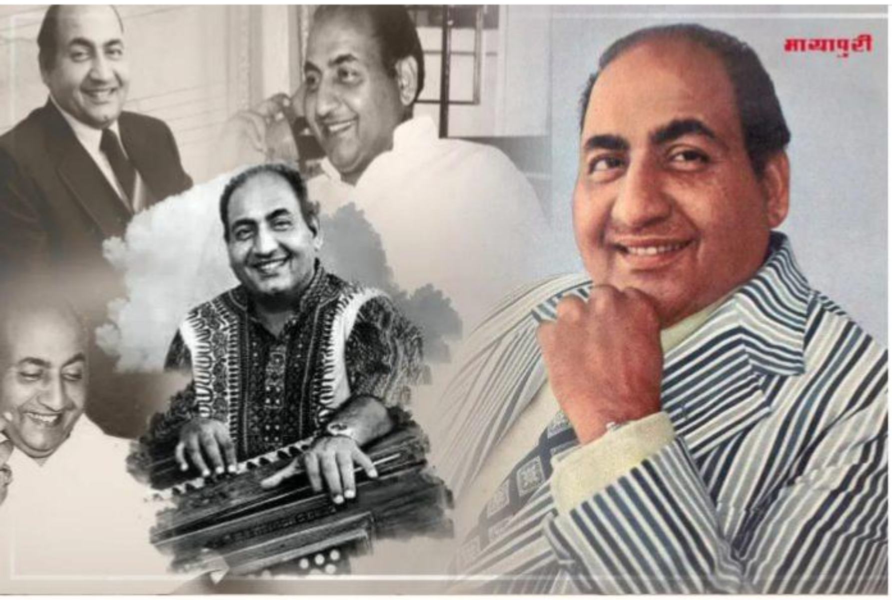

महान गायक मोहम्मद रफी का निधन हालांकि कई दशक पहले हो गया, लेकिन आज भी जब हम उनके गाए हुए गीतों को सुनते हैं तो अपना दुखःदर्द भूल जाते हैं. आखिर उस आवाज में ऐसी क्या खासियत है. उस आवाज में कौन सा क्या राज छुपा है? मशहूर फिल्म लेखक विनोद कुमार ने बहरीन में रहने वाले रफी साहब के ग्रैंडसन इन लॉ फिरोज अहमद से बात की जिन्होंने बताया कि रफी साहब आवाज के नमूनों को लेकर दुनिया के कई मशहूर और प्रतिष्ठित विश्वविद्यालयों में अध्ययन किए जा रहे हैं और उच्चतर अध्ययन के छात्र इन नमूनों के जरिए आवाज की बारीकियां सीख रहे हैं.

बहुमुखी संगीत प्रतिभा के धनी मोहम्मद रफी ने संगीत के उस शिखर को हासिल किया, जहाँ तक कोई भी गायक पहुँच नहीं पाया. उनकी आवाज के आयामों की कोई सीमा नहीं थी. मद्धिम अष्टम स्वर वाले गीत हों या बुलन्द आवाज वाले 'याहू' शैली के गीत, वह हर तरह के गीत गाने में माहिर थे. उन्होंने भजन, गजल, कव्वाली, देशभक्ति गीत, दर्द भरे तराने, जोशीले गीत, सुगम एवं शास्त्रीय संगीत तथा गैर फिल्मी गाने पूरी महारथ के साथ गाये और हर उम्र, हर वर्ग और हर रुचि के लोगों को अपनी आवाज के जादू में बाँधा.

मोहम्मद रफी की आवाज के जादू को शब्दों में बयान करना असंभव है. उनकी आवाज में सुरों को केवल महसूस किया जा सकता है. उनकी आवाज कभी किसी शान्त और विशाल मनोरम झील में ढलती शाम की तरह, कभी उन्मुक्त प्रबल प्रपात की तरह, कभी हिमालय से निकलती गंगोत्री की कल–कल धारा की तरह तो कभी मुलायम मखमली गुलाबी गलीचे में लिपटी ठंडी रात की तरह महसूस होती है.

मोहम्मद रफी संभवतः हिन्दी फिल्म संगीत के एकमात्र ऐसे गायक थे, जिन्हें आरोह–अवरोह के इस्तेमाल में महारत हासिल थी. यह क्षमता आज के समय के अत्याधुनिक हैरियर जेट के सीधे ऊपर उठने और नीचे आने के (वर्टिकल टेक ऑफ एण्ड लैंडिंग) के समान थी. मोहम्मद रफी के गाये अनेक गानों में आरोह–अवरोह का खूबसूरत इस्तेमाल मिलता है.

मोहम्मद रफी ने अपनी आवाज की विविधता की विशेष क्षमता का मुजाहिरा आवाज की गुणवत्ता में कमी किये बगैर अलग–अलग अभिनेताओं के साथ अपनी आवाज का मिलान करके किया. जिन फिल्मों में उनके गाये हुए गाने होते थे, उन फिल्मों के रिलीज होने से पहले ही यह पता चल जाता था कि कौन सा गाना किस अभिनेता पर फिल्माया गया है. स्वर कोकिला लता मंगेशकर भी नूतन और मीना कुमारी के लिये अलग–अलग तरीके से गाती थीं.

बहुमुखी प्रतिभा वाली गायिका आशा भोंसले भी गाते समय हेलेन और आशा पारेख के लिये फर्क करती थीं. मुकेश की आवाज राज कपूर के लिए जबकि किशोर कुमार की आवाज राजेश खन्ना और बाद के दौर के कई अभिनेताओं के लिए फिट बैठती थी लेकिन मोहम्मद रफी की आवाज की वृहद् रेंज और विविधता हर मायने में श्रेष्ठ थी.

रफी साहब विभिन्न संगीतकारों के लिये भी अपनी आवाज

में विविधता रखते थे. उनके गानों को सुनकर यह बताया जा सकता है कि किस गाने का संगीत किस संगीत निर्देशक ने दिया है. नौशाद, ओ. पी. नैयर, शंकर–जयकिशन, मदन मोहन और एस. डी. बर्मन के लिये गाये गये मोहम्मद रफी के गानों में फर्क साफ तौर पर पहचाना जा सकता है.

यह रफी साहब की खास प्रतिभा थी कि वह फिल्म में गाने के मूड, भाव, अर्थ, शब्द और गीत के सम्पूर्ण सार को आत्मसात कर फिल्म में उस गीत के लिये पैदा की गयी परिस्थितियों को अपनी आवाज में परिलक्षित कर सकते थे.

आखिर उनकी आवाज में क्या खासियत है और उनकी आवाज में क्या बारीकियां हैं इसके बारे में अध्ययन करने के लिए दुनिया के कई मशहूर विश्वविद्यालयों में उनकी आवाज के नमूनों पर शोध किए जा रहे हैं. पिछले दिनों बहरीन में रहने वाले रफी साहब के ग्रैंडसन इन लॉ फिरोज अहमद से मेरी बातचीत हुई तब उन्होंने बताया कि कुछ समय पूर्व उनको नीदरलैंड की राजधानी ऐम्स्टर्डैम में एक संगीत समारोह में बुलाया गया था. वहां संगीत समारोह में भाग लेने वाले जो भी कलाकार थे वे सभी अलग–अलग देशों से आए थे और उनमें से किसी को हिन्दी या उर्दू या कोई अन्य भारतीय भाषा नहीं आती थी. लेकिन वे सभी रफी साहब के गाने गा रहे थे और उन गानों को गाते समय वो इमोशनल हो रहे थे. कई तो रो रहे थे. जब फिरोज अहमद साहब उन कलाकारों से मिलने के लिए ग्रीन रूम में गए तो वे सब बहुत खुश हुए यह जानकर कि वे रफी साहब के परिवार के किसी सदस्य से मिल रहे हैं.

फिरोज अहमद साहब ने बताया कि जब उन्होंने इन गायकों से पूछा कि आपको हिन्दी या उर्दू नहीं आती है तो आप कैसे इन गीतों को इतने बेहतर तरीके से गा पाते हैं और कैसे इन गीतों को गाते समय भावनाओं में बह जाते हैं. उन्होंने पूछा कि क्या आप सब भारत की फिल्में देखते हैं या वहां के गानों को सुनते हैं. तब उन्होंने कहा नहीं. तब फिरोज अहमद साहब ने पूछा कि फिर आप सब रफी साहब के गाने कैसे गाते हैं. तब उन कलाकारों ने बताया कि वे सारे संगीत में डॉक्टरेट हैं और जब वे डॉक्टरेट कर रहे थे तब उनके पाठ्यक्रम में वॉयस कल्चर के अध्याय थे और उस अध्याय में रफी साहब की आवाज के विभिन्न नमूनों का विश्लेषण किया गया था. उन्हें मोहम्मद रफी की आवाज के सैम्पल्स के आधार पर वॉइस के बारे में समझाया जाता था कि शुद्ध आवाज क्या होती है.

श्री फिरोज अहमद ने बताया कि यह बात उनको भी पता नहीं थी कि विदेशों में कई विश्वविद्यालयों में रफी साहब के वॉयस के सैम्पल्स के आधार पर वॉइस कल्चर के बारे में पढ़ाया जाता है.

इन कलाकारों ने बताया कि पीएचडी की पढाई के दौरान ही वे रफी साहब की आवाज के ऐसे दीवाने हो गए कि वे उन्हीं के गाने सुनते हैं और उन्हीं के गाने गाते हैं.

श्री फिरोज अहमद साहब ने जो जानकारी दी वह हम भारतीयों के लिए चौंकाने वाली हो सकती है कि

जिस गायक को अपने देश में वह सम्मान नहीं मिला जिसके वे हकदार थे लेकिन उसी गायक की आवाज की दुनिया दीवानी है और उनकी आवाज उनके लिए अध्ययन का शोध का विषय है.

मोहम्मद भारत के एकमात्र ऐसे गायक हैं जिन्होंने लगभग सभी भारतीय भाषाओं के अलावा अंग्रेजी या स्पैनिश, फारसी, अरबी और डच जैसी कई विदेशी भाषाओं में गाया है. दुनिया में ऐसे इक्के दुक्के गायक होंगे, जिन्होंने इतनी अधिक भाषाओं में गीत गाए हैं. ऐसे में वह सही मायने में विश्व गायक या अंतरराष्ट्रीय गायक हैं, जिन्होंने अलग अलग भाषाओं में गीत गाकर अलग अलग भाषा भाषी लोगों को लुभाया और उनके दिलों को जीता.

मोहम्मद रफी के अंग्रेजी में गाए हुए कुछ गीत रिकॉर्ड हुए और ये रेकॉर्ड जारी भी हुए और इसकी हजारों प्रतियां बिकीं थी. इन अंग्रेजी गीतों में पहला गीत 'द शी आई लव' है जो 'गुमनाम' (1965) फिल्म के मशहूर 'हम काले हैं तो क्या हुआ' के संगीत पर नए लिरिक्स चढ़ाता है. दूसरा गीत यही काम कालजयी गीत 'बहारो फूल बरसाओ' (1966) के साथ करता है और इसमें रफी साहब का अंग्रेजी शब्दों का उच्चारण एकदम सटीक नहीं है. लेकिन 'ऑल्दो वी हेल फ्रॉम डिफरेंट लैंड्स...द वर्ल्ड इज वन' नामक यह 49 साल पुराना गीत आश्चर्यजनक रूप से हमारे मौजूदा समय का सटीक मूल्यांकन करता है.

जब ये रेकॉर्ड जारी हुए तो सुनने वालों ने यह सोचकर हैरत में पड़ गए कि कैसे रफी साहब ने पूर्ण निपुणता के साथ और अंग्रेजी के बिल्कुल सही एक्सेंट के साथ उन गीतों को गाया है मानो अमरीका और ब्रिटेन में पला बढ़ा कोई गायक गा रहा हो या गीत उस समय भी खूब लोकप्रिय हुए थे.

इन गीतों को सुनकर सुनने वाले भी आश्चर्य में पड़ जाते हैं क्योंकि रफी साहब ने अंग्रेजी या अन्य भाषाओं के ऐक्सेंट का ही पूरा ध्यान रखा है.

रफी साहब की इन्हीं खासियतों के कारण लोग उनको विलक्षण प्रतिभा वाला गायक कहते हैं. लेकिन हमारे लिए यह दुर्भाग्य नहीं तो और क्या है कि आवाज के इस जादूगर को, जिसकी आवाज की दुनिया दीवानी है और जिसकी आवाज को दुनिया भर के प्रतिष्ठित विश्वविद्यालयों में अध्ययन के लिए सुरक्षित रखा गया है और जिस गायक की आवाज पर प्रतिष्ठित विश्वविद्यालयों के छात्र अध्ययन और शोध कर रहे हैं उस गायक को हमने महज पद्मश्री के लायक समझा. सर्वोच्च नागरिक सम्मान भारत रत्न तो दूर की बात है, सरकार उनको दादा साहेब फाल्के पुरस्कार तक नहीं दे पाई है, जबकि मोहम्मद रफी के गानों के बल पर शोहरत हासिल करने वाले संगीतकारों, फिल्म निर्देशकों और अभिनेताओं को कहीं अधिक महत्वपूर्ण पुरस्कार मिल चुके हैं.

विनोद कुमार मशहूर फिल्म लेखक और पत्रकार हैं जिन्होंने सिनेमा जगत की कई हस्तियों पर कई पुस्तकें लिखी हैं. इन पुस्तकों में 'मेरी आवाज सुनो', 'सिनेमा के 150 सितारे', 'रफी की दुनिया' के अलावा देवानंद, दिलीप कुमार और राज कपूर की जीवनी आदि शामिल हैं.

इस आर्टिकल में जो भी गाने हैं उनको सुनने के लिए हमारी वेबसाइट mayapuri.com पर जाएं।

गायक अमित कुमार करेंगे वृद्धाश्रम के लिए चैरिटी शो

—मायापुरी प्रतिनिधि

प्रसिद्ध गायक अमित कुमार 2 जून को बोरिवली वेस्ट के कोरा केंद्र में एक नेक काम के लिए मंच पर परफॉर्म करेंगे। पीपल्स आर्ट सेंटर के गोपकुमार पिल्लई द्वारा आयोजित इस चैरिटी इवेंट का उद्देश्य वज्रेश्वरी में एक वृद्धाश्रम के निर्माण के लिए धन जुटाना है।

गोपकुमार पिल्लई, जो पिछले चार दशकों से इवेंट्स और अवॉर्ड के क्षेत्र में एक महत्वपूर्ण नाम हैं, ने इस पहल को बुजुर्गों की देखभाल की आवश्यकता को ध्यान में रखते हुए शुरू किया है। उन्होंने इस उद्देश्य को आगे बढ़ाने के लिए गायक अमित कुमार के साथ शो प्लान किया है।

यह कार्यक्रम विशेष रूप से महत्वपूर्ण है क्योंकि यह अमित कुमार के संगीत उद्योग में 60 वर्षों की शानदार यात्रा के पूरा होने का जश्न भी मनाता है। इस अवसर पर अमित कुमार को सम्मानित किया जाएगा और वे अपने पिता के प्रसिद्ध गानों की प्रस्तुति देंगे। दर्शक BookMyShow के माध्यम से टिकट खरीदकर इस नेक काम में अपना योगदान दे सकते हैं। टिकटों की चार श्रेणियां हैं: 1,000, 2,000, 3,000, और 4,000। टिकट बिक्री से प्राप्त सभी राशि सीधे वृद्धाश्रम के निर्माण में जाएगी, जो समाज में सकारात्मक प्रभाव डालने के लिए संगीत और परोपकार की शक्ति को दर्शाता है। इस यादगार संगीत और संवेदना भरी शाम का हिस्सा बनने के लिए, अपने कैलेंडर पर 2 जून को चिन्हित करें और हमारे साथ कोरा केंद्र में शामिल हों। टिकट बुकिंग और अधिक जानकारी के लिए, BookMyShow पर जाएं।

एक दिल की बातें लिखने वाले शायर ने कैसे मेरे दिल को ठेस पहुंचाई

—अली पीटर जॉन

मेरा एक अजीब विश्वास है, जिससे कई लोग सहमत नहीं हो सकते हैं, लेकिन इसका मतलब यह नहीं है कि मैं अपने विश्वास को बदल दूंगा जो एक बहुत ही करीबी अवलोकन और कई मुठभेड़ों और अनुभवों से आता है।

और ऐसे समय में जब झूठ बोलना जीवन का एक तरीका बन गया है और यहां तक कि सबसे शक्तिशाली पुरुष और महिलाएं भी झूठ बोलने के विशेषज्ञ बन रहे हैं, मैं कसम खाता हूं कि अब से जो मैं कहूंगा वह सच होगा और सच के अलावा कुछ भी नहीं होगा।

मैं के. ए. अब्बास के साथ उनके साहित्यिक सहायक के रूप में काम कर रहा था, एक पद उन्होंने मेरे लिए इसलिए बनाया क्योंकि मैं मुंबई विश्वविद्यालय से अंग्रेजी साहित्य में एम ए के साथ सबसे अधिक शिक्षित सहायक था। मेरा मासिक वेतन सौ रुपये महीना था, जो मुझे कभी हर महीने मिलता था और कभी दो या तीन महीने तक इंतजार करना पड़ता था और फिर उसी समय जमा की गई राशि मिल जाती थी और वह एक 'चावल की थाली' के साथ जश्न मनाने का अवसर था जो अब्बास साहब के ऑफिस के पास जुहू हिंदू होटल में एक रुपये में मिलती थी, या फिर बस बटाटा वड़ा और पाव और दिन में एक कप चाय। अब्बास साहब जानते थे कि एक आदमी के लिए उस वेतन पर जीना मुश्किल है जो वह मुझे दे रहे थे। उन्होंने अक्सर मुझसे अन्य नौकरियों की तलाश करने का अनुरोध किया, लेकिन मैंने उन्हें किसी भी कीमत पर नहीं छोड़ने का दृढ़ संकल्प किया हुआ था।

अब्बास साहब एक ऐसे व्यक्ति थे जो हमेशा अपने साथ काम करने वाले लोगों की परवाह करते थे और उनके सचिव और प्रबंधक, अब्दुल रहमान जैसे लोग थे (उन्होंने 'सात हिंदुस्तानी' के लिए अब्बास साहब और अमिताभ बच्चन के बीच कॉन्ट्रैक्ट टाइप किया था) और अब्बास साहब की सभी प्रमुख पुस्तकों, लेखों और शोर्ट स्टोरीज को टाइप किया था, अब्दुल रहमान अब्बास साहब के साथ चालीस से अधिक वर्षों से काम कर रहे थे और जब मैंने उनसे पूछा था कि उन्होंने दूसरी नौकरी के लिए प्रयास क्यों नहीं किया, तो उन्होंने कहा था, "अब्बास साहब के लिए काम करना नमाज पढ़ने जैसा है। मैं नमाज भी छोड़ सकता हूं लेकिन अब्बास साहब को छोड़ने के बारे में नहीं सोच सकता।"

समय बीतने के साथ, अब्बास साहब, जो मेरे लेखन के प्रति प्रेम के बारे में जानते थे, ने मुझे 'सिने एडवांस', 'फिल्म मिरर' और 'देबोइनेयर' जैसे साप्ताहिकों में लेख लिखने का काम दिया, जिसके लिए मुझे 25 रुपये से 150 रुपये के बीच का भुगतान किया गया था। मुझे एक बार रमन खन्ना, उनकी नई खोज के बारे में लिखने के लिए कहा गया था, जिन्होंने उन्हें शबाना आजमी के साथ अपनी प्रमुख महिला के रूप में 'फासला' पेश किया था। जब मेरा लिखा लेख छपा तो खन्ना ने मुझे पच्चीस रुपये की एक रेडी मेड शर्ट भेंट की और यहां तक कि मुझे अपने सचिव के रूप में नौकरी की पेशकश की, जिसे अब्बास साहब ने मुझे न लेने की सलाह दी थी।

अब्बास साहब ने मुझे संपादक श्री एस. एस. पिलाई को परिचय पत्र देने के बाद 'स्क्रीन' नामक साप्ताहिक के लिए लिखने के लिए कहा था, जिन्होंने मुझे प्रसिद्ध उर्दू कवि और गीतकार मजरूह सुल्तानपुरी का इंटरव्यू लेने के लिए कहा था।

मैंने मजरूह सुल्तानपुरी को अब्बास साहब के बड़े पुस्तकालय में आयोजित मुशायरे में ही देखा था और उनके व्यक्तित्व और उनकी शायरी से मंत्रमुग्ध हो गया था, लेकिन मैं उनसे हाथ भी नहीं मिला सकता था।

उस शाम मिस्टर पिलाई से मिलने के बाद मैं अब्बास साहब के पास गया और उन्हें अपने काम के बारे में बताया। वह बहुत खुश हुए और उसने मुझे न केवल मजरूह का एक पत्र दिया, बल्कि उनसे इंटरव्यू की मेरी आवश्यकता के बारे में बात करने का भी वादा किया था।

मुझे जाने-माने लेखकों और कवियों से मिलना अच्छा लगता था और सचमुच उस रात मुझे नींद नहीं आई।

और अगली शाम मैं मजरूह के बंगले पर उतरा क्योंकि अब्बास साहब ने मुझसे कहा था कि मजरूह बहुत अच्छा आदमी है और उनके साथ अपॉइंटमेंट लेने की कोई जरूरत नहीं है।

शुरूआत अपने आप में अशुभ थी क्योंकि

दो लोगों ने मुझे घेर लिया और मुझसे हर तरह के सवाल पूछने लगे जो मुझे डराते थे, लेकिन अब्बास साहब की चिट्ठी ने मेरे लिए सब कुछ आसान कर दिया और पत्र मजरूह तक पहुँच गया और कुछ ही मिनटों में मुझे एक बड़बड़ाहट और यह कहते हुए आवाज सुनाई दी, "ये अब्बास साहब को कोई काम ही नहीं लगता है। जब चाहे किसी को भी पत्र लिखवाके भेज देते हैं। उस लॉन्डे से कहो की मेरे पास और भी काम है और मैं उसे इंटरव्यू नहीं दे सकता।" मैं उन दिनों भी बहुत संवेदनशील था जब मैं संघर्ष कर रहा था और ज्यादातर समय भूखा रहता था। मजरूह का आदमी मेरे पास जो जवाब सुन चुका था, उसे सुनाने आया था उसके आने से पहले ही मैं बंगले से बाहर निकल गया था। मैं उस बंगले में कभी वापस नहीं गया। मुझे जाने की भी कोई जरूरत नहीं थी।

अगले दिन अब्बास साहब की ओर से मजरूह को 'गोलीबारी' दी गई और मजरूह ने मुझे अब्बास साहब के माध्यम से एक संदेश भेजा कि मैं उनसे मिलूं। लेकिन मैंने पहले ही उनसे दोबारा न मिलने का मन बना लिया था। वह उर्दू शायरी के पोप हो सकते थे, लेकिन वे दिल से एक क्रूर इंसान थे। एक आदमी जिसने दिलऔर प्यार करने और प्यार करने की आवश्यकता के बारे में महान कविता लिखी, वह वास्तविक जीवन में इतना अलग कैसे हो सकता है? मैं कितने ही कवियों और लेखकों से मिला हूँ, और मैंने देखा है कि कैसे उनमें से कुछ में जुड़वाँ व्यक्तित्व हैं, डॉ. जेकिल और मिस्टर हाइड जैसे कुछ। जितेंद्र ने एक बार मुझे एक ऐसे कवि और लेखक के बारे में बताया, जिन्होंने बेहतरीन कविताएं लिखीं और अच्छी फिल्में बनाईं, लेकिन उसने पत्नी को पीटने वाली और पत्नी को गाली देने वाली सबसे बुरी हरकते भी की थी और मैं उस कवि को भगवान का अवतार मानता था।

उस शाम मजरूह के घर में उस अनुभव के बाद, मैंने सौ रुपये बनाने का अवसर खो दिया लेकिन मैंने जीवन भर के लिए सबक सीख लिया था।

साहिर साहब ने लिखा था "एक चेहरे पर कई चेहरे लगा लेते है लोग" पहले तो मैंने सिर्फ ये बात सुनी थी, लेकिन जैसे-जैसे वक्त बुढ़ा होता गया, मैंने ये सच जान भी लिया और मान भी लिया, कयों की ये बात सच और सच के सिवा कुछ नहीं है।

अनु– छवि शर्मा

जब भी जी चाहे, नई दुनिया बसा लेते हैं लोग

जब भी जी चाहे, नई दुनिया बसा
लेते हैं लोग
एक चेहरे पे कई चेहरे, लगा लेते हैं
लोग
जब भी जी चाहे...

याद रहता है किसे गुजरे जमाने का
चलन
सर्द पड़ जाती है चाहत, हार जाती
है लगन
अब मुहब्बत भी है क्या, इक तिजारत
के सिवा
हम ही नादाँ थे जो ओढ़ा बीती
यादों का कफन
वर्ना जीने के लिए सब कुछ भुला
लेते हैं लोग
एक चेहरे पे कई...

जाने वो क्या लोग थे, जिनको वफा
का पास था
दूसरे के दिल पे क्या गुजरेगी ये
एहसास था
अब हैं पत्थर के सनम, जिनको
एहसास ना गम
वो जमाना अब कहाँ, जो
अहल–ए–दिल को रास था
अब तो मतलब के लिए नाम–ए–वफा
लेते हैं लोग
जब भी जी चाहे...

फिल्म– दाग
कलाकार– शर्मिला टैगोर और राजेश खन्ना
गायक–लता मंगेशकर
संगीतकार– लक्ष्मीकांत–प्यारेलाल
गीतकार– साहिर लुधियानवी

प्रियंका चोपड़ा बुलगारी इवेंट में खूब हंसती और खुश नजर आईं...

प्रभास, बिग बी, कमल हासन अभिनीत 'कल्कि 2898 एडी' के 5वें हीरो का खुलासा 22 मई को हुआ

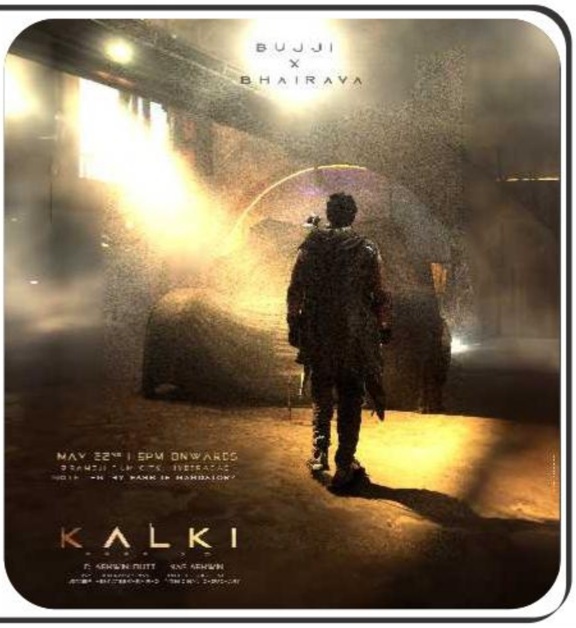

ज़ी सिनेमा पर **'मिशन रानीगंज'** के वर्ल्ड टेलीविजन प्रीमियर में देखिए हिम्मत और हौसले की एक दिलचस्प दास्तान...

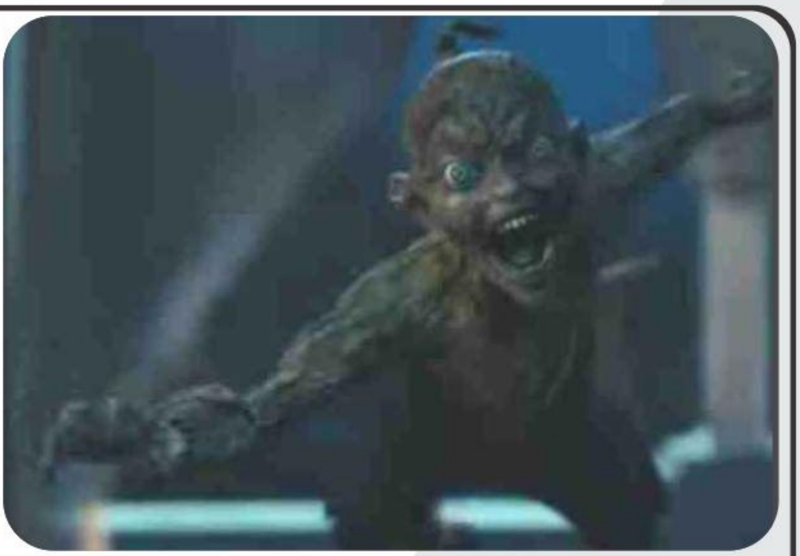

मुन्नी सावधान और चीखने के लिए तैयार हो जाओ, क्योंकि मुंज्या आ रहा है! मैडॉक फिल्म्स ने भारत के पहले CGI अभिनेता **'मुंज्या'** का दिलचस्प टीज़र जारी किया!...

हीरामंडी में शर्मिन सहगल की परफॉर्मेंस को लेकर बोले जेसन शाह

–असना जैदी

संजय लीला भंसाली की भांजी शर्मिन सहगल को वेब सीरीज 'हीरामंडीः द डायमंड बाजार' में उनकी एक्टिंग के लिए काफी ट्रोल किया जा रहा है. सीरीज में वह आलमजेब के किरदार में नजर आई हैं. वहीं वेब सीरीज में कार्टराईट की भूमिका निभाने वाले जेसन शाह ने एक इंटरव्यू के दौरान हीरामंडी में शर्मिन सहगल की परफॉर्मेंस को लेकर बात की.

शर्मिल सहगल की 'वन–टोन'

परफॉर्मेंस पर जेसन शाह ने दिया ये जवाब

दरअसल, जेसन शाह से उनके लेटेस्ट इंटरव्यू में शर्मिल सहगल की 'वन–टोन' परफॉर्मेंस को लेकर सवाल पूछा गया. जिसका जवाब देते हुए जेसन शाह ने कहा, 'शर्मिन की परफॉर्मेंस 'वन–टोन' थी, लेकिन शायद ऐसा इसलिए था कि उन्हें संजय लीला भंसाली से यह डायरेक्शन मिली हो जोकि उनके मामा भी हैं. मुझे पर्सनली लगता है कि उन्हें अलग–अलग जगहों पर भावनाओं का लेवल अधिक बढ़ाना चाहिए था.

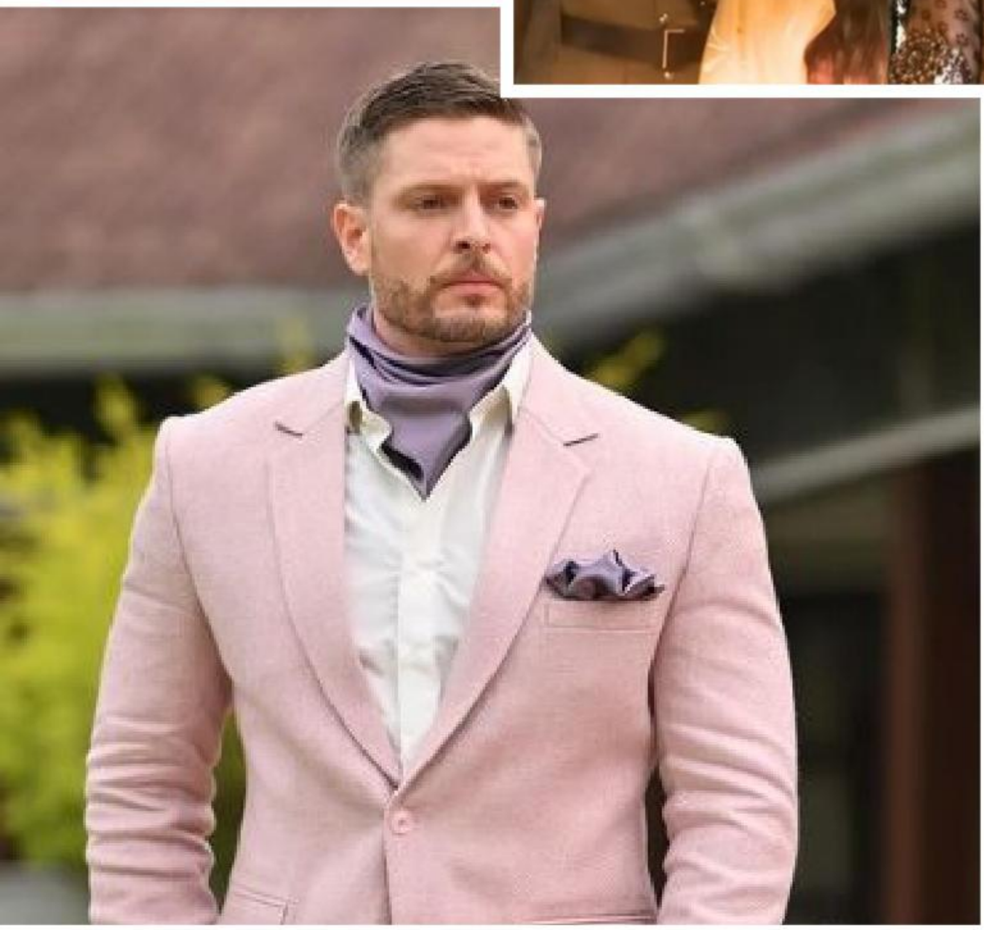

शर्मिन सहगल की म्यूट परफॉर्मेंस को लेकर जेसन शाह ने कही ये बात

वहीं जेसन शाह ने अपनी बात को जारी रखते हुए आगे कहा, 'मुझे याद है कि संजय ने भी कहा था, अपने दिमाग से हीं बल्कि अपने दिमाग से एक्टिंग करो. शायद यही एक लहजा था जिसे वे इस किरदार से तलाश रहे थे. लेकिन यह निर्देशक का फैसला है. शर्मिन ने अपना काम किया. हमने एक साथ बहुत आसानी से काम किया. हमें कभी भी ऐसी कोई कठिनाई नहीं हुई". यह पूछे जाने पर कि क्या शर्मिन को विशेष रूप से म्यूट परफॉर्मेंस देने के लिए कहा गया था. जिसका जवाब देते हुए **जेसन शाह ने कहा,** "हो सकता है, मैं यही सोचता हूं. यदि नहीं, यदि उसे इसे एक–स्वर में रखने के लिए नहीं कहा गया होता, तो मुझे लगता कि किरदार में बहुत सारी जगह थी और बहुत सी अलग–अलग चीजें करने की बहुत गुंजाइश थी. मुझे नहीं लगा कि इसकी पूरी तरह से जांच की गई है. लेकिन मैं निर्देशक नहीं हूं'

इस वीकेंड, 'मैडनेस मचाएंगे-इंडिया को हंसाएंगे' सदाबहार मौसमी चटर्जी और बहुमुखी अभिनेता जिमी शेरगिल का स्वागत करेगा

जब गीतांजलि मिश्रा की क्रिकेटर वेंकटेश अय्यर से हुई मुलाकात!...

सोनी सब के 'आँगन आपनो का' में पल्लवी ने अपने पति और उसके परिवार की मदद के लिए क्लाउड किचन शुरू किया...

व्हिस्लिंग वुड्स इंटरनेशनल का डिजाइन कॉन्क्लेव 2.0: क्रिएटिव स्पार्क्स और इनोवेटिव विचारों के लिए एक मंच

—मायापुरी प्रतिनिधि

व्हिस्लिंग वुड्स इंटरनेशनल (डब्ल्यूडब्ल्यूआई) स्कूल ऑफ क्रिएटिव आर्ट्स (एससीए) ने गर्व से डिजाइन कॉन्क्लेव 2024 की मेजबानी की, जो रचनात्मकता और नवीनता का दो दिवसीय उत्सव है, जिसमें विभिन्न पृष्ठभूमि के प्रतिभागियों को डिजाइन की गतिशील दुनिया का पता लगाने के लिए आमंत्रित किया गया है।

यह कार्यक्रम एनिमेशन और गेम डिजाइन, फैशन और कॉस्ट्यूम डिजाइन और विजुअल कम्युनिकेशन डिजाइन विभागों द्वारा आयोजित किया गया था, जिसका उद्देश्य डिजाइन के प्रति उत्साही लोगों की अगली पीढ़ी को प्रेरित और सशक्त बनाना था। दो दिनों के दौरान, उपस्थित लोगों को अनुभवों की एक समृद्ध श्रृंखला से रूबरू कराया गया, जिसमें ज्ञानवर्धक उद्योग पैनल चर्चाएं, इंटरैक्टिव कार्यशालाएं और छात्र प्रतिभा का मनोरम प्रदर्शन शामिल था।

पैनल चर्चा, डिजाइन कॉन्क्लेव 2024 के प्रमुख आकर्षणों में से एक, डिजाइन उद्योग में प्रासंगिक विषयों पर चर्चा की गई। पहला दिन 'डिजाइन में व्यावसायिक शिक्षाः गुणवत्ता, उत्कृष्टता और आप' पर केंद्रित था, जिसमें सुश्री मीनल जड़िया (अनुभाग प्रमुख – डिजाइन सेवाएँ, पिडिलाइट डिजाइन स्टूडियो, पिडिलाइट इंडस्ट्रीज लिमिटेड), श्री शोभित मुखर्जी (सीनियर) जैसे उद्योग विशेषज्ञों की अंतर्दृष्टि शामिल थी। गेम डिजाइनर, यूनिसॉफ्ट मुंबई), श्री संग्राम बोरसे (क्रिएटिव डायरेक्टर, क्लाइंब मीडिया। पूर्व संस्थापक, रेग एनिमेशन स्टूडियो), और सुश्री ज्योत्सना अर्जुन (सीईओ, युवाका फैशन)। दूसरे दिन शडिजाइन अभ्यास और पेशेः एक महान डिजाइनर क्या बनता है?' पर चर्चा की गई। सुश्री दिव्या गोपालन (संस्थापक और क्रिएटिव

डायरेक्टर, स्टूडियो गनपाउडर), श्री अभिषेक गोयल (एसोसिएट लीड – गेम डिजाइन, यूबीसॉफ्ट मुंबई), श्री किरीट खुराना (संस्थापक और निदेशक, क्लाइंब मीडिया प्राइवेट लिमिटेड कंपनी) सहित सम्मानित पैनलिस्टों के साथ –संस्थापक और महोत्सव निदेशक, अनिमेला), और श्री अमोल कदम (प्रमुख – डिजाइन, स्पाइकर जीन्स)।

इंटरैक्टिव कार्यशालाएँ, जो इस आयोजन के अन्य प्रमुख आकर्षणों में से एक थीं, ने प्रतिभागियों को डिजाइन विषयों के एक स्पेक्ट्रम में व्यावहारिक सीखने के अवसर प्रदान किए, जिसमें चरित्र डिजाइन, रंग और भावनाएं, मल्टीप्लेयर गेम डेवलपमेंट, डिजिटल इकोसिस्टम, टाई जैसे विषय शामिल थे। रंगाई तकनीक, और फैशन फिल्मों का रहस्योद्घाटन।

ग्रैंड फिनाले में सुश्री दर्शन गांधी, हेड–डिजाइन, गोदरेज द्वारा एक आकर्षक मुख्य भाषण दिया गया। छात्रों को प्रोत्साहित करते हुए, सुश्री गांधी ने टिप्पणी की, "डिजाइनरों को, चाहे वे किसी संगठन के अंदर हों या बाहर, उन्हें उद्यमशीलता की भूमिका और मानसिकता अपनानी चाहिए। डिजाइन एक अपेक्षाकृत आधुनिक क्षेत्र है, और इसके मूल्य और क्षमता को बताना हमारी जिम्मेदारी है। मैं सभी युवा डिजाइनरों से आग्रह करना चाहता हूं कि वे अपने रचनात्मक आराम क्षेत्र से बाहर निकलें। व्यवसाय, अर्थशास्त्र और दूसरों के सामने आने वाली बाधाओं के बारे में जानने की पहल करें। इस ज्ञान को अपने सहकर्मियों और वरिष्ठ नेतृत्व के साथ सक्रिय रूप से लागू करें। ऐसा करने से प्रस्ताव प्रस्तुत करने, विचार उत्पन्न करने और समाधानों की संकल्पना करने में आपकी सफलता में काफी वृद्धि होगी।

समापन कार्यक्रम में एनीमेशन और गेम डिजाइन विभाग के नए लोगो का अनावरण भी हुआ। डिजाइन कॉन्क्लेव 2024 का समापन शानदार अइयाना 2024 ग्रेजुएशन शो के साथ हुआ, जिसमें फैशन डिजाइन के स्नातक बैच की रचनात्मक प्रतिभा का प्रदर्शन किया गया।

व्हिस्लिंग वुड्स इंटरनेशनल की अध्यक्ष सुश्री मेघना घई पुरी ने रचनात्मक प्रतिभा को बढ़ावा देने के लिए संस्थान की प्रतिबद्धता पर जोर देते हुए सभी छात्रों को शुभकामनाएं दीं। "डिजाइन कॉन्क्लेव 2024 रचनात्मकता और सहयोग का एक प्रतीक रहा है, जो सार्थक चर्चाओं को बढ़ावा देता है और डिजाइन समुदाय के भीतर नए विचारों को जगाता है। यह कार्यक्रम नवाचार और उत्कृष्टता की संस्कृति को बढ़ावा देने के लिए हमारे समर्पण का उदाहरण है और मैं इसे एक शानदार सफलता बनाने के लिए स्कूल ऑफ क्रिएटिव आर्ट्स के प्रत्येक छात्र को बधाई देता हूं", उन्होंने टिप्पणी की।

महायोद्धाओं का महासंग्राम देखने के लिये हो जाइये तैयार! डिज्नी प्लस हॉटस्टार ने 'द लेजेंड ऑफ हनुमान सीजन 4' का ट्रेलर जारी किया, जिसमें हनुमान और कुंभकरण की महाशक्तियां सामने आयेंगी

—मायापुरी प्रतिनिधि

संकट ते हनुमान छुड़ावे! डिज्नी प्लस हॉटस्टार पर 'द लेजेंड ऑफ हनुमान' के एक बिल्कुल नये सीजन में महायोद्धाओं का महासंग्राम देखने के लिये तैयार हो जाईये। नया सीजन और भी रोमांचक होगा, जिसमें कुंभकरण अपनी राक्षसी शक्ति का प्रदर्शन करेगा, इंद्रजीत अपनी घातक योजनाओं का जाल बिछाएगा और अहिरावण अपने दुष्ट इरादों को अंजाम देगा। वहीं दूसरी तरफ, हनुमान अपनी शक्तिशाली वानर सेना को अब तक के सबसे बड़े युद्ध के लिए तैयार करेंगे। इस रोमांचक नये अध्याय को ग्राफिक इंडिया के शरद देवराजन और जीवन जे. कांग ने अपनी रचनात्मक प्रतिभा द्वारा गढ़ा है, जिसमें शरद केलकर रावण के रूप में और दमन सिंह हनुमान के रूप में अपनी दमदार आवाजों का जादू बिखेर रहे हैं। यह महागाथा हर हफ्ते एक नए एपिसोड के साथ 5 जून से डिज्नी हॉटस्टार पर प्रसारित होगी!

ग्राफिक इंडिया के को—फाउंडर और सीईओ तथा 'द लेजेंड ऑफ हनुमान' के क्रिएटर व एक्जीक्यूटिव प्रोड्यूसर शरद देवराजन ने अपने विचार साझा करते हुये कहा, ''मूल भारतीय एनिमेशन की सीमाओं को आगे बढ़ाना ही ग्राफिक इंडिया का जुनून और प्रेरणा शक्ति है। 'द लेजेंड ऑफ हनुमान' के हर नये सीजन के साथ, हमारा प्रयास न केवल एनीमेशन की सीमाओं को तोड़ने का होता है, बल्कि उस आध्यात्मिक सच्चाई की गहराई में जाने का भी होता है जो इस कहानी को इतना अमर बनाता है। इस सीजन में, जब हनुमान लंका के शक्तिशाली योद्धाओं, जिनमें विशाल कुंभकरण भी शामिल है, का सामना करते हैं, तो हम कर्तव्य, त्याग और अडिग भक्ति की शक्ति जैसे गहन विषयों की खोज करते हैं। धरती को हिला कर रख देने वाले ये महायुद्ध एक शक्तिशाली कहानी की पृष्ठभूमि के रूप में काम करते हैं, जो मानवीय स्थितियों के सार को दर्शाता है। हनुमान की यात्रा के माध्यम से, हमें यह याद दिलाया जाता है कि सच्ची शक्ति शारीरिक बल में नहीं, बल्कि अपने विश्वास में दृढ़ रहने के साहस और अपने आसपास के लोगों को ऊपर उठाने की करुणा में निहित है। हम पूरे भारत और दुनिया भर के दर्शकों को इस अगले परिवर्तनशील अध्याय की शुरुआत करने, हनुमान के उदाहरण से प्रेरित होने और उस दिव्य ज्ञान को खोजने के लिए आमंत्रित करते हैं जो हम सभी के भीतर गुंजायमान है, केवल डिज्नी हॉटस्टार पर।

मशहूर अभिनेता शरद केलकर, जिन्होंने 'द लेजेंड ऑफ हनुमान' के नये सीजन में रावण के किरदार को आवाज दी है, ने कहा, ''मैं एनिमेशन का बहुत बड़ा फैन हूं और 'द लेजेंड ऑफ हनुमान' की मेरे दिल में एक खास जगह है। एनिमेटेड सीरीज में किरदारों को आवाज देना हमेशा से ही मुझे बहुत पसंद रहा है, क्योंकि इससे मुझे बतौर कलाकार खुद को निखारने में मदद मिलती है। रावण, खासतौर से एक पौराणिक किरदार है, जो परदे पर बहुत कम देखे जाने वाले स्पेक्ट्रम के एक पहलू का प्रतिनिधित्व करता है। इस सीजन में, रावण का युद्ध और भी चुनौतीपूर्ण है, क्योंकि वह न सिर्फ वानर सेना का सामना करता है, बल्कि उसे अपनों को खोने एवं उनके बलिदान का दर्द भी झेलना पड़ता है। उस पीड़ा और दर्द को आवाज देने के लिए पिछले सभी सीजन की तुलना में आत्मनिरीक्षण और नई तैयारी की जरूरत थी। दर्शक जब इस सीजन को देखेंगे, तो न सिर्फ उसकी भावनाओं को देखेंगे, बल्कि उसे सुनेंगे भी। शरद देवराजन, डिज्नी प्लस हॉटस्टार और ग्राफिक इंडिया ने इस आइकॉनिक किरदार को प्रदर्शित करने में बेमिसाल काम किया है। ट्रेलर अब रिलीज हो चुका है और अब तो बस यही इंतजार है कि कब दर्शक डिज्नी हॉटस्टार पर हनुमान के कारनामों के इस नए अध्याय को देखें और अब तक के सबसे अनोखे युद्ध का अनुभव करें!''

क्या इस बार हनुमान की तलाश पूरी होगी और वे अपने मित्र को बचाने में कामयाब होंगे? 'द लेजेंड ऑफ हनुमान सीजन 4' में महासंग्राम और जीत की गाथा देखें, 5 जून से सिर्फ डिज्नी प्लस हॉटस्टार पर।

क्या बॉलीवुड में 40 पार अभिनेत्रियों के लिए बदल रहा है परिदृश्य?

–आयुषी सिन्हा

शोबिज की दुनिया में एक हीरो चाहे 50 का हो या 60 का वो हीरो हीं है. वो अपने उम्र के आधे उम्र की लड़की के साथ परदे पर रोमांस करे इस बात से किसी को कोई दिक्कत नहीं है लेकिन यही चीजें एक हीरोइन के लिए लागू नहीं होती हैं. एक हीरोइन के 40 पार करते हीं उसे पुरानी कह दी जाती हैं और उनसे ये उम्मीद की जाती है कि अब वो माओं के किरदार निभाएं या फिर वो इंडस्ट्री से दूर हो जाये.

एक समय था जब ये बात सच भी हुआ करती थी कि एक उम्र के बाद हीरोइन फिल्मों में काम करना बंद कर देती थी लेकिन आज वो समय नहीं है. हाल हीं रिलीज हुई संजय लीला भंसाली की नेटफ्लिक्स सीरीज 'हीरामंडी' में मनीषा कोइराला द्वारा निभाए गए किरदार की हर तरफ चर्चाएं हो रही हैं. सीनियर एक्टर जैसे रेखा से लेकर उनके जूनियर्स भी उनकी तारीफों के पुल बाँध रहे हैं.

आज जहाँ महानायक अमिताभ बच्चन 81 साल के उम्र में भी सुपरस्टार हैं और उनके हिसाब से रोल लिखे जाते हैं. बिग बी इस समय इकलौते ऐसे अभिनेता है जो उम्र के इस पड़ाव पर भी सुपरस्टार की जिंदगी जी रहे हैं. बिग बी ने अपने करियर के दूसरे इनिंग में पिता के किरदार निभाने शुरू कर दिए थे लेकिन अगर हम बात करें साउथ के सुपरस्टार रजनीकांत की तो वो आज भी 73 की उम्र में वो अपने से आधी उम्र की हीरोइन्स के साथ रोमांस करते परदे पर नजर आते हैं.

इस तरह के मौके हीरोइन्स के लिए नहीं होते हैं. 40 का पड़ाव पार करते हीं उनसे ये उम्मीद की जाती है कि वो माँ का रोल निभाएंगी या फिर सहायक किरदार निभाएंगे लेकिन इन्हीं दर्शकों इस बात से कोई दिक्कत नहीं होती है जब एक हीरो अपने से आधी उम्र की हीरोइन के साथ परदे पर रोमांस कर रहा होता है वो हीरोइन जो किसी हीरो की भतीजी या बेटी है और जिसके साथ उस हीरो ने अपने समय में पहले भी काम किया है.

क्या बॉलीवुड जगत बदल रहा है? एक समय के बाद लाइमलाइट से कहीं दूर हो जाने वाली एक्ट्रेसेस अपना जोरदार कमबैक कर रही हैं. नीना गुप्ता, शबाना आजमी, शर्मीला टैगोर, डिम्पल कपाड़िया और भी कई हीरोइन्स ने ये शाबित किया है कि वो भी हमेशा सुपरस्टार रह सकती हैं. अब जब हम लाइमलाइट में आने के बात कर हीं रहे हैं तो हर किसी के ज़ुबान पर छायी मनीषा कोइराला को कैसे भूल सकते हैं. '1942: A Love Story' सौदागर, और खामोशी द म्यूजिकल जैसी फिल्मों से नाम बनाने के बाद एक समय के बाद मनीषा परदे से गायाब हो गयीं. कैंसर जैसी जानलेवा बीमारी से जंग जीतने के बाद उन्होंने किसी इंटरव्यू में कहा था कि वो अब फिल्मों में काम नहीं करेंगी लेकिन किस्मत को कुछ और हीं मंजूर था. संजय लीला भंसाली की सीरीज 'हीरामंडी' में मल्लिकाजान का किरदार मनीषा इतनी बखूबी से निभाया है कि हर कोई उनका मुरीद हो चूका है.

अब वो समय आ चूका है कि हम ऑडियंस के तौर पर मैच्योर हो जाएँ और टैलेंट पर ध्यान दें ना की उनके उम्र, उनकी शक्ल और उनके फिगर पर.

फ़िल्म "स्त्री" और 'भेड़िया', 'मर्डर मुबारक' के बाद, सचिन-जिगर अपनी आगामी हॉरर-कॉमेडी 'मुंज्या' के लिए देंगे म्यूजिक

सुलेना मजुमदार अरोरा

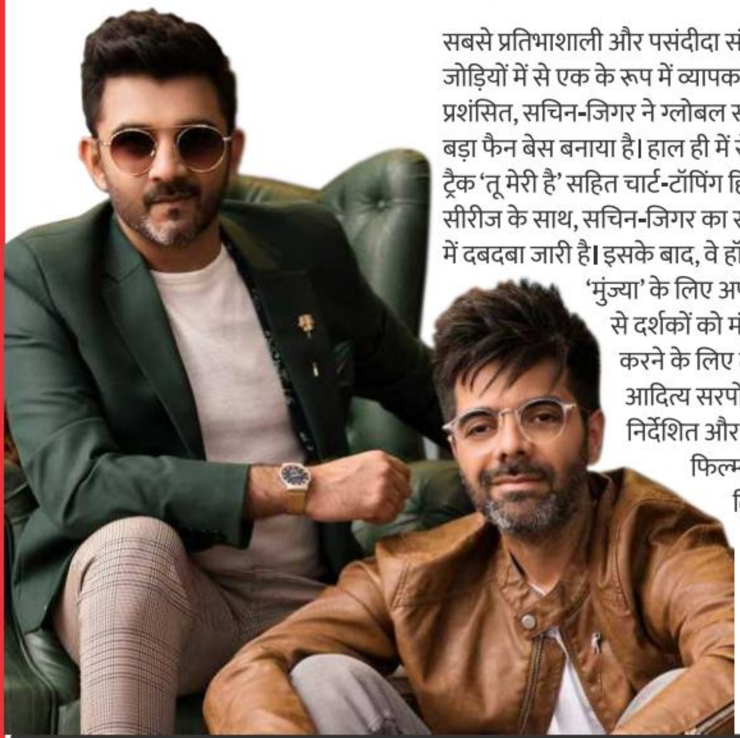

सबसे प्रतिभाशाली और पसंदीदा संगीत जोड़ियों में से एक के रूप में व्यापक रूप से प्रशंसित, सचिन-जिगर ने ग्लोबल स्तर पर एक बड़ा फैन बेस बनाया है। हाल ही में रोमांटिक ट्रैक 'तू मेरी है' सहित चार्ट-टॉपिंग हिट की एक सीरीज के साथ, सचिन-जिगर का संगीत जगत में दबदबा जारी है। इसके बाद, वे हॉरर-कॉमेडी 'मुंज्या' के लिए अपने संगीत से दर्शकों को मंत्रमुग्ध करने के लिए तैयार हैं। आदित्य सरपोतदार द्वारा निर्देशित और मैडॉक फिल्म्स के तहत दिनेश विजन और अमर कौशिक द्वारा निर्मित, 'मुंज्या' सचिन-जिगर के असाधारण संगीत और अमिताभ भट्टाचार्य के बोलों के साथ एक मनोरंजक राइड होने का वादा करती है।

'स्त्री', 'रूही' और 'भेड़िया' जैसी फिल्मों में ब्लॉकबस्टर संगीत देने के इतिहास के साथ, सचिन-जिगर एक बार फिर 'मुंज्या' में अपने साउंडट्रैक के साथ दर्शकों को आश्चर्यचकित करने के लिए तैयार हैं। अपने आगामी प्रोजेक्ट की घोषणा करते हुए, सचिन-जिगर ने अपने सोशल मीडिया हैंडल पर 'मुंज्या' का टीज़र साझा किया।

'मुंज्या' के लिए संगीत बनाने के बारे में बात करते हुए सचिन-जिगर ने कहा, "इस फ़िल्म का सबसे रोमांचक पहलू इसकी कहानी है। चूँकि हम पहले से ही 'स्त्री' और 'भेड़िया' का हिस्सा रहे हैं, इसलिए हमें पता था कि वहाँ क्या और किस तरह की माँग है और दीनू सर इस फ़िल्म को किस तरह से पेश करना चाहते हैं। यह एल्बम श्रोताओं को चकित कर देगा। उन्होंने शायद हॉरर कॉमेडी फ़िल्म के लिए

इस तरह के साउंडट्रैक की उम्मीद नहीं की होगी। यह एक रोमांचक एल्बम है और हमें उम्मीद है कि दर्शक हमेशा की तरह इसे अपना प्यार देंगे।" इस बीच, सचिन-जिगर ने हाल ही में मर्डर मिस्ट्री 'मर्डर मुबारक' में अपने बेहतरीन संगीत के लिए खूब प्रशंसा बटोरी। इसके बाद, संगीतकार जून के महीने में अपने पहले ऑस्ट्रेलिया-न्यूज़ीलैंड टूर 2024 के लिए कमर कस रहे हैं। सचिन-जिगर 28 जून को मेलबर्न, 29 जून को सिडनी और 30 जून को ऑकलैंड में परफॉर्म करेंगे। इस जोड़ी के अंतरराष्ट्रीय फैंस इस भव्य संगीत समारोह का बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं।

क्या बालवीर की मुख्य अदा अंटागोनिस्ट (सोनी लिव में) बिग बॉस के अगले सीज़न में दिखाई देने के लिए पूरी तरह तैयार है?

सुलेना मजुमदार अरोरा

चर्चित अभिनेत्री अदा, भारतीय मनोरंजन इंडस्ट्री की वो शख्सियत हैं जिन्हें किसी परिचय की जरूरत नहीं है। वह सही अर्थों में एक एक्टिव और बहुआयामी व्यक्तित्व हैं और उनका अब तक के काम, स्वयं इस बारे में सर चढ़कर बोलता है। वह वर्तमान में सोनी लिव के बालवीर सीजन 4 में मुख्य अंटागोनिस्ट की भूमिका निभाती नजर आ रही हैं और सीजन 3 में भी, उन्होंने अपने प्रशंसकों को काफी प्रभावित किया। न केवल वो एक शानदार अभिनेत्री है जिसने इससे पहले मधुबाला, क्या होगा निम्मो का, डांसिंग क्वीन, बेबाकी और अन्य कई परियोजनाओं में अपनी उपस्थिति दर्ज कराई है, बल्कि वह देश में लीडिंग लाइव शो एमसी में से एक भी रही है। आज तक, उन्होंने अमिताभ बच्चन, शाहरुख खान, प्रियंका चोपड़ा, सलमान खान, सचिन तेंदुलकर, बी प्राक, सुखविंदर सिंह और इनके जैसे कई अन्य मनोरंजन जगत के कई दिग्गजों के साथ एक एमसी के रूप में 2000 से अधिक लाइव शो की मेजबानी की है। तो, इस तथ्य के अलावा कि वह बालवीर सीजन 4 में, खुद के लिए एक बेहतरीन प्रदर्शन करती नजर आ रही है, तो उसके बाद वो और भी ज्यादा नवीनतम क्या हो रही है?

खैर, अगर अंदरूनी सूत्रों के साथ-साथ उड़ती गर्म खबरों पर विश्वास किया जाए, तो इस समय ऐसी अटकलें हैं कि अदा को बिग बॉस के अगले सीज़न के लिए संपर्क किया गया है और वह इसका हिस्सा हो सकती हैं। हालाँकि हमने टेलीफोन पर अदा से संपर्क किया और उनसे उनकी टिप्पणी मांगी, लेकिन लेख के लाइव होने तक हमें उनकी ओर से कोई हाँ या ना की प्रतिक्रिया नहीं मिली। शायद वो अभी टाइट लिप्ड है किन्ही कारणों से। वैसे हालाँकि उनके अगले सीज़न का हिस्सा होने को लेकर चर्चा तेज़ है, लेकिन अभी तक कोई आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है और यह जिज्ञासा और उत्सुकता ही उनके प्रशंसकों को और अधिक उत्साहित कर रही है। खैर, ये तो वक्त ही बता सकता है कि इस वक्त जो बिग बॉस के खेमे में अदा को लेकर बातचीत चल रही हैं वो सच हैं या नहीं।

अपने अभिनय कौशल के अलावा, अदा को भरतनाट्यम के साथ-साथ कथक, व्यावसायिक हिप हॉप, समकालीन और कई अन्य नृत्यों में भी प्रशिक्षित किया गया है। उन्होंने प्रसिद्ध थिएटर ग्रुप अंक समूह के साथ थिएटर भी किया है और इसमें कोई आश्चर्य नहीं कि यह सब उन्हें अपने कार्यक्षेत्र में अविश्वसनीय रूप से अनुभवी बनाता है।

काम के मोर्चे पर, अदा वर्तमान में सोनी लिव पर बहुत लोकप्रिय श्रृंखला बालवीर 4 में मुख्य प्रतिपक्षी के रूप में नजर आ रही है और आगे बढ़ने के लिए वह जो कुछ भी करेगी उसके लिए उनके चाहने वाले उसे शुभकामनाएं देती है।

अंधेरी में कामाख्या स्टूडियो का उद्घाटन किया गया, यह रचनात्मकता का केंद्र होगा और नृत्य और नाटकीयता के साथ-साथ अत्याधुनिक रिकॉर्डिंग सुविधाओं से सुसज्जित।

–सुलेना मजुमदार अरोरा

अनुजा सहाय और उमेश गिरी के कामाख्या स्टूडियो का उद्घाटन जनरल संजय रावले ने किया। अनुजा सहाय एक और कलाकार हैं जिन्होंने मुंबई अंधेरी पश्चिम के केंद्र में कमांडर संजय रावले द्वारा किया स्टूडियो नामक एक रिकॉर्डिंग, शूटिंग, नृत्य और थिएटर स्टूडियो का उद्घाटन करके अपने करियर में एक नया अध्याय खोला है। इस मील के पत्थर के बाद, अनुजा अपना सबसे हालिया गाना 'रूहेदारियां' रिलीज करने में सक्षम हो गई है, जो एक शक्तिशाली और भावनात्मक संगीतमय यात्रा है जिसे अनुजा सहाय और उमेश गिरी की खूबसूरत आवाजों ने गाया है।

रूहेदारियां को भावपूर्ण संगीत के रूप में तैयार किया गया है जो दर्शकों के दिल को छूने और उन्हें अपने भीतर के अनुभव में समेटने में सक्षम है। अनुजा सहाय की अद्भुत आवाज और उमेशगिरी का मिश्रण, जो बहुत दिल को छू लेने वाला है, सामंजस्यपूर्ण रूप से एक ऐसा संगीत बनाता है जो कोमल और दिल तोड़ने वाला दोनों है। यह गीत एक कलाकार के रूप में अनुजा की बहुमुखी प्रतिभा का प्रमाण है, वह अपने गीतों की मदद से श्रोताओं की भावनात्मक स्थिति को बदलने में सक्षम है।

इस गाने में अनुजा सहाय और शानदार अभि खजुरिया हैं जिनकी गायन प्रतिभा संगीत को अतिरिक्त समृद्धि और सामंजस्य प्रदान करती है। रूहेदारियां प्रसिद्ध सुधाकर शर्मा द्वारा लिखित प्यार, जुनून और आत्मा की ताकत पर आधारित एक गीत है और यह युवा और बुजुर्ग दोनों दर्शकों को उत्साहित करेगा। गीत रूहेदारियां का संगीत वीडियो दूरदर्शी राजा सरफराज अहमद द्वारा निर्देशित एक संपूर्ण दृश्य आनंददायक है, जो एक सुंदर कहानी और कुछ असाधारण सिनेमैटोग्राफी के माध्यम से एक शक्तिशाली संदेश देने में माहिर हैं जो न केवल गीत की सुंदरता को दर्शाता है बल्कि दर्शकों को एक भावनात्मक यात्रा पर ले जाता है।

कामाख्या स्टूडियो मुंबई में फास्ट एंड फ्यूरियस परिदृश्य में एक नया स्टूडियो है, यह अनुजा सहाय के दिमाग की उपज है और उम्मीद है कि यह सबसे रचनात्मक और अभिव्यंजक मनोरंजक सामग्री का केंद्र होगा, यह नवीनतम आधुनिक रिकॉर्डिंग तकनीकों से लैस है।

डांस स्टूडियो और ड्रामा स्टूडियो के अलावा अत्याधुनिक रिकॉर्डिंग सुविधाओं से लैस, कामाख्या स्टूडियो का लक्ष्य एक ऐसा वातावरण बनाना है जहां कलाकार अपनी कला का पता लगा सकें और उसे निखार सकें। रिकॉर्डिंग सत्र से लेकर नृत्य और नाटक रिहर्सल तक, स्टूडियो अनुभवी और उभरते पेशेवरों दोनों की आवश्यकताओं के अनुरूप सेवाओं की एक श्रृंखला प्रदान करता है। अनुजा सहाय का अपनी कला के प्रति समर्पण और सार्थक सामग्री बनाने की प्रतिबद्धता दुनिया भर के दर्शकों को प्रेरित करती रहती है। कामाख्या स्टूडियो के लॉन्च और 'रूहेदारियां' की रिलीज के साथ, उन्होंने भारतीय मनोरंजन उद्योग में एक अग्रणी

व्यक्ति के रूप में अपनी स्थिति मजबूत की, और दर्शकों के दिलों पर एक अविश्वसनीय छाप छोड़ी।

दर्शकों की मांग पर एक बार फिर मुंबई लौट आया है 'माशा एंड द बियर'

–शिल्पा पाटिल

अगर आपके बच्चे हैं या आप बच्चों के आसपास रहे हैं तो आपने 'माशा एंड द बियर' के बारे में जरूर सुना होगा. अगर आपको कभी इसका शो देखने का मौका मिला है, तो फिर आप अवश्य जानते हैं कि ये जीवन पर कैसा जादूई असर करता है. लेकिन अगर आपने नहीं देखा है तो आप किस्मत वाले हैं! एक युवा व उत्साही लड़की माशा और उसके दोस्त बियर के साथ अपनी तरह के अनोखे मनोरंजन का भारत में पहला शो दिसंबर में हुआ था और एक बार फिर से दर्शकों की मांग पर यह शो तीसरी बार मुंबई में लौट रहा है! वायकॉम18 लाइव द्वारा निर्मित Nick Jr-* शो 8 और 9 जून को बाल गंधर्व रंग मंदिर, बांद्रा में एक बार फिर मुंबई के दर्शकों का मनोरंजन करने के लिए तैयार है. इसके बाद 29 और 30 जून को अम्बेडकर भवन, मिलर्स रोड़, बैंगलोर में इसका प्रदर्शन होगा.

इस शो ने भारत में काफी लोकप्रियता हासिल की है. बच्चों के साथ–साथ उनके माता–पिता ने भी इस शो की जम कर तारीफ की है, जिनमें सोहा अली खान, समीरा रेड्डी, काजल अग्रवाल, मंदिरा बेदी, नेहा धूपिया, नित्या मेहरा और श्रिया सरन जैसी मशहूर हस्तियां शामिल हैं.

सोहा अली खान ने कहा,

मुझे यह शो बहुत पसंद है. हमने सबसे पहले 'माशा एंड द बियर' को टी.वी. पर देखा था, इसे लाइव देखकर और भी ज्यादा अच्छा लगा. मुझे लगता है कि यह अपने बच्चों के साथ जुड़ने का एक बहुत ही प्यारा तरीका है और यदि आप वास्तव में नोन–डिजिटल, नोन–स्क्रीन के बारे में सोच रहे हैं, तो ये सबसे अच्छी चीज है कि आप अपने बच्चे के साथ लाइव परफॉर्मेंस देखें और इसके लिये 'माशा एंड द बियर' से बेहतर और क्या हो सकता है!

नेहा धूपिया ने कहा,

सच्चाई यह है कि वे मेरे बच्चों का ध्यान डेढ़ घंटे तक रखते हैं, एक माँ को और क्या चाहिए? यह बहुत मनोरंजक और बेहतरीन है, और इसमे बहुत ही अच्छी परफॉर्मेंस और जीवन और दोस्ती की सीख है, इसलिए यह वाकई शानदार है.

श्रिया कहती हैं,

'माशा एंड द बियर' की जो बात मुझे सबसे ज्यादा पसंद है वो ये कि ये किरदार काफी अपने से हैं. इतने बड़े किरदारों को अपने पास आते देखना बहुत अच्छा लगा. पूरी कहानी में दोस्ती और प्यार के बारे में एक बहुत खूबसूरत संदेश है. ये वाकई बहुत खास है. मेरे पति रूस से हैं, और उन्हें 'माशा एड द बियर' पर बहुत गर्व है. मैं अपनी बेटी को स्क्रीन से दूर ले जाकर लाइव शो में लाने की कोशिश करती हूँ. यह उसके लिए किरदारों को समझने का एक बेहतरीन तरीका है, क्योंकि वे आपके सामने परफॉर्म करते हैं. ये इसलिए भी बहुत खास है क्योंकि यह राधा का पहला थिएटर शो है. मैं बहुत घबराई हुई थी, मुझे लगा कि वह बेचैन रहेगी और वहां से भागने लगेगी क्योंकि यह राधा का पहला लाइव शो था, वो पहली बार इतने लम्बे समय तक थिएटर में बैठी थी लेकिन उसने कमाल कर दिया. वो बड़े आराम से बैठी रही. उसे ये बहुत अच्छा लगा, वो हँसी, उसने तालियाँ बजाई और डांस किया. इसलिए, ये हमारे लिये एक खास यादगार बन गई.

कहानी कहने के मजेदार अंदाज, बेहद प्यारे किरदारों और मास अपील के साथ ये छपबा Jr-* स्पेशल देश के हर घर का पसंदीदा रहा है. एक पूरी तरह जासूसी कहानी के इर्द–गिर्द म्यूजिक, डांस व एक मजबूत कथानक से इसे सभी उम्र के बच्चों के लिए उपयुक्त और आकर्षक बनाने के लिए, ये शो दर्शकों को एक इंटरैक्टिव एक्सपीरियंस देता है, जहां माशा और द बियर को रहस्य को सुलझाने के लिए दर्शकों की मदद की जरूरत होती है. सुरागों को हल करने से लेकर माशा, द बियर, प्रोफेसर नॉनबेलिवियस, रोजी, पांडा, स्लाई फॉक्स और सिली फॉक्स के साथ डांस करने तक, बच्चों को यह सब कुछ करने को मिलता है!

2024 की गर्मियों के जाते जाते 'माशा एंड द बियर लाइव' उन परिवारों की एक पसंदीदा चीज बन गया है जो हमेशा मजेदार चीजें करने की तलाश में रहते हैं! 'माशा एंड द बियर लाइव' इस बेहतरीन जासूसी स्टोरी को एचएसबीसी, क्लब महिंद्रा, हैमलीज और वाइपा द्वारा प्रेजेन्ट किया गया है और इसके टिकट अब Bookmyshow.com और www.kidsdayout.com पर उपलब्ध हैं.

8 और 9 जून को मुंबई में बाल गंधर्व रंग मंदिर – बांद्रा में 'माशा एंड द बियर' के जादू को लाइव देखने का मौका न चूकें!

भारत के भविष्य के नेताओं को सशक्त बनाना अनंत अंबानी का वंतारा

–शिल्पा पाटिल

वंतारा में एक असाधारण तीन दिवसीय कार्यक्रम की एक महत्वपूर्ण शुरुआत थी, जहां भारत भर के 45 प्रतिष्ठित कॉलेजों के 132 छात्रों ने वन्यजीव संरक्षण की दिशा में ज्ञान और कार्रवाई की यात्रा शुरू की. चार बैचों में विभाजित, इन छात्रों को संरक्षण, वन्य जीवन और पर्यावरण के बारे में जागरूकता और शिक्षा बढ़ाने पर केंद्रित एक व्यापक कार्यक्रम में शामिल होने के लिए तैयार किया गया था.

यह कार्यक्रम अनंत भाई अंबानी का आइडिया था, जिनके वन्यजीव संरक्षण के प्रति गहन जुनून ने हमारे ग्रह की जैव विविधता के संरक्षण के लिए आशा जगाई. वन्यजीवों की भलाई के प्रति गहरी प्रतिबद्धता से प्रेरित होकर, उन्होंने खुद को उन अग्रणी पहलों के लिए समर्पित कर दिया है जो प्राकृतिक दुनिया के साथ हमारे संबंधों को फिर से परिभाषित करते हैं.

वंतारा इस प्रतिबद्धता का प्रमाण है. यहीं पर त्यागे गए जानवरों और लुप्तप्राय प्रजातियों को सांत्वना और अभयारण्य मिला, भावुक आत्माओं के अथक प्रयासों के लिए धन्यवाद, जिन्होंने जीवन भर देखभाल के प्रति अपनी निष्ठा की प्रतिज्ञा की. प्रभाव कार्यक्रम मानव शोषण और निवास स्थान के नुकसान का खामियाजा भुगतने वाले जानवरों के लिए जीवन का एक नया पट्टा प्रदान करने के वंतारा के मिशन की पृष्ठभूमि में सामने आया. अभिनव संरक्षण प्रयासों और अटूट समर्पण के माध्यम से, वंतारा ने मानवता और पशु साम्राज्य के बीच सह–अस्तित्व की कहानी को फिर से लिखने का प्रयास किया. वंतारा के लिए अनंत भाई अंबानी का दृष्टिकोण पर्यावरण प्रबंधन की विरासत में गहराई से निहित था. अपने मूल में स्थिरता के साथ, वंतारा ने जामनगर में दुनिया की सबसे बड़ी रिफाइनरी की विरासत को आगे बढ़ाया, और 2035 तक शुद्ध–शून्य कार्बन पदचिह्न की दिशा में प्रयास किया.

जैसे ही पूरे भारत से छात्र वंतारा में एकत्रित हुए, वे खोज और परिवर्तन की यात्रा पर निकल पड़े. गहन अनुभवों और व्यावहारिक शिक्षा के माध्यम से, वे अपने समुदायों और उससे परे वन्यजीव संरक्षण के समर्थक बनने के लिए ज्ञान और प्रेरणा से लैस थे.

11 से 13 मई के बीच आयोजित, छात्रों ने एक सावधानीपूर्वक तैयार किए गए कार्यक्रम का अनुभव किया जो उन्हें सुविधा और इसके कामकाज से परिचित कराने और वन्यजीव बचाव और संरक्षण में प्रभावशाली करियर के लिए तैयार करने के लिए डिजाइन किया गया था. इन छात्रों ने शैक्षणिक उत्कृष्टता और नेतृत्व क्षमता के शीर्ष क्षेत्रों का प्रतिनिधित्व किया, जिन्हें समूह चर्चा और व्यक्तिगत साक्षात्कार से जुड़ी एक कठोर चयन प्रक्रिया के माध्यम से चुना गया था, और उन्होंने आरसीपी घनसोली, जियो वर्ल्ड कन्वेंशन सेंटर और नीता मुकेश अंबानी सांस्कृतिक केंद्र सहित अन्य रिलायंस कार्यालयों का दौरा किया था.

कार्यक्रम की शुरुआत वंतारा के व्यापक दौरे के साथ हुई, जिससे छात्रों को रिलायंस की सबसे दूरदर्शी परियोजनाओं में से एक में परिचालन उत्कृष्टता और टिकाऊ प्रथाओं को प्रत्यक्ष रूप से देखने का मौका मिला.

दो दिनों में निर्धारित गतिविधियों में वंतारा के कार्यवाहकों और व्यापार प्रमुखों के साथ गहन चर्चाएं शामिल थीं. इसका उद्देश्य भविष्य के नेताओं को व्यवसाय के वास्तविक दुनिया के अनुप्रयोगों और वंतारा के लोकाचार से परिचित कराना था. कार्यक्रम वर्तमान और भविष्य को प्रेरित करने के लिए था

पीढ़ियों को अपने व्यावसायिक जीवन में पर्यावरण की स्थिरता और देखभाल को एकीकृत करने की आवश्यकता है.

वंतारा के प्रवक्ता ने व्यक्त किया,

वंतारा टाउन हॉल हमारे लिए इन असाधारण छात्रों को संरक्षण और नेतृत्व पर इसके प्रभाव के बारे में व्यापक दृष्टिकोण प्रदान करने का एक अवसर था. उन्हें वंतारा की टिकाऊ प्रथाओं से अवगत कराकर, हमारा उद्देश्य प्राकृतिक दुनिया के साथ गहरे संबंध को प्रोत्साहित करना था और हमें आशा है कि हम इन युवा दिमागों को अधिक टिकाऊ भविष्य की दृष्टि से अपने–अपने क्षेत्रों में परिवर्तन लाने वाले बनने के लिए प्रेरित करेंगे.

'उड़ने की आशा' में साइली और सचिन की जिंदगी में होने वाला है बड़ा ड्रामा

–शिल्पा पाटिल

स्टार प्लस ने 'उड़ने की आशा' नाम से एक नया शो शुरू किया है. इसमें सचिन की भूमिका में कंवर ढिल्लों और साइली की भूमिका में नेहा हरसोरा हैं. यह शो सचिन और साइली की कहानी कहता है और रिश्तों की पेचीदगी को दर्शाता है.

स्टार प्लस का शो 'उड़ने की आशा' मराठी बैकड्राप पर सेट है. यह एक ऐसी पत्नी की कहानी है, जो कि अपने पति से किसी तरह का सपोर्ट न मिलने की वजह से परेशानियों का सामना करती है. अपने परिवार को आर्थिक रूप से आगे बढ़ाने के लिए, वह अपने पति को सुधारने और सही राह पर लाने की चुनौती लेती है. शो में एक्टर कंवर ढिल्लों ने सचिन का किरदार निभाया हैं, जो एक टैक्सी ड्राइवर है, जबकि नेहा हरसोरा ने शो में साइली की भूमिका निभाई हैं, जो एक फ्लोरिस्ट है और विभिन्न छोटे बिजनेस में हाथ आजमाती है और अपना जीवन गुजारती है.

क्रिएटर्स ने हाल ही में शो का एक रोमांचक प्रिव्यू जारी किया है, जिसमें दर्शक देख सकते हैं कि सचिन द्वारा पैदा की गई परेशानियों की वजह से साइली को किन चुनौतियों का सामना करना पड़ता है. साइली खुद को असहाय महसूस करती है और सचिन से कहती है कि वह सबको बताकर अपनी बेगुनाही साबित करे कि वह उसकी पत्नी है. हालाँकि, सचिन नशे में होता है और कुछ नहीं कह पाता. यह देखना दिलचस्प होगा कि सचिन और साइली की जिंदगी में आगे क्या होता है. सचिन, साइली को इस स्थिति से कैसे बाहर निकालेगा? और क्या वह उसके लिए खड़ा होगा?

स्टार प्लस के शो 'उड़ने की आशा के' सचिन उर्फ कंवर ढिल्लों ने कहा,

हालिया प्रोमो में दिखाया गया है कि सचिन, साइली को एक पार्टी में ले जाता है, जहां वह नशे में धुत हो जाता है और उसी समय मकान मालकिन वहां आ जाती है, जो गलती से साइली को कोई और समझ लेती है. साइली सफाई देने की कोशिश करती है, लेकिन नशे में होने के कारण सचिन कुछ बोल नहीं पाता और साइली की ओर से सफाई नहीं दे पाता, जिससे गलतफहमी पैदा होती है. इन गलतफहमियों के कारण, साइली को अपमानित होना पड़ता है और वह पार्टी छोड़कर चली जाती है. पार्टी के बाद जब सचिन और साइली फिर से एक–दूसरे से मिलते हैं, तो बड़ा ड्रामा होता है. दर्शकों के लिए उनके बीच होने वाले ड्रामे को देखना दिलचस्प होने वाला है.

स्टार प्लस पर रात 9 बजे 'उड़ने की आशा' शो में साइली और सचिन के जीवन में आने वाले ड्रामे को देखें. राहुल कुमार तिवारी द्वारा प्रोड्यूस, उड़ने की आशा हर दिन रात 9 बजे स्टार प्लस पर प्रसारित होता है.

बॉलीवुड के सबसे कम उम्र के सितारों के भविष्य पर एक नजर

– सुलेना मजुमदार अरोरा

जैसे–जैसे बॉलीवुड विकसित हो रहा है, प्रतिभाशाली युवा अभिनेताओं की एक नई लहर फिल्म उद्योग पर अपनी छाप छोड़ रही है। ये युवा अभिनेता, अपनी प्रतिभा, समर्पण और एक अजब अनोखे करिश्मे से बॉलीवुड के भविष्य को फिर से परिभाषित कर रहे हैं। जैसे ही वे नए प्रोजेक्ट्स और चुनौतियों का सामना करते हैं, वे नए दृष्टिकोण और प्रदर्शन लाने का वादा करते हैं जो दुनिया भर के दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर देगा। यहां आठ सबसे कम उम्र और होनहार युवा सितारों पर करीब से नजर डाली गई है और उनकी हालिया हिट प्रोजेक्ट्स के बाद, उनके पास भविष्य में और क्या देखने को मिलेगा।

नैला ग्रेवाल

नैला ग्रेवाल ने कॉमेडी–ड्रामा सीरीज ''मामला लीगल है'' में अपने प्रदर्शन से महत्वपूर्ण प्रभाव डाला। अनुभवी और बड़े स्टार अभिनेताओं के साथ स्क्रीन साझा करने के बावजूद, उनका किरदार शानदार रहा और उन्हें खूब प्रशंसा मिली। नैला की अगली फिल्म ''इश्क विश्क रिबाउंड'' है, जो काफी चर्चा बटोर रही है। अपने सह–कलाकारों के विपरीत, उन्हें एक बेहतरीन कलाकार के रूप में देखा जाता है, जो एक आशाजनक भविष्य की ओर इशारा करता है। मामला लीगल है के पहले सीजन की सफलता के बाद, नेटफ्लिक्स ने कोर्टरूम कॉमेडी ड्रामा सीरीज के दूसरे सीजन की घोषणा की। नैला जल्द ही मामला लीगल है 2 की शूटिंग शुरू करने वाली हैं।

अगस्त्य नंदा

बॉलीवुड में प्रवेश करने वाले प्रतिष्ठित बच्चन परिवार के नए सदस्य अगस्त्य नंदा ने ''आर्चीज'' से अपनी शुरुआत की। उनके परफॉर्मेंस को पहले ही खूब सराहा जा चुका है, जिसने उन्हें देखने लायक कलाकार के रूप में स्थापित कर दिया है। अपने वंश और शुरुआती प्रशंसाओं को देखते हुए, अगस्त्य अपनी आगामी प्रोजेक्ट्स के साथ इंडस्ट्री में लहरें जारी रखने के लिए तैयार हैं। अगस्त्य अपनी अगली फिल्म इक्कीस में आलिया भट्ट के साथ नजर आयेंगे। इस फिल्म का निर्देशन श्रीराम राघवन ने किया है। यह फिल्म 1971 के युद्ध के नायक अरुण खेत्रपाल के जीवन पर आधारित है।

बाबिल खान

महान कलाकार स्व. इरफान खान के बेटे बाबिल खान, लगातार बॉलीवुड में अपनी अलग पहचान बनाते जा रहे हैं। ''द रेलवे मेन'' की सफलता के बाद, उन्होंने दिलचस्प प्रोजेक्ट्स की एक श्रृंखला के साथ अपने पिता की विरासत को आगे बढ़ाना जारी रखा है। बाबिल का समर्पण और अद्भुत प्रतिभा एक उज्ज्वल भविष्य का संकेत देती है क्योंकि वह अधिक चुनौतीपूर्ण भूमिकाएँ निभा रहा है।

राघव जुयाल

राघव जुयाल न सिर्फ एक डांसिंग सेंसेशन हैं बल्कि एक बहुमुखी अभिनेता भी हैं। वह अपनी आगामी एक्शन फिल्म ''किल'' से दर्शकों को प्रभावित करने के लिए तैयार हैं, जो जबरदस्त एक्शन और साहसी स्टंट का वादा करती है। अपनी हास्य टाइमिंग और नृत्य कौशल के लिए जाने जाने वाले, राघव की बहुमुखी प्रतिभा निश्चित रूप से इस जबरदस्त भूमिका में दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर देगी। इसके आलावा राघव, ग्यारह–ग्यारह वेब सिरीज और 'युधरा' में भी अहम किरदार में नजर आयेंगे।

आदर्श गौरव

''द व्हाइट टाइगर'' में अपनी भूमिका के लिए प्रशंसित और बाफ्ता नामांकित आदर्श गौरव, बॉलीवुड की सबसे एक्टिव युवा प्रतिभाओं में से एक हैं। वह हॉलीवुड की बहुप्रशंशित रिडले स्कॉट द्वारा एलियन वेब सिरीज में, अभिनय करते हुए नजर आयेंगे। इसके अलावा रीमा कागती द्वारा निर्देशित ''सुपरमैन ऑफ मालेगांव'' में भी वे दिखाई देंगे। हाल ही में नेटलफिक्स ने गंस और गुलाब्स सीजन 2 का भी खुलासा किया जिसमें आदर्श गौरव नजर आयेंगे। आदर्श की शक्तिशाली प्रदर्शन देने की क्षमता सुनिश्चित करती है कि वह फिल्म उद्योग में एक उल्लेखनीय व्यक्ति बने रहेंगे।

शांतानु माहेश्वरी

अपने शानदार नृत्य कौशल के लिए जाने जाने वाले शांतनु माहेश्वरी ने ''गंगूबाई काठियावाड़ी'' में अपने अभिनय का जबर्दस्त प्रदर्शन किया। उनके प्रदर्शन ने उनकी कला के प्रति उनकी सीमा और प्रतिबद्धता को प्रदर्शित किया। शांतनु से अधिक विविध भूमिकाएँ निभाने की उम्मीद की जाती है, जिससे साबित होता है कि वह एक बहुमुखी अभिनेता हैं, जो विभिन्न शैलियों में काम कर सकते हैं। उनकी आने वाली प्रॉजेक्ट में है, 'औरों में कहां दम था।'

संजना सांघी

संजना सांघी ''दिल बेचारा'' से बेहद पॉप्युलर हुईं, उन्होंने अपने भावनात्मक प्रदर्शन से लोगों के दिलों पर कब्जा कर लिया। इसके बाद उन्होंने ''कड़क सिंह'' और ''धक धक'' में उल्लेखनीय भूमिकाएँ निभाईं। उनकी सुंदरता और प्रतिभा उन्हें बॉलीवुड की सबसे होनहार युवा अभिनेत्रियों में से एक बनाती है, जो अधिक महत्वपूर्ण चुनौतियों का सामना करने के लिए तैयार हैं।

अलाया एफ

अपने फैशन सेंस और अभिनय कौशल के लिए जानी जाने वाली अलाया एफ देखते ही देखते एक ट्रेंडसेटर बन गई हैं। उन्होंने हाल ही में राजकुमार राव के साथ 'बड़े मियां छोटे मियां' और 'श्रीकांत' में अभिनय किया। अलाया का करिश्मा और स्टाइल उन्हें सबसे अलग बनाए हुए है, जिससे वह आने वाले वर्षों में देखने लायक स्टार बन जाएंगी।

और भी ज्यादा बॉलीवुड न्यूज़ पढ़ने-देखने के लिए Mayapuri.Com

कृति सेनन ने बॉलीवुड में पूरे किए 10 साल, इंस्टाग्राम पर शेयर की पोस्ट

आमिर खान के प्रोडक्शंस हाउस ने 'तारे जमीन पर' से BTS वीडियो शेयर किया

कार्तिक आर्यन की चंदू चैंपियन के पहले गाने का टीजर हुआ आउट

रजनीकांत को UAE के संस्कृति और पर्यटन विभाग से गोल्डन वीज़ा दिया

शरद केलकर ने कहा,दीपिका ने चोट के बावजूद फिल्म राम-लीला में किया डांस

और भी ज्यादा बॉलीवुड न्यूज़ पढ़ने-देखने के लिए Mayapuri.Com

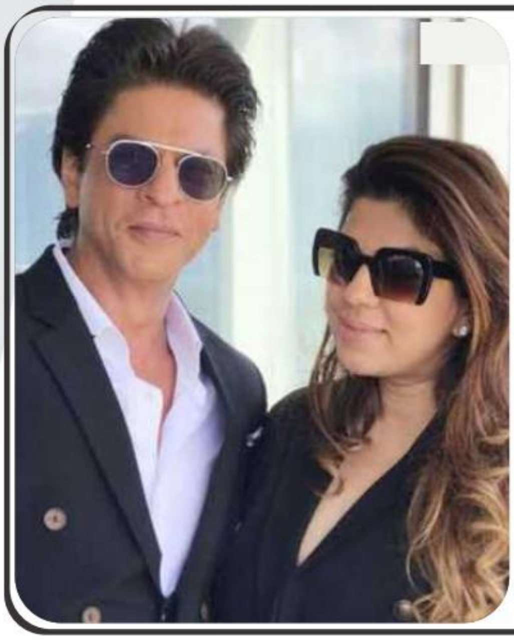

शाहरुख खान की टीम की सदस्य पूजा ददलानी ने हाल ही में अपडेट किया कि निर्जलीकरण और हीट स्ट्रोक के कारण अहमदाबाद के केडी अस्पताल में भर्ती होने के बाद वह ठीक हैं

पेरिस के ग्रेविन म्यूजियम में शाहरुख खान के नाम पर सोने का सिक्का जारी किया गया है शाहरुख खान दूसरे भारतीय हैं जिन पर पेरिस में सोने के सिक्के जारी हुए हैं पहले शख़्स महात्मा गांधी थे.

किरण राव की 'लापता लेडीज़' ने नेटफ्लिक्स पर संदीप रेड्डी वांगा की 'एनिमल' को पार कर लिया है!

पंजाबी सेंसेशन शाहत गिल ने अपना नवीनतम सिंगल 'ओजी' जारी किया है, जो स्वैगर और स्टाइल का मिश्रण है

हिंदुस्तान रत्न अवॉर्ड समारोह सम्पन्न

अनिल कपूर अब बिग बॉस ओटीटी के तीसरे सीजन को होस्ट करने के लिए पूरी तरह तैयार हैं। रिपोर्ट्स में कहा गया है कि सलमान खान अपनी फिल्म की शूटिंग में व्यस्त हैं और इसीलिए वह आगामी बिग बॉस ओटीटी 3 को होस्ट करने की स्थिति में नहीं थे।

शाहरुख खान के हीट स्ट्रोक पर मलाइका अरोड़ा की प्रतिक्रिया और इससे खुद को बचाने के कुछ टिप्स बताए

अदिति राव हैदरी ने अपने खूबसूरत लुक से सबका ध्यान खींचा है और वह वास्तव में हम सभी को आश्चर्यचकित कर रही है!

सुहाना खान, अबराम, गौरी खान, पूजा ददलानी और अगस्त्य नंदा एयरपोर्ट पर स्पॉट हुए...

एक बार फिर बाहुबली की आवाज बने हैं शरद केलकर

राजामौली की बाहुबली से तो हम सभी वाकिफ हैं. ऐसी फिल्म जिसने इतिहास रच दिया. देश से लेकर विदेशों तक हर तरफ इस फिल्म की चर्चा थी. अभिनेता के अभिनय से लेकर निर्देशक के निर्देशन तक सभी ने खूब तारीफें बटोरी थीं. बिलियन में कमाई करने वाली इस फिल्म के दो भाग हैं पहला 'बाहुबलीः द बिगनिंग', और दूसरा 'बाहुबली 2: द कॉन्क्लूजन' है. राजामौली अब इस फिल्म का एक प्रीक्वल लेकर आ रहे हैं जो कि एक एनिमेटेड सीरीज है. इसका नाम है, श्बाहुबलीरू क्राउन ऑफ ब्लडश. ये सीरीज डिज्नी प्लस हॉटस्टार पर प्रसारित हो रही है. बता दें इस सीरीज में बाहुबली की आवाज उन्होंने हीं दी हैं जिन्होंने बाहुबली फिल्म में प्रभास के किरदार को हिंदी में आवाज दी थी. शरद केलकर ने अपने आवाज से हिंदी बेल्ट में बाहुबली को एक अलग पहचान दिलाई और अब एक बार फिर शरद की आवाज का जादू डिज्नी प्लस हॉटस्टार पर छाने वाला है. आइये आपको बताते हैं इस सीरीज के बारे में शरद क्या कहते हैं.

◻ इस एनिमेटेड सीरीज में आवाज देने का कैसा अनुभव रहा?

बहुत अच्छा लगा क्योंकि किसी भी कलाकार के लिए एक ऐसा किरदार निभाना जो आइकॉनिक हो और साथ साथ हीं साथ उसके पास इस बात की लिबर्टी हो कि वो उस किरदार अपने अंदाज में प्ले कर सके. राजामौली सर के साथ दोबारा काम करने का मौका मिला, ये बहुत हीं एक्साइटिंग रहा. अभी एक नया पैटर्न फॉलो किया जा रहा है जिसके बारे में मैं उनलोगों को बताना चाहता हूँ जिनको इस बारे में नहीं पता है. ये नया पैटर्न कुछ ऐसा है कि पहले राइटर कहानी को लिखते हैं फिर जितने भी वॉइस आर्टिस्ट हैं वो एक्ट करते हैं उसके बाद एनीमेशन क्रिएट किया जाता है. ये एक नया प्रोसेस है जो इंट्रेस्टिंग है लेकिन थोड़ा कठिन भी है क्योंकि हमारे पास कोई विजुअल रेफरेंस नहीं होता है. हमने पहले भी ये प्रोसेस किया है जब हम 'द लेजेंड ऑफ हनुमान' कर रहे थे तब वहां भी यही प्रोसेस था. बाहुबली प्ले करना काफी मजेदार था.

◻ जैसा कि सीन में दिख रहा है आपने एक्शन सीन में भी बेहतरीन आवाज दी है. इसके बारे में कुछ कहना चाहेंगे?

मै हमेशा कहता हूँ कि डबिंग एक बहुत इम्पोर्टेन्ट फैक्टर है एक्टिंग के लिए. डबिंग आपको आनी चाहिए और ये टैलेंट आपको सीखना चाहिए. जब आप एक कलाकार होते हैं तब आपका हरेक मूवमेंट बहुत जरुरी होता है और डबिंग आपको यही सिखाता है. जब आप किसी चीज के लिए डबिंग करते हैं तब आपको बहुत सारी चीजें सोच कर रखनी पड़ती है और उसी हिसाब से आपको साउंड भी क्रिएट करना होता है. ये रिएक्शन्स बहुत ज्यादा इम्पोर्टेन्ट होते हैं, लोगों को लगता है कि ये आसान होता है लेकिन ऐसा नहीं है, स्टूडियो में एक माइक के सामने खड़े होकर उस अग्रेशन से चिल्लाना बहुत टफ होता है.

◻ राजामौली के साथ दोबारा काम करने का अनुभव कैसा रहा?

बहुत हीं एक्साइटिंग था. जब इस एनीमेशन सीरीज की बात हुई एस एस राजामौली और शरद देवराजन के साथ जो इसके क्रिएटर हैं, शरद के साथ मैंने पहले भी काम किया हुआ था, और राजामौली के साथ दोबारा काम करना सोने पर सुहागा हो गया. सभी यादें ताजा हो गयीं. ऑडियंस के दिमाग में ये बात चल रही होगी कि इसका प्लाट क्या है क्योंकि जो दोनों फिल्में आयीं थीं वो बचपन से लेकर जहाँ फिल्म खत्म हुई वहां तक थी तो फिर इसकी कहानी क्या है. मै बता दूँ ये कहानी उसी के बीच में कहीं है. जब वो बाहुबली बना रहे होने तब बहुत सारे आइडियाज दिमाग में आये होंगे उन्हीं में से एक आईडिया पर इस सीरीज को बनाया गया है. हम इस नए सीरीज को लेकर बहुत हीं एक्साइटेड हैं. उम्मीद है कि लोगों को ये पसंद आएगा.

◻ 'द लेजेंड ऑफ हनुमान' में आपने रावण को आवाज दी है, आप एक बेहद वर्सटाइल एक्टर हैं.

एक एक्टर के तौर पर एक प्रोसेस होता है जब आप एक किरदार को समझते हैं. मुझे दो इतने बड़े आइकॉनिक किरदार करने के लिए डिज्नी प्लस हॉटस्टार के साथ. ये दोनों किरदार बेहद समानता वाले हैं, जैसे कि वो दोनों फिजिकली बेहद हीं स्ट्रॉन्ग हैं लेकिन इन दोनों का किरदारों का जो स्वभाव है वो एक दुसरे से बेहद अलग है. ये एक बहुत हीं मजेदार अनुभव था जिसमें बहुत कुछ सीखने के लिए मिला. जब आपके पास अच्छे क्रिएटर्स हों तब काम और भी आसान हो जाता है जैसे शरद और जीवन बहुत हीं अच्छा लिखते हैं और हमारे डबिंग डायरेक्टर राजीव जी भी बेहतरीन काम करते हैं. ये हम सभी का एक

ऐसे और मजेदार इंटरव्यू देखना चाहते है तो आप हमारे यूट्यूब चैनल Mayapuri Magazine पर देख सकते हैं।

मिला जुला एफर्ट है, जब वो लोग फिजिकली प्रेजेंट नहीं होते हैं तब वो जूम कॉल पर हमारे काम को देखते हैं. मुझे लगता है जो राइटिंग पार्ट है वो सबसे ज्यादा इम्पोर्टेन्ट है, मै हमेशा कहता हूँ कि इंडस्ट्री में सबसे ज्यादा इज्जत राइटर को मिलनी चाहिए क्योंकि किसी चीज के बारे में सोच कर एक कहानी लिखना बहुत हीं डिफिकल्ट और डिफरेंट आर्ट है. ये बहुत दु:ख की बात है कि उनको उतनी वैल्यू नहीं मिलती है जितनी उनको मिलनी चाहिए. जब कहानी अच्छी हो तब एक्टर और डायरेक्टर का काम आसान हो जाता है. स्क्रिप्ट में सबकुछ अच्छे से एक्सप्लेन किया गया था क्योंकि ये एक एनीमेशन है इसलिए हर छोटी से छोटी बात स्क्रिप्ट में लिखी हुई होती है. स्क्रिप्ट इतनी बेहतरीन तरीके से लिखी गयी होती हैं कि एक एक्टर के तौर पर आप आँखें बंद करके सबकुछ विजुअलाईज कर सकते हैं. डिज्नी प्लस हॉटस्टार और शरद ने ये बात 'लेजेंड ऑफ हनुमान' में साबित कर दी थी ये कितनी उम्दा क्वालिटी का एनीमेशन है, और उसका नया सीजन भी अगले महीने आनेवाला है. आनेवाले सीरीज में हनुमान जी, रावण के भाई कुम्भकरण और उसके बेटे के बीच का एक बहुत हीं अच्छा सीक्वेंस है, आनेवाले इस पुरे सीजन में. ये भी बहुत इंट्रेस्टिंग होने वाला है जिसमें रावण के बहुत सारे शेड्स आपको देखने को मिलेंगे. मेरे लिए रावण का किरदार निभाना एक बहुत हीं मजेदार अनुभव था क्योंकि एक हीं करैक्टर में काफी सारे शेड्स करने को मिल रहे हैं.

☐ आप एक स्टैमर थे वहां से यहाँ तक सफर आपने किस तरह से तय किया?

जिंदगी में कुछ ऐसे लोग होते हैं जिन्हें जबतक पीछे से लात नहीं पड़ती है वो कुछ करते नहीं हैं. मुझे जिंदगी के हर मुकाम पर कहीं ना कहीं लात पड़ती है और तब मै सीखता जाता हूँ, और वो इतनी अच्छी लात होती है कि मै बहुत कुछ अच्छा सीख जाता हूँ. जब मै मुंबई आया था और काम ढूंढने की कोशिश कर रहा था तब मुझे पता था कि दिखने में तो मै अच्छा हूँ लेकिन एक्टिंग एक ऐसी फील्ड है जिसमें बिल्कुल कुछ नहीं आता था. और डायलॉग डिलीवरी एक बहुत हीं इम्पोर्टेन्ट पार्ट है एक्टिंग है लेकिन जब आप स्टैमर करते हैं तो फिर कैसे बोलेंगे. कई बार शोज से निकाला गया, कही जगहों पर मजाक बनाया गया और फिर जब ये लाठी पड़ी तो समझ आया कि अगर कुछ करना है तो पहले इसको ठीक करना पड़ेगा. मुझे लगता है हर इन्सान को अपने स्ट्रेंथ और वीकनेस के बारे में पता होना चाहिए और हो सके तो अपनी अच्छी और बुरी क्वालिटी के बारे में एक किताब के बारे में लिख लेना चाहिए और इस बात विचार करना चाहिए कि किस तरह से अच्छी क्वालिटी को और इम्प्रूव करूँ और बुरी क्वालिटी को कम करूँ. हम अपनी लाइफ में इतने बिजी हैं कि हम अपने बारे में हीं सोच नहीं पाते हैं इसलिए अपने आप को थोड़ा वक्त दें और इस बारे में थोड़ा सोचें क्योंकि ये बहुत आसान काम है अगर आप अपने आप को थोड़ा वक्त देंगे.

☐ अपने फैंस और चाहने वाले को क्या कहना चाहेंगे?

जो लोग भी वॉइस ओवर आर्टिस्ट बनना चाहते हैं मै उनसे यही कहना चाहूँगा कि ये फील्ड भी एक्टिंग जितना हीं कठिन है. अगर आप किसी काम में लग्न से लगे रहें तो सफलता मिलती है. मै भी उसी प्रोसेस से निकला हूँ और मेरी आवाज को भी रिकग्निशन मिलने में कम से कम 12 से 13 साल लग गए. लग्न से काम करें, हारे नहीं जिंदगी में बस आगे बढ़ते रहें, और सीखते रहे. मुझे लगता है निरंतर अपने एक टारगेट पर काम करते रहना सबसे जरुरी है. मै अभी भी अपने ऊपर काम करता हूँ और ऐसा होता है कि अभी भी मै कई बार स्टैमर कर जाता हूँ. ये एक प्रोसेस है जो चलता रहेगा. आप बस इस बात पर ध्यान दीजिये की आप दिन–ब–दिन कितना इम्प्रूव कर रहे हैं. मै परफेक्शन के बारे में तो नहीं कहता हूँ लेकिन इम्प्रूवमेंट के बारे में जरुर कहता हूँ.

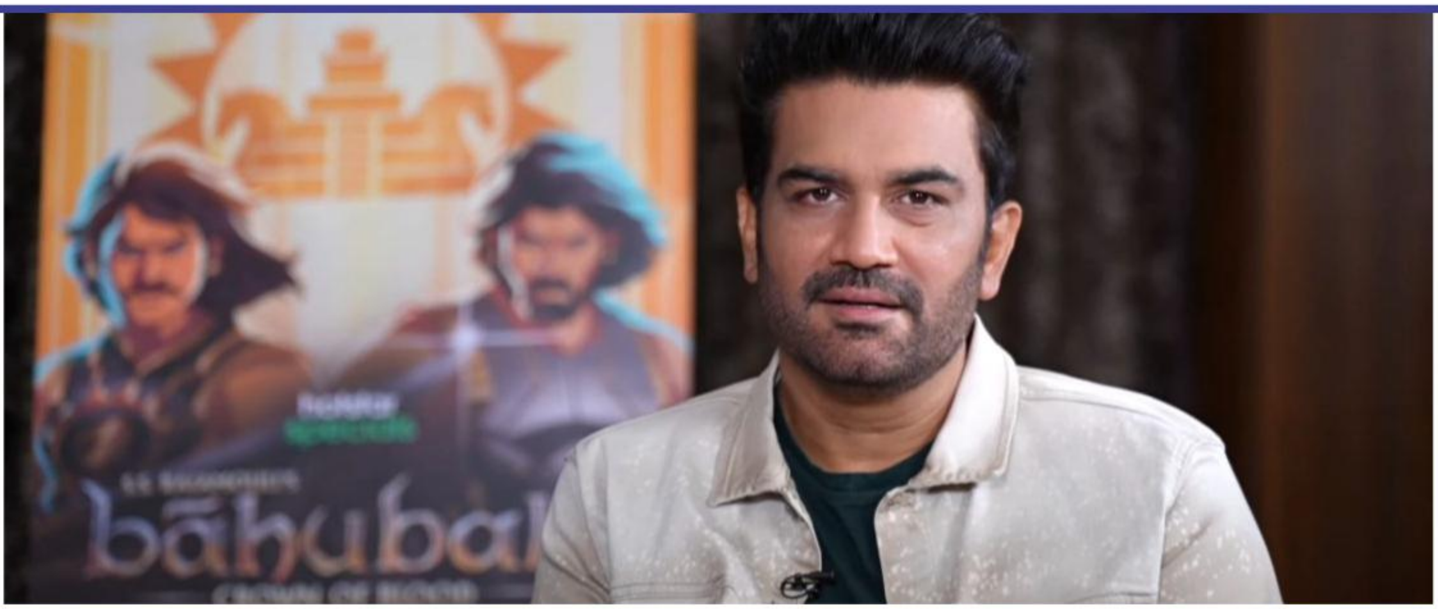

मायापुरी
www.mayapuri.com

शेखर कपूर ने वाटर रिसर्च सेंटर का दौरा किया, अपनी महत्वाकांक्षी प्रोजेक्ट 'पानी' के बारे में अटकलें तेज हो गई!

—मायापुरी प्रतिनिधि

अवॉर्ड विनिंग फिल्ममेकर शेखर कपूर ने हाल ही में NYU अबू धाबी वाटर रिसर्च सेंटर का दौरा किया। अपनी बाफ्टा और गोल्डन ग्लोब उपलब्धियों के लिए मशहूर कपूर ने वाटर कंजर्वेशन में इनोवेटिव सलूशन्स के लिए जिज्ञासा व्यक्त की। इस बीच, रिसर्च सेंटर ने एक कोलैबोरेशन के लिए उत्साह व्यक्त किया, जो स्टोरी टेलिंग और साइंस को मिलाता है। रिसर्च सेंटर से कपूर की कुछ तस्वीरें इंटरनेट पर सामने आई हैं, जिसने फैन्स को यह अनुमान लगाने पर मजबूर कर दिया है कि क्या कपूर अपने ड्रीम प्रोजेक्ट 'पानी' पर काम करने के लिए उत्सुक हैं, जिसे कुछ साल पहले बंद कर दिया गया था।

इससे पहले, प्रसिद्ध निर्देशक ने अपने महत्वाकांक्षी प्रोजेक्ट के बारे में खुलकर बात की थी। कपूर ने इसे एक 'आध्यात्मिक कहानी' के साथ एक 'ड्रामेटिक स्क्रिप्ट' करार देते हुए कहा था कि 'पानी' की कहानी 'एक लव स्टोरी के साथ कई रिश्तों के बारे में' है। उन्होंने कहा कि कैसे पानी फिल्म की कहानी की 'कुंजी' है। दिलचस्प बात यह है कि इस फिल्म में सुशांत सिंह राजपूत अभिनय करने वाले थे। हालांकि, अभी तक, प्रोजेक्ट पर कोई ऑफिसियल अपडेट नहीं आया है।

इस बीच, कपूर अपनी 1983 की फिल्म 'मासूम' के सीक्वल की तैयारी कर रहे हैं, जिसका नाम 'मासूम...द नेक्स्ट जेनरेशन' है। यह फिल्म, जो आज के समाज में 'घर' की कॉन्सेप्ट का पता लगाएगी, इस फिल्म में शेखर कपूर की बेटी कावेरी कपूर का एक्टिंग डेब्यू है। यह फिल्म जल्द ही रिलीज होने वाली है।

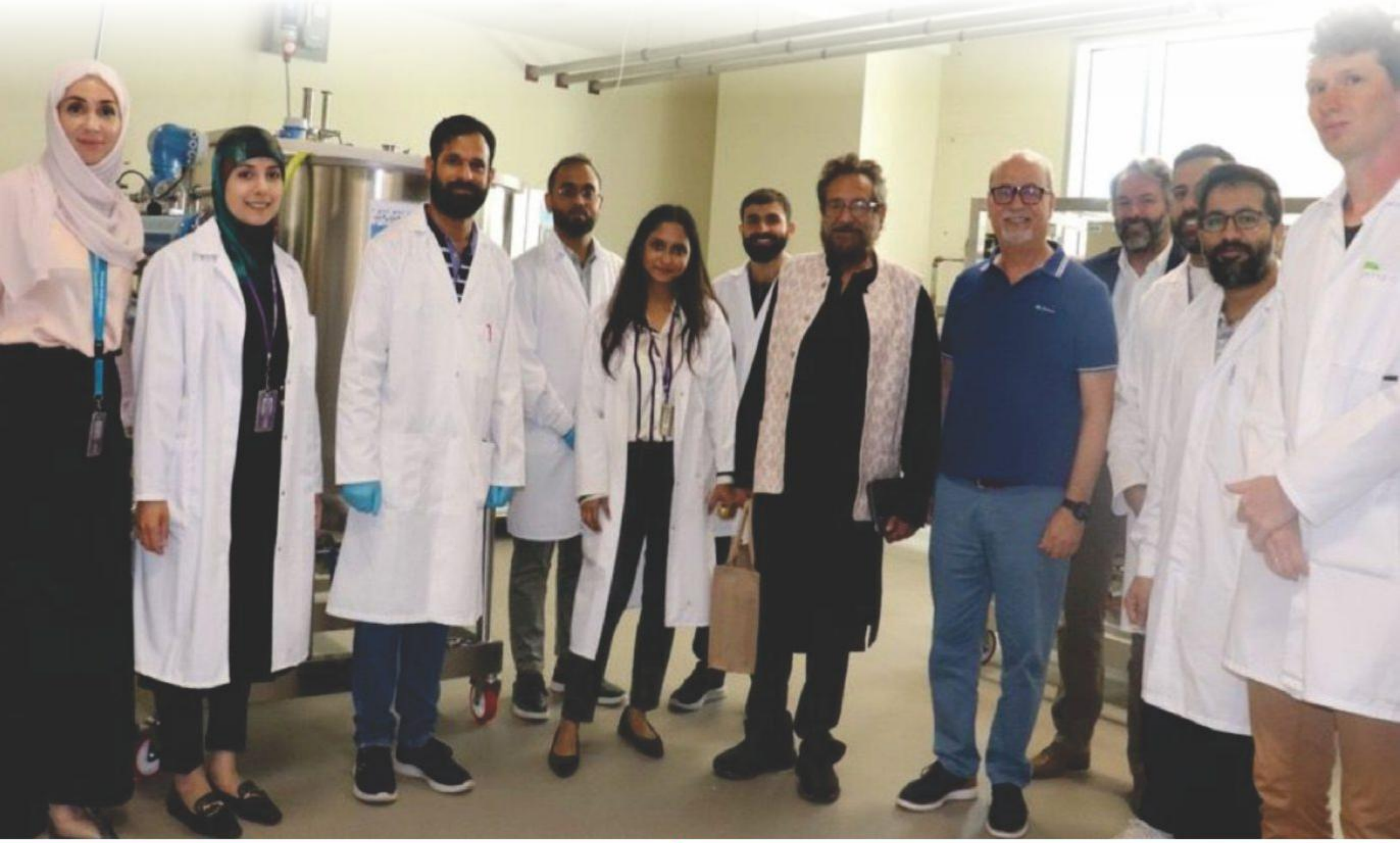

‘लाफ्टर शेफ्स अनलिमिटेड एंटरटेनमेंट’ अंकिता ने विक्की के बारे में की बात

—मायापुरी प्रतिनिधि

कलर्स एक अनोखा कुलिनरी—कॉमेडी क्रॉसओवर ‘लाफ्टर शेफ्स अनलिमिटेड एंटरटेनमेंट’ पेश करने के लिए पूरी तरह तैयार है, जो नॉन—स्टॉप मनोरंजन का महोत्सव लेकर आता है. बारह लोकप्रिय एंटरटेनर एक शानदार कुकिंग शोडाउन के लिए एक अव्यवस्थित किचन में कदम रख रहे हैं जो वाकई बेहद मजेदार होगा. रेसिपी को बिगाड़ने से लेकर जोक्स सुनाने तक, वे हंसी का तूफान लाने के लिए तैयार हैं. इस किचन में कृष्णा अभिषेक — कश्मीरा शाह, विक्की जैन — अंकिता लोखंडे, राहुल वैद्य — अली गोनी, रीम समीर शेख — जन्नत जुबैर, करण कुंद्रा — अर्जुन बिजलानी, और सुदेश लेहरी — निया शर्मा जैसे सितारे शेफ की भूमिका निभाएंगे. कॉमेडी क्वीन भारती सिंह अपने ह्यूमर का तड़का लगा रही हैं, सेलिब्रिटी शेफ कोच हरपाल सिंह सोखी इन नौसिखिए शेफ्स की मदद कर रहे हैं, और उनके व्यंजनों की रेटिंग कर रहे हैं. लाफ्टर शेफ्स के बीच, अंकिता लोखंडे ने इस हंसी के दंगल में कदम रखने का अपना अनुभव साझा किया.

❑ किस चीज ने आपको इस शो में भाग लेने के लिए आकर्षित किया, जिसमें कुकिंग और कॉमेडी का मिश्रण है?

कलर्स के अनूठे कुलिनरी और कॉमेडी क्रॉसओवर में हिस्सा लेना मेरे लिए बहुत बड़ी बात है. खाना पकाना कभी भी मेरा पसंदीदा विषय नहीं रहा है, इसलिए दर्शकों का मनोरंजन करने के साथ—साथ पूरी तरह से कुछ नया करने के विचार ने मुझे उत्साहित कर दिया. बिग बॉस के घर से बाहर आने के बाद, कलर्स के साथ काम करके मुझे इतना मजा आया था कि मैं इस जोश को बरकरार रखने के लिए उत्सुक थी. उनके साथ का यह सफर बहुत मजेदार रहा है, और मुझे बस इतना पता था कि यह अनुभव सरप्राइज और सीखने के पलों से भरपूर होगा.

❑ आप किस सेलिब्रिटी को अपनी सबसे बड़ी प्रतिस्पर्धी मानती हैं और क्यों?

चूंकि विक्की और मैं दोनों ही अच्छे से खाना बनाना नहीं जानते, इसलिए मुझे लगता है कि हर कोई बड़ा प्रतिस्पर्धी होगा. विक्की और मैं खाना पकाने के विशेषज्ञ नहीं हैं, लेकिन हम जानते हैं कि दर्शकों का मनोरंजन कैसे करना है.

❑ आपके अनुसार दर्शक लाफ्टर शेफ्स अनलिमिटेड एंटरटेनमेंट से क्या सीखेंगे?

मुझे लगता है कि दर्शकों को शो में हमें खाना बनाते हुए देखकर बहुत मजा आएगा. ऐसा हर दिन नहीं होता कि वे हम जैसे सेलेब्स को रसोई में हाथ आजमाते हुए देख सकें! और वह भी पूरी गैंग के साथ — भारती, कृष्णा, सुदेश सर, कश्मीरा, मेरे पति विक्की और मैं, बहुत हंसी और मजाक होने वाला है. मुझे लगता है कि हम सबको एक साथ खाना बनाते और हंसी—मजाक करते हुए देखकर लोगों को असली मजा आने वाला है.

❑ आप रसोई की गड़बड़ियों को संभालने और असीमित मनोरंजन करने के बीच संतुलन कैसे बनाएंगी?

मैं खाना नहीं बना सकती हूं क्योंकि मेरे हाथ में चोट लगी है, इसलिए मेरे पति खाना बना रहे होंगे. लेकिन मैं वहां रहूंगी और उन्हें बताऊंगी कि क्या करना है और क्या नहीं करना है. हम एक टीम की तरह मिलकर काम करेंगे और मुझे यकीन है कि हम अच्छा परफॉर्म करेंगे.

❑ मनोरंजन उद्योग में अपने अनुभव से, आप कुकिंग की चुनौतियों में ह्यूमर के प्रस्ताव की योजना कैसे बना रही हैं?

यह मेरे लिए बहुत बड़ी बात है क्योंकि मैंने पहले कभी खाना नहीं बनाया है. मैं कुछ नया सीखने और यह देखने के लिए खुद को चुनौती दे रही हूं कि क्या मैं इसे करते हुए मनोरंजन कर सकती हूं. यह सब कुछ अलग करने की कोशिश करने और इसे करने की तरीके के बारे में है.

❑ असल जीवन में आपने किस तरह की सबसे बड़ी रसोई गड़बड़ी का सामना किया है और आपके अनुसार आप शो में होने वाली दुर्घटनाओं से कैसे निपटेंगी?

मुझे याद है कि बचपन में, जब मैं पूरनपोली बनाने में अपनी मां की मदद कर रही थी, तो मैंने खुद को गर्म घी से जला लिया था. उस घटना के बाद, मुझे एहसास हुआ कि खाना बनाना मेरे बस की बात नहीं है.

❑ आप प्रतिस्पर्धा के दबाव को कैसे संभालती हैं, खासकर यदि चीजें योजना के अनुसार न हों?

सच कहूं तो, मैंने असल में इस बारे में नहीं सोचा है कि मैं इसे कैसे संभालूंगी. मैं बस वक्त के साथ आगे बढ़ूंगी. लेकिन एक बात जो मैं निश्चित रूप से जानती हूं, वह यह है कि मैं यहां मनोरंजन करने आई हूं. भले ही मैंने कोई योजना नहीं बनाई है, लेकिन मुझे यकीन है कि मैं इसे सभी दर्शकों के लिए मजेदार बनाने का तरीका खोज लूंगी.

❑ अगर आपकी कुकिंग स्टाइल सुपर हीरो जैसी होती तो उसकी सुपरपावर क्या होती?

मैं जिनी बनूंगी, बस अपनी आंखें झपकाऊंगी और सब कुछ तैयार हो जाएगा.

❑ मान लीजिए कि आप किसी रेस्तरां में कोई डिश हैं, तो आप खुद को कौन सा विचित्र नाम देंगी?

आलू कुरकुरी क्योंकि आलू कहीं भी फिट हो सकते हैं. मुझे लगता है कि मैं भी वैसी ही हूं — आप मुझे जहां भी रखें, मैं आराम से रह सकती हूं.

❑ रसोई में खाना पकाने से संबंधित कोई पिछला मजेदार किस्सा साझा करें जो अभी भी आपको हंसाता है?

रसोई की कोई यादें नहीं, मैंने एक बार हमारे घर के उद्घाटन के दौरान दूध उबाला था और इसके अलावा मैंने कभी खाना पकाने की कोशिश नहीं की.

❑ केवल पेंट्री में मिलने वाली सामग्री का उपयोग करके, तीन शब्दों में अपनी कुकिंग स्टाइल के बारे में बताएं?

नमकीन, मीठा और लाल—मिर्च!

❑ जीवित रहने के लिए, अगर आपको कुछ पकाना पड़े तो वह व्यंजन कौन सा होगा?

आलू की सब्जी और रोटी.

देखिये ‘लाफ्टर शेफ्स अनलिमिटेड एंटरटेनमेंट’ 1 जून से हर शनिवार—रविवार रात 9.30 बजे से सिर्फ कलर्स पर.

सिडबी फाउंडेशन और आरके एचआईवी सेंटर द्वारा मुंबई में नि:शुल्क नर्सिंग सहायक प्रशिक्षण कार्यक्रम शुरू किया गया...

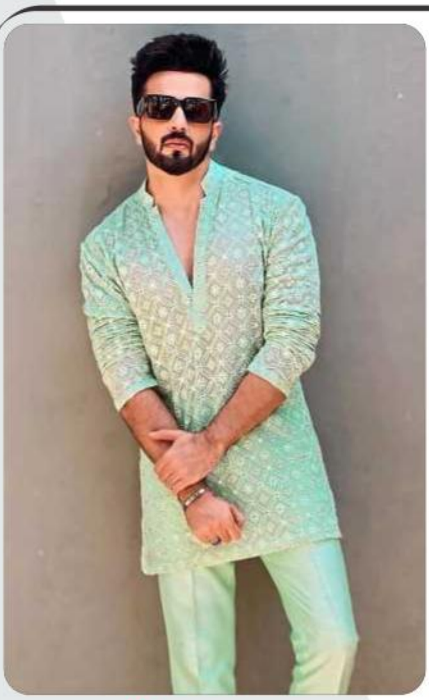

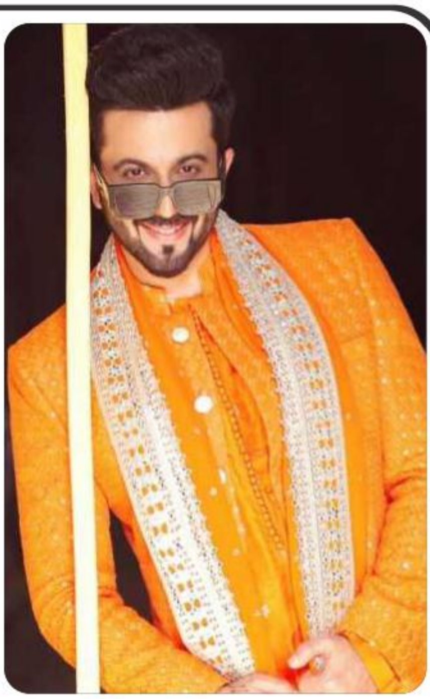

धीरज धूपर का फैशन जलवा "रब्ब से है दुआ" की शादी की कहानी में चमका...

देल्बर आर्या ने पंजाबी सिनेमा में सफलता के बाद बॉलीवुड की ओर अपना ध्यान केंद्रित किया है...

कान्स फिल्म महोत्सव में शामिल होने वाले पहले भोजपुरी स्टार प्रदीप पांडे ने रचा इतिहास...

— सुलेना मजुमदार अरोरा

भोजपुरी फिल्म उद्योग के लिए एक अभूतपूर्व क्षण में, प्रदीप पांडे ने प्रतिष्ठित कान फिल्म महोत्सव में रेड कार्पेट पर चलने वाले पहले भोजपुरी अभिनेता बनकर इतिहास रच दिया है। कान्स में प्रदीप की उपस्थिति न केवल उनके लिए बल्कि पूरे भोजपुरी फिल्म समुदाय के लिए एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर है, जो वैश्विक मंच पर इसके बढ़ते प्रभाव को दर्शाता है।

यह सुपरस्टार अपनी भोजपुरी फिल्म "अग्निसाक्षी" की स्क्रीनिंग का जश्न मनाने के लिए इस शानदार महोत्सव में शामिल हुए। यह कार्यक्रम एक महत्वपूर्ण मोड़ साबित हुआ, क्योंकि इसने अंतरराष्ट्रीय दर्शकों के सामने भोजपुरी सिनेमा की प्रतिभा और क्षमता को प्रदर्शित किया। कान्स में इस अभिनेता की भागीदारी उनके शिल्प के प्रति समर्पण और भोजपुरी फिल्म उद्योग को नई ऊंचाइयों पर ले जाने की उनकी इच्छा का प्रमाण है।

एक परिष्कृत सूट पहने, इस शानदार अभिनेता ने वैश्विक सिनेमा के दिग्गजों के बीच शानदार रेड कार्पेट पर अपनी खूबसूरती और विनम्रता का परिचय दिया। उनका शानदार अवतार महोत्सव में चर्चा का विषय रहा, जिसने उपस्थित लोगों और आलोचकों दोनों से प्रशंसा अर्जित की। अपने इर्द-गिर्द की चमक-दमक और ग्लैमर के बावजूद प्रदीप अपनी जमीन से जुड़े रहे और अपनी भोजपुरी जड़ों के मूल्यों और परंपराओं को दर्शाते रहे।

कान्स में प्रदीप पांडे की यात्रा सिर्फ़ एक रेड कार्पेट पल से कहीं ज़्यादा है। यह भोजपुरी फ़िल्म उद्योग में कई महत्वाकांक्षी अभिनेताओं के लिए प्रेरणा की किरण बन गई है। इस हैंडसम ने साबित कर दिया है कि सिर्फ़ प्रतिभा, लगन और कड़ी मेहनत से क्षेत्रीय सिनेमा वैश्विक पहचान हासिल कर सकता है। प्रदीप की इस उपलब्धि से भविष्य में और भी भोजपुरी फ़िल्मों और अभिनेताओं के लिए अंतरराष्ट्रीय ख्याति पाने का मार्ग प्रशस्त होने की उम्मीद है।

कान्स फ़िल्म फ़ेस्टिवल में प्रदीप पांडे का पदार्पण सिर्फ़ एक व्यक्तिगत जीत ही नहीं है, बल्कि भोजपुरी फ़िल्म उद्योग के लिए भी एक महत्वपूर्ण उपलब्धि है।

रॉकस्टार डीएसपी ने दर्शकों को पुष्पा 2: द रूल के आगामी 'द कपल सॉन्ग' की एक झलक दिखाई!

पुष्पा 2: द रूल का पहला सिंगल 'पुष्पा पुष्पा' पहले ही चार्टबस्टर बन चुका है। दरअसल, इसने 50 मोस्ट प्लेड तेलुगु सॉन्ग लिस्ट में फर्स्ट स्पॉट हासिल कर लिया है, जो हाल ही में जारी किया गया था। अब, देवी श्री प्रसाद उर्फ रॉकस्टार डीएसपी ने फैंस के लिए फिल्म के दूसरे ट्रैक की अनाउंसमेंट वीडियो पेश की है, जिसे 'द कपल सॉन्ग' कहा जा रहा है। वीडियो में रश्मिका मंदाना को गाने की हुक लाइन पेश करते हुए दिखाया गया है, जिसे नेशनल अवॉर्ड विनिंग म्यूजिक कंपोजर ने कंपोज किया है और श्रेया घोषाल ने गाया है। कैंची बीट ने पहले ही उत्साह बढ़ा दिया है।

वीडियो शेयर होने के बाद से ही दर्शकों के बीच उत्सुकता सातवें आसमान पर पहुंच गई है। यह गाना 29 मई को रिलीज होने वाला है, लेकिन फैंस ने पहले ही इसे चार्टबस्टर घोषित कर दिया है।

'पुष्पा 2: द रूल' बेशक साल की सबसे बहुप्रतीक्षित फिल्म है, लेकिन फैंस को इसके म्यूजिक का भी उतना ही इंतजार है। 'पुष्पा: द राइज' के म्यूजिक ने दुनिया भर में धूम मचा दी थी। वास्तव में, इसे अभी भी दोबारा देखा जाता है। डीएसपी ने फिल्म में अपने योगदान के लिए नेशनल अवॉर्ड भी जीता था और 'पुष्पा 2: द रूल' के पहले दो गानों को मिले रिएक्शन्स के अनुसार, डीएसपी का यह एल्बम भी हर रिकॉर्ड तोड़ने के लिए तैयार है। फैंस ने कंपोजर के लिए एक और राष्ट्रीय पुरस्कार की मांग शुरू कर दी है।

पिछले कुछ सालों में, डीएसपी वन ऑफ द मोस्ट वांटेड और डिमांडेड म्यूजिक कंपोजर में से एक साबित हुए हैं। वह न सिर्फ साउथ के दर्शकों के लिए मंच तैयार करना जानते हैं, बल्कि बॉलीवुड दर्शकों को भी अपनी पेप्पी बीट्स पर थिरकने पर मजबूर कर देते हैं। और अब, देश 'पुष्पा 2: द रूल' के साथ उनका जादू देखने का इंतजार कर रहा है, जो 15 अगस्त को सिनेमाघरों में रिलीज होने के लिए तैयार है।

वेब सीरीज 'मर्डर इन माहीम' रोमांचक कहानी के चलते पसंद की जा रही है..."

रजनीश लाल

– शान्तिस्वरुप त्रिपाठी

पिछले 19 वर्षों में, जिग्सॉ पिक्चर्स ने लगातार रचनात्मक सीमाओं को आगे बढ़ाते हुए विभिन्न प्रारूपों में कुछ असाधारण सामग्री तैयार की है। लगभग दो दशकों के अनुभव के साथ, कहानी कहने और गुणवत्तापूर्ण निर्माण के प्रति उनका जुनून हर परियोजना में चमकता है, चाहे वह कोई लंबी प्रारूप वाली सामग्री हो या छोटी सामग्री वाली टीवीसी या डिजिटल फिल्में। दुनिया भर में 500 से अधिक टीवीसी, लघु फिल्में, डिजिटल फिल्में, कॉर्पोरेट फिल्में और संगीत वीडियो का निर्माण, शूटिंग करने के बाद, जिग्सॉ पिक्चर्स ने लगभग एक दशक पहले रिलायंस एंटरटेनमेंट के साथ अपनी पहली फीचर फिल्म के साथ लंबे प्रारूप की कहानी को अपनाया। अब, जिग्सॉ पिक्चर्स ने 'वायकाम 18 स्टूडियोज' के सहयोग से, हाल ही में जियो सिनेमा पर स्ट्रीमिंग के लिए अपनी नवीनतम वेब श्रृंखला, "मर्डर इन माहिम" रिलीज की थी।

आज की तेज–तर्रार दुनिया में, जहां अधिकांश लंबी सामग्री अक्सर किसी का ध्यान नहीं जाती है, जिग्सॉ पिक्चर्स ने खुद को मर्डर इन माहिम जैसी अनूठी, प्रासंगिक और आकर्षक सामग्री के साथ जोड़ा है। यह शो पिछले सप्ताह शीर्ष 5 सबसे ज्यादा देखे जाने वाले कंटेंट में से एक था। आज के परिवेश में एलजीबीटीक्यू मुद्दों और मानवीय संबंधों के शो के विषय को देखते हुए, शो के संदेश को प्रासंगिक पैनल चर्चाओं में एकीकृत करना दिलचस्प होगा, जो दर्शकों को सामग्री के साथ जुड़ने और सार्थक संवाद को बढ़ावा देने के लिए एक इंटरैक्टिव मंच प्रदान करेगा। इसलिए यदि लोकप्रिय लेकिन प्रासंगिक सोशल मीडिया हैंडल और मीडिया आउटलेट्स के डिजिटल प्लेटफॉर्म इन संदेशों को फैलाने में मदद करते हैं तो यह दर्शकों के साथ जुड़ सकता है।

अपनी पहली वेब श्रृंखला "थिंकिस्तान (भारतीय विज्ञापन उद्योग पर एक शो) – एस1 और एस2" से एमएक्स प्लेयर के साथ साझेदारी, और फीचर फिल्म "सूपर से ऊपर" पर रिलायंस एंटरटेनमेंट के साथ सहयोग से, प्रोडक्शन हाउस ने दर्शकों को नवीनता की पेशकश की है। आख्यान। वर्तमान में, वायाकॉम 18 स्टूडियोज के साथ 8–एपिसोड की थ्रिलर वेब श्रृंखला और उसी स्टूडियो के साथ एक अग्रणी ओटीटी प्लेटफॉर्म के लिए डॉक्यू–रियलिटी शो के निर्माण के बाद, जिग्स पिक्चर्स ने उत्कृष्टता के प्रति अटूट प्रतिबद्धता के साथ नवीनता का मिश्रण करते हुए कहानी कहने की कला को उन्नत करना जारी रखा है। उनके अन्य लंबे प्रारूप वाले शो। चूंकि वे रचनात्मक एजेंसियों के साथ विभिन्न ब्रांडों के लिए टीवीसी और डिजिटल फिल्मों पर काम करना जारी रखते हैं।

जिग्सॉ पिक्चर्स के संस्थापक और निर्माता रजनीश लाल न केवल "मर्डर इन माहिम" की रिलीज के लिए बल्कि जिग्सॉ पिक्चर्स की चल रही सफलता और उनकी आगामी परियोजनाओं के लिए भी उत्साह व्यक्त करते हैं। वह कहते हैं, "हम उस टीम का हिस्सा बनकर रोमांचित हैं, जिसने 'मर्डर इन माहिम' को दुनिया भर के दर्शकों तक पहुंचाया है। हमारे सम्मानित साझेदारों वायाकॉम18 स्टूडियोज और जियो सिनेमा के साथ सहयोग

करना, जो अपनी रचनात्मक उत्कृष्टता और व्यापक पहुंच के लिए जाने जाते हैं, एक शानदार यात्रा रही है। स्तरीय पात्रों और पटकथा के साथ इस रोमांचक कहानी का अनावरण किया गया है और इसे बहुत सकारात्मक प्रतिक्रिया मिल रही है, लेकिन हम जिग्स पिक्चर्स के भविष्य के प्रयासों को लेकर भी उतने ही उत्साहित हैं।"

2013 में माहिम, मुंबई की हलचल भरी सड़कों के बीच स्थापित, "मर्डर इन माहिम" जेरी पिंटो के उपन्यास से प्रेरित साजिश और मानव नाटक की एक मनोरंजक कहानी का खुलासा करता है। माहिम स्टेशन और उसके आसपास केंद्रित, इंस्पेक्टर शिवाजीराव जेंडे पत्रकार पीटर फर्नांडिस के साथ हत्या की जटिल जांच को अंजाम देते हैं। राज आचार्य द्वारा निर्देशित और सुब्बू भारद्वाज द्वारा शूट की गई यह श्रृंखला एक मनोरम और दिलचस्प कहानी प्रस्तुत करती है। पहचान और सामाजिक पूर्वाग्रहों के विषयों की खोज करते हुए, यह शो अपराध और न्याय की एक विचारोत्तेजक खोज प्रस्तुत करता है। विजय राज, आशुतोष राणा, शिवानी रघुवंशी और कई प्रतिभाशाली अभिनेताओं के दमदार प्रदर्शन के साथ, यह प्रामाणिक मुंबई स्थानों पर एक तेज गति वाली कहानी प्रस्तुत करता है, जो दर्शकों को शहर के वास्तविक परिदृश्य में डुबो देता है।

गोकुलधाम सोसाइटी के सदस्यों में फूट डाल देगी राजनीतिक प्रतिद्वंद्विता?

—शिल्पा पाटिल

हमारे पसंदीदा शो तारक मेहता का उल्टा चश्मा में इस समय चुनाव प्रचार जोरों पर चल रहा है. चुनाव प्रचार की आक्रामकता के कारण, गोकुलधाम सोसाइटी के सदस्य राजनेताओं चना कुमार और कुरमुरा कुमार द्वारा दो दलों में विभाजित हो गए हैं. कुरमुरा कुमार के बैनर के साथ टप्पू सेना के मुफ्त बटर मिल्क वितरण स्टॉल के सामने, जेठालाल को चना कुमार ने नींबू पानी वितरण स्टॉल खोलने के लिए मजबूर किया है.

तारक मेहता का उल्टा चश्मा में चुनाव प्रचार जोरों पर

गोकुलधाम सोसाइटी के सदस्य, जो हमेशा एक–दूसरे का समर्थन और मदद करने के लिए मौजूद रहते हैं, परंतु इस बार चना कुमार और कुरमुरा कुमार इन राजनीतिक प्रतिद्वंद्वियों की वजह से वह एक दूसरे की मदद नहीं कर पा रहे है. क्या इससे गोकुलधाम सोसाइटी के सदस्यों के पर्सनल रिलेशन पर इस चुनावी झगड़ो का असर पड़ेगा? या इससे भी बड़ी समस्या उनके सामने खड़ी होने वाली है? अधिक जानने के लिए देखते रहिए तारक मेहता का उल्टा चश्मा.

तारक मेहता का उल्टा चश्मा सबसे लंबे समय तक चलने वाले सिटकॉम में से एक है जो पहले 2008 में प्रसारित हुआ था और अब 4000 से अधिक एपिसोड के साथ अपने 16 वें वर्ष में है. अपने प्रमुख शो के अलावा, नीला फिल्म प्रोडक्शंस प्राइवेट लिमिटेड इस शो को यूट्यूब पर मराठी में 'गोकुलधामची दुनियादारी' और तेलुगू में 'तारक मामा अयो रामा' को स्ट्रीम करता है. सभी शो असित कुमार मोदी द्वारा लिखे और बनाए गए हैं.

वंशज: विश्वासघात का सामना करने के कारण युक्ति का सपोर्ट सिस्टम टूट गया

—शिल्पा पाटिल

सोनी सब का 'वंशज' युविका महाजन (अंजलि तत्रारी) के जीवन को दर्शाता है, जो पारिवारिक व्यवसाय में जेंडर के आधार पर विरासत मानदंडों का पालन करने के बजाय योग्यता–आधारित उत्तराधिकार का समर्थन करके पारंपरिक पारिवारिक दृष्टिकोण पर सवाल उठाती है. इस बदलाव के कारण महाजन परिवार के भीतर तनाव पैदा हो जाता है, जिससे युविका और डीजे (माहिर पांधी) के बीच भयंकर प्रतिद्वंद्विता शुरू हो जाती है. हालिया एपिसोड्स में, डीजे युविका (अंजलि तत्रारी) की बहन, ईशा (कंचन दुबे) को उसकी सीक्रेट तस्वीरें वायरल करने की धमकी देता है. हालांकि, सिबलिंग रीयूनियन होता है जहां युविका – उर्फ युक्ति और उसका भाई अर्जुन (बुनीत कपूर) ईशा को बचाते हैं. इस दौरान, युक्ति उन दोनों से अपनी असली पहचान युविका के रूप में मिलती है, न कि युक्ति के रूप में.

आगामी एपिसोड्स में, डीजे की कुटिल चाल के तहत, डीजे की मां गार्गी (परिणीता सेठ) युक्ति को अपनी डायरी देती है, जो उसके अपराधों के कबूलनामे से भरी होती है. युक्ति डायरी को बारीकी से पढ़ती है और उसे एहसास होता है कि यह ठोस सबूत के रूप में काम कर सकती है, जिसमें युविका और उसके परिवार के खिलाफ गार्गी द्वारा किए गए अपराधों के सारे सबूत शामिल हैं. इस बीच, युक्ति इस तथ्य से पूरी तरह से अनजान है कि उसका कोई करीबी डीजे की किसी बड़ी योजना में उसकी सहायता कर रहा है, और युक्ति के खिलाफ साजिश रच रहा है. उसका मानना है कि वह जीत के बहुत करीब है क्योंकि वह गार्गी से उसके अपराध कबूल करवाने वाली है. हालांकि, रहस्य के बादल भी छा गए हैं क्योंकि युक्ति का कोई प्रिय व्यक्ति, जो शुरू में उसका समर्थन करता था, अब गुप्त रूप से उसके खिलाफ काम कर रहा है.

वह रहस्यमय व्यक्ति कौन है?

दिग्विजय महाजन का किरदार निभाने वाले माहिर पांधी कहते हैं, "डीजे ने एक बड़ी योजना बनाई है जिसे युक्ति इस समय समझ भी नहीं सकती है. जब गार्गी युक्ति को अपनी डायरी देती है, जिसमें उसका कबूलनामा है, तो उसे ऐसा लगता है जैसे वह लड़ाई जीत रही है. हालांकि, एक बहुत बड़ी और शातिर योजना उसके लिए घात लगाकर बैठी हुई है. डीजे अपने कोमा में होने का नाटक कर रहा है, और उसने किसी ऐसे व्यक्ति के साथ हाथ मिला लिया है जो युक्ति का बहुत करीबी है, ताकि वह उसे बिल्कुल तरह से बेसहारा बना सके. आगामी एपिसोड्स में दिखाया जाएगा कि युक्ति के किसी करीबी के सहयोग से डीजे, युक्ति की योजनाओं को बर्बाद करने और महाजन साम्राज्य पर कब्जा करने की चाल चल रहा है.

'वंशज देखते रहें, हर सोमवार से शनिवार शाम 7 बजे और 10 बजे, केवल सोनी सब पर

राखी को है पेट में ट्यूमर, जल्द हीं होगा उनका ऑपरेशन

अपने अतरंगी हरकतों के कारण मीडिया की चर्चाओं में हमेशा बनी रहने वाली राखी सावंत एक फिर खबरों का हिस्सा बनी हुई हैं.

बता दें कुछ समय से ऐसी खबरें चल रही हैं की राखी सावंत बीमार चल रही है और इसकी पुष्टि खुद राखी ने अपने सोशल मीडिया पर हॉस्पिटल से अपनी फोटो शेयर करके की. खबरों की शुरुआत राखी के हॉस्पिटल में भर्ती होने से शुरू हुई थी जिसके बाद ये खबर आयी कि उनको हार्ट अटैक भी आया था और इस बात की पुष्टि उनके एक्स हस्बैंड रितेश ने की थी.

राखी ने जब अपने इंस्टाग्राम पर अपनी हॉस्पिटल से एक तस्वीर शेयर की अपने फैंस को ये बताने के लिए की वो सच में बीमार हैं क्योंकि लोगों को ऐसा लगने लगा था कि ये राखी की कोई पब्लिसिटी स्टंट है. कुछ लोगों ने राखी के इंस्टाग्राम पोस्ट के नीचे कुछ बहुत हीं घटिया कमेंट भी किये हैं.

हाल हीं में एक मीडिया इंटरैक्शन के दौरान रितेश ने मीडिया को बताया कि राखी को ट्यूमर हो गया है और ये ट्यूमर कम से कम 10 सेमी का है. रितेश ने सभी लोगों से रिक्वेस्ट की है कि लोग राखी का इस तरह से मजाक न बनाये वो इस बार नाजुक हालत में है उसे लोगों के दुआओं की जरुरत है. राखी के हेल्थ अपडेट के बारे में रितेश ने बताया कि राखी को डॉक्टर ने ऑपरेशन का सुझाव दिया है.

राखी के बारे में बात करते हुए रितेश बताते हैं की राखी चाहे जितनी भी एक्टिंग कर ले लेकिन वो दिल की बहुत अच्छी इंसान हैं. उनके अंदर ममता है इसलिए वो किसी को भी दुखी नहीं देख सकती हैं और लोगों की मदद के लिए आगे बढ़कर सहायता करती है. लेकिन फिर भी लोग राखी को धोखा दे जाते हैं.

राखी के बारे में रितेश बताते हैं कि "राखी अपनी पूरी जिंदगी में सिर्फ लड़ाइयां हीं लड़ रही है. बचपन में गरीबी से, बड़े होने पर समाज से, करियर के लिए घरवालों से और ऐसे कई लोगों के लिए भी लड़ी है जिन्होंने बाद उनका हीं साथ नहीं दिया. लेकिन इस समय वो बहुत कमजोर हो गयी है और बहुत डरी हुई है, उसे इस समय बहुत सारे दुआओं की जरूरत है."

राखी के एक्स हस्बैंड आदिल दुरानी ने राखी के हॉस्पिटल में एडमिट होने के बाद मीडिया में कहा कि राखी ने ये सब जानबूझ कर किया है ताकि वो अरेस्ट नहीं हो सके. उनका मानना है कि राखी नाटक कर रही हैं.

इसी बात का जवाब देते हुए रितेश ने कहा, "कोई इन्सान अपने पेट में ट्यूमर कैसे प्लांट कर सकता है."

राखी के बारे में बात करते रितेश कहते हैं उनको फिर से वही हंसती खेलती हुई राखी चाहिए. वो राखी जो अपनी अतरंगी हरकतों से सभी को एंटरटेन करती है. बता दें जल्द हीं राखी के ट्यूमर की सर्जरी होगी. और रितेश ने लोगों से राखी के अच्छे स्वास्थ के लिए दुआ करने की रिक्वेस्ट की है.

ऐसे और मजेदार इंटरव्यू देखना चाहते है तो आप हमारे यूट्यूब चैनल Mayapuri Magazine पर देख सकते हैं।

सन नेटवर्क ने सन नियो पर नए ओरिजिनल शोज का फर्स्ट लुक जारी किया

—मायापुरी प्रतिनिधि

भारतीय टेलीविजन उद्योग अपनी शुरुआत से ही मनोरंजन का एक प्रमुख स्रोत रहा है. जबकि समय के साथ नाटकीय फिल्में और ओटीटी प्लेटफॉर्म जैसे नए माध्यम उभरे हैं, टीवी प्रसारण उद्योग की शक्ति और पहुंच से कुछ भी मेल नहीं खाता है. यह तब भी शासन करता था, यह अब भी शासन करता है और कई विशेषज्ञों के अनुसार यह भविष्य में भी शासन करता रहेगा.

दर्शकों का मनोरंजन करने और उनका ध्यान खींचने के लिए टेलीविजन पर लगभग हर दिन नए शो लॉन्च किए जाते हैं. इस बार, यह सिर्फ एक शो नहीं है, बल्कि एक नया चैनल है जो अपने मूल शो के साथ दर्शकों का मनोरंजन करने के लिए तैयार है. हाँ, आपने सही अनुमान लगाया— यह सन नेटवर्क का नया हिंदी जीईसी चैनल सन नियो है. अन्य बाजारों पर विजय प्राप्त करने के बाद, मीडिया नेटवर्क अब अपने हिंदी शो के साथ हिंदी पट्टी को लुभाने के लिए तैयार है.

हाल ही में, सन नेटवर्क ने एक नहीं, बल्कि अपने तीन नए मूल शो का पहला लुक जारी किया, जिसमें लोकप्रिय चेहरे शामिल थे और हर कोई मंत्रमुग्ध था. चैनल द्वारा जारी किए गए मोशन पोस्टर में तीन विविध शो दिखाए गए हैं, जो विभिन्न प्रकार की सामग्री पेश करते हैं। 'छठी मैया की बिटिया', 'इश्क जबरिया', और 'साझा सिन्दूर'.

'छठी मैया की बिटिया', जिसमें देवोलीना भट्टाचार्जी पहले कभी नहीं देखे गए अवतार में हैं, पारंपरिक विषयों के साथ एक भक्ति शो है, जो एक देवी और एक इंसान के बीच के रिश्ते की खोज करता है. 'इश्क जबरिया' जबरन विवाह और नाटक की अवधारणा पर एक नया दृष्टिकोण प्रस्तुत करता है, जबकि 'साझा सिन्दूर' रिश्तों और वैवाहिक जीवन की जटिल गतिशीलता पर प्रकाश डालता है.

आ रहे हैं हम बहुत जल्द, लेकर एक नया हिंदी मनोरंजन चैनल सन नियो

इन शो का पहला लुक विभिन्न प्रकार के मनोरंजन का वादा करता है जो व्यापक दर्शकों को पसंद आएगा. मोशन पोस्टर उत्साह पैदा करने के साथ, दर्शक उत्सुकता से प्रोमो का इंतजार कर रहे हैं ताकि वे शो में क्या पेश करेंगे, इसकी गहरी जानकारी प्राप्त कर सकें. तीन शो— 'छठी मैया की बिटिया', 'इश्क जबरिया' और 'साझा सिन्दूर'— जल्द ही सन नियो पर लॉन्च होने की उम्मीद है.

‘उड़ने की आशा’ : नेहा और कंवर ने खोले एक-दूसरे के राज!

जब आँखों में सपने सजाने वाली सायली जिसे अपने राजकुमार का इंतजार है उसे उसके जीवनसाथी के रूप में एक ठग मिल जाता है तब इन दो लोगों के जीवन में क्या बदलाव आते हैं, इसी की कहानी कहता है स्टार प्लस का शो ‘उड़ने की आशा’. शो में कंवर ढिल्लों और नेहा हरसोरा मुख्य किरदार में दर्शकों का दिल जीत रहे हैं।

आपकी पहली मुलाकात कब हुई थी?

कंवर – हमारी पहली मुलाकात हमारे लुक टेस्ट के दौरान हुई थी और वो बहुत हीं अच्छी रही और इसलिए आज हम आपके सामने बैठे हुए हैं।

नेहा –पहले दिन हीं हमें इतना मजा आ गया कि आगे की जर्नी में हमें कोई प्रॉब्लम नहीं हुई।

आप दोनों का फर्स्ट इम्प्रैशन क्या था एक दूसरे को लेकर?

कंवर – मुझे लगता है नेहा का मुझे लेकर पहला इम्प्रैशन यही रहा होगा कि मैं बहुत हीं सड़ू और सीरियस आदमी हूँ. क्योंकि अक्सर लोगों को यही लगता है कि मै ऐसा हीं इन्सान हूँ जब तक मै उनसे खुलकर बात नहीं करता हूँ. मेरा पहला इम्प्रैशन नेहा को लेकर यही था कि बहुत हीं स्वीट और मेहनती लड़की है।

नेहा –कंवर ने जितना बुरा बोला है मैंने इतना खराब नहीं सोचा था इनके बारे में. मेरा पहला इम्प्रैशन कंवर को लेकर यही था कि ये बहुत बोलता है।

सेट पर आप अपने साथ कौन सी तीन चीजें कैरी करते हैं?

नेहा –ये अली को लेकर आते हैं और उसके पास इनका सबकुछ होता है।

कंवर – मेरा बॉय अली मेरे साथ होता है और उसके पास मेरी सारी चीजें होती हैं. तीन चीजें जो मै सेट पर लेकर जाता हूँ वो है मेरा हेयर वाला, मेरा बॉय और मेरा फोन. नेहा पुष्पा दादा को कैरी करती है जो इनका बॉय है. पुष्पा दादा इनकी सारी चीजों को कैरी करके आते हैं वो दूसरी चीज हो गयी और ये खुद को कैरी करके आती हैं वो तीसरी चीज हो गयी।

एक दूसरे का तकिया कलाम क्या है?

नेहा – कंवर तो पूरा दिन कुछ ना कुछ बोलता हीं रहता है. वैसे कंवर सेट पर जब हम शॉट देने के लिए रेडी होते हैं तब ये बोलता है, “आइये आइये आइये, शुरू कीजिये।”

कंवर – नेहा कुछ दो–चार शब्द गुजराती में बोलती है जो मेरी समझ में नहीं आता है।

कोई एक क्वालिटी जो एक दूसरे के बारे में अच्छी लगती हो?

कंवर –नेहा बहुत हीं हँसमुख है. वो चीज को बहुत अच्छे से डील करती है. वो किसी भी चीज का बुरा नहीं मानती है. ये बहुत हीं लाइवली है जो बहुत हीं अच्छी चीज है।

नेहा – ये बहुत एनर्जी के साथ सेट पर आते हैं तो जो मै आधा समय सोती रहती हूँ इसके आते हीं मै नींद से जाग जाती हूँ. ये एनर्जी से भरा हुआ है और काफी फ्रेंडली है सबके साथ।

कंवर – मेरी यही कोशिश होती है कि टाइम पर पैकअप हो और हम घर भागे।

शो के 50 एपिसोड हो चुके हैं. अभी तक का ऐसा कोई सीन जो आपलोगों को सबसे ज्यादा पसंद है?

कंवर – मुझे सबसे अच्छा लगा था हमारा सुहागरात ट्रैक, जहाँ पर ये दूध का ग्लास लेकर आती है और वो दारू की बोतल लेकर बैठा हुआ होता है. इसके अलावा शुरुआत के जो हमारे नोक झोंक वाले सीन्स रहे हैं वो भी मुझे बेहद पसंद हैं. हमारा पहला सीन जो है वो हमारी हार को लेकर लड़ाई हो जाती है जहाँ मै इसको लड़ाकू विमान वगैरह भी बोलता हूँ. वो वाला सीन ऑडियंस को भी बहुत पसंद आया था।

नेहा –मुझे भी सुहागरात वाला सीक्वेंस बहुत पसंद आया था. इसके अलावा एक और सीन है जो मुझे बहुत पसंद है वो है जब हमलोग बाइक पर दूर दूर बैठते हैं. वो सीन मुझे बहुत इंट्रेस्टिंग और फन्नी लगा था।

ऑफस्क्रीन आप अपनी फ्रेंडशिप को एक शब्द में क्या कहेंगे?

कंवर –नेचुरल है, ऐसा कोई एक्स्ट्रा एफर्ट नहीं है कि मुझे इसको अच्छी अच्छी बातें बोलनी है या इसको मुझे अच्छी अच्छी बातें बोलनी हैं. हमारी दोस्ती काफी चिल्ल है।

अपने फैंस और ऑडियंस को क्या कहना चाहेंगे?

कंवर –आप हमें सचिन और सायली के रूप में बहुत सारा प्यार दे रहे हैं और आपने हमें एक प्यारा सा हैशटैग भी दिया है #सच्ची, जो कि काफी चर्चे में है और वो चर्चा बहुत हीं अच्छा लगता है. क्योंकि शो पर इतना खर्चा हो रहा है तो खर्चे पर चर्चा तो चाहिए हीं. आप जिस तरह से ‘उड़ने की आशा’ को प्यार दे रहे हैं वैसे हीं आगे भी देते रहिये. जैसा कि हमने वादा किया था कि सचिन और सायली का इतना ओवरडोज मिलने वाला है आपको कि किसी कंप्लेन की गुंजाईश हीं नहीं रहेगी. आने वाले ट्रैक्स बहुत हीं इंट्रेस्टिंग होने वाले हैं।

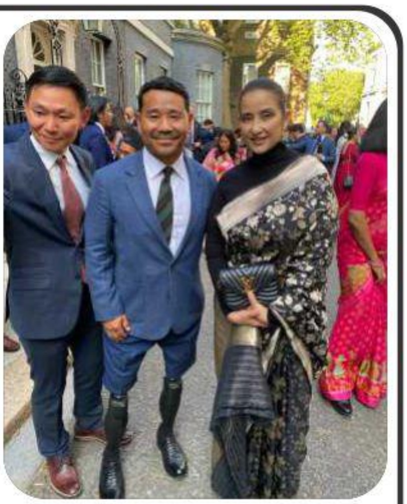

UK के **पीएम ऋषि सुनक जी** से मिलने पहुंची **मनीषा कोइराला** शेयर की फोटोज

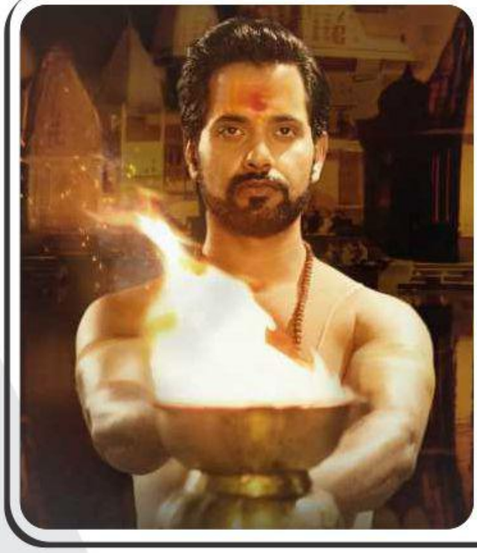

अभिनेता **जयवीर** ने **'बजरंग और अली'** का दिल को छू लेने वाला ट्रेलर रिलीज किया

यहां शीर्ष 5 कारण हैं कि हम प्रतीक शर्मा और **पार्थ शाह** की रब से है दुआ में येशा रूघानी को क्यों पसंद करते हैं..

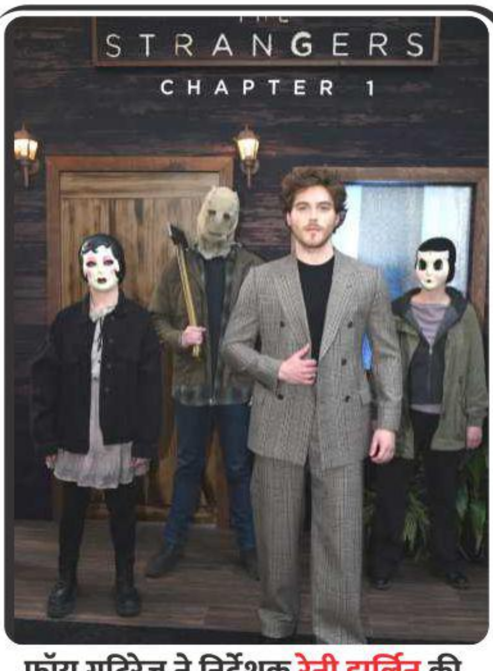

फ्रॉय गुटिरेज़ ने निर्देशक **रेनी हार्लिन** की **"द स्ट्रेंजर्स : चैप्टर 1"** में आतंक की गहराई जोड़ी है...

'आपां फेर मिलांगे' फेम कंपोजर सैवी काहलों के साथ **अपारशक्ति खुराना** ने शेयर किया वीडियो!

"सिंघम अगेन" की शूटिंग पूरी होने पर **अजय देवगन** ने जम्मू-कश्मीर सरकार को धन्यवाद दिया

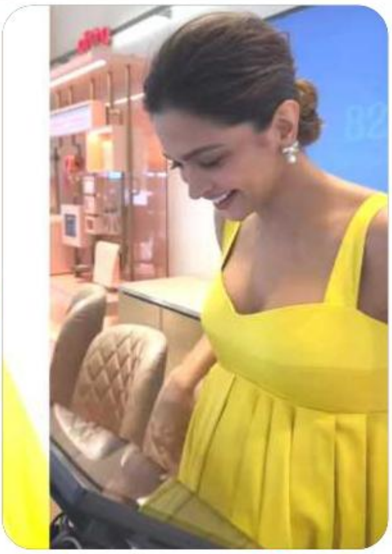

जल्द ही मां बनने वाली **दीपिका पादुकोण** हाल ही में एक इवेंट में नजर आईं

राधा मोहन की मुख्य अभिनेत्री नीहारिका रॉय कहती हैं, "जब मेकअप की बात आती है, तो मुझे लगता है कि कम हैं या ज्यादा है।"

सीरत कपूर और **शारवानंद** एक दशक के बाद नए शीर्षक **'ओह मनामे'** में फिर साथ आए

'राधा मोहन की लीड एक्ट्रेस निहारिका रॉय कहती हैं, मुझे लगता है कि मेकअप के मामले में है

–शिल्पा पाटिल

जी टीवी का शो 'प्यार का पहला नाम राधा मोहन' अपनी शुरुआत से ही अपने रोमांचक मोड़ के साथ दर्शकों का जमकर मनोरंजन कर रहा है। शो में हाल ही में आए 7 साल के लीप के बाद इसकी कहानी में अब राधा और मोहन बिल्कुल अलग–अलग स्थिति में हैं जिनके रोल क्रमशः निहारिका रॉय और शबीर अहलुवालिया निभा रहे हैं। ये दोनों बदकिस्मत प्रेमी अब साथ नहीं रहते। फिर एक दूसरे के पड़ोसियों के रूप में दोनों आमना–सामना होता है, जिससे राधा के पति युग कोहली (मनित जौरा) के मन में जलन पैदा हो जाती है। हाल के एपिसोड्स में दर्शकों ने देखा कि किस तरह राधा और मोहन मिलकर किडनैपर्स से मनन को बचाते हैं, जबकि युग, मनन (शौर्य विजयवर्गीय) को स्कूल में बंद करके उसे मारने की कोशिश करता है।

एक्ट्रेस निहारिका रॉय को लीप के बाद का अपना लुक बहुत अच्छा लग रहा है। दरअसल, वो ज्यादातर समय अपना मेकअप खुद ही करती हैं। अब जबकि वो सिंपल और खूबसूरत अनारकली ड्रेसेस पहन रही हैं तो उनका मेकअप भी काफी हल्का हो गया है। हालांकि उन्हें अपने बालों को संवारने के लिए हेयर स्टाइलिस्ट की मदद जरूर लगती है लेकिन मेकअप टेक्नीक को लेकर उनका मानना है कि वक्त के साथ हर एक्टर को अपना अंदाजा समझ में आ जाता है।

निहारिका रॉय बताती हैं, ''एक एक्ट्रेस के रूप में वक्त के साथ हम अच्छे मेकअप की बारीकियां सीख जाते हैं, खास तौर से हमारे मेकअप आर्टिस्ट से काफी कुछ सीखने को मिलता है। इसलिए अब मैं अपनी मेकअप दीदी को थोड़ा कम परेशान करती हूं (हंसते हुए) और ज्यादातर मेकअप खुद ही कर लेती हूं। जब कोई अलग ट्रैक आता है या मेरे लुक में बदलाव होता है, तब मैं पूरी तरह उन पर निर्भर रहती हूं लेकिन नियमित तौर पर मुझे लगता है कि मेकअप के मामले में कम ही ज्यादा है। मैं लाइट बेस रखने पर ध्यान देती हूं, खास तौर पर टिंटेड मॉइश्चराइजर, ब्लश, एक अच्छा लीप कॉम्बो और आई मेकअप। मेरा मानना है इससे मेरे नैननक्श को उभारने में मदद मिलती है। जब कोई अच्छा दिखता है तो उसे अच्छा महसूस होता है, जिसके नतीजे बढ़िया काम के रूप में सामने आते हैं और मेरे लिए इसका मतलब है हर दिन अपनी परफॉर्मेंस में अपना 100 प्रतिशत देना।''

उधर, फैंस को इस शो में चल रहे ट्विस्ट्स और टर्न्स देखने में मजा आ रहा है। जहां युग, मनन को मारने और राधिका और मोहन के रिश्तों का सच उजागर करने की शातिर योजना बना रहा है, वहीं यह देखना दिलचस्प होगा कि क्या मोहन युग से अपने परिवार की रक्षा कर पाएंगे?

ज्यादा जानने के लिए देखिए 'प्यार का पहला नाम राधा मोहन', रोज रात 8 बजे सिर्फ जी टीवी पर!

भारतीय सिनेमा के प्रतीक काजोल और प्रभुदेवा 27 साल बाद तेलुगु फिल्म निर्माता चरण तेज उप्पलपति की हिंदी निर्देशित हाई-बजट एक्शन थ्रिलर के लिए एक साथ आएंगे।

–मायापुरी प्रतिनिधि

सामूहिक मनोरंजन का पहला शेड्यूल पूरा हो गया है, और निर्माता जल्द ही फिल्म का टीजर जारी करने की तैयारी कर रहे हैं।

एक महत्वाकांक्षी उद्यम, एक्शन थ्रिलर में बोर्ड पर शीर्ष स्तरीय तकनीशियन हैं, जिनमें फोटोग्राफी के निदेशक के रूप में जीके विष्णु, संगीत निर्देशक हर्षवर्द्धन रामेश्वर और संपादक नवीन नूली शामिल हैं। पटकथा निरंजन अयंगर और जेसिका खुराना द्वारा लिखी गई है। प्रोडक्शन डिजाइनर साही सुरेश दृश्य सौंदर्यशास्त्र तैयार करेंगे।

जबकि परियोजना के अधिक विवरण की प्रतीक्षा है, एक शानदार कलाकार और एक शीर्ष तकनीकी दल का संयोजन इस एक्शन तमाशे को सबसे प्रतीक्षित आगामी रिलीज में से एक बनाता है।

प्रशंसित तेलुगु फिल्म निर्माता चरण तेज उप्पलपति को उनकी असाधारण सिनेमाई दृष्टि के लिए व्यापक रूप से जाना जाता है। अब, हिंदी में अपने लंबे समय से प्रतीक्षित निर्देशन की शुरुआत करने के लिए तैयार, चरण तेज उप्पलपति एक उच्च बजट वाली एक्शन थ्रिलर पर काम करने में व्यस्त हैं। सितारों से सजे इस शो में काजोल, प्रभुदेवा, नसीरुद्दीन शाह, संयुक्ता मेनन, जिशु सेन गुप्ता और आदित्य सील जैसे उद्योग जगत के दिग्गज कलाकार शामिल हैं।

27 साल बाद काजोल और प्रभुदेवा के बहुप्रतीक्षित पुनर्मिलन को चिह्नित करते हुए,

पौरशपुर सीजन 3 के साथ वापस, शर्लिन चोपड़ा एक शक्तिशाली, मोहक रानी स्नेहलता की भूमिका निभा रही हैं

—मायापुरी प्रतिनिधि

दो सीजन के सफल प्रदर्शन के बाद, एएलटीटी का पौरशपुर अपनी तीसरी किस्त के साथ वापस आ गया है। यह शो एक काल्पनिक श्रृंखला है जो पौरशपुर नामक एक काल्पनिक साम्राज्य पर आधारित है जहां सिंहासन के लिए लड़ाई जारी रहती है और दिन पर दिन घातक होती जाती है।

यह पौरशपुर में शक्ति, विश्वासघात, नियति और मानवीय भावना के लचीलेपन के बारे में है। यह नव ताजपोशी रानी चंद्रिका, उनकी मां और पूर्व महारानी स्नेहलता, महामन्त्री नयनप्रभा, सेनापति अग्निवर्धन, यशोधन, प्रियदर्शिनी, भौमिका और आतिशी के बारे में है।

पौरशपुर में, प्राचीन पुस्तक भविष्य शास्त्री की भविष्यवाणी है कि एक राजा पौरशपुर पर शासन करेगा, और चंद्रिका का अंत मामा के शुभ दिन पर होगा। लेकिन उनकी मां स्नेहलता अपनी बेटी चंद्रिका को पौरशपुर की महारानी बनाने की कसम खाती हैं।

शो का ट्रेलर काफी दिलचस्प और जबरदस्त था, जिसमें शर्लिन चोपड़ा महारानी स्नेहलता के रूप में सेंटर स्टेज पर थीं। वह अपनी बेटी को पौरशपुर की अगली रानी बनाने के लिए हर संभव कोशिश कर रही है। उसकी महत्वाकांक्षा की कोई सीमा नहीं है, और वह चतुराई से घटनाओं का आयोजन करती है, जिससे उसकी बेटी की सत्ता में वृद्धि सुनिश्चित होती है और साथ ही उसका अपना प्रभाव भी बरकरार रहता है। उसकी हरकतें नियंत्रण खोने के गहरे डर से प्रेरित होती हैं, जो उसे एक सुरक्षात्मक मां और एक दुर्जेय प्रतिद्वंद्वी दोनों बनाती है।

यह शो 19 मई से स्ट्रीम हो रहा है, और दर्शकों को राज्य पर शासन करने की महाकाव्य लड़ाई से जोड़ा हुआ है। पहले दो एपिसोड पहले ही आ चुके हैं और दर्शकों ने इन्हें खूब सराहा है।

इसमें शर्लिन के साथ—साथ काजोल त्यागी और प्राजक्ता दुसाने भी शामिल हैं। पौरशपुर की धमाकेदार शुरुआत के साथ, एएलटीटी के पास वर्तमान में कार्टेल, पुरानी हवेली का रहस्य, डार्क 7 व्हाइट और जंगल दंगल जैसी श्रृंखलाएं भी हैं, जो चैनल पर स्ट्रीमिंग कर रही हैं।

ओटीटी प्लेटफॉर्म में शो की मिश्रित शैली है, जो इसे जनता के बीच हिट बनाती है। ALTT पौरुषपुर के अगले तीन एपिसोड 25 मई को रिलीज करेगा। बने रहें।

जैकी श्रॉफ "देवदास" में चुन्नी बाबू बनने तक की यात्रा के बारे में बात की...

करिश्मा तन्ना के साथ हाल ही में एक टॉक शो में, लेजेंडरी एक्टर जैकी श्रॉफ ने 90 के दशक के फिल्म उद्योग में अपने अनुभवों के बारे में बात की, जिसमें स्क्रीन टाइम और अभिनेताओं द्वारा सामना की जाने वाली असुरक्षाओं पर ध्यान केंद्रित किया गया. बिदु फैशन और स्टाइल में, श्रॉफ ने अपनी यात्रा साझा की और बताया कि कैसे उन्हें क्लासिक फिल्म देवदास में चुन्नी बाबू की प्रतिष्ठित भूमिका मिली.

सेट पर अन्य कलाकारों से असुरक्षित होने के बारे में पूछे जाने पर जैकी ने अपने शानदार करियर के बारे में बताते हुए कृतज्ञता के बिना अवसरों को अपनाने के महत्व पर प्रकाश डाला. उन्होंने यह भी खुलासा किया कि चुन्नी बाबू की भूमिका को शुरू में कई अभिनेताओं ने अस्वीकार कर दिया था, जिसके कारण अंततः उन्हें इस किरदार में उतरना पड़ा.

SHILPA PATIL
Video Anchor / Reporter For Mayapuri

मैने इसके बारे में कभी ऐसा नहीं सोचा था. अमर अकबर एंथोनी, मुकद्दर का सिकंदर, यहां तक कि राम लखन जैसी कई फिल्मों में हमारे पास डबल या ट्रिपल हीरो थे. लेकिन इससे मुझे कोई फर्क नहीं पड़ता, भगवान मुझे जो देते हैं मैं उससे खुश हूं. देवदास में चुन्नी बाबू के रूप में काम करने के लिए कोई तैयार नहीं था लेकिन मैं था, इसलिए मुझे काम मिल गया. मैं हैरान था कि कोई भी ऐसा नहीं करना चाहता, पागल कुत्ते ने काटा है. अगर वे आपका सीन या कुछ भी काट देंगे तो कभी टेंशन न लें. भूमिका के लिए जो आवश्यक है वह आपको मिलेगा. एक निर्देशक, अभिनेता और कहानी है. हर दृश्य में, आप राजा नहीं हो सकते. जो मिला, ऊपरवाले का कान पकड़ और निकल ले", उन्होंने व्यक्त किया.

जैकी श्रॉफ का चुन्नी बाबू का किरदार उनके सबसे यादगार प्रदर्शनों में से एक है. युवाओं के लिए एक सच्ची प्रेरणा, उनका स्टारडम उनकी दृढ़ता और जीवन के प्रति शांत दिमाग वाले दृष्टिकोण का परिणाम है. जैकी श्रॉफ अपने अभिनय से लोगों का दिल जीतना जारी रखे हुए हैं और उनके पास कई रोमांचक परियोजनाएं हैं. चुन्नी बाबू बनने की उनकी कहानी हर भूमिका का अधिकतम लाभ उठाने में उनके विश्वास और उन्हें मिलने वाले अवसरों के प्रति उनकी अटूट कृतज्ञता का प्रमाण है.

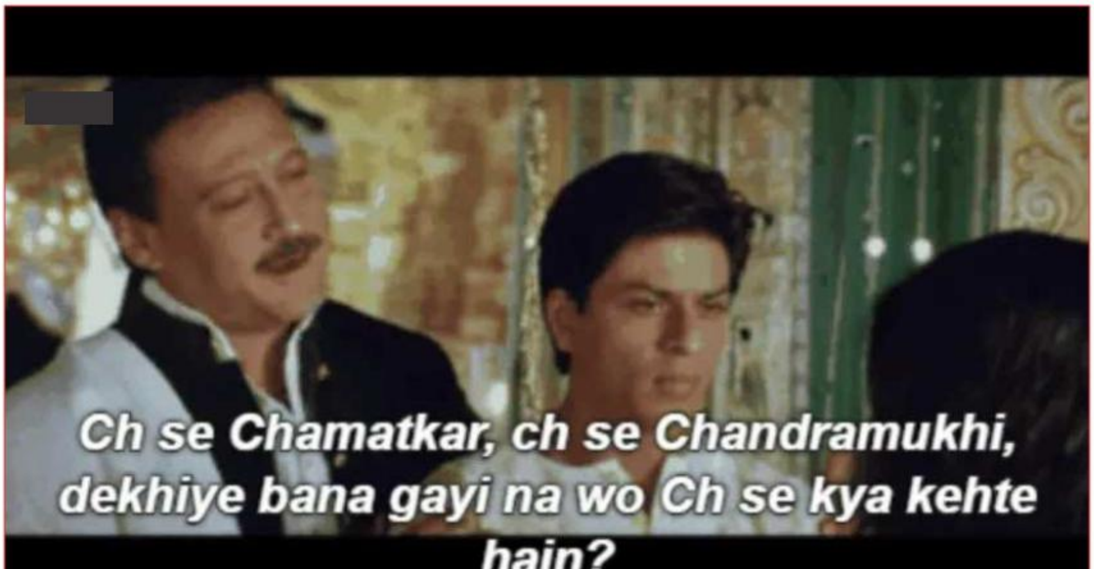

देखा तैनू गाने को लेकर उधेड़बुन में थे सुपरस्टार सिंगर 2 विजेता मोहम्मद फैज़...

मोहम्मद फैज़ सुपरस्टार सिंगर सीजन 2 के विजेता रह चुके हैं.

बता दें फैज़ ने कुछ महीनो पहले उनका गाना 'कभी शाम ढलें' रिलीज़ किया था जिसको उनके फैंस ने भर भर कर प्यार दिया. उनके इस गाने पर मिलियन में व्यूज हैं. बॉलीवुड में फैज़ का एक प्लेबैक सिंगर के रूप में डेब्यू धर्मा प्रोडक्शन की फिल्म 'मिस्टर एंड मिसेज' के गाने 'देखा तैनू' से हुआ. इस गाने में फैज़ की आवाज़ को काफी पसंद किया गया. आइये जानते हैं धर्मा के साथ डेब्यू करने के बारे में क्या कहते हैं फैज़.

इतने कम समय में 'देखा तैनू' को इतना अच्छा रिस्पांस मिला है, किस तरह से आप देखते हैं इसको?

मेरे लिए ये बहुत बड़ी बात है क्योंकि गाने ने पहले दिन में हीं 10 मिलियन व्यूज पार कर लिया था. ये मेरा पहला गाना है जिसने पहले हीं दिन 10 मिलियन क्रॉस कर लिया और हर जगह ट्रेंड कर रहा था. अच्छा लग रहा है, लोग इतना प्यार दे रहे हैं.

ये गाना आपको कैसे मिला?

मै अपने घर पर बैठा हुआ था मुझे देसी मेलोडीज से कॉल आया कि जानी पाजी को मेरे साथ गाना करना है. हम गए और उस दिन मैंने दो गाने रिकॉर्ड किये थे जिसमें से एक गाना 'कभी शाम ढले' था और दूसरा गाना 'देखा तैनू' था. गाना रिकॉर्ड होने के बाद जब हमने टीम को सुनाया तो उनको बहुत अच्छा लगा. मेरे मन में उस समय काफी उधेड़बुन चल रहा था कि क्या ये गाना मेरा होगा या किसी बड़े आर्टिस्ट का होगा लेकिन फाइनली ये गाना मेरा हो गया.

अगर लोगों को पता नहीं हो तो लोगों को यही लगेगा कि ये गाना किसी बड़े सिंगर ने गाया है. इस गाने को लेकर पब्लिक का रिस्पांस आपकी तरफ कैसा है?

पब्लिक का रिस्पांस देखकर अच्छा लग रहा है, काफी बड़े-बड़े लोगों ने गाने को पसंद किया है और सोशल मीडिया पर लाइक भी किया है. ऐसा कभी होता नहीं है और अब जब हो रहा है तो बहुत मज़ा आ रहा है.

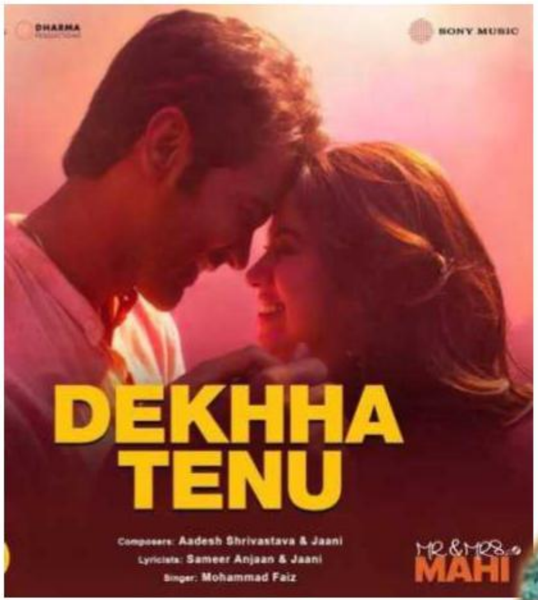

पब्लिक की ये कंप्लेन है कि आप उनके डिएम का रिप्लाई नहीं देते हैं, तो क्या इस गाने के बाद आप उनके डिएम का रिप्लाई देंगे?

ये कंप्लेन उनका सही है लेकिन जब भी मुझे कुछ किसी को रिप्लाई करना होता है तब मै लाइव आ जाता हूँ और उनसे बात कर लेता हूँ. अगर मै किसी एक को पर्सनली रिप्लाई करता हूँ डिएम में तो बाकी सब चिढ़ जाते हैं.

एक गाने का रीमेक बनना और उसको अच्छा रिव्यु मिल रहा है, इसके बारे में क्या कहना चाहेंगे?

वो गाना एक एवरग्रीन मेलोडी है उसे लोग आज से सौ साल बाद भी सुनेंगे. जिस भी गाने का रिक्रिएशन किसी के दिमाग में आ रहा है इसका मतलब ये है कि वो गाना कभी मर हीं नहीं सकता है वो एवरग्रीन है. इस वजह से लोगों की एक्स्पेक्टेशन भी बढ़ जाती है तो अगर कोई गाने को रिक्रिएट करने का रिश्क ले रहा है तो उसे उस गाने को बेहतरीन हीं बनाना चाहिए.

क्या आप ओरिजिनल गाने को ज्यादा प्रेफर करेंगे या रिक्रिएट किये गए गाने को?

ये गाना भी पूरा ओरिजिनल है, इसमें बस एक लाइन 'देखा तैनू' हीं उस गाने से लिया गया है बाकी पूरा गाना ओरिजिनल है. जो गाने रिक्रिएट होते हैं या जिनके रीमिक्स बनते हैं वो गाने डिजर्व करते हैं कि वो लोगों को बार-बार सुनाई दे. लोगों का रिएक्शन इसको लेकर काफी पॉजिटिव होता है और मुझे लगता है होना भी चाहिए.

जब आपका अपना म्यूजिक विडियो आता है, उस समय आपके दिमाग में क्या ख्याल चल रहे होते हैं?

कुछ नहीं सोचते हैं, क्योंकि अगर कुछ सोचते हैं और वैसा नहीं हो तो फिर अच्छा नहीं लगता है इसलिए कुछ नहीं सोचना चाहिए.

दिन के कौन से समय आप म्यूजिक लिखना या कंपोज़ करना पसंद करते हैं?

वैसे तो पूरी रात, दिन भर सो कर, ऐसा लगता है बैटमैन हूँ मैं. क्योंकि रात को काफी शांत रहता है तो अच्छी वाईब आती है इसलिए सुबह के 5-6 बजे तक हम गाने बनाते हैं.

'सुपरस्टार सिंगर' के ऑडिशन में आपने जो गाना गाया था

ऐसे और मजेदार इंटरव्यू देखना चाहते है तो आप हमारे यूट्यूब चैनल Mayapuri Magazine पर देख सकते हैं।

'खामोशियाँ' वो लोगों को काफी पसंद आया था. तो क्या आप उसे अपना लाइफ चेंजिंग मोमेंट मानते हैं?

बिल्कुल, क्योंकि अगर वो विडियो वायरल नहीं होता तो बहुत सारे सॉंग राइटर को मेरे बारे में पता नहीं चलता और मुझ तक नहीं आ पाते और फिर मुझे ऐसे गाने नहीं मिलते.

क्या बदलाव आपको देखने को मिला है अभी तक?

मुझे अगर लाइफ में कुछ चाहिए तो मै वो चीजें मैनिफेस्ट करता हूँ. मैंने ये सभी चीजें मैनिफेस्ट की थी इसलिए मुझे किसी भी चीज को लेकर सरप्राइज नहीं हुआ. मैंने सबकुछ मैनिफेस्ट किया है और वो धीरे धीरे होता रहेगा.

सुपरस्टार सिंगर का सीजन 3 चल रहा है, आप कितना फॉलो कर रहे हैं?

बहुत अच्छे तरीके से फॉलो कर रहा हूँ, दो बार तो मै खुद जाकर आया हूँ. मै ये गाना प्रमोट करने के लिए वहां गया था.

आप जिस शो के विनर रह चुके हैं, उसी शो में जब आप एक गेस्ट के तौर पर जाते हैं तो कैसा महसूस करते हैं?

बहुत अच्छा महसूस करते हैं. थोड़े बड़े वाली फीलिंग आती है जब वहां पर सारे बच्चे भैया-भैया बोलते हैं.

राजकुमार राव और जान्हवी कपूर के साथ काम करने का अनुभव कैसा रहा?

बहुत मज़ा आया काम करके. दोनों बहुत हीं अच्छे हैं. मै तो विश्वास हीं नहीं कर पा रहा था क्योंकि उनको टीवी और थिएटर में देखा है. गाने के लॉन्च इवेंट पर हम साथ में बैठे हुए थे और ये मेरे लिए बहुत बड़ी बात है.

अगर बॉलीवुड में आगे चांस मिले तो किस तरह के गाने गाना चाहेंगे?

सभी तरह के गाने, कभी कोई फिक्स्ड टाइप नहीं रखता हूँ. सबकुछ वर्सटाइल होगा, जैसा भी गाना मिले मै करने को तैयार हूँ.

आपकी सिंगिंग जर्नी किस तरह से शुरू हुई, और आपको एक्टिंग में भी इंटरेस्ट है तो क्या आपने ट्राई किया है?

अभी एक्टिंग में ट्राई नहीं किया है लेकिन इंटरेस्ट है. सिंगिंग की जर्नी की अगर मै बात करूँ तो मेरे नाना उस्ताद शकूर खान साहब एक क्लासिकल सिंगर थे और उन्ही से ये सिंगिंग मुझे विरासत में मिली है. काफी समय तक मैंने उनसे हीं सीखा है. ऐसा कोई फिक्स्ड ऐज नहीं है, मुझे जहाँ तक याद है जबसे होश संभाला है गा हीं रहा हूँ.

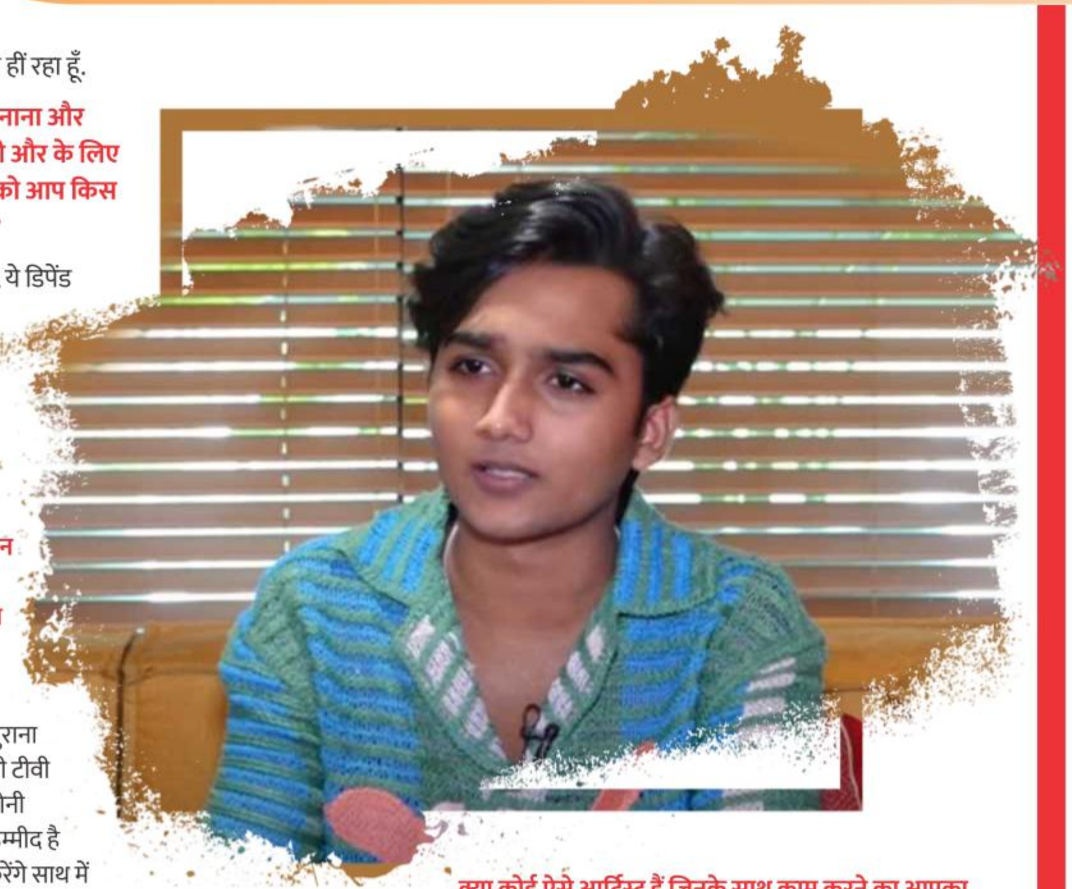

अपना म्यूजिक बनाना और बॉलीवुड में किसी और के लिए गाना, इस चीज को आप किस तरह से देखते हैं?

दोनों हीं बढ़िया हैं, ये डिपेंड करता है गाने पर और गाने को किस तरह से एक्सीक्यूट किया जा रहा है उसपर.

सोनी के साथ भी आपने कोलैबोरेशन किया है, उनके साथ कोलैबोरेशन करना कैसा रहा?

बहुत बढ़िया रहा, सोनी के साथ तो पुराना नाता है. पहले सोनी टीवी के साथ था, अब सोनी म्यूजिक से भी है. उम्मीद है बहुत सारा काम करेंगे साथ में आगे.

धर्मा प्रोडक्शन के साथ भी आपका कोलैबोरेशन हुआ, उसके बारे में क्या कहना चाहेंगे?

मुझे अपने आप पर गर्व हो रहा है. ये मेरा डेब्यू था वो भी धर्मा के साथ. मै सबके सामने जाकर इस बात को फ्लेक्स कर रहा हूँ.

अगर आप सिंगर नहीं होते तो क्या होते?

पता नहीं क्या होता, लेकिन जो भी होता वो आर्ट फील्ड में हीं होता.

सिंगिंग के अलावा आपका पैशन क्या है?

मै सबकुछ करता हूँ, मै स्केच, डांस, ड्राइंग, एक्टिंग और भी बहुत कुछ करता हूँ. पढाई को छोड़कर बाकी सबकुछ करता हूँ मैं.

काफी फीमेल फैंस के भी आपको मैसेजेज आये होंगे, इनसब से किस तरह से डील करते हैं आप?

बहुत हीं पॉजिटिवली लेता हूँ, मोटिवेशन मिलता है उससे कि अभी इतना किया है तो इतना मिल रहा है और बढ़िया काम करूँगा तो और मिलेगा.

आनेवाले प्रोजेक्ट्स के बारे में कुछ बताना चाहेंगे?

आनेवाले दिनों में एक से दो सिंगल गाने आयेंगे.

फिल्म 'मिस्टर एंड मिसेज माही' का कॉन्सेप्ट आपको कैसा लगा?

बहुत बढ़िया लगा, उसका ट्रेलर भी देखा, बहुत अच्छा लगा. इस फिल्म में मेरा गाना है तो 100% अभी से मेरी फेवरेट मूवी है ये.

क्या कोई ऐसे आर्टिस्ट हैं जिनके साथ काम करने का आपका सपना है?

बहुत सारे हैं जैसे रेमा, जस्टिन बीबर, टायला और भी कई ऐसे आर्टिस्ट हैं जिनके साथ मेरा काम करने का सपना है.

अपने फैंस और चाहने वालों से क्या कहना चाहेंगे?

हमेशा की तरह ढेर सारा प्यार करते रहिये, ढेर सारा सपोर्ट करते रहिये. 'देखा तैनू' को आपने जितना प्यार दिया है उसको और बढ़ा दीजिये. हर प्लेटफ़ॉर्म पर इस गाने को स्ट्रीम कीजिये. इस गाने पर खूब सारे रील्स बनाइए और मुझे टैग कीजिये, मुझे जिनकी भी रील्स बढ़िया लगेगी मै सबको मेंशन करूँगा.

पुकार : राजेश्वरी महेश्वरी के नेगेटिव किरदार में नजर आएँगी सुमुखी पेंडसे

– शिल्पा पाटिल

1994 में 'शांति' सीरियल से अपने करियर की शुरुआत करने वाली सुमुखी पेंडसे इस वर्ष टेलीविजन की दुनिया में अपने अभिनय करियर के 30 साल पुरे कर रही हैं. अपने इस 30 साल के करियर में सुमुखी ने कई फिल्म और शोज में अपने अभिनय से लोगों का दिल जीत लिया है. 'ऐतबार', 'गुनाह', 'पिंजरा', 'बावरा दिल', और ना जाने कितने शोज और फिल्मों का हिस्सा रह चुकी हैं सुमुखी। वर्तमान में सुमुखी सोनी टेलीविजन के आनेवाले सीरियल 'पुकारः दिल से दिल तक' में राजेश्वरी महेश्वरी के किरदार में नजर आएँगी. बता दें शो 27 मई से सोनी टेलीविजन पर प्रसारित होगा।

शो के बारे में क्या कहना चाहेंगी?

– शो का नाम है 'पुकारः दिल से दिल तक'. ये एक फैमिली ड्रामा है जिसमें बहुत सारे सस्पेंस और लेयर्स हैं. मेरे किरदार का नाम है राजेश्वरी महेश्वरी. हमारा एक मसाले का बिजनेस है जिसका नाम है महेश्वरी मसाला, मै उस बिजनेस की कर्ता–धर्ता हूँ और मै परिवार की मुखिया हूँ. लोगों के हिसाब से मै इस शो की मुख्य विलेन हूँ लेकिन राजेश्वरी को ऐसा बिल्कुल भी नहीं लगता है. उसके हिसाब से इस मसाले की कंपनी को उसने बनाया है इसलिए वो उसका है जबकि कंपनी अब पब्लिक लिमिटेड हो चुकी है लेकिन राजेश्वरी को लगता है कि आज कंपनी जिस भी मुकाम पर है वो उसकी वजह से हीं है. वो अपनी कंपनी को लेकर बहुत पजेसिव है और चूंकि वो परिवार की मुखिया है तो वो चाहती है कि उसकी ये विरासत आगे जाए और कोई उसके इस फ्यूचर को डिस्टर्ब नहीं करे. उसको अपने बिजनेस और परिवार के लिए जो भी करना पड़े वो करती है. वो साम, दाम, दंड, भेद हर चीज का इस्तेमाल करती है, क्योंकि उसके हिसाब से एक लड़ाई में हर

चीज जायज है।

एक इंटरव्यू में आपने कहा था कि राजेश्वरी का किरदार आपको फिल्म 'रॉकी और रानी' के जया बच्चन के किरदार की याद दिलाता है. इसके बारे में कुछ कहना चाहेंगी?

– जब मुझे इस किरदार का नरेशन दे रहे थे तभी मैंने उनको कहा था कि ये किरदार जया बच्चन के किरदार से मिलता जुलता है, उन्होंने भी हाँ कहा था. मै आपको बता दूँ उस फिल्म में जया बच्चन का किरदार सिर्फ खड़ूस था, मै सिर्फ खड़ूस नहीं हूँ, मै बहुत बुरी भी हूँ. राजेश्वरी बहुत पजेसिव है, उसका मानना है कि जो वो कहती है वही सही और वही होना चाहिए. क्योंकि उसका मानना है कि वही सही है और बाकी किसी की औकात हीं नहीं है कि उसे कोई कुछ सीखा सकता है।

सोनी एंटरटेनमेंट और शो के बाकी कास्ट और क्रू के साथ काम करने का अनुभव कैसा रहा?

– ये पूरी टीम मेरे लिए नयी है, इस टीम में ऐसा कोई भी नहीं है जिसके साथ मैंने पहले काम किया है. शूटिंग तक आने का प्रोसेस थोड़ा लंबा होता है. किरदार फाइनल होने से लेकर सेट पर आने तक एक लंबी जर्नी होती है. शो की जो दो लड़कियां हैं वेदिका और कोयल मैंने अभी तक एक भी दिन उनके साथ शूट नहीं किया है. उनसे बस मुलाकात हुई है. सागर के साथ मैंने दो दिन काम किया है. मैंने अभी तक सबसे ज्यादा सीन सरस्वती के साथ और जो मेरे बेटे का किरदार निभा रहे हैं, दिग्विजय उनके साथ किया है. सरस्वती का किरदार जो निभा रही हैं उनसे मै पहली बार मिली है लेकिन उनके पति अभिजीत ने उनकी पहली मराठी सीरियल में मेरे साथ काम किया था. अब मेरे को–एक्टर्स के साथ मेरी बहुत अच्छी ट्विनिंग हो गयी है।

इस शो के बारे में ऑडियंस से क्या कहना चाहेंगी?

– जैसा कि आपको पता है कि शो का नाम है 'पुकारः दिल से दिल तक', हम भी एक टीम के तौर पर पुकार रहे हैं आपको हमारे दिल से आपके दिल तक. मैंने आज तक जितने भी शोज में काम किया है ये उससे अलग है, क्योंकि आप जब भी किसी सीरियल के शुरुआत के एपिसोड देखते हैं तो उनको एस्टेब्लिश करने में समय लगता है, लेकिन इस शो के अगर आप शुरुआत के पाँच एपिसोड देखते हैं तो कहानी दौड़ती है, और अगर आप शुरू के पाँच एपिसोड नहीं देखेंगे तो आपको छठे एपिसोड में कुछ पता हीं नहीं चलेगा. जब एक एक्टर के तौर पर हमने इसको शूट किया है लेकिन उसके बावजूद भी अगर हम एपिसोड देखते हैं तो हम भी भौचक्के रह जाते हैं तो आप समझ सकते हैं. इसलिए 27 मई से सोनी टेलीविजन पर रात 8:30 बजे 'पुकारः दिल से दिल तक' देखना जरुरी है वरना आपको पता हीं नहीं चलेगा कि कहानी में क्या हो रहा है।

अपने फैंस के लिए क्या कहना चाहेंगी?

– मैंने अपने डेली सोप्स की जर्नी सीरियल 'शांति' से शुरू की, जिसका पहला टेलीकास्ट 15 अगस्त 1994 को हुआ था और इस साल 15 अगस्त को मेरे इस इंडस्ट्री में 30 साल पुरे हो जायेंगे. मेरी अभी तक की जर्नी बहुत हीं अच्छी रही है. एक एक्टर की सक्सेस ऑडियंस के वगैर हो हीं नहीं सकती है. ऑडियंस आपको पसंद करती है इसलिए आपको दोबारा काम मिलता है. मै बहुत खुशकिस्मत हूँ कि मै इस इंडस्ट्री में 30 साल से हूँ और ये भगवान की कृपा है कि मुझे काम मिलता रहा है, और मैंने अपनी तरफ से पूरी कोशिश की है आपकी उम्मीदों पर खरा उतरने की. मेरी कोशिश यही रहती है कि मै मन से काम करूँ और कहीं ना कहीं आपको मेरा काम पसंद आये. मै उम्मीद करती हूँ इस शो में भी आपको मेरा काम पसंद आये।

हेमा मालिनी-राजेश खन्ना की क्लासिक बॉलीवुड रोमांस प्रेम नगर के पूरे हुए 50 वर्ष

-मायापुरी प्रतिनिधि

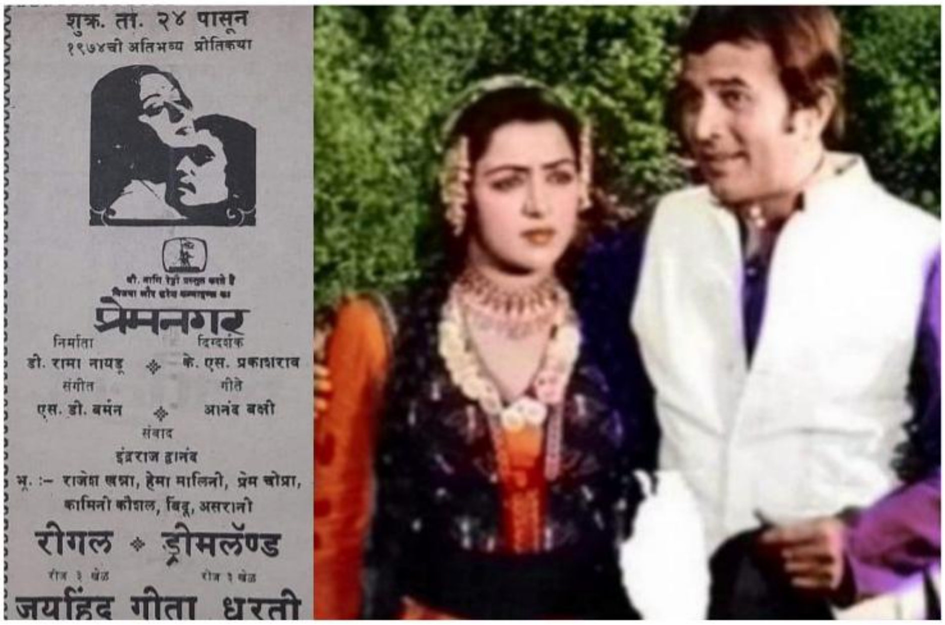

आज से पचास साल पहले, 24 मई, 1974 को, एक प्रेम कहानी सिल्वर स्क्रीन पर सामने आई थी. प्रेम नगर, एक भव्य रोमांटिक ड्रामा, जिसने अपनी मार्मिक कथा, अविस्मरणीय प्रदर्शन और भावपूर्ण संगीत से दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया था.

के.एस. द्वारा निर्देशित प्रकाश राव और डी. रामानायडू द्वारा निर्मित, इस फिल्म में राजेश खन्ना और हेमा मालिनी की प्रतिष्ठित जोड़ी जैसे सितारों से भरपूर कलाकार थे.

प्रेम नगर में खोए प्यार की एक कहानी

राजेश खन्ना ने अपने चरम में करण सिंह की भूमिका निभाई, जो एक अमीर राजकुमार था जो भोग-विलास की जिंदगी से जूझ रहा था. अनुग्रह की दृष्टि वाली हेमा मालिनी ने एक गुणी युवा महिला लता का किरदार निभाया, जो उसे सुधारने का प्रयास करती है. पूरी फिल्म में उनकी निर्विवाद केमिस्ट्री ने एक अमिट छाप छोड़ी.

कहानी, हालांकि सरल प्रतीत होता है, लेकिन ये प्रेम और विश्वास की जटिलताओं में डूबा हुआ है. करण की विशेषाधिकार प्राप्त परवरिश ने उसे वास्तविकता से दूर कर दिया था, जिससे वह एक लापरवाह लेकिन सुखद दुनिया में जीने लगता है. लता का आगमन इस सावधानी से बनाए गए पहलू को बाधित करता है, जो उसे उद्देश्य और जिम्मेदारी के जीवन से परिचित कराता है. हालाँकि, उनकी फलती-फूलती प्रेम कहानी को कई क्रूर मोड़ों का सामना करना पड़ता है. लता पर चोरी और धोखे का झूठा आरोप लगता है और यही उनके अलगाव का कारण भी बनता है.

एक प्रेम कहानी का दुखद अंत

अंततः सच्चाई का पता चलने के बावजूद, करण लता को वापस पाने में असमर्थ रहता है क्योंकि करण के अविश्वास ने लता को भावनात्मक रूप से चोट पहुँचाया है. लता को वापस न पाने के गम में करण वापस अपने नशे की लत की ओर चला जाता है और एक अद्भुत प्रेम कहानी का एक दुखद अंत हो जाता है.

एक दमदार जोड़ी की अद्भुत केमिस्ट्री

फिल्म की प्रतिभा जटिल भावनाओं के चित्रण में निहित है. राजेश खन्ना ने एक सूक्ष्म प्रदर्शन किया है, जिसमें एक प्लेबॉय के मुखौटे के नीचे करण की भेद्यता को दर्शाया गया है. हेमा मालिनी लता के रूप में चमकती हैं, उनकी ताकत और लचीलेपन का चित्रण दर्शकों को गहराई से प्रभावित करता है.

सचिन देव बर्मन की धुन और प्रेम नगर का जादू

प्रेम नगर सिर्फ एक प्रेम कहानी नहीं है। यह मानव स्वभाव का एक सम्मोहक अन्वेषण है. यह फिल्म व्यसन, मुक्ति और सच्चे प्यार की स्थायी शक्ति के विषयों पर प्रकाश डालती है. महान सचिन देव बर्मन का मधुर साउंडट्रैक कहानी को पूरी तरह से पूरक करता है, जिसमें 'ये लाल रंग' जैसे गाने कालजयी क्लासिक बन गए हैं.

फिल्म की सफलता निर्विवाद थी. बॉक्स ऑफिस इंडिया द्वारा 'सुपरहिट' घोषित की गई, प्रेम नगर एक क्रिटिकल डार्लिंग भी थी. राजेश खन्ना और हेमा मालिनी को फिल्मफेयर पुरस्कारों में सर्वश्रेष्ठ अभिनेता और सर्वश्रेष्ठ अभिनेत्री के लिए नामांकन मिला, जो उनके सशक्त अभिनय का प्रमाण है.

प्रेम नगर ने पूरी की अपनी गोल्डन जुबली

पांच दशक बाद भी प्रेम नगर के विषय प्रासंगिक बने हुए हैं. यह हमें रिश्तों में विश्वास और संचार के महत्व और जल्दबाजी में लिए गए निर्णय के विनाशकारी प्रभाव की याद दिलाता है. फिल्म की स्थायी विरासत इसकी शक्तिशाली कहानी, मनोरम प्रदर्शन और कालातीत संगीत का प्रमाण है.

तो आज रात, जैसा कि हम प्रेम नगर के 50 साल पूरे होने का जश्न मना रहे हैं, आइए हम इस क्लासिक को फिर से देखें और प्रेम, विश्वासघात और स्थायी मानवीय भावना की इसकी कालातीत कहानी से प्रभावित हों.

मुकेश भट्टः दिव्या खोसला की सावी से दर्शकों को जज्बाती झटका जरूर लगेगा

—चैतन्य पडुकोण

हालांकि प्रतिभाशाली, खूबसूरत स्टार—अभिनेत्री दिव्या खोसला—कुमार फिल्म और संगीत के दिग्गज भूषण कुमार (टी—सीरीज) की पत्नी हैं, लेकिन उन्हें अहंकार से कोई समस्या नहीं है. हां, विनम्र दिव्या ने सीधे अनुभवी युवा दिल वाले फिल्म निर्माता मुकेश भट्ट से संपर्क किया और उन्हें आश्वस्त किया कि 'सावीः ए ब्लडी हाउसवाइफ' में मुख्य भूमिका निभाने के लिए वह सही विकल्प हैं, जब कास्टिंग फाइनल नहीं हुई थी.

फिल्म 'सावी' का मूल विषय सती सावित्री की पौराणिक कथा से प्रेरित है, जिसमें पूज्य देवी सावित्री, मृत्यु के देवता यम से अपने पति सत्यवान के लिए जीवन विस्तार का वरदान प्राप्त कर उसे अकाल मृत्यु से बचाती हैं.

दिव्या खोसला—कुमार को मुख्य भूमिका में लेने के अपने बड़े फैसले को याद करते हुए, दिग्गज मुकेश भट्ट ने उनके जुनून, समर्पण और स्क्रीन—प्रदर्शन का दिल से औचित्य साझा किया. अगर आप मुझसे पूछें कि किस वजह से मैंने यह फैसला किया कि केवल दिव्या ही इस 'सावी' की भूमिका निभा सकती हैं — तो वह थी उनकी ईमानदारी और ईमानदारी जिसके साथ वह मेरे पास आई थीं. उन्होंने मुझसे अपील की, कृपया मुझे यह भूमिका करने दें, और मैं आपसे वादा करती हूं कि मैं आपको निराश नहीं करूंगी. दिव्या की ईमानदारी के उस पल ने मुझे पूरी तरह से अपने पैरों से हिला दिया. यह सबसे महत्वपूर्ण बात है. मुझे पता था कि वह इस तीव्र विद्रोही साहसी महिला चरित्र से जो उम्मीद की जाती है उसे पूरा करने के लिए सौ मील से भी अधिक का सफर तय करेगी. मैं आपको पूरे

विश्वास के साथ आश्वस्त करना चाहता हूं कि बहुमुखी दिव्या खोसला अपने शानदार प्रदर्शन से आप सभी को चौंका देंगी. 'सावी' दिव्या खोसला का एक ऐसा स्क्रीन–अवतार है जिसे आपने पहले कभी नहीं देखा होगा. आपको यह फिल्म नजदीकी थिएटर में जरूर देखनी चाहिए, क्योंकि दिव्या खोसला के असाधारण अभिनय के कारण यह देखने लायक है.

'सावी' के ट्रेलर ने पहले ही मीडिया में हलचल मचा दी है, जिसमें दिव्या की बारीक और बहुस्तरीय प्रस्तुति दर्शकों को लुभाने और झकझोरने का वादा करती है. फिल्म की कहानी एक रोमांचकारी जेलब्रेक और प्यार और जुनून की कहानी के इर्द–गिर्द घूमती है, जिसने प्रशंसकों और आलोचकों के बीच प्रत्याशा और उत्साह को बढ़ा दिया है.

दिव्या खोसला के लिए 'सावी' एक गेम चेंजर साबित होने वाली है, जिसमें उनकी अभिनय क्षमता का एक ऐसा पक्ष सामने आएगा जो पहले कभी नहीं देखा गया, वह है कमजोर लेकिन चौंकाने वाला (ब्लडी हाउसवाइफ) 'सावी' के किरदार को निभाने की उनकी क्षमता पर मुकेश भट्ट का भरोसा दर्शकों को फिल्म की रिलीज का बेसब्री से इंतजार करने के लिए मजबूर कर देता है.

सावी के मोशन पोस्टर से ही प्रशंसकों में उत्सुकता बढ़ गई है. टीजर ने उनकी उत्सुकता को और बढ़ा दिया है, जिससे यह रहस्य और गहरा हो गया है कि 'सावी' किसके लिए खतरनाक जेलब्रेक की योजना बना रही है. अब, अभिनय देव द्वारा निर्देशित फिल्म के ट्रेलर के रिलीज होने के साथ, 'सावी' अपने परिवार पर मंडरा रहे अप्रत्याशित हालातों की एक और झलक दिखाती है, लेकिन दर्शकों के मन में यह रहस्य भी बना हुआ है कि वह सफल होगी या नहीं.

सावी के ट्रेलर में एक महिला की अपने पति को बचाने की कोशिश की कहानी दिखाई गई है. एक माँ और गृहिणी के रूप में, वह कई बाधाओं का बहादुरी से सामना करती है, लेकिन यह देखना बाकी है कि दिव्या का किरदार अपने पति को बचाने में सफल होगा या नहीं. दिव्या के अलावा, फिल्म में पति की भूमिका में हर्षवर्धन राणे और एक असामान्य तेजतर्रार भूमिका में अनिल कपूर भी हैं.

संगीत के जानकार मुकेश भट्ट के प्रोडक्शन बैनर 'विशेष फिल्म्स' की फिल्में हमेशा से ही अपने यादगार, मधुर गीतों के लिए जानी जाती हैं, चाहे वह 'आशिकी' हो, 'दिल है के मानता नैन' हो या फिर 'सड़क', गुलाम हो या फिर 'मर्डर'. "इस बार भी सावी में हमारे पास ऐसे गाने हैं जो मधुर और दिल को छू लेने वाले हैं. मेरे लिए 'दिवंगत' गायक केके द्वारा रिकॉर्ड किया गया यह शानदार गाना भी है, यह उनके आखिरी गानों में से एक था और एक हफ्ते बाद ही उनका निधन हो गया. एक बेहतरीन गायक होने के अलावा, केके का मेरे साथ एक दोस्ताना व्यक्तिगत रिश्ता भी था और उन्होंने अतीत में मेरी पिछली फिल्मों के लिए बेहतरीन गाने रिकॉर्ड किए हैं," मुकेश ने खुलासा किया.

ट्रेलर और टीजर में दिव्या के शानदार अभिनय ने लोगों का ध्यान खींचा है, लेकिन क्रिएटिव जीनियस अभिनय देव (डेल्ही बेली और कलर्स टीवी सीरीज '24' फेम) की स्मार्ट स्टोरीटेलिंग भी इस स्टाइलिश तरीके से शूट की गई एक्शन–थ्रिलर में दर्शकों को बांधे रखती है. अभिनय देव द्वारा निर्देशित फिल्म, सावी का निर्माण मुकेश भट्ट, भूषण कुमार और कृष्ण कुमार ने विशेष फिल्म्स और टी–सीरीज के बैनर तले किया है. शिव चनाना और साक्षी भट्ट सह–निर्माता के रूप में शामिल हुए हैं. यह फिल्म एक रोमांचक थ्रिलर है – एक्शन, हालांकि, यह जानने के लिए कि एक साधारण गृहिणी द्वारा ब्रिटिश जेल–ब्रेक के जोखिम भरे साहसी मिशन को अंजाम देने के पीछे की कहानी क्या है और क्या वह सफल होती है, इसका पता तब चलेगा जब फिल्म शुक्रवार, 31 मई, 2024 को सिनेमाघरों में रिलीज होगी.

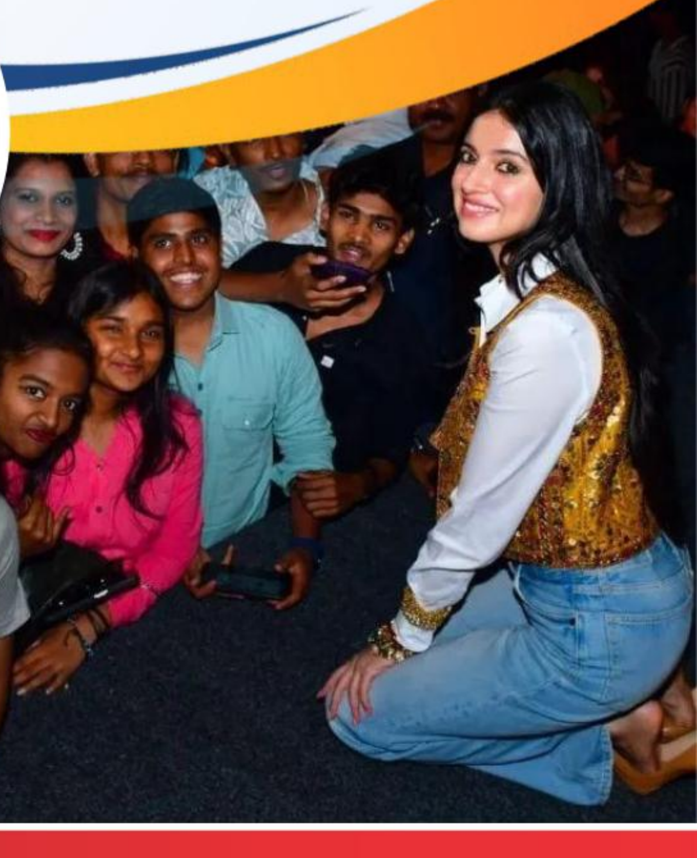

2024 की दूसरी छमाही में बिग टिकट ओटीटी शो के बहुप्रतीक्षित सीक्वल: 'मिर्जापुर 3' से 'ताजा खबर 2' तक

—सुलेना मजुमदार अरोरा

जैसे ही हम वर्ष 2024 की दूसरी छमाही में कदम रख रहे हैं, डिजिटल मनोरंजन की दुनिया, अपनी बहुप्रतीक्षित ओटीटी सीक्वल की लाइनअप के साथ एक एड्रेनालाईन—पंपिंग मनोरंजन के लिए तैयार हो रही है। मिर्जापुर के खतरनाक अंडरवर्ल्ड से लेकर ताजा खबर के उधम मचाने वाले हास्य तक, आइए इन आगामी शो के विवरण पर गौर करें।

मिर्जापुर–3

मिर्जापुर सीजन 3 में, सत्ता के लिए संघर्ष का भयानक जाल तेज हो जाता है क्योंकि परिचित चेहरे अपराध और राजनीति की क्रूर दुनिया में प्रवेश करते हैं। प्रतिशोध की भावना से प्रेरित होकर, गुड्डु पंडित एक बड़ी ताकत बनकर उभरता हैं, जबकि कालीन भैया के साम्राज्य को हर तरफ से खतरों का सामना करना पड़ रहा है। बीना त्रिपाठी की फ्लेकसीबलिटी और चालाकी एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है, जो कहानी में गहराई जुड़ जाती है। नए पात्र नई चुनौतियाँ लेकर आते हैं, जिससे यह सुनिश्चित होता है कि मिर्जापुर के सिंहासन के लिए लड़ाई हमेशा की तरह अप्रत्याशित बनी रहेगी।

ताजा खबर–2

ताजा खबर सीजन 2 में, भुवन बाम एक बार फिर वसंत गावड़े की भूमिका निभाते नजर आ रहे हैं, और सीरीज को रोमांच और कॉमेडी के एक शानदार मिश्रण में बदल रहे हैं। भुवन बाम वापस आ गए हैं, उन्होंने इस साल स्क्रीन पर आने वाले आगामी सीजन की शूटिंग पूरी कर ली है। उन्होंने इसके दूसरे सीजन में जोश भर देने वाली कहानी का वादा किया है, जिसमें वसंत गावड़े कठिन परिस्थितियों में उलझे हुए हैं, दुर्जेय विरोधियों का सामना कर रहे हैं और काले रहस्यों का पता लगा रहे हैं। एक्शन और रोमांच की ओर शो का रुख, भुवन के बहुमुखी अभिनय कौशल में एक नई परत जोड़ता है, जो दर्शकों को अपनी सीटों से बांधे रखता है।

द फैमिली मैन–3

द फैमिली मैन सीजन 3 में मनोज बाजपेयी द्वारा अभिनीत श्रीकांत तिवारी को नई चुनौतियों का सामना करना पड़ता है। पारिवारिक जिम्मेदारियों को निभाते हुए एक समर्पित खुफिया अधिकारी के रूप में, श्रीकांत के चरित्र को उभरते भू— माफिया, राजनीतिक परिदृश्य द्वारा और अधिक परखा जाता है। नए गठबंधन और नए विरोधी सामने आते हैं, जो श्रीकांत के दोहरे जीवन की जटिलताओं को उभारकर सामने ले आते हैं। यह शो, श्रीकांत के परिवार की मोबिलिटी को भी गहराई से उजागर करता है, उनके संघर्षों और जीतों पर अधिक अंतरंग नजर डालता है।

पंचायत–3

पंचायत सीजन 3 में, जितेंद्र कुमार द्वारा निभाए गए अभिषेक त्रिपाठी के प्यारे से किरदार और उनके विचित्र सहयोगी, जो खुद को ग्रामीण परिदृश्य में नई स्थितियों में पाते हैं। अभिषेक, प्रह्लाद और अन्य पंचायत सदस्यों के बीच सुन्दर सौहार्द्र, शो का केंद्र बना हुआ है। गाँव के नए पात्रों को शामिल करने से नई एक्टिवनेस का परिचय मिलता है, जिससे यह सुनिश्चित होता है कि पंचायत की हिलेरिअस मस्ती और गर्मजोशी एक बार फिर दर्शकों के बीच गूंजती है।

पाताल लोक–2

जयदीप अहलावत द्वारा अभिनीत हाथीराम चौधरी, 'पाताल लोक सीजन 2' में अपनी जर्नी फिर से शुरू करते हैं। हाथीराम का जटिल चरित्र, नैतिक दिशा–निर्देश के साथ एक जिद्दी अन्वेषक की तरह , नई चुनौतियों का सामना करता है जो उसकी क्षमता का परीक्षण करती हैं। दूसरा सीजन हाथीराम के निजी जीवन पर प्रकाश डालता है, जिसमें उसके परिवार पर उसकी पसंद के नतीजों का पता लगाया जाता है। यह शो आपराधिक अंडरवर्ल्ड के नए पात्रों को पेश करते हुए, एक दिलचस्प कहानी बनाता है जो सही और गलत के बीच की रेखाओं को धुंधला कर देता है।

स्पेशल ऑप्स–2

के के मेनन और सैयामी खेर स्टारर स्पेशल ऑप्स सीजन 2 एक और दिलचस्प कथानक के साथ वापस आ गया है, जो एक और हाई रिस्क वाले मिशन पर एक गुप्त टीम का नेतृत्व कर रहा है। यह दिलचस्प नया सीजन, नायक (हिम्मत) की पिछली कहानी की जांच पड़ताल करता है, जो उसके चरित्र को आकार देने वाले बलिदानों और व्यक्तिगत संघर्षों की अंतर्दृष्टि प्रदान करता है। अपने–अपने अनूठे कौशल और पृष्ठभूमि वाले सभी कार्यकर्ताओं की टोली, कथा में गहराई जोड़ती है। कॉमप्लिकेटेड कथानक के मोड़ और जासूसी मोबिलिटी, दर्शकों को अपनी सीटों से बांधे रखती है।

काला पानी–2

काला पानी 2 अपने पूर्ववर्ती सीरीज की सफलता पर आधारित है, अब इस सीरीज में ये नए पात्रों को पेश करता है और कहानी का विस्तार करता है। एक रहस्यमय द्वीप वाले जेल के जाल में फंसे रहस्यमय नायकों को नई चुनौतियों और विरोधियों का सामना करना पड़ता है। इससे, इसके मुख्य पात्रों की पिछली कहानी का पता लगाया गया है, और उन घटनाओं पर प्रकाश डाला गया है जो उन्हें काला पानी तक ले गई। दूसरा सीजन उस वायुमंडलीय तनाव और मनोवैज्ञानिक गहराई को बरकरार रखता है जिसने पहली किस्त को जबरदस्त सफलता दिलाई।

फर्जी–2

फर्जी 2 में शाहिद कपूर और विजय सेतुपति की डेडली जोड़ी की वापसी हो रही है। शाहिद कपूर के सौम्य ठग कलाकार के साथ, एक अटूट बंधन बनाते हुए, ये विपक्ष और शरारतों की दुनिया में प्रवेश करते हैं। इसका दूसरा सीजन उनके व्यक्तिगत इतिहास को गहराई से उजागर करता है और उन घटनाओं का खुलासा करता है जिनके कारण वे अपराध में भागीदार बने। यह शो हास्य, रहस्य और एक्शन का संतुलन बनाए रखता है, जिससे यह एक रोमांचक घड़ी बन जाती है।

सोनू त्यागी ने ग्राउंडब्रेकिंग आध्यात्मिक वेब सीरीज 'टू ग्रेट मास्टर्स' का सह-निर्माण किया

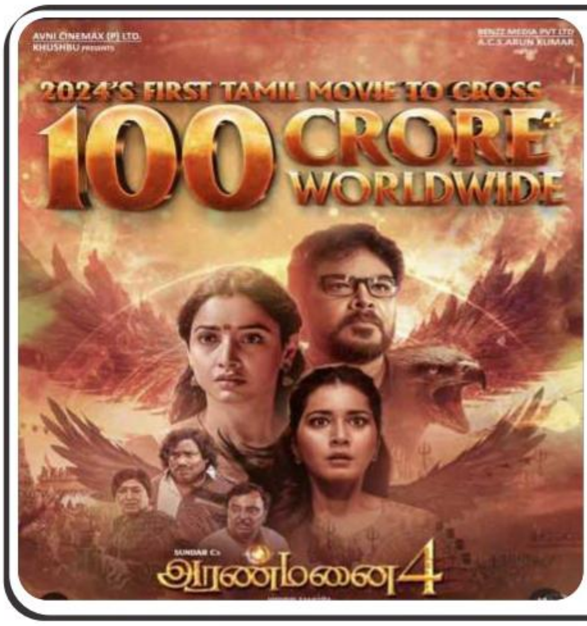

'अरनमनई 4' ने दुनियाभर में कमाए इतने करोड़ रुपये! तमन्ना भाटिया और राशि खन्ना स्टारर तमिल इंडस्ट्री की 2024 की पहली हिट बनी!

ओरी ने अहमदाबाद के प्रामाणिक स्वाद का आनंद विशेष थाली के साथ उठाया, साथ में थी बेस्ट फ्रेंड...

एक्शन, रोमांच और बहुत कुछ इस सप्ताहांत सिनेमाघरों में अवश्य देखी जाने वाली फिल्मों के लिए आपकी मार्गदर्शिका

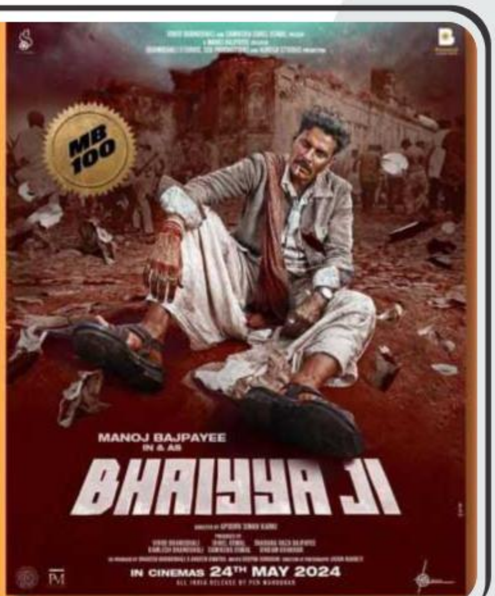

ॐ श्री महाकालेश्वराय नमः दिनांक 23 मई 2024 को ज्योतिर्लिंग भगवान श्री महाकालेश्वर जी का प्रातः कालीन भस्म आरती श्रृंगार दर्शन

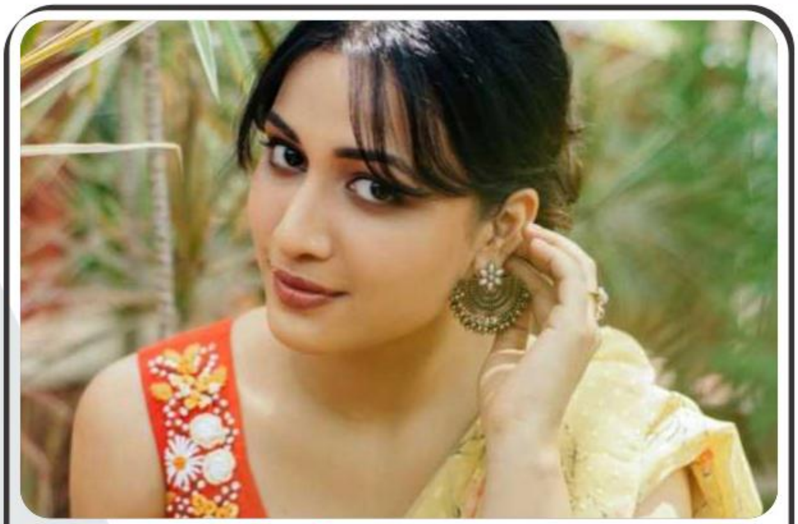

अभिनेत्री आयुषी भावे स्टार भारत के आगामी शो '10:29 की आखिरी दस्तक' में निभाएंगी बिंदू की भूमिका।

पीवीआर आईनॉक्स एक्शन, एडवेंचर, समर फिल्म फेस्टिवल और बहुत कुछ लेकर आया है इस सप्ताहांत सिनेमाघरों में अवश्य देखी जाने वाली फिल्मों के लिए आपकी मार्गदर्शिका!

सोनी सब के 'वागले की दुनिया' में राजेश अपने परिवार और साईं दर्शन सोसायटी के सदस्यों को अनुशासित करने की कोशिश करता है

UK के पीएम ऋषि सुनक जी से मिलने पहुंची मनीषा कोइराला शेयर की फोटोज

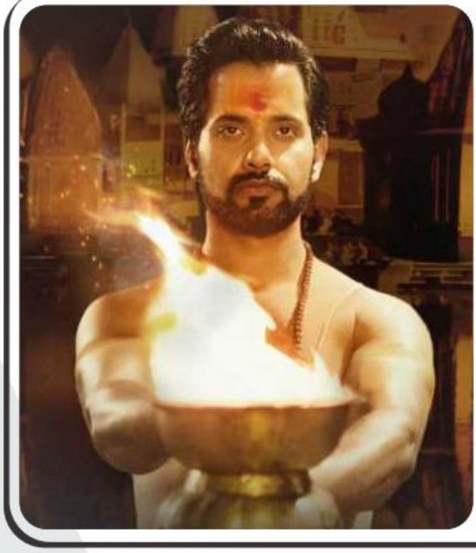

अभिनेता जयवीर ने 'बजरंग और अली' का दिल को छू लेने वाला ट्रेलर रिलीज किया

यहां शीर्ष 5 कारण हैं कि हम प्रतीक शर्मा और पार्थ शाह की रब से है दुआ में येशा रूघानी को क्यों पसंद करते हैं..

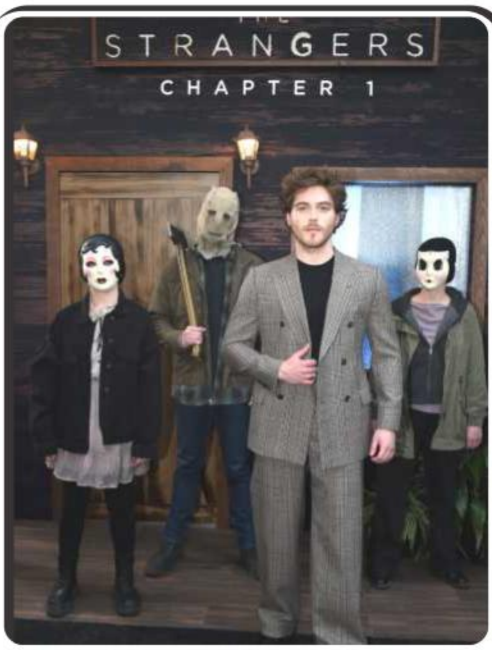

फ्रॉय गुटिरेज़ ने निर्देशक रेनी हार्लिन की "द स्ट्रेंजर्स : चैप्टर 1" में आतंक की गहराई जोड़ी है...

'अपा फेर मिलांगे' फेम कंपोजर सैवी काहलों के साथ अपारशक्ति खुराना ने शेयर किया वीडियो!

और भी ज्यादा बॉलीवुड न्यूज़ देखने के लिए Mayapuri.Cut

और भी ज्यादा बॉलीवुड न्यूज़ देखने के लिए Mayapuri.Cut

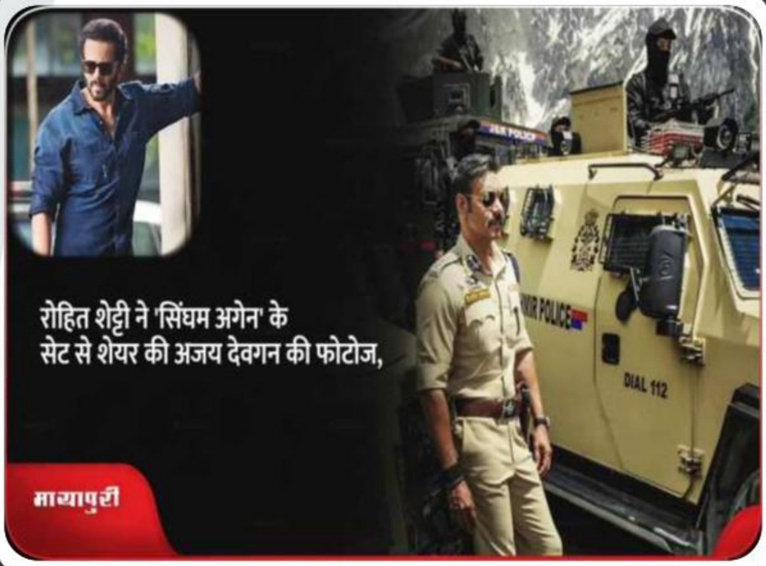

शक्ति सामंत की सावन की घटा (1966): प्यार और नुकसान की एक कालातीत कहानी

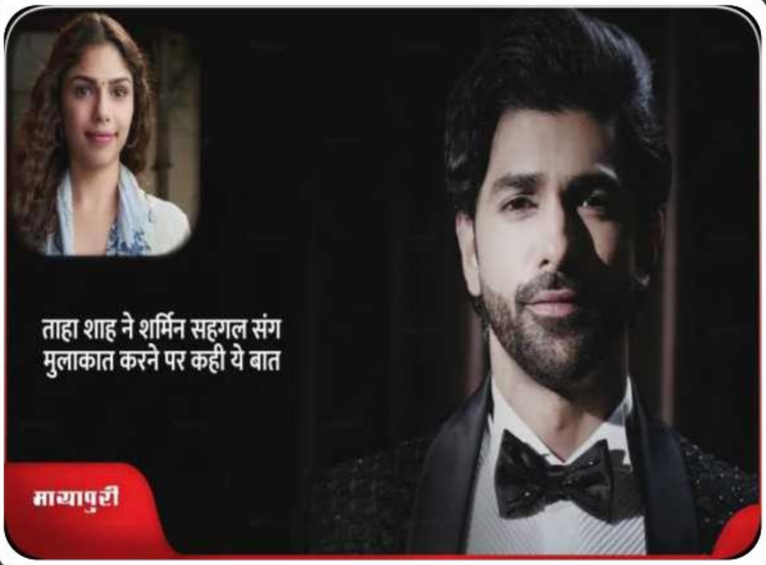

और भी ज्यादा बॉलीवुड न्यूज़ पढ़ने-देखने के लिए Mayapuri.Com

और भी ज्यादा बॉलीवुड न्यूज़ पढ़ने-देखने के लिए Mayapuri.Com

और भी ज्यादा बॉलीवुड न्यूज़ देखने के लिए Mayapuri.Cut

धर्मेंद्र का डांस देखने के लिए सलमान खान ने क्यों किया था 4 घंटे वेट

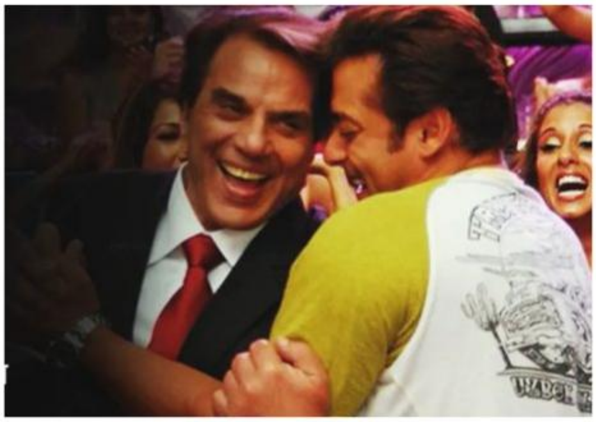

–प्रीति शुक्ला

सलमान खान उन सुपरस्टार्स में से एक हैं जो फिल्म सेट पर अपने हिसाब से पहुंचते हैं उनके कई को-एक्टर्स और फिल्म मेकर्स ने सलमान की देरी के किस्से शेयर किए हैं, लेकिन एक समय ऐसा भी था जब सलमान ने फिल्म के सेट पर बहुत धैर्य दिखाया और चार घंटे तक इंतजार किया ताकि वह दूसरे अभिनेता को अपना शॉट देते देख सकें निर्देशक फराह खान ने पहले शेयर किया था कि ओम शांति ओम की 'दीवानगी दीवानगी' की शूटिंग के दौरान, सलमान ने सच में शाहरुख खान की वैनिटी में चार घंटे इंतजार किया क्योंकि वह धर्मेंद्र को प्रदर्शन करते देखना चाहते थे

चार घंटे किया था इंतज़ार

इस गाने में 30 फिल्मी सितारे कैमियो में थे और फराह ने कई दिनों तक गाने की शूटिंग की सावधानीपूर्वक योजना बनाई थी ताकि वह नसीब के 'जॉन जानी जनार्दन' की याद दिलाने वाला एक गाना बना सकें, फराह ने याद किया, "एक शॉट है जहां धरम जी डांस कर रहे हैं, और सलमान और बाकी लोग आ जाते हैं यह योजनाबद्ध नहीं थी वे कैमरे के पीछे खड़े थे क्योंकि उन्होंने धरम जी का शॉट देखने के लिए शाहरुख की वैन में चार घंटे तक इंतजार किया था और जब धरम जी नाच रहे थे, तो वे शॉट में कूद पड़े

सब हुए थे हैरान

गाने के जिस हिस्से में धर्मेंद्र थे, उसमें शाहरुख खान उनके साथ थे लेकिन आखिरकार, सलमान खान और सैफ अली खान कूद पड़े फराह ने कहा कि सैफ इसके लिए तैयार नहीं थे और उस पल का आश्चर्य उनके चेहरे पर स्पष्ट था "अगर आप सैफ को देखेंगे तो पाएंगे कि उन्हें नहीं पता कि क्या हो रहा है, वह ऐसा है 'क्या हो रहा है?"

कई और सितारें भी थे शामिल

इस गाने में संजय दत्त, रेखा, रानी मुखर्जी, प्रीति जिंटा, मिथुन चक्रवर्ती, काजोल, करिश्मा कपूर समेत कई अन्य लोग भी थे, उसी चैट में फराह ने बताया था कि गोविंदा भी गाने की शूटिंग का हिस्सा थे लेकिन वह शूटिंग के लिए 24 घंटे देरी से पहुंचे फराह ने बताया कि उनकी यूनिट गोविंदा का इंतजार करती रही और जब उन्होंने आखिरकार उन्हें फोन किया तो उन्हें पता चला कि वह कहीं और शूटिंग कर रहे हैं इसके बाद गोविंदा अगले दिन अपने हिस्से की शूटिंग के लिए आए

27 मई से सोनी टेलीविजन पर प्रसारित होगा 'पुकारः दिल से दिल तक'

एक माँ के अपनी दो बेटियों से बिछड़ने की कहानी है सोनी एंटरटेनमेंट टेलीविजन का आने वाला शो 'पुकारः दिल से दिल तक'. राजस्थान के बैकग्राउंड पर बेस्ड ये शो एक अनोखी कहानी कहता है. दो जुड़वाँ बच्चियाँ जो अपनी माँ से बचपन में बिछड़ जाती हैं और जिन्हें अपने बचपन का कुछ भी याद नहीं. दो अलग अलग जगहों पर पली ये बच्चियां क्या अपने माँ के दिल की पुकार को सुन पाएंगी और उनसे दोबारा मिल पाएंगी. शो में सुखदा खांडेकर, सायली सालुंखे, अनुष्का मर्चंडे, अभिषेक निगम और सुमुखी पेंडसे नजर आएंगे. बता दें शो 27 मई से सोनी टेलीविजन पर रात 8: 30 बजे से प्रसारित होगा।

प्रोमो को ऑडियंस का काफी प्यार मिल रहा है. इसके बारे में क्या कहना चाहेंगी?

सुखदा –हम सभी बहुत खुश हैं, क्योंकि हमारे प्रोमो का वही इफेक्ट हैं जो हम चाह रहे थे. क्योंकि प्रोमो से आपको एक थ्रिल महसूस होता है और किरदारों के इमोशन समझ आते हैं. प्रोमो को बहुत बेहतरीन तरीके से डिजाइन किया है. इस कहानी में बहुत कुछ है, जैसा कि प्रोमो देख कर समझ आ गया होगा कि ये दो बेटियां हैं जो अपनी माँ से बिछड़ गयी हैं. लेकिन माँ को इस बात का अंदाजा है कि दोनों बेटियां जहाँ भी हैं, सही सलामत हैं और बहुत हीं जल्द मिलेंगी, शो की कहानी यही कि वो कब कैसे मिलेंगे. अभी तक हमें जितने लोगों से प्रोमो के रिव्युज मिले हैं वो बहुत हीं अच्छे हैं. कुछ लोगों ने तो ये भी कहा है कि हम मार्वल के किरदारों की तरह लग रहे हैं क्योंकि हर किरदार बहुत हीं इंट्रेस्टिंग है।

सायली –जैसे हम सबके अपनी माँ और बहन के साथ रिश्ते होते हैं उस चीज को इस शो में बेहद अच्छी तरह से दिखाया गया है. मुझे लगता है दर्शक जब भी इसको देखेंगे वो अपने रिश्तों को इससे कनेक्ट कर पाएंगे. ये मेरे लिए बहुत इमोशनल है क्योंकि मै रियल लाइफ में अपनी बहन और अपनी माँ से बहुत ज्यादा कनेक्टेड हूँ. मुझे पर्सनली प्रोमो बहुत अच्छा लगा है और लोगों का भी बहुत प्यार मिल रहा है. उम्मीद है लोगों को हमारा शो पसंद आएगा और वो हमें ऐसे हीं आगे भी प्यार देते रहेंगे।

अनुष्का –प्रोमो बहुत अमेजिंग है, मेरी पूरी फैमिली को भी प्रोमो बहुत पसंद आया. हमारे किरदार काफी अच्छी तरह से निखर कर आये हैं प्रोमो में. मुझे पता है शो बहुत हीं अच्छा होने वाला है और मैं इसके लिए बहुत एक्साइटेड हूँ. उम्मीद है दर्शकों को भी शो पसंद आएगा।

शो में अपने किरदार के बारे में कुछ बताइए?

सुखदा– मेरे किरदार का नाम सरस्वती है और वो एक माँ है. मुझे लगता है ये किरदार बहुत हीं रिलेटेब्ल है. कई बार हम अपनी माओं को ये कह देते हैं कि माँ ड्रामा मत करो लेकिन वो ड्रामा नहीं होता है वो सच्चाई है. आजकल लोग रियलिज्म की तरफ इतना जा चुके हैं कि हम अब हम अपने इमोशन को अंडरलाइन नहीं करते हैं. ये जो किरदार है वो अपने बच्चों के लिए बहुत हीं ज्यादा प्रोटेक्टिव है. जब इसके बच्चों के प्रोटेक्शन की बात आती है तब वो किसी टाइगरेस की तरह है और साथ साथ हीं साथ वो बहुत हीं वल्नरेबल है, वो अपने बच्चों से दूर नहीं रह सकती है. वो अपने बच्चों और अपने परिवार के लिए कुछ भी कर सकती है. सरस्वती के किरदार से सभी माएँ रिलेट कर पाएंगी और यही इस किरदार की स्ट्रेंथ है।

सायली –मेरे किरदार का नाम वेदिका है और वेदिका और कोयल जुड़वाँ बहनें हैं. इस किरदार का बचपन में कुछ और नाम था लेकिन इसके फोस्टर पेरेंट्स ने इसका नाम वेदिका रख दिया है. वेदिका को उसके बचपन का कुछ भी याद नहीं है. उसे एक वकील बनना था जिसके लिए उन्होंने वेदिका की

बहुत मदद की. वो लोग उससे बहुत प्यार करते हैं, लेकिन उनके मन में भी ये गिल्ट है कि कहीं उन्होंने वेदिका के साथ कुछ गलत तो नहीं किया है. वेदिका का मानना है कि जितना उसके फोस्टर पेरेंट्स ने उसे प्यार दिया है शायद उतना उसकी सगी माँ भी नहीं दे पाती. वेदिका अपनी माँ से बिछड़ चुकी है और जल्द हीं मिलेंगे. शो में काफी मजेदार चीजें और ड्रामा होगा. मुझे ये किरदार बहुत पसंद आया क्योंकि अभी तक मैंने जो भी किरदार निभाए ये किरदार उन सभी से बहुत अलग है. ये किरदार बहुत हीं इंट्रेस्टिंग है, थोड़ा मुश्किल भी होगा लेकिन मजा आने वाला है.

अनुष्का– मुझे लगता है आज की जनरेशन मेरे किरदार कोयल से रिलेट कर पायेंगे. जिस तरह से बात करती है, जिस तरह से वो दिखाती है मुझे लगता है लोग उससे पसंद करेंगे. कोयल बहुत हीं बोल्ड, जिद्दी, फिस्टी, जुगाडू और कॉन गर्ल है. उसे अपने बचपन का कुछ भी याद नहीं है. उसे एक कॉन वुमन ने बड़ा किया है इसलिए वो भी एक कॉन गर्ल बन गयी है. वो कभी किसी को हर्ट नहीं कर सकती है, वो हर चीज अपनी माँ के लिए करती है. वो अपनी मम्मी को खुश रखना चाहती है वो उन्हें एक घर देना चाहती है. मुझे कोयल का किरदार निभाने में बहुत मजा आ रहा है।

'बातें कुछ अनकही सी' के बाद इस शो से और सोनी टीवी से जुड़ने के पीछे क्या फैसला था?

– मेरी आदत है कि किसी भी शो को हाँ कहने से पहले मैं उसके किरदार को एक महीने का समय देती हूँ लेकिन इस बार मुझे बिल्कुल भी समय नहीं मिला. उस शो के बंद होने के 20 दिन बाद हीं मुझे ये शो मिल गया इसलिए इस किरदार के बारे में ज्यादा सोचने का समय हीं नहीं मिला. मेरे लिए सबसे बड़ा टास्क था कि मैंने शो के लिए हाँ तो कह दिया है लेकिन मेरे पास इस किरदार के लिए तैयारी करने का समय नहीं था. लेकिन फिर मुझे लगा कि करते करते हो जायेगा क्योंकि सोनी का शो है और मुझे इसकी कहानी बहुत अच्छी लगी इसलिए मुझे लगा कि ये मौका बहुत अच्छा है मेरे लिए कुछ अलग करने का. क्योंकि 'बहुत प्यार करते हैं' और 'बातें कुछ अनकही सी' में मैंने एक माँ का किरदार निभाया था और अब इसमें मै एक बच्ची का किरदार निभा रही हूँ तो ये मेरे लिए काफी मजेदार है.

आप लोगों के हिसाब से इस शो की क्या खास बात है?

सुखदा– इसमें बहुत सारे इमोशन, एंटरटेनमेंट, थ्रिल, रोमांस, दुःख–दर्द, नेगेटिविटी, विलेन्स, प्लॉटिंग–प्लानिंग और माँ का प्यार है. मुझे पर्सनली 70 के दशक की फिल्में बहुत पसंद हैं. उस दौर के फिल्मों की कहानियां बहुत लंबी होती थी. आज के समय में उस कहानी के एक–तिहाई हिस्से के प्लॉट पर कहानी बन जाती है. उस दौरान फिल्मों के स्क्रीनप्ले की जो स्पीड होती थी हमारे टेलीविजन शो का वही स्पीड है. ये डेली सोप के स्पीड पर नहीं जायेगा अगर आप एक भी एपिसोड मिस करेंगे आपको आगे की कहानी समझ नहीं आएगी. मै बस यही कहूँगी कि आप हर एपिसोड को देखिये क्योंकि अगर आप एक भी एपिसोड मिस करेंगे तो आप कहानी मिस कर देंगे. मुझे लगता है इसकी खासियत यही है कि इसको देखते वक्त ये नहीं लगेगा कि आप एक टेलीविजन शो देख रहे हैं. मै जब इसके लिए शूट भी कर रही थी तो मुझे लग रहा था मै किसी की फिल्म की शूटिंग कर रही हूँ तो शायद आपको भी इसे देखते वक्त यही लगे कि आप टुकड़ों में फिल्म देख रहे हैं।

फैंस के लिए क्या कहना चाहेंगे?

सायली –हमारे शो 'पुकारः दिल से दिल तक' को बहुत सारा प्यार दीजिये. हमें उम्मीद है कि हम आपको निराश नहीं करेंगे. हम सब आपके लिए बहुत अच्छा शो लेकर आये हैं, और हम सभी ने बहुत मेहनत की है. शो देखिएगा और बहुत सारा प्यार दीजियेगा और अगर ना पसंद तो बेझिझक कमेंट कीजियेगा, हम उसपर भी काम करेंगे. हमें इतना प्यार और सपोर्ट देने के लिए बहुत बहुत शुक्रिया हमारा शो जरुर देखिएगा. देखिये पुकार रात 8:30 बजे सिर्फ सोनी एंटरटेनमेंट टेलीविजन पर।

इंटरव्यू के लिए mayapuri.com पर देखें

"इश्क विश्क रिबाउंड" का दूसरा गाना 'सोनी सोनी' रिलीज, चॉकलेटी बॉय रोहित सराफ की कातिलाना मुस्कान और अदाओं ने दिल जीत लिया!

जल्द ही खतरों के खिलाड़ी में नजर आने वाले हमारे नए खिलाड़ी महाजनी गश्मीर बिल्कुल स्टाइलिश दिखे, जब उन्हें शहर में हमारे पापा के साथ मस्ती करते हुए देखा गया

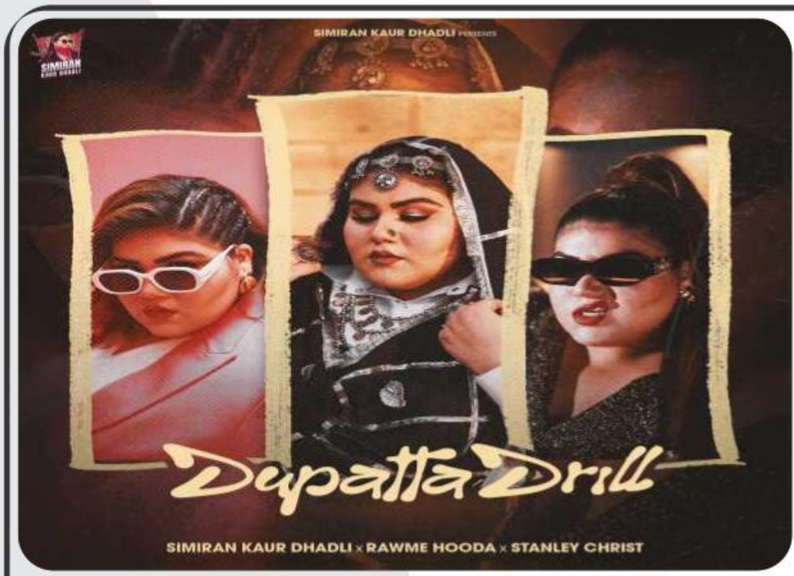

सिमरन कौर धादली अपने नवीनतम एकल दुपट्टा ड्रिल के साथ वापस आ गई हैं